



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 144]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 20, 2010/वैशाख 30, 1932

No. 144]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 20, 2010/VAISAKHA 30, 1932

गोवा राज्य तथा संघ राज्यक्षेत्रों के लिए संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग

अधिसूचना

गुडगांव, 19 मई, 2010

सं. जेईआरसी-11/2010.—गोवा राज्य तथा संघ राज्यक्षेत्रों के लिए संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग, विद्युत अधिनियम, 2003 (2003 का 36) की धारा 50 तथा 43 (1), धारा 44, धारा 46, धारा 47(4) तथा धारा 56 के साथ पठित धारा 181(1) तथा 181(2) तथा इस निमित्त सामर्थ्यकारी सभी अन्य का प्रयोग करते हुए, (i) ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार की विद्युत प्रदाय संहिता में विद्युत की चोरी को नियंत्रित करने के लिए उपायों को सम्मिलित करने के लिए “विद्युत (कठिनाईयों को दूर किया जाना) आदेश, 2005” संबंधी तारीख 8 जून, 2005 की अधिसूचना संख्या का.आ. 790(अ), (ii) सहकारी ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी द्वारा या उसी परिसर में रहने वाले उनके सदस्यों या कर्मचारियों द्वारा वितरण अनुज्ञप्तिधारी से एकल बिंदु पर विद्युत का प्रदाय अभिप्राप्त करने के लिए विद्युत (कठिनाईयों को दूर किया जाना) आठवां आदेश, 2005 संबंधी तारीख 9 जून, 2005 की अधिसूचना संख्या का.आ. 798(अ), के अनुपालन में, अनुज्ञप्तिधारी द्वारा विद्युत के प्रदाय तथा उनकी प्रक्रिया, अनुज्ञप्तिधारियों की शक्तियां, कृत्य तथा बाध्यताओं तथा उपभोक्ताओं के अधिकारों तथा बाध्यताओं तथा उससे संसक्त और उसके आनुषंगिक मामलों को शासित करने वाली विद्युत प्रदाय संहिता संबंधी निम्नलिखित विनियम बनाता है।

अध्याय

साधारण 1

1.1 संक्षिप्त नाम, विस्तार तथा प्रारंभ :

- (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम “संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग (विद्युत प्रदाय संहिता) विनियम, 2010” है।
- (2) ये विनियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

- (3) ये विनियम संपूर्ण गोवा राज्य तथा अंदमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, चंडीगढ़, दादरा तथा नागर हवेली, दमण तथा दीव, पुडुचेरी तथा लक्षद्वीप पर विस्तारित होंगे।
- (4) ये विनियम विद्युत के सभी वितरण अनुज्ञप्तिधारियों तथा उपभोक्ताओं को लागू होंगे।

2. परिभाषाएं

इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से, अन्यथा अपेक्षित न हो :

- (क) "अधिनियम" से विद्युत अधिनियम, 2003 अभिप्रेत है;
- (ख) "करार" से व्याकरणीय भिन्नताओं और सजात अभिव्यक्तियों के साथ इस अधिनियम के अधीन किसी अनुज्ञप्तिधारी और उसके उपभोक्ता के बीच किया गया करार अभिप्रेत है;
- (ग) "साधित्र" से अभिप्रेत है विद्युत साधित्र और इसके अंतर्गत सभी मशीनें, फिटिंग्स, उपसाधन और उपकरण सम्मिलित हैं;
- (घ) "प्रदाय का क्षेत्र" से ऐसा क्षेत्र अभिप्रेत है जिसके भीतर वितरण अनुज्ञप्तिधारी अपनी अनुज्ञप्ति द्वारा ऊर्जा के प्रदाय के लिए अधिकृत है;
- (ङ) "अधिकृत अधिकारी" से अधिनियम की धारा 135(2) के उपबंधों के अधीन समुचित या किसी अन्य प्रशासनिक प्राधिकरण द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अनुज्ञप्तिधारी अभिप्रेत है;
- (च) "ब्रेकडाउन" से विद्युत ऊर्जा के प्रदाय के लिए उपकरण से संबंधित घटना अभिप्रेत है जिसके अंतर्गत ऐसी विद्युत लाइन भी हैं, जो इसके सामान्य कार्यकारण को निवारित कर सकें;

- (छ) "विद्युत प्रदाय संहिता" से अधिनियम की धारा 50 के अधीन विनिर्दिष्ट विद्युत प्रदाय संहिता अभिप्रेत है;
- (ज) "आयोग" से गोवा तथा संघ राज्यक्षेत्रों के लिए संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग अभिप्रेत है;
- (झ) "कंडक्टर" से विद्युत ऊर्जा को संचालित करने के लिए प्रयुक्त कोई तार, केबल, बार, ट्यूब, रेल या प्लेट अभिप्रेत है तथा जो प्रणाली को विद्युत रूप से संयोजित किए जाने के लिए व्यवस्थित हो;
- (ञ) "संबद्ध भार" से उपभोक्ता के परिसर में साथ-साथ उपयोग किए जा सकने वाले सभी ऊर्जा उपभोग उपकरणों के विनिर्माता की रेटिंग का सकल भार अभिप्रेत है। इसे कंडब्ल्यू, केवीए या एचपी में अभिव्यक्त किया जाएगा तथा इसका अवधारण इन विनियमों में अधिकथित प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा।
- (ट) "उपभोक्ता" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो इस अधिनियम या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन जनता को विद्युत का प्रदाय करने के कारबार में लगा हुआ है और उसमें कोई ऐसा व्यक्ति भी है, जिसके परिसरों को विद्युत प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए, यथास्थिति, अनुज्ञप्तिधारी या ऐसे अन्य व्यक्ति के संकर्म के साथ तत्समय संयोजित किया हुआ है।
- (i) लो टेंशन उपभोक्ता (एलटी उपभोक्ता) यदि वह कम वोल्टता पर अनुज्ञप्तिधारी से विद्युत का प्रदाय अभिप्राप्त करता है।
- (ii) उच्च टेंशन उपभोक्ता (एचटी उपभोक्ता) यदि वह उच्च वोल्टता पर अनुज्ञप्तिधारी से विद्युत का प्रदाय अभिप्राप्त करता है।

- (iii) "अतिरिक्त उच्च टेंशन उपभोक्ता (ईएचटी उपभोक्ता)" यदि वह अतिरिक्त उच्च वोल्टता पर अनुज्ञप्तिधारी से प्रदाय अभिप्राप्त करता है।
- (ट) "उपभोक्ता का संस्थापन" से कोई ऐसी संमिश्रित विद्युत यूनिट अभिप्रेत है जिसमें विद्युत तार, फिटिंग्स, मोटर तथा साधित्र, पोर्टेबल तथा स्टेशनरी, उपभोक्ता के परिसरों में उपभोक्ता की ओर से संनिर्मित तथा लगाए हुए तार सम्मिलित हैं।
- (ड) "संविदागत मांग" से अनुज्ञप्तिधारी द्वारा प्रदाय किए जाने के लिए तय तथा उपभोक्ता द्वारा संविदागत और करार में विनिर्दिष्ट (जहां 1 एचपी = 0.746 केडब्ल्यूएच) यथास्थिति, केडब्ल्यू, केवीए या एचपी में भार अभिप्रेत है।
- (ढ) "संविदागत भार" से ऐसा संयोजित भार अभिप्रेत है जिसकी उपभोक्ता अपेक्षा करता है तथा जैसा करार में विनिर्दिष्ट है या सेवा के लिए स्वीकृति प्रदान की गई है।
- (ण) "कट-आउट" से किसी कंडक्टर के माध्यम से विद्युत ऊर्जा के प्रदाय या प्रवाह में स्वतः बाधा डालने के लिए कोई उपकरण अभिप्रेत है।
- (त) "प्रदाय की प्रारंभ की तारीख" से ऊर्जा की उपलब्धता के आशयित उपभोक्ता को सूचित करने की तारीख या ऐसे उपभोक्ता द्वारा संदाय की वास्तविक उपलब्धता की तारीख से तीन मास की अवधि की समाप्ति की तारीख के ठीक आगामी तारीख अभिप्रेत है।
- (थ) बिलिंग अवधि के लिए "मांग प्रभार" से आयोग के टैरिफ आदेश में उपबंधित प्रक्रिया के अनुसार निगमित संविदा मांग या अधिकतम मांग पर आधारित उपभोक्ता पर उदगृहीत भार अभिप्रेत है।
- (द) "वितरण मेन" से मुख्य मेन का वह भाग अभिप्रेत है जिसके साथ सेवा लाइन जोड़ी जानी है या जोड़े जाने के लिए आशयित है।

- (घ) "वितरण प्रणाली" से पारेषण लाइनों या उत्पादन केंद्र कनेक्शन पर परिदान बिंदुओं तथा उपभोक्ताओं के संस्थापन के कनेक्शन बिंदु के बीच तार प्रणाली तथा सहबद्ध सुविधाएं अभिप्रेत हैं।
- (न) "अर्थड या अर्थ से संयोजित" से ऐसी रीति से अर्थ के साधारण मैस के साथ संयोजन अभिप्रेत है जिससे सभी समयों पर यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऊर्जा के तत्कालिक प्रवाह बिना खतरे के हो।
- (प) "विद्युत लाइन" से ऐसी कोई लाइन अभिप्रेत है जिसका उपयोग किसी प्रयोजन के लिए विद्युत ले जाने के लिए किया जाता है तथा जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित है -
- (i) ऐसी किसी लाइन के लिए कोई सहारा, अर्थात् किसी संरचना, टावर, खंभा या चीज है जिसमें, जिस पर, जिसके द्वारा या जिससे किसी ऐसी लाइन को सहारा मिलता है या मिल सकेगा, ले जाई जाती है या निलंबित की जाती है; और
 - (ii) विद्युत ले जाने के प्रयोजन के लिए ऐसी किसी लाइन से संयोजित कोई साधन भी है;
- (फ) "विद्युत निरीक्षक" या "निरीक्षक" से समुचित सरकार या किसी अन्य प्रशासनिक प्राधिकारी द्वारा विद्युत अधिनियम, 2003 (2003 का 36) की धारा 162 की उपधारा (i) के अधीन नियुक्त विद्युत निरीक्षक अभिप्रेत है।
- (ब) "विद्युत" से,
- (i) किसी प्रयोजन के लिए उत्पादित, पारेषित प्रदाय की गई या व्यापार की गई; या
 - (ii) किसी संदेश के पारेषण के सिवाय किसी प्रयोजन के लिए उपयोग की गई,
- विद्युत ऊर्जा अभिप्रेत है।
- (भ) "अतिरिक्त ऊर्जा" से प्रदाय की गई विद्युत (टैरिफ के अनुसार केडब्ल्यूएच या केवीएच में यूनिटों) की मात्रा पर आधारित उपभोक्ता भार पर उद्गृहीत प्रभार अभिप्रेत है।

- (म) "अतिरिक्त उच्च वोल्टता (ईएचवी) या अतिरिक्त उच्च टेंशन (ईएचटी)" से ऐसी वोल्टता अभिप्रेत है जो 33,000 वोल्ट से अधिक है, जिसमें वैकल्पिक करंट है, 50 एचजेड फ्रिक्वेंसी है, तथापि, भारतीय विद्युत नियम, 1956 के अधीन अनुज्ञात प्रतिशतता फेरफार की शर्त के अधीन रहते हुए है।
- (य) "समूह उपयोक्ता" से सहकारी सोसाइटी अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत सहकारी समूह आवास सोसाइटी, या उसके कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाला कोई व्यक्ति अभिप्रेत है तथा सम्मिलित है।
- (कक) "उच्च वोल्टता (एचवी)" या "उच्च टेंशन (एचटी)" से 400 वोल्ट से उच्चतर वोल्टता, एसी, 50 एचजेड, किन्तु जो 33,000 वोल्ट से अधिक नहीं है, भारतीय विद्युत नियम, 1956 के अधीन अनुज्ञात प्रतिशतता फेरफार के अधीन रहते हुए, सामान्य परिस्थितियों में 50 एचजेड वैकल्पिक करंट हो।
- (खख) "भारतीय विद्युत नियम" या 'आईई नियम' से अधिनियम या इसके पश्चात, इसके अधीन बनाए गए नियमों के विस्तार तक भारतीय विद्युत नियम, 1956 अभिप्रेत है।
- (गग) "करार की आरंभिक अवधि" से करार के अनुसार प्रदाय के प्रारंभ की तारीख से आरंभ होने वाले एलटी प्रदाय की दशा में एक वर्ष की अवधि और एचटी की दशा में दो वर्ष अभिप्रेत है। करार की अनंतिम अवधि उस मास के अंत तक जारी रहेगी जिसमें एक/दो वर्ष की अवधि समाप्त हो जाती है।
- (घघ) "संस्थापन" से विद्युत ऊर्जा के उत्पादन, पारेषण, पारेषित, संपरिवर्तन, वितरण या उपयोग के प्रयोजन के लिए उपयुक्त संमिश्रित विद्युत यूनिट अभिप्रेत है।
- (डड) "अनुज्ञातिधारी" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे अधिनियम की धारा 14 के अधीन अनुज्ञाति प्रदत्त की गई हो।

(चच) "अनुज्ञप्त विद्युत ठेकेदार" से भारतीय विद्युत नियम, 1956 के नियम 45 के अधीन अनुज्ञप्त ठेकेदार अभिप्रेत है।

(छछ) "निम्न वोल्टता (एलवी) या निम्न टेंशन (एलटी)" से ऐसी वोल्टता अभिप्रेत है जो भारतीय विद्युत नियम, 1956 के अधीन अनुज्ञात फेरफार प्रतिशतता के सामान्य शर्त के अधीन रहते हुए, एक फेज पर 230 वोल्ट तथा तीन फेज पर 400 वोल्ट से अधिक नहीं हो, वैकल्पिक करंट 50 एचजेड हो।

(जज) प्रत्येक मास में "अधिकतम मांग" मीटर के अधिकतम मांग संसूचक द्वारा केवीए या केडब्ल्यू में मापित उच्चतर भार होगा जो मीटरिंग पर सभी केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के विनियमों के अनुसार संस्थापित किए जाने के लिए अपेक्षित है।

(झझ) "मीटर" से ऐसी युक्ति अभिप्रेत है जो केडब्ल्यूएच या केवीएच में ऊर्जा, केडब्ल्यू या केवीए में अधिकतम मांग, केवीएआरएच में रिएक्टिव ऊर्जा जैसे विद्युत की मात्रा को मापने के लिए हों जिसमें करंट ट्रांसफार्मरों (सीटी) तथा संभावी ट्रांसफार्मर जैसे उपसाधन सम्मिलित है तथा इसमें केवल भी सम्मिलित है जिनका उपयोग ऐसे मीटर के साथ कंजैक्शन में किया जाता है तथा ऐसा अहाता सम्मिलित है जिसका उपयोग हाउसिंग के लिए किया जाता है या ऐसे मीटर या उसके उपसाधनों तथा स्विचों या एमसीबी/भारसीमक पौसी युक्तियों के लिए किया जाता है या ऐसे फ्यूज सम्मिलित है जिनका उपयोग संरक्षण तथा परीक्षण प्रयोजनों के लिए किया जाता है।

(ञञ) "मास" से वह कैलेंडर मास या किसी विशिष्ट मास में मीटर पठन तारीख तथा ठीक उत्तरवर्ती मास की मीटर पठन की तारीख के बीच की अवधि अभिप्रेत है।

(टट) "अधिभोगी" से उस परिसर का अधिभोगी या व्यक्ति अभिप्रेत है, जहां ऊर्जा का उपयोग किया गया है, पर किए जाने का प्रस्ताव है।

(ठठ) "शिरोपरि लाइन" से ऐसी विद्युत प्रदाय लाइन अभिप्रेत है जो भूमि के तथा खुली वायु में लगी हुई है किन्तु इसमें संकर्षण प्रणाली की विद्युतमय रेलें सम्मिलित नहीं हैं।

(डड) "ऊर्जा कारक" से औसत मासिक ऊर्जा कारक अभिप्रेत है तथा यह मास के दौरान प्रदाय किए गए कुल किलोवाट एम्पायर घंटे के लिए कुल किलोवाट घंटे की प्रतिशतता के रूप में अभिव्यक्त अनुपात होगा या वह अनुपात होगा जो दो दशमलव अंकों में पूर्णांकित किया जा रहा हो।

(ढढ) "परिसर" में भूमि, भवन तथा संरचना सम्मिलित है।

(णण) "सेवा लाइन" से ऐसी विद्युत प्रदाय लाइन अभिप्रेत है जिसके माध्यम से,

(क) मुख्य वितरण से या तत्काल प्रदायकर्ता के परिसरों से एकल उपभोक्ता को, विद्युत का प्रदाय किया जाता है या किया जाना आशयित है।

(ख) उसी परिसर में उपभोक्ताओं के समूह को वितरण मुख्य से या वितरण मुख्य के उसी स्थान से प्रदाय किए गए परिसरों से विद्युत ऊर्जा का प्रदाय किया जाता है या किया जाना है। जब कि अन्यथा विनिर्दिष्ट न किया जाए वितरण मुख्य का साधारणतः अथवा निम्न टेंशन वितरण होगा।

(तत) "प्रणाली" से वह विद्युत प्रणाली अभिप्रेत है जिसमें सभी कंडक्टर तथा साधित्र विद्युत प्रदाय के सामान्य स्रोत से विद्युतीय रूप से जुड़े हों।

(थथ) "वितरण अनुज्ञप्तिधारी के कार्यनिष्पादन मानक संबंधी विनियम" से संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग (कार्य-निष्पादन मानक) विनियम, 2009 अभिप्रेत है।

(दद) "टैरिफ आदेश" से आयोग का ऐसा टैरिफ आदेश अभिप्रेत है जो विशिष्ट मामलों में लागू हो सकेगा।

(धध) “विद्युत की चोरी” का वही अर्थ है जो विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 135 में है।

सभी प्रयुक्त अन्य अभिव्यक्तियों, जो इसमें परिभाषित नहीं हैं, किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, का वही अर्थ होगा जो अधिनियम में है। इसमें प्रयुक्त अन्य अभिव्यक्तियों, जो इन विनियमों या अधिनियम में विनिर्दिष्ट रूप से परिभाषित नहीं हैं किन्तु विद्युत उद्योग को लागू संसद् द्वारा पारित किसी अन्य विधि के अधीन परिभाषित हैं, का वही अर्थ होगा जो ऐसी विधि में है।

उपरोक्त के अधीन रहते हुए, इसमें प्रयुक्त अभिव्यक्तियों, जो इन विनियमों या अधिनियम या संसद् द्वारा पारित किसी विधि में परिभाषित हैं, का वही अर्थ होगा जो साधारण विद्युत उद्योग में है।

इन विनियमों तथा अधिसूचित तारीख को विद्यमान निबंधनों तथा शर्तों के बीच असंगति की दशा में, इन विनियमों में अंतर्विष्ट उपबंध तथा अर्थ अभिभावी होंगे।

1.3 विद्युत प्रदाय संहिता का पुनर्विलोकन :

- (1) आयोग आवधिक आधार पर इस संहिता का पुनर्विलोकन करने के लिए विद्युत प्रदाय संहिता पुनर्विलोकन समिति (जिसे इसमें इसके पश्चात् पुनर्विलोकन समिति कहा गया है) गठित करेगा। पुनर्विलोकन समिति में गोवा राज्य तथा संघ राज्यक्षेत्रों से ऐसे सदस्य होंगे जो आयोग आवश्यक समझे, जिसमें निम्नलिखित क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति भी होंगे।

(क) गोवा राज्य तथा संघ राज्यक्षेत्रों के प्रत्येक वितरण अनुज्ञप्तिधारी;

- (ख) एलटी उपभोक्ता, एचटी उपभोक्ता, ईएचटी उपभोक्ता, उनके संगम तथा हितबद्ध समूह;
- (ग) उत्पादन कंपनी (चक्रानुक्रम द्वारा यदि एक से अधिक हों)।
- (घ) कोई अन्य व्यक्ति या हितबद्ध व्यक्ति या संगठन जो आयोग ठीक समझे।
- (2) आयोग एक सदस्य को पुनर्विलोकन समिति का अध्यक्ष नियुक्त करेगी। आयोग पुनर्विलोकन समिति के सदस्य-सचिव के रूप में कार्य करने के लिए आयोग से एक अधिकारी को नामनिर्दिष्ट करेगी। आयोग पुनर्विलोकन समिति को सभी अपेक्षित सहायता प्रदान करेगा।
- (3) पुनर्विलोकन समिति के सभी सदस्य दो वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किए जाएंगे।
- (4) पुनर्विलोकन समिति 6 मास में कम से कम एक बार अपनी बैठक करेगी। पुनर्विलोकन समिति का सदस्य-सचिव अध्यक्ष के अनुमोदन से बैठकें बुलाएगा। वह सभी सदस्यों को अग्रिम में कार्यवृत्त के साथ बैठक की सूचना भेजेगा।
- (5) अध्यक्ष, सदस्य-सचिव तथा सभी सदस्य पुनर्विलोकन समिति के अंशकालिक सदस्य होंगे। वे अपने-अपने मूल संगठन से वेतन, भत्ते तथा परिलब्धियां प्राप्त करेंगे।
- (6) पुनर्विलोकन समिति का सदस्य-सचिव पुनर्विलोकन समिति के सभी सदस्यों तथा अध्यक्ष को बैठक की तारीख से 15 दिन के भीतर बैठक की कार्यवाहियों को भेजेगा।

- (7) सभी अनुज्ञप्तिधारी, उत्पादन कंपनी, उपभोक्ता, उद्योग या किसी हितबद्ध व्यक्तियों या कारबार संगठन इन विनियमों के पुनरीक्षण के लिए लिखित में अपने सुझाव पुनर्विलोकन समिति के सदस्य-सचिव को भेज सकेंगे जिसमें इन विनियमों के कार्यान्वयन में आने वाली कठिनाईयों को पुनर्विलोकन समिति को संसूचित करेंगे। सभी अभ्यावेदनों को अभिलिखित किया जाएगा तथा पुनर्विलोकन समिति की बैठक में उन पर चर्चा की जाएगी। सदस्य-सचिव पुनर्विलोकन समिति से संबंधित संपूर्ण पत्राचार को बनाए रखेगा।
- (8) आयोग स्वप्रेरणा से या पुनर्विलोकन समिति की सिफारिशों पर इन विनियमों का संशोधन कर सकेगी। तथापि, इन विनियमों का कोई भी संशोधन जारी करने से पूर्व, संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग (कारबार संचालन) विनियम, 2009 में यथा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा।
- (9) इन विनियमों में किए गए संशोधनों की विषय-वस्तु की सूचना अनुज्ञप्तिधारी द्वारा कम से कम दो ऐसे समाचारपत्र में प्रकाशित की जाएगी जिसका परिचालन प्रदाय के क्षेत्र/प्रदेश में व्यापक रूप से हो जिसमें यह उल्लिखित होगा कि संशोधित प्रदाय संहिता की प्रतियां नीचे उपविनियम 10 में यथा उल्लिखित कार्यालय में क्रय के लिए उपलब्ध हैं।
- (10) समय-समय सम्यक् रूप से संशोधित इन विनियमों की प्रतियां क्षेत्रीय कार्यालय, प्रादेशिक कार्यालय, सर्कल कार्यालय, प्रभाग तथा उप-प्रभाग कार्यालयों, अनुज्ञप्तिधारी के वितरण केंद्रों तथा ऐसे अन्य कार्यालयों में रखी जाएंगी जो आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं। अनुज्ञप्तिधारी इसे अपनी वेबसाइट पर भी रखेगा।

अध्याय 2

प्रदाय की प्रणाली तथा उपभोक्ता का वर्गीकरण

2.1 प्रदाय की प्रणाली :

- (1) प्रत्यावर्ती धारा (एसी) की घोषित फ्रिक्वेंसी 50 एचजेड होगी। अनुज्ञप्तिधारी 49.00 एचजेड से 50.5 एचजेड के बीच फ्रिक्वेंसी बैंड में अबाधित ऊर्जा प्रदाय का प्रदाय यथासंभव करेगा तथा उसे बनाए रखेगा।

(2) एसी प्रदाय की घोषित वोल्टता निम्नानुसार होगी :

(क) लो टेंशन (एलटी)

(i) एकल फेज : फेज तथा न्यूट्रल के बीच 230 वोल्ट्स

(ii) तीसरा फेज : किसी भी दो फेजों के बीच 400 वोल्ट्स

(ख) हाई टेंशन (एचटी) तीन फेस : फेजों के बीच 11 केवी, 22 केवी, 33 केवी

(ग) अतिरिक्त हाई टेंशन (ईएचटी) तीन फेज : फेजों के बीच 66 केवी, 110 केवी, 132 केवी, 220 केवी

(3) अनुज्ञप्तिधारी पारेषण प्रणालियों के साथ संयोजन में वितरण प्रणाली डिजाइन करेगा, और प्रचालित करेगा। अनुज्ञप्तिधारी नीचे यथा अनुबद्ध घोषित वोल्टता के संदर्भ में सीमाओं के भीतर उपभोक्ता को प्रदाय आरंभ करने के स्थान पर वोल्टता को बनाए रखेगा :

(क) कम वोल्टता : (+) 6% तथा (-) 6% ;

(ख) उच्च वोल्टता : (+) 6% तथा (-) 9% ;

(ग) अतिरिक्त उच्च वोल्टता : (+) 10% तथा (-) 10% ;

जब कभी सक्षम प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझा जाए, ये परिवर्तन के अधीन रहते हुए हैं।

2.2 उपभोक्ता को प्रदाय की वोल्टता :

विभिन्न संविदा मांग या संविदा भार के लिए प्रदाय वोल्टता टैरिफ आदेश में यथा विनिर्दिष्ट होगी :

परंतु यह कि प्रणाली उपलब्धता या स्थिति पर निर्भर करते हुए, अनुज्ञप्तिधारी अपने विवेक से उपभोक्ता तथा आयोग को पूर्व सूचना देते हुए ऐसे विचलन के लिए उपरोक्त विनिर्दिष्ट अभिलिखित न्यायोचित से भिन्न वोल्टता पर उपभोक्ता को प्रदाय कर सकेगा।

2.3 उपभोक्ता का वर्गीकरण :

(1) उपभोक्ता, प्रदाय का टैरिफ तथा शर्तों का वर्गीकरण टैरिफ आदेश या अन्यथा में समय-समय पर आयोग द्वारा नियत किया जाएगा।

(2) जहां उपभोक्ता का किसी विशिष्ट प्रवर्ग के अधीन वर्गीकरण किया गया हो तथा तदनुसार बिल किया जाता है तथा यदि तत्पश्चात् यह पाया जाता है कि वर्गीकरण ठीक नहीं है तो उपभोक्ता को पंद्रह दिन की अवधि के भीतर

आपत्ति फाइल करने का सम्यक् रूप से अवसर देते हुए प्रस्तावित वर्गीकरण के संबंध में नोटिस के माध्यम से सूचित करेगा। अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ताओं के निवेदनों पर सम्यक् रूप से विचार करने के पश्चात् आयोग के अनुमोदन से वर्गीकरण को अंतिम रूप देगा।

- (3) आयोग द्वारा अनुमोदित वर्ग से भिन्न किसी भी अतिरिक्त प्रवर्ग को अनुज्ञप्तिधारी द्वारा बनाया जाएगा।

अध्याय 3

नए सर्विस कनेक्शन

3.1 अनुरोध पर विद्युत के प्रदाय के लिए अनुज्ञप्तिधारी की बाध्यता :

- (1) अनुज्ञप्तिधारी प्रदाय के अपने क्षेत्र में अवस्थित किसी परिसर के स्वामी या अधिभोगी द्वारा किए गए आवेदन पर, आवेदन की प्राप्ति तथा अपेक्षित प्रभारों के संदाय के एक मास के भीतर ऐसे परिसर को विद्युत का प्रदाय करेगा :
परंतु यह कि जहां ऐसे प्रदाय के लिए वितरण मेन का विस्तारण या नए सबस्टेशन स्थापित करना अपेक्षित है, वहां वितरण अनुज्ञप्तिधारी नीचे विनियम 2.7 में यथाविनिर्दिष्ट अवधि के भीतर ऐसा विस्तारण या नया उपकेंद्र स्थापित करने का कार्य पूरा होने के पश्चात् शीघ्र ही ऐसे परिसरों को विद्युत (जिसमें भार बढ़ाना है) का प्रदाय करेगा :

परंतु यह भी कि गांव या हमलेट या उस क्षेत्र, जिसमें विद्यमान विद्युत के प्रदाय के लिए कोई उपबंध नहीं है, से प्रदाय के लिए आवेदन की दशा में, आयोग मामला-दर-मामला आधार पर विनियम 3.7 के अधीन यथाविनिर्दिष्ट अवधि को बढ़ा सकेगा।

3.2 विद्युत के प्रदाय के ड्यूटी से अपवाद

- (क) जहां वितरण अनुज्ञप्तिधारी को अधिनियम की धारा 43 के अधीन उपरोक्त विनिर्दिष्ट परिसरों को प्रदाय करने के लिए विद्युत संयंत्र या विद्युत लाइन देनी हैं, वहां कोई भी व्यक्ति पृथक् प्रदाय को ध्यान में रखते हुए, किसी ऐसे परिसर के लिए विद्युत के अनुज्ञप्तिधारी के प्रदाय से मांग या उसे प्राप्त करने का तब तक हकदार होगा जब तक कि आयोग द्वारा यथा विनिर्दिष्ट ऐसी कीमत तथा प्रभारों को उसे संदाय करने के लिए अनुज्ञप्तिधारी सहमत न हो जाए।

- (ख) उपरोक्त विनियम 3.1 में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, किसी परिसर को विद्युत का प्रदाय करना वितरण अनुज्ञप्तिधारी की अपेक्षा के रूप में माना जाएगा, यदि वह चक्रवात, बाढ़, तूफान तथा उसके नियंत्रण से परे होने वाली घटनाओं से निवारित है।

3.3 वितरण प्रणाली विस्तारित करने के लिए अनुज्ञप्तिधारी की बाध्यता :

- (1) अनुज्ञप्तिधारी को यह सुनिश्चित करने की बाध्यता होगी कि वितरण प्रणाली प्रदाय के क्षेत्र में विद्युत की मांग को पूरा करने के लिए उन्नत, विस्तारित तथा सुदृढ़ है। जब कभी विद्यमान ट्रांसफार्मेशन क्षमता उसकी क्षमता के 80% तक भारित की जाती है, अनुज्ञप्तिधारी ऐसी ट्रांसफार्मेशन क्षमता के संवर्धन के लिए एक स्कीम तैयार करेगा।
- (2) अनुज्ञप्तिधारी विद्यमान उपभोक्ता तथा उसके द्वारा व्यवस्थित वार्षिक राजस्व या निधियों के माध्यम से मांग में भावी वृद्धि को पूरा करने के लिए वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने/उन्नत करने की लागत का वहन करेगा। और इस लागत की वसूली प्रस्ताव जांच के अधीन रहते हुए आयोग द्वारा टैरिफ के माध्यम से उपभोक्ताओं से अनुज्ञात की जाएगी।
- (3) नए कनेक्शनों की दशा में, उपभोक्ता सेवा कनेक्शन प्रभार अर्थात् आयोग द्वारा समय-समय पर यथा अनुमोदित प्रदान के स्थान से वितरण में तत्काल सर्विस कनेक्शन की लागत का वहन करेगा।
- (4) विस्तारण की वास्तविक लागत की संगणना करने में एकरूपता तथा सरलीकरण के लिए, अनुज्ञप्तिधारी एलटी लाइन, एचटी लाइन, विभिन्न क्षमताओं के उपकेंद्र आदि की प्रति यूनिट सामग्री लागत को दर्शित करने

के लिए तुरंत गणक तैयार करेगा। अनुज्ञप्तिधारी आयोग को सूचना देते हुए प्रत्येक वर्ष तुरंत गणक को अद्यतन करेगा।

- (5) यदि किसी नए कनेक्शन के संयोजित/संविदागत भार को 60 किलोवाट या उससे अधिक के लिए प्रक्षेपित किया जाना है तो पर्याप्त क्षमता का एक पृथक् ट्रांसफार्मर उपभोक्ता की लागत पर संस्थापित किया जाएगा। हाउसिंग के लिए अपेक्षित स्थान/कक्ष, ट्रांसफार्मर, उपकेंद्र, स्विचगियर, मीटर तथा पैनलों को निःशुल्क उपभोक्ता द्वारा प्रदान किया जाएगा जो आसानी से अनुज्ञप्तिधारी को प्राप्त हो सके।
- (6) वितरण मेन का कनेक्शन/विस्तारण, इस बात के होते हुए भी कि इसे उपभोक्ता द्वारा संदत्त किया गया है, अनुज्ञप्तिधारी की संपत्ति होगी। अनुज्ञप्तिधारी इसे अपनी लागत पर बनाए रखेगा तथा उसे किसी अन्य व्यक्ति को ऊर्जा के प्रदाय के लिए उसी सेवा कनेक्शन/विस्तारण का उपयोग करने का अधिकार होगा किन्तु ऐसे विस्तारण या सर्विस कनेक्शन से ऐसे उपभोक्ता के प्रदाय पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़ता हो, जो वितरण प्रदाय नेटवर्क के विस्तारण के लिए संदाय करता हो।
- (7) जब अनुज्ञप्तिधारी वितरण मेन के विस्तारण का कार्य पूरा कर लेता है तथा प्रदाय करने के लिए तैयार है, तब अनुज्ञप्तिधारी एलटी की दशा में, एक मास तथा एचटी या ईएचटी की दशा में, तीन मास के भीतर ऊर्जा प्रदाय लेने के लिए उपभोक्ता को नोटिस की तामील करेगा। यदि उपभोक्ता नोटिस अवधि के भीतर प्रदाय लेने में असफल रहता है तो नोटिस अवधि की समाप्ति के आगामी दिन से करार प्रवृत्त हो जाएगा तथा तत्पश्चात् उपभोक्ता करार के अनुसार यथा लागू प्रभाओं का संदाय करेगा।

3.4 उपभोक्ता द्वारा कार्य पूरा कर लेने पर सर्विस कनेक्शन/विस्तारण :

(1) उपभोक्ता के पास अनुज्ञप्त विद्युत ठेकेदार के समुचित वर्ग के माध्यम से अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अनुमोदित प्राक्कलनों तथा नक्शे के अनुसार अपने परिसरों तथा अनुज्ञप्तिधारी के विरतण मेनों से सेवा लाइन के कार्य करने; तथा ईएचटी तथा एचटी लाइन के विस्तारण के कार्य, अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अनुमोदित प्राक्कलनों तथा नक्शे के अनुसार अनुज्ञप्त विद्युत ठेकेदार के समुचित वर्ग के माध्यम से वितरण या एचटी सब-स्टेशन तथा एलटी लाइन के कार्य को करने का विकल्प होगा। ऐसे मामले में, उपभोक्ता स्वयं सामग्रियों की उपाप्ति करेगा। सामग्री सुसंगत बीआईएस विनिर्देशनों तथा उसके समतुल्य होना चाहिए तथा जहां लागू हो वहां पर आईएसआई चिह्न अंकित होना चाहिए। अनुज्ञप्तिधारी प्रयुक्त सामग्रियों की क्वालिटी के सत्यापन के लिए दस्तावेजी साक्ष्य मांग सकता है। उपभोक्ता से आयोग द्वारा अनुमोदित दरों के अनुसार पर्यवेक्षण प्रभारों का संदाय करने की अपेक्षा की जाएगी।

(2) उपभोक्ता विनियम 2.7 में यथा उपबंधित समय-सीमा के भीतर कार्य को पूरा करेगा तथा यदि उसे अधिक समय की आवश्यकता है तो समय बढ़ाने के लिए युक्तियुक्त आधार बताते हुए अनुज्ञप्तिधारी के पास अभ्यावेदन करेगा तथा अनुज्ञप्तिधारी उसके लिए उपभोक्ता को अपनी सूचना देगा।

3.5 नए कनेक्शन :

(1) विद्युत प्रदाय के नए कनेक्शनों या भार बढ़ाने तथा कमी करने के लिए आवेदन उस विहित प्ररूप, जिसकी प्रतियां अनुज्ञप्तिधारी के स्थानीय कार्यालय से निःशुल्क उपलब्ध होंगी, दो प्रतियों में किया जाएगा। अनुज्ञप्तिधारी आवेदन प्ररूपों को अपनी वेबसाइट पर डालेगा। खाली आवेदन प्ररूप की फोटो प्रतियों या अनुज्ञप्तिधारी की वेबसाइट से प्राप्त

किए गए प्ररूप को आवेदक द्वारा उपयोग किया जाएगा तथा उसे अनुज्ञप्तिधारी द्वारा स्वीकार किया जाएगा। अनुज्ञप्तिधारी द्वारा प्ररूप को भरने में अपेक्षित कोई सहायता या जानकारी दी जाएगी। अनुज्ञप्तिधारी किसी ऐसी अपेक्षा को पूरा करने के लिए प्ररूपों, यदि आवश्यक हो, को उपांतरित कर सकेगा, जो विनियमों के उपबंधों के अनुसार न हों, जिससे कि प्ररूपों को अधिनियम, अभिभावी नियमों, विनियमों के अनुरूप बनाया जा सके।

- (2) नए कनेक्शन देने के लिए प्रक्रिया, फीस, पदाभिहित अधिकारी से संबंधित सारी जानकारी अनुज्ञप्तिधारी के उप-कार्यालयों तथा कार्यालयों के नोटिस बोर्डों पर प्रदर्शित की जाएगी।
- (3) उपभोक्ता निम्नलिखित दस्तावेजों की सही प्रमाणित प्रतियां आवेदन प्ररूप के साथ प्रस्तुत करेगा। अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता से सत्यापन के लिए, यदि अपेक्षित हो, निम्नलिखित मूल दस्तावेजों की मांग कर सकेगा।

(क) परिसरों के स्वामित्व का सबूत जैसे रजिस्ट्रीकृत बिक्री विलेख या विभाजन विलेख या स्वामी के उत्तराधिकार, या वारिस प्रमाणपत्र या वसीयत,

या

अधिभोग का सबूत जैसे मुखतारनामा या नवीनतम किराया प्राप्ति या पट्टा विलेख या किराया प्रभार या संपत्ति के स्वामी द्वारा आबंटन आदेश की प्रति। कृषि/सिंचाई पम्प सेंटों के लिए प्रदाय की दशा में, भूमि राजस्व की प्राप्ति, जिसमें उस क्षेत्र जिसके लिए प्रदाय अपेक्षित है, का राजस्व प्लाट संख्या का उल्लेख हो।

परिसरों के स्वामित्व के सबूत के साथ भू-स्वामी की अभिवृत्ति अनुज्ञा की दशा में, -

- (क) भागीदारी फर्म की दशा में, भागीदारी विलेख अध्यक्षता प्रारूप तथा करार पर हस्ताक्षर करने के लिए आवेदक के नाम से प्राधिकार पत्र।
- (ख) पब्लिक या प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की दशा में, स्थायी पते के साथ अध्यक्षता प्रारूप और करार पर हस्ताक्षर करने के लिए आवेदक के नाम से प्राधिकारपत्र के साथ-साथ संगम-ज्ञापन तथा संगम-अनुच्छेद और सम्मेलन प्रमाणपत्र।
- (4) उपभोक्ता यह भी सूचित करेगा कि क्या सेवा लाइन तथा विस्तारण की लागत, यदि कोई हो, उसके द्वारा वहन की जाएगी या नहीं।
- (5) अनुज्ञप्तिधारी आवेदन की प्राप्ति के समय आवेदन तथा संलग्न दस्तावेजों को सत्यापित करेगा। यदि आवेदन पूरा हो तो उसी समय लिखित अभिस्वीकृति दी जाएगी। अन्यथा यदि आवेदन पूरा नहीं है तो उसकी कमियों को बताया जाना चाहिए।
- (6) किसी भी परिस्थिति में, विद्युतीकृत क्षेत्र में नए कनेक्शन के लिए इंकार नहीं किया जाएगा, यदि वह कानूनी अपेक्षाओं को पूरा करता है तथा अधिनियम के अनुरूप है। यदि उपभोक्ता को उसके आवेदन में कनेक्शन जारी करने के लिए कोई और अपेक्षाओं के बारे में अनुबद्ध अवधि के भीतर सूचित नहीं किया जाता है तो आवेदन को स्वीकार किया गया समझा जाएगा तथा कनेक्शन देने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
- (7) यदि आवेदन प्रारूप में दी गई जानकारी गलत पाई जाती है या संस्थापन गलत है या विद्युतीकरण से अधिनियम/विद्युत नियमों/टैरिफ आदेश के

उपबंधों का उल्लंघन होगा तो अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता को सम्यक् सूचना देते हुए आवेदन को रद्द करेगा।

- (8) अनुज्ञप्तिधारी, यदि मार्गाधिकार, भूमि अर्जन, तकनीकी साध्यता तथा पारेषण क्षमता में कमी आदि, जिस पर उसका कोई युक्तियुक्त नियंत्रण नहीं है, के कारण विलंब के लिए उत्तरदायी नहीं होगा बशर्त प्रत्याशित विलंब की सूचना विद्युतीकरण के लिए विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर आवेदक को दे दी हो।

3.6 उपभोक्ताओं के विभिन्न प्रवर्गों को प्रदाय :

(अ) एलटी प्रदाय :

- (1) अनुज्ञप्तिधारी आवेदन की प्राप्ति के समय आवेदन तथा दस्तावेजों का सत्यापन करेगा। यदि आवेदन अधूरा पाया जाता है तो कमियों को 3 कार्य दिवस के भीतर लिखित में अनुपालन करने के लिए आवेदक को बताया जाएगा। उपभोक्ता से पूरा आवेदन प्राप्त होने के पश्चात अनुज्ञप्तिधारी पूर्ण आवेदन प्ररूप की प्राप्ति के दो कार्य दिवस के भीतर तत्काल उपभोक्ता को लिखित अभिस्वीकृति देगा। अनुज्ञप्तिधारी निरीक्षण की प्रस्तावित तारीख के संबंध में, आवेदक को सूचित करेगा जो शहरी क्षेत्रों में 5 कार्य दिवस तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 10 कार्य दिवस के भीतर की जानी चाहिए।

- (2) आवेदन की प्राप्ति पर, अनुज्ञप्तिधारी आवेदक के परिसरों का निरीक्षण करेगा तथा आवेदक अनुज्ञप्त ठेकेदार तथा उसके प्रतिनिधि के साथ निरीक्षण के समय उपस्थित रहेंगे। निरीक्षण के दौरान, अनुज्ञप्तिधारी -

- (i) प्रदाय का बिंदु तथा स्थान को विनिर्दिष्ट करेगा, जहां मीटर कंट-आउट/ एमसीबी को लगाया जाएगा।

(ii) प्रस्तावित लाइन तथा सब-स्टेशन का नक्शा तथा प्रदाय के बिंदु तथा उस निकटतम वितरण मेन, जहां प्रदाय दिया जा सके, के बीच की दूरी का अनुमान विनिर्दिष्ट करेगा।

(iii) यथा अपेक्षित, आवेदन प्ररूप में उल्लिखित विशिष्टियों को सत्यापित करेगा।

(iv) अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता द्वारा किए गए संपूर्ण कार्य का निरीक्षण करेगा तथा कार्य के संतोषजनक पाए जाने पर ही प्रदाय बहाल करेगा।

(v) यदि अनुज्ञप्तिधारी संतुष्ट नहीं है तो वह तत्काल कमियों को आवेदक को बताएगा। आवेदक त्रुटियों को दूर करेगा।

(3) (क) अनुज्ञप्तिधारी कनेक्शन बहाल करने के लिए प्राक्कलन तैयार करेगा।

(ख) प्राक्कलन में प्रतिभूति निक्षेप, सेवा लाइन बिछाने के लिए प्रभार वितरण मेन (यदि अपेक्षित हो) तथा सामग्री तथा सेवा कनेक्शन प्रभार आदि, जो समय-समय पर आयोग द्वारा अनुमोदित किए जाएं, सम्मिलित हैं।

(ग) अनुज्ञप्तिधारी लागत आंकड़ा बही प्रकाशित करेगा तथा युक्तियुक्त प्रभार पर किसी भी हितबद्ध पक्षकार को उपलब्ध कराएगा तथा उसे अपनी वेबसाइट पर भी डालेगा। उपरोक्त (ख) पर प्राक्कलन लागत आंकड़ा, बही में प्रकाशित आंकड़े के अनुसार होगा।

(घ) यदि कार्य विकासकर्ता/आवेदक/विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाना है तो अनुज्ञप्तिधारी लागत आंकड़े बही में यथा विनिर्दिष्ट प्राक्कलित लागत की प्रतिशतता के रूप में पर्यवेक्षण प्रभार प्रभारित

करेगा जिसे कार्य आरंभ होने से पूर्व अनुज्ञप्तिधारी के पास जमा किया जाएगा।

अन्य मामलों में, अनुज्ञप्तिधारी आवेदक द्वारा प्राक्कलन लागत जमा करने के पश्चात् ही कार्य आरंभ करेगा।

(ड) कार्य के पूरा होने के पश्चात् ही अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अंतिम बिल तैयार किया जाएगा।

- यदि अंतिम बिल प्राक्कलित लागत से अधिक है तो कनेक्शन देने से पूर्व अंतर को आवेदक द्वारा जमा किया जाएगा।

- यदि बिल कम है तो अंतर को आवेदक की वर्तमान खपत के मद्दे पश्चात्तवर्ती विद्युत बिलों में समायोजित किया जाएगा।

(4) यदि विद्यमान मेंनों से प्रदाय करना संभव है तो अनुज्ञप्तिधारी 20 दिन के भीतर, प्रतिभूति निक्षेप तथा यथा लागू अन्य प्रभारों की रकम के बारे में उपभोक्ता को बताएगा। उपभोक्ता को पूर्ण रकम 7 कार्य दिवस के भीतर संदेय होगी जिसके पश्चात् ही सेवा लाइन बिछाने का कोई भी कार्य आरंभ किया जाएगा। अनुज्ञप्तिधारी सेवा कनेक्शनों के लिए करार निष्पादित करने की सूचना भी उपभोक्ता को देगा।

(5) यदि उपभोक्ता को प्रदाय बहाल करने के लिए विस्तार मेन का विस्तार किया जाना आवश्यक है तो अनुज्ञप्तिधारी शहरी क्षेत्रों में 15 दिनों के भीतर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 20 दिन के भीतर उपभोक्ता को वितरण मेन के विस्तारण प्रभारों, सेवा लाइन बिछाने, प्रतिभूति निक्षेप की रकम, यथा लागू अन्य प्रभारों के संबंध में बताएगा तथा उसे उस बात की सूचना भी देगा

यदि उपभोक्ता द्वारा कोई अतिरिक्त औपचारिकताएं अपेक्षित हों। यदि जहां उपभोक्ता को सेवा लाइन बिछानी है तथा मेन का विस्तारण किया जाना है तो उपभोक्ता ऐसे अन्य प्रभारों, जो लागू हों, के संदाय के अतिरिक्त, वितरण मेन के विस्तारण तथा सेवा लाइन बिछाने की लागत संबंधी पर्यवेक्षण प्रभारों का संदाय करेगा। सभी औपचारिकताओं को पूरा करने के साथ ही 7 कार्य-दिवस के भीतर रकम पूर्ण रूप से संदेय होगी जिसके पश्चात ही वितरण मेन तथा सेवा लाइन बिछाने के कार्य को किया जा सकता है।

- (6) अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता के अनुरोध पर, 7 दिनों के बाद, 15 दिनों तक संदाय की तारीख को बढ़ा सकेगा किन्तु इस बढ़ाए गए समय को कनेक्शन देने में विलंब नहीं माना जाएगा तथा उक्त अवधि के दौरान कोई प्रतिकर संदत्त नहीं किया जाएगा। यदि उपभोक्ता 15 दिनों के भीतर औपचारिकताओं को पूरा करने में असफल रहता है तो अनुज्ञप्तिधारी अगले 15 दिनों के भीतर औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए सूचना देगा जिसके असफल रहने पर प्रदाय करने की उसकी अध्यक्षता को रद्द किया जाएगा। तत्पश्चात उपभोक्ताओं, यथास्थिति, प्रदाय तथा अतिरिक्त प्रदाय के लिए पुनः आवेदन करना होगा।
- (7) उपभोक्ता द्वारा उपरोक्त यथा उपदर्शित प्रभारों के निक्षेप पर, करार के निष्पादन तथा इस बात की सूचना कि सेवा लाइन तथा विस्तारण कार्य पूरा कर दिया गया है, अनुज्ञप्तिधारी तीन कार्य दिवस के भीतर उपभोक्ता के संस्थापन की परीक्षण की तारीख के बारे में उपभोक्ता को सूचित करेगा। उपभोक्ता यह सुनिश्चित करेगा कि अनुज्ञप्त विद्युत ठेकेदार, जिसने वायरिंग का कार्य किया है, परीक्षण के दौरान मौजूद था।

- (8) उपभोक्ता के संस्थापन का परीक्षण करने पर, यदि अनुज्ञप्तिधारी/सक्षम प्राधिकारी परीक्षण परिणाम से संतुष्ट हो जाता है तो अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता की उपस्थिति में, कट-आउट या एमसीबी, मीटर को सील करेगा तथा प्रदाय बहाल करेगा।

(आ) बहु-उपभोक्ता काम्पलेक्स, जिसमें वाणिज्यिक काम्पलेक्स भी है, को एलटी प्रदाय :

- (9) ऐसे भवन या भवनों के समूहों, जिनके पास 30 केवी से अधिक कुल भार के साथ एक से अधिक कनेक्शन हैं, को नई ऊर्जा प्रदाय बहाल करने के प्रयोजन के लिए, परिसरों को बहु-उपभोक्ता काम्पलेक्स के रूप में माना जाएगा। ऐसे नए कनेक्शन को एकल मीटर के साथ दिया जाएगा। तथापि, यह व्यक्ति कनेक्शन के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति स्वामी को निर्बंधित नहीं करेगा तथा अनुज्ञप्तिधारी ऐसा कनेक्शन एलटी पर स्वीकृत करेगा। आवेदक/विकासकर्ता/विकास प्राधिकरण अनुज्ञप्तिधारी के उपकेंद्र 33/11 केवी या 11/0.4 केवी, से वितरण नेटवर्क के लिए, व्यक्ति स्वामी के परिसरों में कनेक्शन आउट-लेटों तक, उसकी स्वयं की लागत पर अपेक्षित संपूर्ण अवसंरचना को विकसित तथा संनिर्मित करने के लिए उत्तरदायी होगा।

33 केवी/1.1 केवी ऊर्जा उप-केंद्र, यदि अपेक्षित हो, के संनिर्माण/संवर्धन की लागत अनुज्ञप्तिधारी द्वारा वहन की जाएगी।

टिप्पण : विकासकर्ता/संनिर्माता, सोसाइटी/उपभोक्ता में कोई ऐसा अभिकरण सम्मिलित है चाहे वह सरकारी स्थानीय निकाय या निजी हो जो बहु-उपभोक्ता काम्पलेक्स का संनिर्माण करते हैं।

- (10) मीटरों को सामान्यतः इन विनियमों के अध्याय 7 में उल्लिखित प्रक्रिया के अनुसार भूतल पर लगाया जाएगा।
- (11) ट्रांसफार्मर सब-स्टेशन तथा मीटर लगाने के लिए अपेक्षित भूमि/कक्ष विकासकर्ता/ विनिर्माता/सोसाइटी/उपभोक्ता द्वारा निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे जिसके लिए अनुज्ञप्तिधारी द्वारा किराया या प्रीमियम का भुगतान नहीं किया जाएगा। ट्रांसफार्मरों को मुख्यतया खुले क्षेत्रों में लगाया जाएगा। यदि ट्रांसफार्मरों को अपरिहार्य कक्ष या बंद क्षेत्र में लगाया जाता है तो विद्यमान नियमों तथा विनियमों के अनुसार सभी सुरक्षोपाय किए जाएंगे।
- (12) लिफ्ट, जल पम्प आदि जैसी सामान्य प्रसुविधाओं के लिए कनेक्शन बिल्डर/ विकासकर्ता/सोसाइटी के नाम में दिया जाएगा।
- (13) यदि मूल अनुमोदित प्लान बहु-उपभोक्ता काम्पलेक्स के लिए है, किन्तु बिल्डर/ विकासकर्ता/सोसाइटी/उपभोक्ता उसके एक भाग के लिए कनेक्शन लेना चाहता है तो कनेक्शन को बहु-उपभोक्ता काम्पलेक्स के रूप में दिया गया समझा जाएगा।
- (14) यदि भवन बहु-उपभोक्ता काम्पलेक्स प्रवर्ग के अधीन आता है तथा ऐसे भवन को प्रदाय देने के लिए, जिससे पहले नहीं दिया गया था, पर्याप्त क्षमता के पृथक वितरण ट्रांसफार्मरों की आवश्यकता हो तो इसे बिल्डर/विकासकर्ता/ सोसाइटी/ उपभोक्ता की लागत पर दिया जाएगा। वैकल्पिक रूप से, बिल्डर/ विकासकर्ता/ सोसाइटी/उपभोक्ता विद्यमान 11/04 केवी उप-केन्द्र की क्षमता बढ़ाने की अतिरिक्त लागत का वहन करेगा यदि अनुज्ञप्तिधारी द्वारा इसे आवश्यक समझा जाए।

- (15) बहु-उपभोक्ता या वाणिज्यिक काम्प्लेक्सों को विद्युत के प्रदाय के लिए बिल्डर/ विकासकर्ता/सोसाइटी/उपभोक्ता से अध्यक्षता की प्राप्ति पर अनुज्ञप्तिधारी यथा लागू उपरोक्त विनियम 3.6(1) से 3.6 (8) में दी गई प्रक्रिया के अनुसार प्रदाय को बढ़ाने के लिए कार्रवाई करेगा।
- (ई) हाउसिंग कालोनियों तथा बहुमंजिली भवनों को एलटी प्रदाय :
- (16) विकासकर्ता/बिल्डर/सोसाइटी/उपभोक्ता की हाउसिंग कालोनी, विस्तारण की लागत जिसमें 11 केवी लाइन की लागत भी सम्मिलित हैं, वितरण ट्रांसफार्मर तथा एलटी लाइनों/एलटी केबलों की लागत का वहन करेंगे। 33/11 केवी के ऊर्जा उपकेंद्र की क्षमता के संनिर्माण/संवर्धन की लागत, का वहन यदि अपेक्षित हो, अनुज्ञप्तिधारी द्वारा किया जाएगा।

टिप्पण: विकासकर्ता/बिल्डर/सोसाइटी/उपभोक्ता में ऐसे कोई अभिकरण हैं चाहे वह सरकारी, स्थानीय निकाय या निजी हो, जो भवन/कालोनी का संनिर्माण करते हैं।

- (17) हाउसिंग कालोनी को प्रदाय के लिए बिल्डर/विकासकर्ता/सोसाइटी/उपभोक्ता से अध्यक्षता की प्राप्ति पर अनुज्ञप्तिधारी, यथा लागू विनियम 3.6(1) से 3.6(8) में दिए गए प्रदाय को विस्तारित करने के लिए कार्रवाई करेगा।

समूह उपभोक्ताओं को प्रदाय :

- (18) समूह उपभोक्ता एकल बिंदु पर वितरण अनुज्ञप्तिधारी द्वारा प्रदाय के विकल्प के लिए पात्र होगा बशर्ते कि प्रदाय का उपयोग प्रारंभिकतः आवासीय प्रयोजनों के लिए किया जाता हो जिसमें समूह उपभोक्ताओं के लिए सामान्य सुविधाओं का भार जैसे पम्पिंग जल प्रदाय के लिए पम्प तथा सामान्य क्षेत्रों के प्रकाश आदि सम्मिलित है। ऊर्जा के कुल खपत के 10% या उससे ऊपर की ऊर्जा की खपत एलटी वाणिज्यिक टैरिफ में जोड़ी

जाएगी। समूह उपभोक्ता कनेक्शन लेने के समय या संविदा मांग में वृद्धि के समय अनुज्ञप्तिधारी को संयोजित भार के साथ प्रत्येक गैर-घरेलू प्रतिविधियों के ब्यौरे देगा।

(19) समूह उपभोक्ता से विनियम 3.5 के अधीन विनिर्दिष्ट रीति में अध्यपेक्षा की प्राप्ति पर, अनुज्ञप्तिधारी आवेदन की प्राप्ति के समय आवेदन तथा संलग्न दस्तावेजों को सत्यापित करेगा। सहकारी समूह आवास सोसाइटी की दशा में, सहकारी सामूहिक आवास सोसाइटी के रजिस्ट्रीकरण की प्रमाणित प्रति एकल बिंदु पर प्रदाय की अपेक्षा वाले आवेदन के साथ संलग्न की जाएगी।

(20) इन विनियमों के उपबंध ऐसे व्यक्ति के अधिकार पर प्रभाव नहीं डालेंगे जो निम्नलिखित निबंधनों तथा शर्तों पर क्षेत्र के वितरण अनुज्ञप्तिधारी से प्रत्यक्षतः विद्युत के मांग प्रदाय के लिए सहकारी सामूहिक आवास सोसाइटी द्वारा बेचे गए या पट्टाधृत घरों में रहते हैं :

(i) सहकारी समूह हाउसिंग सोसाइटी वितरण को अनुज्ञप्तिधारी से सीधे विद्युत का प्रदाय लेने के लिए सोसाइटी के हर व्यक्ति को अनुज्ञा देनी चाहिए।

(ii) सहकारी सामूहिक आवास सोसाइटी को निम्नलिखित की बाबत कोई आपत्ति नहीं होगी

(क) ऐसे व्यक्ति को अनुज्ञप्तिधारी द्वारा प्रदाय विद्युत अनुज्ञप्तिधारी के वितरण नेटवर्क से दिया जाएगा

(ख) ऐसे व्यक्ति को प्रदाय बहाल करने के लिए अनुज्ञप्तिधारी द्वारा पर्याप्त वितरण नेटवर्क का विस्तारण।

- (ग) समूह उपयोक्ता के परिसरों में अनुज्ञप्तिधारी के नेटवर्क के किसी स्थान पर जाने के लिए अनुज्ञप्तिधारी के प्रतिनिधि के लिए पहुँच प्रदान की जाएगी, जिसमें बिना किसी बाधा के सेवा बाध्यताओं का निर्वहन करने के लिए ऐसे उपभोक्ता के प्रदाय का स्थान सम्मिलित है।
- (घ) अनुज्ञप्तिधारी द्वारा ऐसे उपयोक्ता के परिसरों में पर्याप्त स्थान पर मीटर लगाए जाएंगे तथा ऐसे उपभोक्ताओं द्वारा खपत के लिए विद्युत की रीडिंग तथा बिलिंग अनुज्ञप्तिधारी द्वारा की जाएगी।
- (ङ) अनुज्ञप्तिधारी घरेलू प्रवर्ग को लागू अनुमोदित दर पर ऐसे व्यक्ति द्वारा उपयोग की गई विद्युत के लिए प्रभारों की वसूली करेगा।
- (इ) कृषि/सिंचाई पम्प सेटों के लिए एलटी प्रदाय :
- (21) यथा लागू उपरोक्त विनियम 3.6(1) से 3.6(6) में अधिकथित प्रक्रिया का अनुसरण कृषि/सिंचाई पम्प सेटों को प्रदाय देने के लिए किया जाएगा जहां वितरण मेन का विस्तारण और/या वितरण ट्रांसफार्मर का संवर्धन आवश्यक नहीं है।
- (22) एक स्थान पर कृषि/सिंचाई पम्प सेट के लिए प्रदाय रजिस्ट्रीकृत सहकारी सोसाइटी या अनुज्ञप्तिधारी द्वारा मान्यताप्राप्त किसानों के समूहों को दिया जाएगा।
- (23) परिसरों के निरीक्षण पर, यदि यह पाया जाता है कि अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मर प्रदान करने के लिए वितरण मेन का विस्तारण तथा वितरण ट्रांसफार्मर क्षमता का अभिवर्धन आवश्यक है तो लागत आंकड़ा के अनुसार आवश्यक प्राक्कलन प्रचार किया जाएगा उसे समक्ष प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित किया जाएगा। सरकार या किसी समुचित प्राधिकरण से

सहायिकी पर विचार करने के पश्चात संकर्मों की लागत के मद्दे किसी भी रकम की सूचना उपभोक्ता को संदत्त किए जाने वाले प्रतिभूति निक्षेप जैसे अन्य प्रभारों के साथ दी जाएगी। उपभोक्ता द्वारा बताई गई रकम को जमा करने के पश्चात ऐसे पम्पसेटों के विद्युतीकरण का कार्य आरंभ किया जाएगा तथा विनियम 3.7 में यथा अधिकथित अवधि के भीतर पूरा किया जाएगा। नए कनेक्शन पहले आओ पहले पाओ के व्यापक सिद्धांत पर दिए जाएंगे। कार्य के पूरा करने के 7 कार्य दिवस के भीतर, अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता को संस्थापन की परीक्षण की तारीख के बारे में सूचित करेगा तथा उपभोक्ता के परिसरों में तार का निरीक्षण करेगा, यदि अनुज्ञप्तिधारी संतुष्ट हो जाता है तो कनेक्शन निरीक्षण के 3 कार्य दिवस के भीतर दिया जाएगा।

(24) कृषि उपभोक्ता, यदि वह ऐसी वांछा करे, प्रभारों, यदि कोई हों, का संदाय करने के पश्चात अनुज्ञप्तिधारी के अनुमोदन से अपने कनेक्शन के परिसरों के भीतर अवस्थान बदल सकेगा।

(उ) पब्लिक स्ट्रीट लाइट को एलटी प्रदाय :

(25) नए या अतिरिक्त सार्वजनिक स्ट्रीट प्रकाश के लिए ऊर्जा प्रदाय हेतु अध्यक्षता नगर निगम या नगरपालिका या नगरपालिका बोर्ड या ग्राम पंचायत या स्थानीय निकाय या सरकारी विभाग या सार्वजनिक स्ट्रीट प्रकाश के अनुसरण के लिए जिम्मेदार कोई अन्य संगठन (सार्वजनिक स्ट्रीट प्रकाश के संदर्भ में जिसे इसमें इसके पश्चात "स्थानीय निकाय" कहा गया है) किसी अन्य संगठन द्वारा अनुज्ञप्तिधारी के स्थानीय कार्यालय को विहित प्ररूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

- (26) सार्वजनिक प्रकाश की अध्यक्षों के साथ स्थानीय निकाय का संकल्प तथा पोलों की संख्या, विद्यमान या नए, जहां स्ट्रीट लाइट अपेक्षित है, को उपदर्शित करने वाले स्केचों को संलग्न किया जाएगा।
- (27) फिटिंगें, ब्रेकट्स या कोई विशेष फिटिंगें सुसंगत बीआईएस विनिर्देशनों या उसके समकक्ष होंगी तथा अभिभागी नियमों तथा विनियमों के अनुसार अपेक्षित निकासी को बनाए रखा जाएगा। स्थानीय निकाय सार्वजनिक स्ट्रीट प्रकाश के लिए ऊर्जा प्रदाय की व्यवस्था जिसमें फिटिंगें तथा ब्रेकट्स भी हैं, करने की पूर्ण लागत का वहन करेगा। यदि कोई विशेष फिटिंगें प्रदान की जानी हैं तो उसके लिए स्थानीय निकाय व्यवस्था करेगा।
- (28) अनुज्ञप्तिधारी आवेदन की तारीख से 20 दिन के भीतर लिखित में विस्तारण की लागत की सूचना देगा। कार्य को स्थानीय निकाय द्वारा रकम जमा करने तथा करार को निष्पादित करने के पश्चात ही आरंभ किया जाएगा।
- (29) ऊर्जा मीटर को लगाने के लिए एक उपयुक्त दोहरा कंपार्टमेंट जलरोधी मेटल बॉक्स तथा स्ट्रीट लाइट स्विच/एमसीबी/टाइमर की व्यवस्था अनुज्ञप्तिधारी द्वारा की जाएगी।
- (30) नगरपालिका निकाय/स्थानीय निकाय स्ट्रीट लाइट फिटिंगों तथा स्विचों को बचाए रखने तथा उन्हें और स्ट्रीट लाइट के स्विच को बंद करने के लिए जिम्मेदार होंगे। तथापि, अनुज्ञप्तिधारी संदाय आधार पर स्थानीय सूर्यास्त/सूर्योदय समय या अनुज्ञप्तिधारी तथा स्थानीय निकाय के बीच अन्य तय किए गए समय के अनुसार, बंद स्ट्रीट लाइट फिक्सरों का रखरखाव करेगा तथा सूर्यास्त से पूर्व पंद्रह मिनट पर प्रकाश व्यवस्था तथा सूर्योदय से 15 मिनट पूर्व स्विचों को बंद करेंगे। अनुज्ञप्तिधारी स्ट्रीट लाइट उपभोक्ताओं के अनुरोध पर, खंबों पर फिक्सर/बल्ब (एक ही वाट को) को

बदलेगा। फिक्सर, बल्ब आदि को उपभोक्ताओं द्वारा प्रदाय किया जाएगा और प्राप्ति के 7 दिन के भीतर अनुज्ञप्तिधारी द्वारा बदला जाएगा। ऐसी सभी सेवाएं प्रभाय होंगी। ऐसे रखरखाव प्रभारों को प्रकीर्ण प्रभारों की अनुसूची में सम्मिलित किया जाएगा।

(ऊ) अस्थायी ऊर्जा प्रदाय :

(31) 90 दिन से कम की अवधि या आयोग के प्रत्येक आदेश में यथा उपबंधित अवधि के लिए अस्थायी प्रकृति के प्रयोजनों के लिए ऊर्जा प्रदाय की अपेक्षा करने वाला व्यक्ति विहित प्ररूप में अस्थायी ऊर्जा प्रदाय के लिए आवेदन कर सकेगा। कनेक्शन की अवधि भवन संनिर्माण क्रियाकलापों तथा औद्योगिक उपभोक्ताओं द्वारा अपनी यूनिटों को स्थापित करने के प्रयोजन के लिए उपस्करों के संस्थापन के प्रयोजन के लिए दो वर्ष तक बढ़ाई जा सकेगी। अस्थायी प्रदाय के लिए आवेदन को सामान्यतः अग्रिम में दिया जाएगा। कतिपय आपवादिक मामलों जैसे विवाह, राजनीतिक बैठक आदि में आवेदन उस दिन को दिया जा सकता है जिस दिन प्रदाय अपेक्षित है। यथास्थिति, स्वामित्व/अधिभोग का सबूत या स्थानीय प्राधिकरण या परिसरों के स्वामी से अनुज्ञा, जहां अस्थायी कनेक्शन अपेक्षित है, आवेदन के साथ संलग्न किया जाना है।

(32) यदि उन परिसरों/स्थान, जहां 100 या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने की संभावना में अस्थायी प्रदाय आवश्यक है तो उपभोक्ता अधिनियम की धारा 54 के उपबंधों के अनुसार अनुपालन करेगा।

(33) यदि प्रदाय तकनीकी रूप से साध्य है, तो तत्समय प्रवृत्त आयोग के टैरिफ आदेश के अनुसार आवेदित प्रदाय की अवधि के लिए प्राक्कलित विद्युत खपत के लिए प्रभारों के साथ-साथ अनुज्ञप्तिधारी, सेवा लाइन, मीटर,

कट-आउट, एमसीबी तथा अन्य प्रभारों आदि की लागत के लिए उपभोक्ताओं द्वारा संदत्त किए जाने वाले प्रभारों की सूचना देगा।

उपभोक्ता के पास सामग्री समाप्त करने और प्रदाय को काटने के पश्चात् अनुज्ञप्तिधारी के भंडार के लिए अस्थायी कनेक्शन या जमा प्राप्ति के लिए प्रयुक्त सामग्री को लेने का विकल्प होगा।

- (34) यदि 90 दिनों के अधिक की अवधि के लिए अस्थायी प्रदाय अपेक्षित है तो अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता को अग्रिम में 90 दिनों के लिए प्राक्कलित खपत के लिए प्रभार संदाय करने की अनुज्ञा दे सकेगा तथा मासिक खपत के लिए बिलों की तामील करेगा। यदि उपभोक्ता समय पर अपने बिलों का संदाय करने में असफल रहता है और अनुज्ञप्तिधारी के अग्रिम में अतिशेष अवधि के लिए प्रभार सम्मिलित नहीं हैं, तो प्रदाय को काटा जाएगा।
- (35) अनुज्ञप्तिधारी जहां वितरण मेन का विस्तारण अपेक्षित नहीं है, प्रभारों के संदाय तथा 10 केडब्ल्यू तक के भार के लिए उपभोक्ताओं द्वारा अन्य अपेक्षाओं को अनुपालन करने के पश्चात्, 3 दिन के भीतर तथा 10 केडब्ल्यू से अधिक भार के लिए 15 दिन के भीतर प्रदाय बहाल करेगा, जहां वितरण मेन का विस्तारण अपेक्षित है वहां प्रदाय, एलटी उपभोक्ताओं की दशा में, 60 दिन के भीतर/एचटी उपभोक्ताओं के लिए 90 दिन के भीतर तथा ईएचटी उपभोक्ताओं के लिए 180 दिन के भीतर बहाल करेगा।
- (36) मीटर की रीडिंग यह सुनिश्चित करने के लिए अस्थायी कनेक्शन की अवधि के दौरान ली जा सकेगी कि वास्तविक खपत के लिए प्रभार प्राप्त अग्रिम संदाय से अधिक नहीं हैं।

- (37) अस्थायी प्रदाय की अवधि के समाप्त होने के पश्चात तथा प्रदाय को काटने के पश्चात, अनुज्ञप्तिधारी प्रदाय के काटे जाने की तारीख से 10 दिन के भीतर उपभोक्ता को अंतिम बिल भेजेगा तथा अतिशेष रकम, यदि कोई हो, मूलधन की प्राप्ति के अभ्यर्पण के 20 दिन के पश्चात या उपभोक्ता द्वारा क्षतिपूर्ति बंधपत्र प्रस्तुत करने पर वापस की जाएगी। उक्त समय सीमा के पश्चात किसी विलंब पर, अनुज्ञप्तिधारी उपरोक्त यथा विनिर्दिष्ट संदाय की अंतिम तारीख के पश्चात, दिनों की संख्या के लिए प्रतिदाय या बकाया रकम पर प्रतिमास @15% की दर से ब्याज का संदाय करेगा।

(ए) एचटी प्रदाय :

- (38) विहित प्ररूप में, एचटी पर विद्युत ऊर्जा के प्रदाय के लिए आवेदन की प्राप्ति के पश्चात अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता को साध्यता की समीक्षा के लिए स्थल के निरीक्षण की तारीख लिखित में बताएगा। अनुज्ञप्तिधारी निरीक्षण के 14 दिन के भीतर प्रदाय की साध्यता या अन्यथा की सूचना देगा। उपभोक्ता या उसका प्राधिकृत प्रतिनिधि निरीक्षण के समय हमेशा उपस्थित रहेंगे। यदि प्रदाय साध्य नहीं पाया जाता है तो अनुज्ञप्तिधारी प्रदायकर्ता की लाइन की प्रविष्टि के स्थान पर मीटर की स्थिति, मीटरिंग उपस्कर तथा प्रदायकर्ता के अन्य उपरोक्त प्वाइंट नियत करेगा। उपभोक्ता अनुज्ञप्तिधारी की लिखित अनुज्ञा से उपभोक्ता तथा अनुज्ञप्तिधारी के बीच हस्ताक्षरित करार के अधीन उसको विद्युत ऊर्जा के प्रदाय के साथ संयोजित स्वयं के एचटी, स्विचगियर तथा अन्य साधियों को लगा सकेगा किन्तु ऐसे अहाते में किसी अन्य प्रयोजन के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा। अनुज्ञप्तिधारी, अंतिम क्षण में जब कभी अपेक्षित हो, भू-केबल या एरियल बंचड केबल का उपयोग करने के लिए कह सकेगा। शिरोपर बेयर कंडेक्टर की बाबत "भू-केबल" या "एरियल बंचड केबल" बिछाने के कारण भार में हुए अंतर को अनुज्ञप्तिधारी द्वारा वहन किया जाएगा।

- (39) एचटी औद्योगिक उपभोक्ता को प्रदाय विशेषकर उद्योगों के लिए बनाए गए एचटी फीडर के माध्यम से किया जाएगा। निरंतर प्रक्रिया उद्योग या 3 एमवीए या उससे अधिक भार वाले उपभोक्ताओं की दशा में, निकटतम 33/11 केंवी या ईएचटी उपकेंद्र से पृथक् फीडर के माध्यम से अधिमानतः विस्तारित किया जा सकेगा।
- (40) नए एचटी उपभोक्ता को प्रदाय सामान्यतः ग्रामीण फीडर से विस्तारित किया जाएगा। यदि निकटतम 33/11 केंवी या ईएचटी सब-स्टेशन से पृथक् फीडर के विस्तारण की प्रतिषिद्ध लागत या किसी अन्य कारण के कारण, प्रदाय ग्रामीण फीडर से दिया जाता है तो उपभोक्ता को यह सूचित किया जाएगा कि प्रदाय को ग्रिड शर्तों, जिनका पालन किया जाएगा, के अनुसार ग्रामीण फीडरों पर अधिरोपित निबंधनों के अनुसार निर्बंधित और विनियमित किया जाएगा।
- (41) अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता को विस्तारण की लागत, यदि कोई हो, के लिए संदत्त किए जाने के लिए अपेक्षित प्रभारों, तथा प्रतिभूत निक्षेप तथा अन्य प्रभार, यदि कोई हो, के बारे में सूचित करेगा। प्रारूप करार तथा अपेक्षित जांच रिपोर्ट के प्रारूप की प्रतियां साथ-साथ भेजी जाएंगी।
- (42) प्रभारों के संदाय, जिसमें प्रतिभूति निक्षेप भी सम्मिलित है तथा करार निष्पादन के पश्चात्, अनुज्ञप्तिधारी मेन के विस्तारण का कार्य आरंभ करेगा। यदि उपभोक्ता बांछा करे तो वह अनुज्ञप्तिधारी के सम्यक् पर्यवेक्षण प्रभारों का संदाय करने के पश्चात्, अपने स्वयं का कार्य निष्पादित कर सकेगा। संस्थापन को पूरा करने के पश्चात् उपभोक्ता अनुज्ञप्तिधारी को परीक्षण रिपोर्ट देगा तथा संस्थापन के विद्युतीकरण के लिए विद्युत निरीक्षक से प्राप्त अनुज्ञा करेगा। रिपोर्टों की प्राप्ति पर, अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता के

संस्थापन के निरीक्षण की तथा परीक्षण की तारीख (7 दिन से अधिक) उपभोक्ता को लिखित में बताएगा। यदि उपभोक्ता का संस्थापन उचित पाया जाता है तो अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता की उपस्थिति में मीटर को ठीक करेगा तथा कनेक्शन बहाल करेगा।

(ऐ) अतिरिक्त उच्च टेंशन (ईएचटी) पर प्रदाय :

(43) ईएचटी पर विद्युत ऊर्जा के प्रदाय के लिए विहित प्ररूप में आवेदन की प्राप्ति के पश्चात, अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता को उसके संस्थापन की जांच करने के लिए निरीक्षण की तारीख लिखित में देगा। उपभोक्ता या उसका प्राधिकृत प्रतिनिधि निरीक्षण के समय हमेशा उपस्थित रहेंगे। यदि प्रदाय उपयुक्त पाया जाता है तो अनुज्ञप्तिधारी प्रदायकर्ता की लाइन पर प्रवेश स्थान, मीटर की स्थिति, मीटरिंग उपकरण तथा प्रदायकर्ता के अन्य उपकरणों को लगाएगा। अनुज्ञप्तिधारी आवेदन की प्राप्ति के 10 दिन के भीतर प्रदाय की साध्यता के बारे में सूचित करेगा।

(44) अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता को विस्तारण की लागत, यदि कोई हो, के लिए संदत्त किए जाने के लिए अपेक्षित प्रभारों, तथा प्रतिभूत निक्षेप तथा अन्य प्रभार, यदि कोई हो, के बारे में सूचित करेगा। प्रारूप करार तथा अपेक्षित जांच रिपोर्ट के प्ररूप की प्रतियां साथ-साथ भेजी जाएंगी।

(45) प्रभारों, जिसमें प्रतिभूति निक्षेप भी है, के संदाय तथा करार के निष्पादन के पश्चात, अनुज्ञप्तिधारी प्रदाय देने के लिए अपेक्षित विस्तारण का कार्य करेगा। उपभोक्ता अनुज्ञप्तिधारी के सम्यक पर्यवेक्षण प्रभारों को संदाय के पश्चात अपनी स्वयं की लागत पर कार्य निष्पादित कर सकेगा। कार्य 180 दिन के भीतर पूरा किया जाएगा।

- (46) उपभोक्ता द्वारा अपने आंतरिक विद्युत संकर्म को पूरा करने के पश्चात्, वह अनुज्ञप्तिधारी को जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा तथा आईई नियम के खंड 47 के अनुसार संस्थापन के विद्युतीकरण के लिए विद्युत निरीक्षण से अनुज्ञा लेगा। रिपोर्टों की प्राप्ति पर, अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता के संस्थापन के निरीक्षण तथा परीक्षण की तारीख लिखित में देगा। यदि उपभोक्ता के संस्थापन सही पाए जाते हैं तो अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता की उपस्थिति में मीटर को सील करेगा तथा कनेक्शन बहाल करेगा।

3.7 विभिन्न गतिविधियों को पूरा करने की समय-सीमा :

विभिन्न गतिविधियों को पूरा करने की समय-सीमा नीचे सारणी में दी गई है :

| क्रम सं. | सेवा का प्रभार | सेवा करने की समय-सीमा |
|----------|---|-----------------------|
| 1 | एलटी कनेक्शन | |
| | 1. पूर्ण आवेदन की प्राप्ति पर निरीक्षण की स्वीकृति तथा सूचना | 5 दिन |
| | 2. नोटिस भेजने के पश्चात् निरीक्षण | |
| | क. ग्रामीण क्षेत्र | 3 दिन |
| | ख. शहरी क्षेत्र | 7 दिन |
| | (i) यदि विस्तारण कार्य अपेक्षित नहीं है तो नया कनेक्शन विद्यमान नेटवर्क से दिया जाना है। | |
| | 3. प्राक्कलित प्रभारों के संदाय के लिए आवेदक को मांग नोट जारी किया जाना | |
| | क. ग्रामीण क्षेत्र | 3 दिन |
| | ख. शहरी क्षेत्र | 5 दिन |
| | 4. आवश्यक प्रभारों के संदाय के पश्चात् प्रदाय को आरंभ करने के लिए ऊर्जा उपलब्धता नोटिस की तामील | |
| | क. ग्रामीण क्षेत्र | |
| | ख. शहरी क्षेत्र | |
| | (ii) यदि विस्तारण कार्य या ट्रांसफार्मर क्षमता में वृद्धि अपेक्षित है | 5 दिन |
| | 5. प्राक्कलित प्रभारों के संदाय के लिए आवेदन को मांग पत्र कर जारी किया जाना | 7 दिन |
| | क. ग्रामीण क्षेत्र | {20 दिन} |
| | ख. शहरी क्षेत्र | |
| | 6. प्रदाय के आरंभ के लिए ऊर्जा उपलब्धता नोटिस की तामील | 30 दिन |

| | | |
|---|---|---|
| | करने वाले आवश्यक प्रभारों के संदाय के पश्चात सभी कनेक्शन | |
| 2 | <p>हाई टेंशन कनेक्शन</p> <p>क) आवेदन की प्राप्ति के पश्चात जानकारी साध्यता</p> <p>ख) प्राक्कलित प्रभारों (साध्यता की सूचना जारी करने के पश्चात) के मांग पत्र का जारी किया जाना</p> <p>(i) यदि कोई विस्तारण कार्य अंतर्वलित नहीं है</p> <p>(ii) यदि विस्तारण कार्य अंतर्वलित है</p> <p>ग) विद्युत निरीक्षण से निकासी की प्राप्ति के अधीन रहते हुए प्राक्कलित प्रभारों की प्राप्ति के पश्चात प्रदाय के प्रारंभ के लिए/कनेक्शन बहाल करने के लिए ऊर्जा उपलब्धता नोटिस की तामील</p> <p>(i) यदि कोई विस्तारण कार्य अंतर्वलित नहीं है</p> <p>(ii) यदि विस्तारण कार्य अंतर्वलित है</p> <p>- 11 केवी लाइन का संनिर्माण</p> <p>- 22 केवी या 33 केवी लाइन का संनिर्माण</p> | <p>10 दिन</p> <p>7 दिन</p> <p>45 दिन</p> <p>7 दिन</p> <p>30 दिन</p> <p>45 दिन</p> |
| 3 | <p>अतिरिक्त हाई टेंशन कनेक्शन</p> <p>क) आवेदन की प्राप्ति के पश्चात सूचित करने वाली साध्यता</p> <p>ख) साध्यता नोटिस जारी करने के पश्चात प्राक्कलन प्रभारों के मांग पत्र जारी किया जाना</p> <p>ग) प्राक्कलित प्रभारों की प्राप्ति के पश्चात प्रदाय के आरंभ के लिए/कनेक्शन बहाल करने के लिए ऊर्जा उपलब्धता नोटिस की तामील</p> <p>(i) ईएचटी लाइन का अंतर्वलित संनिर्माण/विस्तारण</p> <p>(ii) ईएचटी लाइन तथा अतिरिक्त ट्रांसफार्मर का अंतर्वलित संनिर्माण/ विस्तारण</p> | <p>10 दिन</p> <p>60 दिन</p> <p>45 दिन</p> <p>(विद्युत निरीक्षक से निकासी की प्राप्ति के अधीन रहते हुए)</p> <p>180 दिन</p> |

3.8 अनुज्ञप्तिधारी निम्नलिखित प्रवर्गों के संबंध में पूर्विकता रजिस्टर बनाए रखेगा :

- (क) जहां वितरण मेन का विस्तारण अपेक्षित नहीं है।
- (ख) जहां दो खम्बों तक वितरण मेनों का विस्तारण अपेक्षित है।
- (ग) दो से अधिक खम्बों के वितरण मेन का विस्तारण अपेक्षित है।

3.9 आयोग लिखित में अभिलिखित किए जाने वाले कारणों के लिए, विनियम 3.1 से 3.8 से विचलनों का निदेश दे सकेगा/अनुज्ञा दे सकेगा, यदि आयोग की राय में ऐसे विचलन के लिए परिस्थितियां विद्यमान हैं। आयोग अनुज्ञप्तिधारी के आदेश द्वारा ऐसे निदेश जारी कर सकेगा/अनुज्ञा दे सकेगा।

अध्याय 4

उपभोक्ता परिसरों में वायरिंग तथा साधित्र

4.1 उपभोक्ताओं के परिसरों पर वायरिंग :

- (1) उपभोक्ता तथा साधाण जनता की सुरक्षा के लिए, यह आवश्यक है कि उपभोक्ता के परिसरों पर वायरिंग भारतीय विद्युत नियम, 1956 के अनुरूप होनी चाहिए। वायरिंग के लिए प्रयुक्त सामग्री भारतीय मानक ब्यूरो तथा इसके समकक्ष सुसंगत विनिर्देशनों के अनुरूप होगी। जब कभी लागू हो, प्रयुक्त सामग्रियों पर आईएसआई चिह्नांकित होगा।
- (2) सभी विद्युत लाइनें, उपकरण तथा साधित्र ऊर्जा इंसुलेशन के पर्याप्त रेटिंग के होने चाहिए तथा ड्यूटी के लिए तथा प्राक्कलित फाल्ट करेंट तथा पर्याप्त यांत्रिकी क्षमता, जिनको किया जाना अपेक्षित है, संनिर्मित की जाएगी, संस्थापित की जाएगी तथा संकर्म को संरक्षित रखेगी तथा ऐसी शीति से बनाए रखी जाएगी जिससे मानव, पशु तथा संपत्ति की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके।
- (3) बीआईएस (भारतीय मानक ब्यूरो), जिसमें राष्ट्रीय विद्युत संहिता भी है, की पद्धति की सुसंगत संहिता का सभी संस्थापनों में अनुसरण किया जाएगा। तथापि, किसी भी प्रकार की विसंगतता होने पर, आईई नियम, 1956 के सुसंगत उपबंध अभिभावी होंगे। प्रयुक्त सामग्री तथा साधित्र उन सुसंगत बीआईएस विनिर्देशनों के अनुरूप होंगे जहां ऐसे विनिर्देशन उपलब्ध हों।
- (4) सभी विद्युत संस्थापन संकर्म भारतीय विद्युत नियम, 1956 के नियम 45 के अधीन तथा अपेक्षित अनुज्ञप्त विद्युत ठेकेदार द्वारा किए जाएंगे।

4.2 साधारण वायरिंग शर्तें :

(1) मेन :

सभी मामलों में, उपभोक्ता मेन अनुज्ञप्तिधारी के प्रदाय में स्थान के पीछे से होंगे तथा अनुज्ञप्तिधारी के साधित्रों से जोड़ने के लिए पर्याप्त केबल प्रदान किया जाएगा।

(2) स्विच तथा फ्यूज :

उपभोक्ता प्रदाय के प्रारंभ के स्थान के नजदीक प्रत्येक कंडेक्टर में करेंट ले जाने तथा ब्रेक करने के लिए अपेक्षित क्षमता के एमसीबी या शीघ्र ब्रेक मेन स्विच प्रदान किए जाएंगे। उपभोक्ता के परिसरों में स्विच टिकाऊ वायर पर होंगे तथा न्यूट्रल कंडेक्टर को पहचान के लिए वहां चिह्नांकित किया जाएगा जहां यह मीटर तक जोड़ने के लिए उपभोक्ता के मेन स्विच को छोड़ता है। किसी भी न्यूट्रल कंडेक्टर में कोई भी एकल खम्बा स्विच या कट-आउट नहीं लगाया जाना चाहिए।

(3) भार संतोलन :

तीन फेज प्रदाय लेने वाला उपभोक्ता आईई नियमों के अनुसार फेजों के बीच अपना भार संतोलन बनाए रखेगा।

(4) अर्थिंग :

अर्थिंग पाइप के साथ पर्याप्त अर्थिंग की जानी चाहिए तथा अर्थिंग प्रयोजन के लिए गैस तथा जल पाइप का प्रयोग नहीं किया जाएगा। सभी वायरिंग को यथासंभव गैस तथा जल पाइपों से दूर रखा जाएगा।

(5) घरेलू साधित्र :

उपभोक्ता परिसरों पर वायरिंग की सुरक्षा हेतु हीटरो, गीजर, वातानुकूलक तथा पृथक सर्किट तथा ओवन, माइक्रोवेव ओवन जैसे कुकिंग साधित्रों को

उपभोक्ता के मेन विस्तारण बोर्ड से तार के पर्याप्त आकार के साथ चलाया जाएगा। घरेलू साधित्रों के लिए सर्किटों पर प्रयुक्त दीवाल प्लग "अर्थ" से संयोजित किए जा रहे तीन पिन आकार, तीसरे पिन के होने चाहिए।

(6) प्लग :

सभी प्लग टिकाऊ स्विचों के साथ दिए जाएंगे तथा ये न्यूट्रल पर नहीं होना चाहिए। अधिमानतः प्लग अर्थ से संयोजित, तीसरे पिन वाले तीन पिन आकार के होने चाहिए।

4.3 अनुज्ञप्तिधारी की प्रणाली के साथ व्यक्तिकारी साधित्र :

अनुज्ञप्तिधारी प्रदाय को इस कारण से बंद कर सकेगा यदि उपभोक्ता ऐसा कोई उपकरण साधित्र को लगाता है, जिससे अन्य उपभोक्ता के प्रदाय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो। प्रदाय को अनुज्ञप्तिधारी के समाधान के लिए समुचित उपचारात्मक कार्रवाई करने पर प्रतिधारित किया जाएगा।

4.4 ए.सी. मोटर संस्थापन :

आवश्यक संरक्षित युक्तियों सहित नियंत्रण गियर के साथ मोटर प्रदान की जाएगी जिससे कि उपभोक्ता के संस्थापन का आरंभिक करेंट निम्नलिखित अनुसूची में दी गई सीमाओं से किसी भी दशा में अधिक न हो :-

| प्रदाय की प्रवृत्ति | संस्थापन का आकार | अधिकतम करेंट मांग की सीमा |
|---------------------|---|---------------------------|
| एकल फेज | 1.5 अश्व शक्ति तक तथा सहित | 6 x पूर्ण भार करेंट |
| तीसरा फेज | 3 अश्व शक्ति तक तथा सहित | 6 x पूर्ण भार करेंट |
| | 3 अश्व शक्ति से ऊपर तथा 15 अश्व शक्ति तक सहित | 2 x पूर्ण भार करेंट |
| | 15 अश्व शक्ति से ऊपर तथा 100 अश्व शक्ति सहित | 1.5 x पूर्ण भार करेंट |
| | 100 अश्व शक्ति से अधिक | 1.25 x पूर्ण भार करेंट |

इन विनियमों के अनुपालन में असफल रहने पर, उपभोक्ता तत्काल कनेक्शन काटे जाने के लिए दायी होगा।

4.5 उपभोक्ता के साधित्र :

उपभोक्ताओं द्वारा प्रयुक्त साधित्र/उपकरण/जुगत भारतीय मानक ब्यूरो या समतुल्य द्वारा विहित मानकों और विनिर्देशनों के अनुरूप होंगे।

4.6 संयंत्र तथा साधित्रों के ऊर्जा कारक :

(1) बेल्टिंग ट्रांसफार्मर :

बेल्टिंग ट्रांसफार्मर के साथ एक ही संस्थापन के लिए समुचित संस्थापित शंट कैपिसिटर अपेक्षित होंगे जिससे कि 90% से अन्यून ऊर्जा कारक को सुनिश्चित किया जा सके।

(2) इंडक्सन मोटर :

(क) प्रत्येक एलटी उपभोक्ता, जिसमें सिंचाई पम्प सेट उपभोक्ता भी है, जिसके संयोजित भार में 3 एचपी तथा उससे ऊपर के इंडक्सन मोटर भी है तथा अन्य कम ऊर्जा खपत वाले साधित्रों की व्यवस्था समुचित क्षमता में निम्न टेंशन शंट कैपिसिटर्स को संस्थापित करने के लिए की जाएगी जिससे उसके मोटरों के टर्मिनलों के आसपास उसकी लागत पर 90% से अन्यून के ऊर्जा कारक को सुनिश्चित किया जा सके।

(ख) 3 एचपी तथा उससे ऊपर की क्षमता के इंडक्सन मोटर सहित एलटी संस्थापन को प्रदाय तब तक नहीं किया जाएगा जब तक ऊर्जा कारक में सुधार लाने के लिए समुचित कैपिसिटर्स को संस्थापित नहीं किया जाता है।

(ग) आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट प्रतिशतता से कम निम्न ऊर्जा कारक वाले ऐसे उपभोक्ता समय-समय पर टैरिफ आदेशों में आयोग द्वारा यथा विनिर्दिष्ट दरों पर अधिभार का संदाय करेंगे।

(3) अनुज्ञप्तिधारी किसी ऐसे संस्थापन, जहां मास में औसत ऊर्जा कारण 70% से कम है और संस्थापित मीटर पीएफ मापने वाले है, को 15 दिन की सम्यक् सूचना देने के पश्चात, प्रदाय को रोक सकेगा। यदि एलटी

कैपिसिटर संस्थापित नहीं किए जाते हैं यदि संस्थापित किए गए हैं तो चालू नहीं है, ऐसे मामलों में, भी प्रदाय को कनेक्शन काटने की अवधि के दौरान यथा लागू उद्ग्रहण/न्यूनतम प्रभाओं के लिए अनुज्ञप्तिधारी के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, 15 दिनों की सम्यक् सूचना देने के पश्चात्, काटा जा सकता है।

4.7 हाई टेंशन उपभोक्ता :

निम्नलिखित नियंत्रक लगाए जाएंगे (आईई नियम 1056 का खंड 50 निर्दिष्ट करें)

- (1) ऐसे उपभोक्ताओं के लिए फ्यूजों के साथ लिंक स्विच तथा सर्किट ब्रेकर जिनके पास 1000 केवीए तक की क्षमता के कुल संस्थापित ट्रांसफार्मर/साधित्र है, यदि उनका प्रदाय 11 केवी तथा 2500 केवीए की वोल्टता पर और 53 केवी वोल्टता पर किया जाता है।
- (2) ऐसे उपभोक्ताओं के लिए लिंक स्विच के साथ सर्किट ब्रेकर जिनकी 1000 केएवी से अधिक क्षमता के कुल संस्थापित ट्रांसफार्मर/साधित्र है यदि उनका प्रदाय 11 केवी, 2500 केएवी से अधिक तथा 33 केवी पर किया जाता है।
- (3) दोनों दशाओं में, उपयुक्त संचालित सर्किट ब्रेकर्स प्रत्येक ट्रांसफार्मर के लो टेंशन पर तथा ट्रांसफार्मर से अलग प्रत्येक एलटी फीडर पर संस्थापित किया जाता है।

4.8 अतिरिक्त उच्च टेंशन उपभोक्ता :

अतिरिक्त उच्च टेंशन उपभोक्ता ट्रांसफार्मर केएचवी के एक तरफ सर्किट ब्रेकर संस्थापित करेगा (आईई नियम 1956 का खंड 50 निर्दिष्ट करें)।

4.9 एचटी/ईएचटी उपभोक्ता :

- (1) उपभोक्ता के संस्थापन में सभी ट्रांसफार्मर, स्विचगियर तथा अन्य विद्युत उपस्कर तथा जो प्रत्यक्षतः अनुज्ञप्तिधारी के फीडरों या लाइनों से जुड़े हुए हैं, उपयुक्त डिजाइन में होंगे तथा अनुज्ञप्तिधारी युक्तियुक्त समाधान के अधीन रहते हुए, उपभोक्ता द्वारा अनुरक्षित किए जाएंगे। उपभोक्ता के नियंत्रण गियर पर फ्यूजों तथा रिलों की पेंटिंग तथा उसके सर्किट ब्रेकरों की क्षमता अनुज्ञप्तिधारी के अनुमोदन के अधीन रहते हुए होगी।

- (2) विनियम 4.4 म अतर्विष्ट उपबधा में किसी बात के होते हुए भी, उपभोक्ता को विद्यमान विधियों, नियमों तथा विनियमों के उपबंधों के अनुसार संरक्षित युक्तियों का सर्किट ब्रेकरों की उपयुक्तता के बारे में विद्युत निरीक्षक का पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त करना आवश्यक होगा।
- (3) उपभोक्ता 90% तथा उससे अधिक पर ऊर्जा कारक को बनाए रखेगा। उपभोक्ता विनिर्दिष्ट ऊर्जा कारक से फेरफार के मद्दे आयोग द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट अधिभार का संदाय तथा प्रोत्साहन प्राप्त करने का दायी होगा। अनुज्ञप्तिधारी किसी ऐसे संस्थापन पर 15 दिन की सम्यक् सूचना देने के पश्चात प्रदाय को वहां रोक सकेगा जहां विसंयोजन की अवधि के दौरान यथा लागू उद्गृहीत मांग/न्यूनतम प्रभारों के लिए अनुज्ञप्तिधारी के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना औसत ऊर्जा कारक 70% से कम है।

4.10 उपभोक्ता के संस्थापन का निरीक्षण तथा परीक्षण :

- (1) यदि निम्न टेंशन उपभोक्ता की दशा में, किसी वायरिंग या साधित्र तथा उच्च टेंशन उपभोक्ता की दशा में, किसी ट्रांसफार्मर, स्विचगियर या अन्य विद्युत उपस्कर को प्रणाली से जोड़ने से पूर्व अनुज्ञप्तिधारी/सक्षम प्राधिकारी द्वारा निरीक्षण किया जाएगा तथा अनुमोदन अभिप्राप्त किया जाएगा तथा अनुज्ञप्तिधारी/सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के बिना कोई कनेक्शन नहीं लगाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सभी उच्च टेंशन संस्थापनों को विद्युत निरीक्षक द्वारा अनुमोदित किया जाना होगा तथा खानों में सभी विद्युत संस्थापनों को खान के निरीक्षण द्वारा अनुमोदित किया जाना होगा।
- (2) परीक्षण रिपोर्ट की प्राप्ति पर, अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता को उस समय तथा तारीख के बारे में बताएगा जब अनुज्ञप्तिधारी संस्थापन का निरीक्षण तथा परीक्षण करने का प्रस्ताव करता है। उपभोक्ता यह सुनिश्चित करेगा कि अनुज्ञप्त विद्युत ठेकेदार या उसका प्रतिनिधि, जो तकनीकी रूप से अर्हित है तथा उसके द्वारा नियोजित है, निरीक्षण के समय अनुज्ञप्तिधारी को उसके द्वारा अपेक्षित संस्थापन से संबंधित जानकारी देने के लिए मौजूद है। अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता को निरीक्षण रिपोर्ट की प्रति प्रदान करेगा तथा उपभोक्ता से उसकी अभिस्वीकृति अभिप्राप्त करेगा।

- (3) सभी एचटी साधित्रों की बाबत विनिर्माता का परीक्षण प्रमाणपत्र अनुज्ञप्तिधारी द्वारा, यदि आवश्यक हो, प्रस्तुत किया जाएगा।
- (4) अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता के परिसरों पर उसके संकर्म के साथ कंडक्टर्स तथा फिटिंगें तब तक नहीं जोड़ेगा जब तक कि युक्तियुक्त रूप से यह समाधान नहीं हो जाता है कि कनेक्शन देते समय, संस्थापन से कनेक्शन का रिसाव नहीं होगा या सुरक्षा की दृष्टि से साधित्रों को हानि नहीं पहुंचेगी। इंस्युलेशन प्रतिरोध का मूल्य आईई नियम, 1956 के नियम 48 में यथा उपबंधित होना चाहिए।
- (5) यदि उपभोक्ता के संस्थापन कनेक्शन के लिए सुरक्षित नहीं पाए जाते हैं तो अनुज्ञप्तिधारी दूर की जाने वाली त्रुटियों को विनिर्दिष्ट करते हुए, लिखित में उपभोक्ता को सलाह देगा। त्रुटियों को दूर करने की सूचना की प्राप्ति पर, अनुज्ञप्तिधारी संस्थापन का पुनः परीक्षण करेगा।
- (6) अनुज्ञप्तिधारी पहले परीक्षण के लिए कोई प्रभार उद्गृहीत नहीं करेगा। प्रारंभिक परीक्षण पर पाए गए दोष के कारण आवश्यक पश्चात्तवर्ती परीक्षण के लिए आयोग द्वारा अनुमोदित दरों के अनुसार प्रभार लेगा। अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता के परिसरों पर तारों के रखरखाव या परीक्षण के बारे में, किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी को स्वीकार नहीं करेगा।

4.11 विस्तारण तथा परिवर्तन :

- (1) कोई भी विद्युत संस्थापन कार्य, जिसमें परिवर्धन, परिवर्तन, मरम्मत तथा विद्यमान संस्थापनों के समायोजन भी सम्मिलित हैं, लैम्प, पंखे, फ्यूज, स्विचें, कम वोल्टता वाले घरेलू उपकरण तथा फिटिंगों के सिवाय जिनकी किसी भी दशा में क्षमता या विशेषताएं परिवर्तित नहीं होती हैं, ऐसे उपभोक्ता को प्रदाय के प्रयोजन के लिए, इस निमित्त अनुज्ञप्त विद्युत ठेकेदार के सिवाय तथा जो सदस्यता प्रमाणपत्र धारण करने वाले किसी व्यक्ति से पर्यवेक्षण के अधीन, किसी उपभोक्ता को या उसकी ओर से नहीं किया जाएगा। सभी उच्च टेंशन संस्थापनों के लिए भार के विस्तारण या परिवर्तन को विद्युत निरीक्षण द्वारा अनुमोदित किया जाना होगा तथा इसी

प्रकार खान में विद्युत के संस्थापनों के विस्तारण तथा परिवर्तनों को खान निरीक्षण द्वारा अनुमोदित किया जाना होगा।

- (2) यदि ऐसे प्रस्तारित विस्तारण तथा परिवर्तन के परिणामस्वरूप, स्वीकृत संयोजित भार या संविदा मांग पर संयोजित भार या संविदा मांग में वृद्धि की संभावना है तो, उपभोक्ता अतिरिक्त प्रदाय के लिए अध्यपेक्षा देने के उपाय करेगा। संयोजित भार या संविदा मांग में वृद्धि को नियमित कराने पर असफल रहने से विद्युत के अप्राधिकृत उपयोग के अधीन अध्याय 10 में यथाउपबंधित पैन्ल दरों पर बिलिंग नहीं की जा सकेगी किन्तु सम्यक् नोटिस देने के पश्चात प्रदाय को काटा जा सकेगा।

4.12 उपभोक्ताओं के परिसरों तक पहुंच :

- (1) कोई भी प्राधिकृत व्यक्ति, किसी भी युक्तियुक्त समय पर, तथा अभिभोगी को सूचना देने के आशय से, किसी ऐसे परिसर में प्रवेश करता है जिसके लिए विद्युत का प्रदाय किया गया है जिस पर अनुज्ञप्तिधारी द्वारा विद्युत प्रदाय लाइनें या अन्य संकर्म को विधिपूर्वक, (i) मीटर निरीक्षण तथा पठन (ii) प्रदाय कटाने (iii) अनुज्ञप्तिधारी के साधित्रों को हटाने (iv) उसकी संपत्ति के निरीक्षण, परीक्षण, मरम्मत, प्रतिस्थापन, परिवर्तन तथा रखरखाव या उपभोक्ता को प्रदाय के समुचित निरंतर तथा रखरखाव के लिए आवश्यक या आनुषंगिक सभी बातों के प्रयोजन के लिए किया गया है। उपभोक्ता के परिसरों का दौरा करने वाले ऐसे सभी व्यक्ति अनुज्ञप्तिधारी द्वारा जारी फोटो पहचान पत्र अपने साथ ले जाएंगे तथा उसे परिसरों पर प्रवेश करने से पूर्व, उपभोक्ता या अभिभोगी को दिखाया जाएगा। यदि प्रतिनिधि का चरित्र शंकास्पद पाया जाता है तो अनुज्ञप्तिधारी तत्काल उपभोक्ता की जांच करेगा।

- (2) प्राधिकृत व्यक्ति ऊर्जा के अप्राधिकृत उपयोग, अप्राधिकृत परिवर्तन तथा उपकरणों में परिवर्तन, ऊर्जा की चोरी तथा दुर्यपदेशन, ऊर्जा के मार्ग में बदलाव, मीटर का उपमार्ग तथा छेड़छाड़ के लिए या निरीक्षण तथा परीक्षण के लिए उपभोक्ता को सूचित करने के पश्चात् तत्काल परिसर में प्रवेश करने का हकदार होगा। ऊर्जा के अप्राधिकृत उपयोग, अप्राधिकृत परिवर्तन तथा उपकरणों में परिवर्तन, ऊर्जा की चोरी तथा दुर्यपदेशन, ऊर्जा का मार्ग बदलने या मीटर के उपमार्ग या छेड़छाड़ का पता लगने पर, अनुज्ञप्तिधारी विद्यमान विधियों के अनुसार कार्रवाई कर सकेगा।
- (3) परंतु यह कि किसी घरेलू परिसरों का निरीक्षण, परीक्षण या जांच ऐसे परिसरों में रहने वाले पुरुष सदस्य की उपस्थित के सिवाय सूर्यास्त तथा सूर्योदय के बीच नहीं की जाएगी।
- (4) यदि उपभोक्ता विनियम 4.12(2) तथा विनियम 4.12(3) में कथित कारणों के लिए परिसरों में प्रवेश करने के लिए अनुज्ञप्तिधारी या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि को जाने नहीं देता है तो अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता को प्रदाय को कटानों की अपने आशय की लिखित में 24 घंटे की सूचना दे सकेगा। यदि उपभोक्ता इसके बावजूद भी प्रवेश नहीं करने देता है तो अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता के प्रदाय को काटने का हकदार होगा।

4.13 संस्थापनों की रेटिंग :

- (1) उपभोक्ताओं के घरेलू प्रवर्ग के संयोजित भार का अवधारण उपाबंध 1 में दी गई प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा। भार का सर्वेक्षण सामान्यतः दो वर्षों में एक बार किया जाएगा। अनुज्ञप्तिधारी आवधिक रूप से चयनित क्षेत्रों में भार का सत्यापन भी कर सकेगा। तथापि, यदि अनुज्ञप्तिधारी के पास विश्वास करने का यह कारण है कि घरेलू कनेक्शन या घरेलू

कनेक्शनों का विशिष्ट समूह ऊर्जा को अप्राधिकृत रूप से बाधित करने में सम्मिलित है तो इस प्रयोजन के लिए प्राधिकृत व्यक्ति ऐसे उपभोक्ताओं के परिसरों का सर्वेक्षण कर सकेगा।

- (2) अनुज्ञप्तिधारी छह मास में एक बार सभी उपभोक्ताओं को विद्युत बिल के साथ "संयोजित भार की स्वयं घोषणा" के एक प्ररूप को तब भरेगा, यदि उसका अभिलिखित संयोजित भार से वास्तविक करंट संयोजित भार में अंतर है तथा बिल का संदाय करते समय उसे अनुज्ञप्तिधारी को भेजेगा। घरेलू उपभोक्ता उपाबंध 2 में दिए गए प्ररूप को पूरा करके वर्ष के दौरान किसी भी समय, अपने परिसर के बड़े हुए संयोजित भार की घोषणा कर सकेगा तथा उसे संयोजित भार में परिवर्तन के लिए अपेक्षा के साथ अनुज्ञप्तिधारी को प्रस्तुत करेगा।

आवेदन/घोषणा की प्राप्ति पर, अनुज्ञप्तिधारी परिसरों के भार का अवधारण करने के लिए उपभोक्ता के परिसरों का सर्वेक्षण करने की व्यवस्था करेगा। यदि निवेदन प्रस्तुत करने की तारीख से 30 दिनों के भीतर ऐसा सर्वेक्षण नहीं किया जाता है तथा आवेदित भार उपभोक्ता के अभिलिखित भार से अधिक है तो उपभोक्ता द्वारा घोषित किए गए भार को स्वीकार किया गया समझा जाएगा। अनुज्ञप्तिधारी तत्काल, अतिरिक्त प्रभारों, यदि कोई हों, के लिए मांग-पत्र जारी करेगा।

- (3) उपभोक्ता के घरेलू प्रवर्ग से भिन्न, सभी प्रवर्गों का संयोजित भार उपभोक्ताओं के परिसरों में सभी ऊर्जा खपत वाली युक्तियों के विनिर्माता की रेटिंग प्लेटों का कुल योग होगा, जिसका उपयोग साथ-साथ किया जा सकता है। इसे केडब्ल्यू, केवीए या एचपी में अभिव्यक्त किया जाएगा। संयोजित भार के अवधारण की प्रक्रिया के दौरान, यदि विनिर्माता की रेटिंग प्लेट उपलब्ध नहीं है तो, अनुज्ञप्तिधारी ऐसी युक्ति के भार का अवधारण

करने के लिए समुचित साधित्रों का उपयोग कर सकेगा। यदि वातानुकूलक तथा रूम हीटर उसी परिसर में पाए जाते हैं तो उच्चतर रेटिंग के साथ मद के भार को गणना में लिया जाएगा। बिक्री/मरम्मत या असली पुर्जों के प्रयोजन के लिए जमा की गई मदों को संयोजित भार के अवधारण के प्रयोजन के लिए नहीं समझा जाएगा। अनुज्ञप्तिधारी स्ट्रीट लाइटों तथा उनके भार के साथ उपयोग किए जा रहे लैंपों के प्रकार के अभिलेख का आवधिक सर्वेक्षण करेगा।

- (4) घरेलू प्रवर्ग के सिवाय सभी संस्थापन अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अपने स्व-विवेक पर रेटिंग/पुनः रेटिंग के अधीन रहते हुए होंगे, यदि उपभोक्ता अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अवधारित रेटिंग से संतुष्ट नहीं है तो वह साधित्रों के भार का अवधारण करने के लिए आयोग द्वारा अनुमोदित किसी मान्यताप्राप्त इंजीनियरिंग संस्थानों द्वारा साधित्रों की रेटिंग करा सकेगा। उपभोक्ता तथा अनुज्ञप्तिधारी, संस्थान पर भार का अवधारण करने की प्रक्रिया के दौरान अपने प्रतिनिधियों को नियुक्त कर सकेंगे। संस्थान द्वारा जारी अंतिम रिपोर्ट के साथ संचालित परीक्षण के ब्यौरे संलग्न किए जाएंगे। उक्त संस्थान द्वारा अवधारित रेटिंग अंतिम होगी तथा उपभोक्ता तथा अनुज्ञप्तिधारी द्वारा स्वीकार्य होगी।

- (5) जहां किसी कारण से अधिकतम मांग, ऊर्जा कारक या संस्थापन की बाबत किसी अन्य विद्युत मात्रा का अवधारण करना संभव नहीं है वहां अनुज्ञप्तिधारी रेटिंग/ पुनः रेटिंग द्वारा आवधिक रूप से ऐसी मात्रा का अवधारण करेगा तथा उस संबंध में प्रक्रिया आयोग द्वारा अनुमोदित की जाएगी।

- (6) संस्थापन में परिवर्धन या परिवर्तन के कारण यदि उपभोक्ता अपने संस्थान के लिए अनुज्ञप्तिधारी को आवेदन करता है तो विनियम 4.13(1) से 4.13(5) तक में उल्लिखित प्रक्रिया लागू होगी।

4.14 अनुज्ञप्तिधारी की प्रदाय प्रणाली के साथ उपभोक्ता संस्थापन में जनरेटर तथा सामान्तर प्रचालन :

- (1) अनुज्ञप्तिधारी की प्रणाली के साथ-साथ उपभोक्ता के संस्थापन में जनरेटर का प्रचालन अनुज्ञप्तिधारी की विपरीत सहमति से ही अनुज्ञेय है। तथापि, उपभोक्ता ऊर्जा प्रदाय न होने पर ही जनरेटर तथा इन्वर्टर लगा सकेगा तथा उनका उपयोग कर सकेगा तथा उपभोक्ता दोहरा लिंक स्विच चार्जर लगा सकता है जिससे कि जनरेटर/इन्वर्टर का करंट अनुज्ञप्तिधारी की वितरण प्रणाली में प्रक्षेपित न हो सके। जनरेटर/इन्वर्टर की क्षमता को संयोजित भार की संगणना करने के लिए गणना में लिया जाएगा।
- (2) जहां ऐसी कोई सहमति नहीं दी गई है वहां उपभोक्ता विद्युत पद्धति में प्रचालन करने के लिए अपने उत्पादन यूनिटों के संयंत्र, मशीनरी तथा साधित्रों, जिसमें विस्तारण या उनका परिवर्धन भी सम्मिलित है, की व्यवस्था करेगा तथा जनरेटर, किसी भी दशा में, अनुज्ञप्तिधारी की प्रणाली से संयोजित नहीं किया जाना चाहिए। अनुज्ञप्तिधारी, उपभोक्ता को सूचना देते हुए, परिसर में प्रवेश कर सकेगा तथा यह सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण करने की व्यवस्था कर सकेगा कि किसी भी समय जनरेटर अपनी प्रणाली को संयोजित नहीं करेगा।
- (3) जहां सामान्तर प्रचालन के लिए सहमति दे दी गई हो वहां उपभोक्ता अनुज्ञप्तिधारी की प्रणाली में बाधाओं से इसे संरक्षित करने के लिए अपने संस्थापन की व्यवस्था करेगा। उपभोक्ता को यह भी सुनिश्चित करना

चाहिए कि उसका प्रदाय अनुज्ञप्तिधारी की प्रणाली से ठीक प्रकार से संयोजित नहीं है। अनुज्ञप्तिधारी ऐसे सामानांतर प्रचालन के कारण उपभोक्ता के संयंत्र, मशीनरी तथा साधित्रों को हुए किसी नुकसान या उससे उद्भूत किसी प्रतिकूल प्रभाव के लिए दायी नहीं होगी। ग्रिड के साथ सामानांतर प्रचालन के लिए, उपभोक्ता को गोवा राज्य तथा संघ राज्यक्षेत्रों के लिए संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग द्वारा यथा विनिर्दिष्ट विद्युत ग्रिड संहिता के उपबंधों या अन्य सुसंगत विनियमों का अनुसरण करना होगा। राज्य पारेषण उपयोगिता तथा अनुज्ञप्तिधारी के समन्वय से वास्तविक प्रचालन किए जाएंगे।

- (4) यदि उपभोक्ता के प्रदाय में जनरेटर, इन्वर्टर या किसी अन्य स्रोत से अनुज्ञप्तिधारी की प्रणाली में वृद्धि होती है तो अनुज्ञप्तिधारी से समुचित अनुमोदन प्राप्त किए बिना, अनुज्ञप्तिधारी के साधित्रों या मानव जीवन को क्षति पहुंचाने के लिए, उपभोक्ता को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा तथा अनुज्ञप्तिधारी या अनुज्ञप्तिधारी अन्य उपभोक्ताओं को हुई सभी हानियों के लिए प्रतिकर के लिए पूर्ण रूप से दायी होंगे।

4.15 हार्मोनिक्स :

- (1) अनुज्ञप्तिधारी हार्मोनिक्स फिल्टरों के संस्थापन के लिए प्रचार करेगा। सभी एचटी उपभोक्ता तथा एलटी उपभोक्ता (95 केंडब्ल्यू से ऊपर) को इसके साथ ही इन विनियमों के कार्यान्वयन की तारीख से एक वर्ष की समय अवधि दी जाएगी जिसके पश्चात ऐसे उपभोक्ताओं के लिए हार्मोनिक्स फिल्टर अनिवार्य हो जाएंगे।
- (2) यदि अनुज्ञप्तिधारी को यह पता लगता है और उपभोक्ता को साबित कर देता है कि उपभोक्ता की प्रणाली उपरोक्त स्वीकार्य सीमाओं के जनरेटर

हार्मोनिक्स से ऊपर है तो अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता से समुचित हार्मोनिक फिल्टर लगाने का अनुरोध करेगा तथा उपभोक्ता अनुज्ञप्तिधारी के अनुरोध की तारीख से छह मास की अवधि के भीतर ऐसा फिल्टर लगाएगा।

अध्याय 5

परिसरों में प्रदाय का स्थान तथा अनुज्ञप्तिधारी के उपकरण

5.1 प्रदाय का स्थान :

- (1) प्रदाय निम्नलिखित के पश्चात अनुज्ञप्तिधारी की नियत कट-आउटों के बाहरी टर्मिनलों पर परिसरों में एकल स्थान पर दिया जाएगा, -
 - (क) कम टेंशन उपभोक्ताओं की दशा में मीटर।
 - (ख) उच्च टेंशन उपभोक्ताओं की दशा में नियंत्रण स्विचगियर जिसे अनुज्ञप्तिधारी या उपभोक्ताओं के ऐसे परिसरों में लगाया जाएगा जैसाकि आपस में तय किया जाए अनुज्ञप्तिधारी प्रदाय के स्थान का अवधारण करेगा जिससे मीटर तथा अन्य उपकरण निरीक्षण के लिए बिना किसी बाधा के अनुज्ञप्तिधारी के पहुंच योग्य हो सके।
- (2) सभी ईएचटी/एचटी उपभोक्ता/आवेदक अनुज्ञप्तिधारी को मीटर तथा मीटरिंग कक्ष के लिए पहुंच प्रदान करेंगे।
- (3) तथापि, विशेष मामलों में, अनुज्ञप्तिधारी संस्थापन की वस्तुगत ले-आउट तथा उपभोक्ता/आवेदक की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए, उपभोक्ता/आवेदक के संस्थापन में एक से अधिक स्थान पर प्रदाय देने के लिए सहमत हो सकेगा। व्यवस्था इस शर्त के अधीन रहते हुए होगी कि पृथक् मीटरिंग की जाएगी तथा सभी स्थानों पर अभिलिखित मांग तथा ऊर्जा के संकलन को सुसंगत टैरिफ अनुसूची के अधीन बिलिंग पैरामीटरों के लिए किया जाएगा।

5.2 प्रदाय के स्थान पर उपकरणों का संस्थापन :

- (1) प्रदाय के आरंभ के स्थान पर, उपभोक्ता/आवेदक मीटर के बाहरी टर्मिनलों से मुख्य स्विच/सर्किट ब्रेकर प्रदान करेगा।
- (2) इसके अतिरिक्त, एचटी/डीएचटी उपभोक्ता/आवेदक भारतीय विद्युत नियम, 1956 नियम 56 तथा 64 के उपबंधों के अनुसार समुचित संरक्षित युक्तियाँ भी प्रदान करेंगे। संरक्षण की प्रणाली का अनुमोदन प्रदाय के आरंभ से पूर्व अनुज्ञप्तिधारी द्वारा किया जाएगा।
- (3) एचटी/ईएचटी उपभोक्ता/आवेदक की दशा में, मीटर, सर्किट ब्रेकर तथा उसके संबद्ध उपकरण प्रदाय के स्थान पर अनुज्ञप्तिधारी द्वारा लगाए जाएंगे।
- (4) एचटी/ईएचटी उपभोक्ता/आवेदक उच्च वोल्टता की ओर डेल्टा वाइडिंग तथा कम वोल्टता की ओर स्टार वाइडिंग के विक्टर समूह के साथ लाए गए न्यूट्रल टर्मिनल तथा मजबूत अर्थिंग सहित स्टेप डाउन ट्रांसफार्मर संस्थापित करेगा।

5.3 प्रतिष्ठित फीडर :

प्रतिष्ठित फीडरों से ऊर्जा प्रदाय प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला उपभोक्ता अनुज्ञप्तिधारी को ऐसी सुविधा के लिए अनुरोध कर सकेगा। प्रतिष्ठित फीडर ऊर्जा उपकेंद्र से उपभोक्ता के प्रदाय के स्थान तक विस्तारित किए जाएंगे। ऐसे मामलों में, उपभोक्ता फीडर की लागत के अतिरिक्त, इस फीडर के लिए ऊर्जा उपकेंद्र पर प्रदान किए गए बेज तथा संरक्षण स्विचगियर तथा उसके उपसाधनों की लागत का सदाय करेंगे। ऐसा अनुरोध प्राप्त होने पर, अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता के परिसरों के लिए प्रतिष्ठित फीडर प्रदान करने के लिए गुणागुण आधार पर साध्यता की जांच करेगा। यदि साध्य पाया जाए, उपभोक्ता प्रतिष्ठित फीडर प्रदान करेगा तथा

उपभोक्ता आयोग द्वारा समय-समय पर यथा अनुमोदित पर्यवेक्षण प्रभारों जैसे अतिरिक्त प्रभारों का संदाय करने का दायी होगा। अनुज्ञप्तिधारी प्रतिष्ठित फ्रीडर से अन्य उपभोक्ता को विद्युत का प्रदाय नहीं करेगा।

5.4 उपभोक्ता के परिसरों पर अनुज्ञप्तिधारी के उपकरण :

उपभोक्ता अनुज्ञप्तिधारी को उपभोक्ता से संबंधित आवश्यक भूमि निःशुल्क प्रदान करेगा तथा उपभोक्ता की सर्विसिंग के लिए अनुज्ञप्तिधारी की प्रणाली से न केवल सीधे तार या ऊपरी लाइनों को लाने के लिए सभी युक्तियुक्त सुविधाएं भी प्रदान करेगा अपितु अनुज्ञप्तिधारी के अन्य उपभोक्ता से जुड़े तार या ऊपरी लाइनों की सुविधा भी प्रदान करेगा तथा अनुज्ञप्तिधारी को उपरोक्त परिसरों में सभी अपेक्षित स्विचगियर तथा उसके कनेक्शन लगाने की अनुज्ञा देगा तथा उपभोक्ता के परिसरों पर अवस्थित तारों तथा टर्मिनलों के माध्यम से उसी हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में ऐसे अन्य उपभोक्ताओं का प्रदाय देगा बशर्ते कि अनुज्ञप्तिधारी की राय में उपभोक्ताओं के प्रदाय करने को इससे प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

5.5 उपभोक्ता परिसरों पर उपकरण की क्षति :

- (1) अनुज्ञप्तिधारी से संबंधित मीटर, कट, आउट/एमसीबी, सर्विस मेन तथा अन्य उपस्कर की उठाई घटाई या उनको हटाना केवल अनुज्ञप्तिधारी के प्राधिकृत कर्मचारी/प्रतिनिधि के सिवाय कोई नहीं करेगा। सील, जो मीटरों/मीटरिंग उपस्कर पर लगाया जाना है, भार परिसमापक तथा अनुज्ञप्तिधारी के साधित्रों पर नियत की गई है, किसी भी हालत में छेड़छाड़, नुकसान तथा टूटी नहीं होनी चाहिए। उपभोक्ता के परिसरों में अनुज्ञप्तिधारी के उपस्करों की सुरक्षा तथा मीटर/मीटरिंग उपकरणों पर सील की जिम्मेदारी उपभोक्ता की होगी।
- (2) उपभोक्ता या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधियों के किसी कार्य, उपेक्षा या त्रुटि के कारण उपभोक्ता के परिसरों में अनुज्ञप्तिधारी के उपकरणों को हुए किसी नुकसान की दशा में, अनुज्ञप्तिधारी द्वारा दावा की गई उसकी लागत उपभोक्ता द्वारा संदेय होगी। यदि उपभोक्ता मांग पर ऐसा करने में असफल रहता है तो उसे प्रदाय करार के निबंधनों तथा शर्तों का उल्लंघन माना जाएगा तथा सम्यक् सूचना देने के पश्चात प्रदाय को काटा जाएगा। तथापि, उपभोक्ता यथा लागू सही प्रभारों का संदाय करेगा।

- (3) अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता के उन परिसरों, जहां उपभोक्ता को विद्युत का प्रदाय किया जाना है, पर संस्थापित मीटर तथा उपकरणों को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होगा।
- (4) यदि ऊर्जा के सुरक्षित उपयोग को रोकने के लिए उपभोक्ता के संस्थापन का इंश्युलेसन प्रतिरोधी धीमा पाया जाता है तो अनुज्ञप्तिधारी तथा उसका प्राधिकृत प्रतिनिधि 48 घंटे की सूचना देने के पश्चात् विधि के अनुसार किसी अन्य कार्रवाई में प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना त्रुटियों को दूर किए जाने तक परिसरों के ऊर्जा प्रदाय को भारतीय विद्युत नियम, 1956 के नियम 49 के अनुसार बंद करेगा।

5.6 उपकरण तथा साधित्रों का स्वामित्व :

अनुज्ञप्तिधारी से संबंधित तथा उपभोक्ता के परिसर में संस्थापित सभी मीटर या अन्य उपस्कर इस बात के होते हुए हर समय अनुज्ञप्तिधारी की संपत्ति होगी कि ऐसे मीटर तथा अन्य उपस्कर या उसका कोई भाग उपभोक्ता के परिसरों, जिसमें उपभोक्ता से संबंधित भूमि भी है, के किसी भाग में नियत या स्थिर या सन्निहित किए जा सकेंगे। ऐसे उपस्कर इस प्रयोजन के लिए सम्यक् रूप से प्राधिकृत अनुज्ञप्तिधारी के कर्मचारी के सिवाय किसी रीति से बाधित या बरते नहीं जाएंगे।

5.7 फ्यूज/प्रदाय में असफलता :

किसी भी समय अनुज्ञप्तिधारी के सर्विस फ्यूज के खराब होने की दशा में, उसकी शिकायत उपभोक्ता द्वारा अनुज्ञप्तिधारी के स्थानीय कार्यालय/काल सेंटर में दर्ज की जानी चाहिए तथा अनुज्ञप्तिधारी हर समय शिकायतों का रजिस्ट्रीकरण सुनिश्चित करेगा। अनुज्ञप्तिधारी के फोटो पहचान पत्र को धारण करने वाले प्राधिकृत व्यक्ति को ही अनुज्ञप्तिधारी के कट आउट में इन फ्यूजों को बदलने की अनुज्ञा दी जाएगी। अनुज्ञप्तिधारी को उपभोक्ता के संस्थानों में किसी भी प्रकार की मरम्मत करने के लिए अपने कर्मचारियों को अनुज्ञात नहीं करना चाहिए।

अध्याय 6
सेवा कनेक्शन संबंधी मामले

6.1 प्रवर्ग का परिवर्तन :

- (1) "उपभोक्ता का प्रवर्ग" से ऐसी टैरिफ अनुसूची अभिप्रेत है जिसके अधीन आयोग के अद्यतन लागू टैरिफ आदेश के अनुसार उपभोक्ता पर बिल लगाया जाता है। आवेदक, एक टैरिफ दर अनुसूची से दूसरी में परिवर्तन किए जाने के लिए अनुज्ञप्तिधारी के संबंधित अधिकारी को आवेदन करेगा। किसी एलटी प्रवर्ग से कृषि प्रवर्ग में टैरिफ परिवर्तन अनुज्ञेय नहीं होगा। उच्चतर दर से निम्नतर दर में टैरिफ परिवर्तन करार के अनुसार प्रदाय प्राप्त करने की अनिवार्य अवधि पूर्ण होने के पश्चात ही किया जाएगा।
- (2) प्रवर्तन में किसी विधि के अधीन नए प्रवर्ग की मंजूरी अनुज्ञात न होने की दशा में, अनुज्ञप्तिधारी आवेदनपत्र प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर उपभोक्ता को सूचित करेगा।
- (3) अनुज्ञप्तिधारी परिसर का निरीक्षण करेगा और आवेदन पत्र प्राप्त होने की तारीख से वितरण अनुज्ञप्तिधारी के अनुपालन मानक विनियमों में विनिर्दिष्ट समय-सीमा के भीतर परिवर्तन करेगा।
- (4) प्रवर्ग का परिवर्तन अगली बिलिंग चक्र से प्रभावी होगा।
- (5) प्रवर्ग के परिवर्तन के लिए उपभोक्ता द्वारा आवेदन किए जाने के पश्चात और परिवर्तन विधिक रूप से अनुज्ञेय होने पर, यदि पता चलता है तो अनुज्ञप्तिधारी द्वारा ऊर्जा के अप्राधिकृत उपयोग का कोई मामला दर्ज नहीं किया जाएगा।

- (6) प्रवर्ग के परिवर्तन के लिए उपभोक्ता का आवेदन पत्र नया आवेदन पत्र समझा जाएगा और वह प्रक्रिया फीस, नई अतिरिक्त प्रतिभूति, यदि कोई हो, जमा करेगा और यदि आवश्यक हो तो अनुपूरक करार निष्पादित करेगा।
- (7) जहां उपभोक्ता किसी विशिष्ट प्रवर्ग के अधीन वर्गीकृत किया गया है और उसका बिल जारी हुआ है और तत्पश्चात् यह संप्रेक्षित किया गया है कि पूर्व वर्गीकरण ठीक नहीं है, वहां अनुज्ञप्तिधारी वर्गीकरण में परिवर्तन कर सकेगा और तदनुसार बिल का उचित रूप से पुनरीक्षण करेगा।

6.2 कनेक्शन का अंतरण और नामांतरण :

- (1) उपभोक्ता की मृत्यु पर या परिसर के स्वामित्व अथवा अधिभोग के अंतरण के मामले में उपभोक्ता के आवेदन पर कनेक्शन किसी अन्य व्यक्ति के नाम में अंतरित किया जाएगा।
- (2) अंतरिती या मृतक उपभोक्ता के विधिक वारिस अथवा उत्तराधिकारी द्वारा विहित फीस के साथ नामांतरण के लिए आवेदन अनुज्ञप्तिधारी के स्थानीय कार्यालय में फाइल किया जाएगा।
- (3) आवेदन पत्र के साथ अंतरण या विधिक विरासत या उत्तराधिकार का दस्तावेजी साक्ष्य और उस कनेक्शन पर कोई विद्युत प्रभार बकाया न होने का प्रमाण लगाए जाएंगे।
- (4) अनुज्ञप्तिधारी नामांतरण के मामले का विनिश्चय वितरण अनुज्ञप्तिधारी के अनुपालन मानक विनियमों में विनिर्दिष्ट समय-सीमा के भीतर करेगा।

- (5) यदि नामांतरण आवेदन पत्र अनुज्ञात न किया जाना हो और उससे इन्कार किया जाए तो आवेदनकर्ता को अपना प्रतिवेदन करने का अवसर दिए जाने के पश्चात पारित आदेश सकारण आदेश होगा। परंतु यह और कि ऐसे मामले में जहां नामांतरण अनुज्ञात न किया जाए, अंतरण की ईप्सा करने वाला अंतरिती कनेक्शन पुराने नाम में जारी रखने के लिए सहमत हो सकेगा (किन्तु उपभोक्ता की मृत्यु के मामले में नहीं) या उसे स्थायी डिसकनेक्शन और नए कनेक्शन की ईप्सा करने का विकल्प दिया जा सकता है।
- (6) अंतरिती या विधिक वारिस सूचना प्राप्त होने के 14 दिनों के भीतर विहित प्ररूप में बकाया शोध्यों, यदि कोई हों, के साथ एक नया करार प्रस्तुत करेगा। अंतरण किया जाएगा और करार की एक प्रति, नया करार प्राप्त होने के पश्चात 7 दिनों के भीतर उपभोक्ता को भेज दी जाएगी।
- (7) प्राइवेट ट्यूबवेल (पीटीडब्ल्यू) उपभोक्ताओं के मामले में, सरकारी राजस्व विभाग से रिपोर्ट लेने के पश्चात स्वतः नामांतरण किया जाएगा। तथापि, विधिक वारिस विद्युत बकाया चुकाने के लिए जिम्मेदार होगा और वह इस आशय का एक शपथपत्र प्रस्तुत करेगा।
- (8) सरकारी आवासीय क्वार्टर के मामले में, नए अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण, नए अधिभोगी द्वारा आबंटन पत्र और अधिभोग की तारीख का प्रमाण प्रस्तुत किए जाने के पश्चात अनुज्ञात किया जाएगा। ऐसे मामलों में नामांतरण अधिभोग की तारीख से अनुज्ञात किया जाएगा परंतु यह तब जब कि कुछ बकाया शेष न हो।

6.3 उपभोक्ता के परिसर में वायरिंग (तार बिछाने) और/या संयंत्र में परिवर्तन अथवा सर्विस लाइन को बदलने की प्रक्रिया :

उपभोक्ता, निम्नलिखित के अधीन रहते हुए तार बिछाने/संयंत्र/सर्विस लाइन के संबंध में उनके परिसर में कोई परिवर्तन किए जाने के लिए सभी लंबित बकाया, यदि कोई हो, चुकाने के बाद अनुज्ञप्तिधारी को आवेदन कर सकेगा, परंतु यह तब जबकि उस पर न्यायालय द्वारा कोई रोकाना न हो :

- (क) उपभोक्ता तार बिछाने का पूरा कार्य किसी अनुज्ञप्तिकृत विद्युत ठेकेदार द्वारा या उसके पर्यवेक्षण में ही कराए और विद्युत अधिनियम, 2003 के अधीन विनियम जारी किए जाने तक भारतीय विद्युत नियम, 1956 में यथा विहित कार्य संपादन प्रमाणपत्र और जांच रिपोर्ट, यदि कोई हो, प्राप्त करे।
- (ख) यदि एलटी भार के तार बिछाने में परिवर्तन का परिणाम मीटर या अन्य संबंधित संयंत्रों का विस्थापन नहीं होता है और भार में कोई परिवर्तन नहीं होता है तो अनुज्ञप्तिधारी को कोई निर्देश नहीं किया जाएगा। तथापि, उपभोक्ता, किसी भी समय अनुज्ञप्तिधारी द्वारा मांग किए जाने पर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।
- (ग) अन्य मामलों में, यदि उपभोक्ता अपने परिसर पर वायरिंग को या मीटर की अवस्थिति अथवा अन्य संयंत्रों को बदलना चाहे या अपने परिसर में सर्विस लाइन शिफ्ट करना चाहे तो इसकी सूचना लिखित में उपांतरित वायरिंग चित्र और अन्य ब्यौरों के साथ अनुज्ञप्तिधारी को भेजी जाएगी। अनुज्ञप्तिधारी जांच के पश्चात प्रस्ताव के उपांतरण के साथ या उसके बिना उपभोक्ता द्वारा जमा किए जाने वाले प्राक्कलित प्रभारों की सूचना देते हुए अनुमोदन प्रदान करेगा या लिखित में कारण दर्शाते हुए वितरण अनुज्ञप्तिधारी के अनुपालन मानक विनियमों में विनिर्दिष्ट समय-सीमा के भीतर अनुरोध अस्वीकार करेगा।

- (घ) वायरिंग में परिवर्तन से संबंधित कार्य, उपभोक्ता द्वारा किसी अनुज्ञप्तिप्राप्त विद्युत ठेकेदार के माध्यम से कराया जाएगा तथा जांच परिणामों सहित कार्य संपादन प्रमाणपत्र, अनुज्ञप्तिधारी को उपलब्ध कराया जाएगा। अनुज्ञप्तिधारी यह पुष्टि करने के लिए परिसर का निरीक्षण करेगा कि किए गए परिवर्तन उसके द्वारा दिए गए अनुमोदन और विद्युत नियम, 2003 के अधीन इन विनियमों के जारी किए जाने तक भारतीय विद्युत नियम, 1956 के अनुसार हैं।
- (ङ) प्रदाय के बिंदु, मीटर या संबंधित संयंत्र की स्थिति में परिवर्तन का कार्य और सर्विस लाइन की शिफ्टिंग, अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उपभोक्ता की लागत पर किए जाएंगे। इस कार्य के लिए प्राक्कलन कार्य के अनुमोदन के साथ उपभोक्ता को भेजा जाएगा और यह कार्य प्राक्कलित लागत जमा किए जाने की तारीख से वितरण अनुज्ञप्तिधारी के अनुपालन मानक विनियमों में विनिर्दिष्ट समय के भीतर पूरा किया जाएगा।

6.4 संविदा मांग/संयोजित भार की वृद्धि के लिए प्रक्रिया :

- (1) भार की वृद्धि के लिए आवेदनपत्र विहित प्ररूप में अनुज्ञप्तिधारी के संबंधित अधिकारी को प्रस्तुत किए जाएंगे।
- (2) अनुज्ञप्तिधारी, आवेदन प्राप्त होने के सात दिनों के भीतर या अन्यथा वर्धित भार के प्रदाय की साध्यता की जांच के लिए वितरण अनुज्ञप्तिधारी के अनुपालन मानक विनियमों में यथा उपबंधित रूप में परिसर का निरीक्षण करेगा और निम्नलिखित पहलुओं को सम्मिलित करते हुए उपभोक्ता को सूचित करेगा कि :
 - (क) क्या विद्यमान वोल्टता या उच्चतर वोल्टता पर अतिरिक्त विद्युत का प्रदाय किया जा सकता है।
 - (ख) क्या प्रणाली में कोई परिवर्धन या परिवर्तन किया जाना अपेक्षित है और उपभोक्ता द्वारा वहन की जाने वाली लागत।

- (ग) जमा की जाने वाली अतिरिक्त प्रतिभूति निक्षेप की रकम, अतिरिक्त अवसंरचना की लागत और प्रणाली सशक्तीकरण प्रभार, यदि कोई हो।
- (घ) उपभोक्ता के वर्गीकरण में परिवर्तन, यदि कोई हो।
- (3) संविदा मांग की वृद्धि के लिए आवेदनपत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा यदि अनुज्ञप्तिधारी का उपभोक्ता पर कुछ बकाया शेष हो। तथापि, आवेदनपत्र स्वीकार किया जा सकता है यदि उपभोक्ता से शोध्य बकाया के संदाय पर न्यायालय या आयोग अथवा आयोग द्वारा नियुक्त किसी प्राधिकारी द्वारा रोक लगाई गई हो।
- (4) यदि वर्धित भार का प्रदाय साध्य पाया जाता है तो उपभोक्ता से निम्नलिखित के लिए कहा जाएगा :
- (क) जहां संस्थापन का परिवर्तन अंतर्वर्तित हो, किसी अनुज्ञप्तिकृत विद्युत ठेकेदार से उपभोक्ता के संस्थापन का कार्य संपादन प्रमाणपत्र और जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करे।
- (ख) उपभोक्ता के विद्युत संस्थापन के लिए, विद्युत निरीक्षक से, यदि आवश्यक हो, अनुमोदन पत्र प्रस्तुत करे।
- (ग) अतिरिक्त प्रतिभूति निक्षेप, प्रणाली में किए जाने वाले परिवर्धन या परिवर्तन की लागत, यदि कोई हो, और यथा लागू प्रणाली सशक्तीकरण प्रभार जमा करे।
- (घ) वर्धित भार के अनुसार एक नया करार निष्पादित करे जो करार अवधि के दौरान प्रवर्तनीय होगा और पुराना करार समाप्त हो जाएगा।
- (5) यदि प्रणाली में नई/वैकल्पिक मीटरिंग व्यवस्था सहित कोई परिवर्धन या परिवर्तन अपेक्षित न हो तो वर्धित भार, अपेक्षित औपचारिकताओं के पूरा करने के अधीन रहते हुए वितरण अनुज्ञप्तिधारी के अनुपालन मानक विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट के अनुसार जारी किया जाएगा। यदि प्रणाली में

कोई परिवर्धन या परिवर्तन किया जाना आवश्यक है तो नए कनेक्शन के लिए दी गई प्रक्रिया अर्पनाई जाएगी।

6.5 संविदा मांग/संयोजित भार की कमी के लिए प्रक्रिया :

(1) भार की कमी के लिए आवेदनपत्र, करार की आरंभिक अवधि के अवसान के पश्चात, विहित प्ररूप में निम्नलिखित आंकड़ों/दस्तावेजों के साथ अनुज्ञप्तिधारी के संबंधित अधिकारी को प्रस्तुत किया जाएगा :

(क) जहां संस्थापन का परिवर्तन अंतर्वलित हो, किसी अनुज्ञप्तिकृत विद्युत ठेकेदार से कार्य संपादन प्रमाणपत्र और जांच रिपोर्ट के साथ विद्युत संस्थापन के परिवर्तन/उपांतरण/हटाए जाने के ब्यौरे।

(ख) यदि मीटर में अधिकतम मांग अभिलिखित किए जाने की सुविधा है तो गत-दो बिलिंग चक्रों में अभिलिखित अधिकतम मांग उसके विद्युत बिलों के साथ।

(ग) उत्पादकों के संस्थापन के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी सुरक्षा समाशोधन प्रमाणपत्र की प्रतियों के साथ उपभोक्ता द्वारा संस्थापित उत्पादकों, यदि कोई हों, के ब्यौरे।

(2) भार की कमी के लिए आवेदनपत्र प्राप्त होने पर, अनुज्ञप्तिधारी, सत्यापन के पश्चात, आवेदनपत्र प्राप्त होने की तारीख से तीस दिनों या करार में करार समाप्त करने के लिए यथाविनिर्दिष्ट सूचना अवधि, इनमें से जो पश्चातवर्ती हो, के भीतर भार की कमी की मंजूरी देगा।

(3) यदि उपरोक्त विनियम 6.5(2) में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर अनुज्ञप्तिधारी द्वारा मंजूरी प्रदान नहीं की जाती है तो आवेदक अनुज्ञप्तिधारी को लिखित सूचना देकर उसका ध्यान विषय की ओर आकर्षित कर सकेगा और यदि फिर भी तीस अतिरिक्त दिनों के भीतर आवेदक को विनिश्चय से सूचित नहीं किया जाता है तो संविदा मांग की कमी की अनुज्ञा प्रदान की गई समझी जाएगी।

- (4) कमी की गई संविदा मांग उस मास के पश्चात जिसमें मंजूरी की सूचना दी गई या "समझी गई अनुज्ञा प्रदान की गई" आने वाले मास के पहले दिन से प्रभावी होगी।
- (5) उपरोक्त कमियां, टैरिफ आदेश में विनिर्दिष्ट अनुज्ञेय न्यूनतम संविदा मांग के अधीन हैं। उपभोक्ता द्वारा अपने कनेक्शन की संविदा मांग में कमी के लिए अनुरोध पर अनुज्ञप्तिधारी द्वारा इस आधार पर इन्कार नहीं किया जाएगा कि कनेक्शन के विरुद्ध अनुज्ञप्तिधारी को संदेय कुछ बकाया है।
- (6) इन विनियमों के प्रारंभ के पूर्व निष्पादित सभी विद्यमान करारों में, यदि संविदा मांग की कमी पर निर्बंधन के संबंध में उपबंध है तो उसे इस संहिता में किए गए उपबंध की सीमा तक उपांतरित हुआ समझा जाएगा।
- (7) संविदा मांग में कमी पर सहमति हो जाने पर उपभोक्ता कमी किए हुए भार के लिए एक नया करार निष्पादित करेगा। अनुज्ञप्तिधारी प्रतिभूति निक्षेप की पुनःसंगणना करेगा और अधिक प्रतिभूति निक्षेप को भावी बिलों में, जो छह उत्तरवर्ती बिलों से अधिक न हो, समायोजित किया जाएगा।
- (8) निम्नलिखित मामलों में संविदा मांग की कमी अनुज्ञात नहीं की जाएगी :
 - (i) आर्क/प्रेरण भट्टियों, रोलिंग और पुनः रोलिंग मिलों और लघु स्पात संयंत्रों को परिसर में संस्थापित मशीनों और भट्टियों की कुल रेटिंग के नीचे भार में कमी करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा, सिवाए किसी उपस्कर को हटाए जाने या पुराने उपस्कर के स्थान पर नए उपस्कर लगाए जाने के मामले में और कैप्टिव उत्पादन क्षमता की सीमा तक भी जो संस्थापित की जा सके और सामान्तर में प्रचालन कर रही हो। समानुषंगी भार अपवर्जित किया जाएगा।
 - (ii) एमडीआई मीटर न रखने वाले उपभोक्ताओं के लघु और मध्यम औद्योगिक और प्राइवेट ट्यूबवेल के मामले में संस्थापित मशीनों की कुल रेटिंग के नीचे संहिताकृत भार कम नहीं किया जाएगा।

(iii) प्रदाय के प्रारंभ होने की तारीख से करार की आरंभिक अवधि के भीतर सामान्यतया भार में कमी नहीं की जाएगी। तथापि, यदि उपभोक्ता करार की आरंभिक अवधि की शेष अवधि या उपभोक्ता के उस प्रवर्ग के लिए करार में विनिर्दिष्ट सूचना की अवधि इनमें जो भी पश्चात्तवर्ती हो, के लिए समर्पित/ कम की गई संहिताकृत भार की मात्रा को लागू नियत/न्यूनतम प्रभार का संदाय करने के लिए इच्छुक हो तो कमी, अनुज्ञात की जा सकती है।

(iv) भार की कमी के लिए कोई भी आवेदनपत्र, कारण अभिलिखित किए बिना अस्वीकार नहीं किया जाएगा और विनिश्चय से आवेदक को सूचित किया जाएगा।

6.6 स्थायी रूप से कनेक्शन का काटा जाना :

निम्नलिखित मामलों में प्रदाय स्थाई रूप से काटा जाएगा :

- (क) करार समाप्त हो जाने पर।
- (ख) यदि वह कारण जिसके लिए प्रदाय अस्थायी रूप से काटा गया था, करार समाप्त करने के लिए करार में विनिर्दिष्ट सूचना अवधि या करार की आरंभिक अवधि, इनमें से जो भी पश्चात्तवर्ती हो, के भीतर हटाया नहीं गया है।
- (ग) उपभोक्ता के अनुरोध पर।
- (घ) बिलों का संदाय न करने पर जैसा कि नीचे विनियम 9.1 में उपबंधित है।

6.7 परिसर खाली करने या अंतरण की सूचना :

- (1) ऐसा घरेलू उपभोक्ता जो अपने परिसर को खाली करने वाला या शिकमी किराएदारी पर देने वाला हो, इस आशय की लिखित सूचना कम से कम 7 स्पष्ट दिनों के पूर्व अनुज्ञप्तिधारी को देगा और अपना खाता चुकता करने की व्यवस्था करेगा। वह या तो प्रदाय के डिस्कनेक्शन के लिए या नए स्वामी/अधिभोगी के नाम में कनेक्शन के अंतरण का अनुरोध कर सकेगा।

अनुज्ञप्तिधारी यह गारंटी नहीं दे सकता कि मीटर रीडिंग अपेक्षित तारीख को ली जाएगी जब तक कि सम्यक् सूचना और मीटर रीडिंग लिए जाने की सुविधा न दी जाए। ऐसी सूचना में असफलता पर, उपभोक्ता, परिसर में उपभोग की गई सभी ऊर्जा के लिए तथा परिसर में उसके लिए संस्थापित अनुज्ञप्तिधारी के साधित्र के लिए जिम्मेदार होगा।

- (2) घरेलू उपभोक्ताओं से भिन्न उपभोक्ताओं के लिए उपरोक्त उप-विनियम (1) का उपबंध केवल उस हद तक लागू होगा जहां तक वह करार के उपबंध से असंगत है और जहां वे असंगत नहीं हैं, वहां क्रमशः विद्युत प्रदाय करार का उपबंध सदैव अभिभावी रहेगा।

6.8 करार :

- (1) नया कनेक्शन लेने और संविदा मांग जैसे सहमत पैरामीटरों आदि में परिवर्तन के लिए आवेदक द्वारा विहित मूल्य के एक स्टाम्प पेपर पर विहित प्ररूप में एक करार निष्पादित किया जाएगा। एकल फेस घरेलू और गैर घरेलू उपभोक्ताओं के मामले में, स्वयं आवेदनपत्र ही करार माना जाएगा और आवेदनपत्र में करार के मुख्य अंश को सम्मिलित कर लिया जाएगा। किन्हीं विशेष परिस्थितियों में, करार में विशेष खंड जोड़े जाएंगे, यदि अनुज्ञप्तिधारी और उपभोक्ता सहमत हों, परंतु यह तब जबकि ऐसे खंड विद्युत अधिनियम, 2003 (2003 का 36) विद्युत प्रदाय संहिता और प्रवर्तन में अन्य नियमों और विनियमों के उपबंधों का व्यतिक्रम न करते हों। ये विशेष खंड करार का भाग रूप होंगे। प्रस्तुत किए गए, सहमत पाए गए और उपभोक्ता और अनुज्ञप्तिधारी, दोनों द्वारा हस्ताक्षरित नक्शे करार का भाग बन जाएंगे।

- (2) उपभोक्ता को प्रदाय की गई विद्युत का उपयोग उपभोक्ता द्वारा ऐसी रीति में नहीं किया जाएगा जो अनुज्ञप्तिधारी के लिए हानिकर हो और सभी उपयोग करार और यथा लागू अधिनियम के उपबंधों के अनुसार होने चाहिए।
- (3) प्रदाय के उपभोग के लिए अनिवार्य अवधि, प्रदाय प्रारंभ होने की तारीख से या करार की आरंभिक अवधि से एलटी उपभोक्ताओं के लिए एक वर्ष और एचटी उपभोक्ताओं के लिए दो वर्ष होगी। अनुज्ञप्तिधारी, इन विनियमों के उपबंधों के परिणामस्वरूप उत्पन्न किसी अपेक्षा को पूरा करने के लिए आयोग के अनुमोदन से वर्तमान में प्रयुक्त करार के फारमेट की संरचना उपांतरित कर सकेगा जिससे कि वह फारमेट अधिनियम और प्रचलित नियमों, विनियमों तथा इन विनियमों के उपबंधों के साथ संगत में हो।
- (4) यदि अनुज्ञप्तिधारी और उपभोक्ता के मध्य हस्ताक्षरित करार को उपांतरित/संशोधित करना आवश्यक हो तो इसे आपसी सहमति से अनुपूरक करार द्वारा किया जा सकता है।
- (5) नाम में परिवर्तन, समान बिलिंग क्षेत्र के भीतर पत्रिसर शिफ्ट करने, कनक्टेड भार/ संहिताकृत भार में परिवर्तन, टैरिफ प्रवर्ग में परिवर्तन आदि के प्रयोजन के लिए कोई भी संशोधन किया जा सकता है और उसे अनुपूरक या नया करार निष्पादित करके करार में सम्मिलित किया जाएगा।
- (6) अनुज्ञप्तिधारी द्वारा इसके अभिहित कार्यालय में सभी एलटी और एचटी उपभोक्ताओं द्वारा निष्पादित करारों का एक रजिस्टर रखा जाएगा।

6.9 करार समाप्त करना :

- (1) करार की आरंभिक अवधि पूरी होने के पश्चात भी, जब तक की करार समाप्त न किया जाए, प्रवर्तन में रहेगा। घरेलू और एकल फेस गैर-घरेलू

प्रवर्ग के उपभोक्ता एक मास की सूचना देने के पश्चात् करार समाप्त कर सकते हैं। घरेलू और एकल फेस-गैर-घरेलू एलटी प्रवर्ग से भिन्न उपभोक्ता तीन मास की सूचना देने के पश्चात् करार समाप्त कर सकते हैं। एच टी और ई एचटी प्रवर्ग के मामले में छह मास की सूचना अपेक्षित है :

परंतु यह कि करार सामान्यतया, करार की आरंभिक अवधि के अवसान के पश्चात् समाप्त किया जाएगा। तथापि, यदि किन्हीं भी कारणों से करार को आरंभिक अवधि के अवसान के पूर्व समाप्त किया जाना हो तो उपभोक्ता एलटी के मामले में उक्त एक वर्ष की और एचटी तथा ईएचटी के मामले में दो वर्ष की शेष अवधि या करार में विनिर्दिष्ट सूचना अवधि, इनमें जो पश्चात्तवर्ती हो, के लिए टैरिफ आदेश के अनुसार प्रभारों का संदाय करने के लिए दायी होगा।

अनुज्ञप्तिधारी, उपभोक्ता के अंतिम बिल के तैयार किए जाने को सुकर बनाने के लिए आपस में स्वीकृत एक तारीख पर विशेष मीटर रीडिंग लिए जाने की व्यवस्था करेगा।

करार बिलिंग मास के अंतिम दिन पर समाप्त हो जाएगा और तदनुसार अनुज्ञप्तिधारी अंतिम बिल तैयार करेगा।

- (2) यदि प्रभारों अथवा बकाया का भुगतान न किए जाने या इन नियमों के अधीन जारी किसी निर्देश का पालन न करने के कारण किसी उपभोक्ता को विद्युत का प्रदाय सूचना अवधि से अधिक अवधि के लिए बंद रहता है तो अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता को करार समाप्त करने के लिए कारण बताओ नोटिस, जिसका उत्तर सात दिनों के भीतर दे सकेगा, जारी करेगा। यदि कनेक्शन बंद रहने के कारण का समाधान करने या विद्युत प्रदाय पुनः चालू करने के लिए उपभोक्ता द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा सकती है तो सात दिन की अवधि की समाप्ति पर विद्युत प्रदाय के लिए अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उपभोक्ता के साथ किया गया करार समाप्त हो जाएगा परंतु यह तब जबकि करार की आरंभिक अवधि समाप्त हो चुकी है। यदि आरंभिक अवधि समाप्त न हुई हो तो उपरोक्त विनियम 6.9(1) के अधीन दिए गए उपबंध

लागू होंगे। अस्थाई रूप से कनेक्शन काटने की अवधि के दौरान उपभोक्ता, तथा लागू मांग प्रभारों या न्यूनतम प्रभारों का संदाय करने के लिए दायी होगा। अनुज्ञप्तिधारी, करार समाप्त होने पर उपभोक्ता से शोध्य कुल बकाया रकम को अभिलिखित रखेगा और उसे यह अधिकार होगा कि, यदि आवश्यक हो, तो उसकी वसूली न्यायालय द्वारा आरआर अधिनियम के अधीन कर ले।

- (3) करार समाप्त हो जाने पर, अनुज्ञप्तिधारी, उपभोक्ता के परिसर से विद्युत प्रदाय के लिए सर्विस लाइन तथा अनुज्ञप्तिधारी के अन्य उपस्कर हटाने का हकदार होगा। स्थायी रूप से कनेक्शन कट जाने के पश्चात् यदि उपभोक्ता कनेक्शन को पुनः पुनरुज्जीवित करना चाहे तो इसे नए कनेक्शन का आवेदन माना जाएगा और उस पर केवल तभी विचार किया जाएगा जब सभी बकाया का भुगतान कर दिया जाए।

6.10 प्रतिभूति निक्षेप :

- (1) अनुज्ञप्तिधारी, एक विनिर्दिष्ट अवधि के लिए प्राक्कलित खपत के समतुल्य खपत के लिए उपभोक्ताओं से प्रतिभूति निक्षेप ले सकेगा जैसाकि नीचे तालिका में उपदर्शित है या अन्यथा प्रवर्तन में प्रदाय के निबंधन और शर्तों में उपबंधित है :

| क्रम सं. | उपभोक्ता की प्रकृति | मासों की संख्या | टिप्पणी |
|----------|---------------------|-----------------|--|
| 1 | कृषि | तीन | वार्षिक औसत का प्राक्कलन किया जाएगा/पर विचार किया जाएगा |
| 2 | मौसमी | दो | प्रचालन के मौसम के दौरान खपत का प्राक्कलन किया जाएगा/पर विचार किया जाएगा |
| 3 | अन्य उपभोक्ता | दो | वार्षिक औसत का प्राक्कलन किया जाएगा/पर विचार किया जाएगा |

- (2) उपभोक्ताओं को अग्रिम संदाय करने का विकल्प प्राप्त होगा और ऐसी स्थिति में प्रतिभूति रकम आनुपातिक रूप में नियत की जाएगी। उपभोक्ताओं के विभिन्न प्रवर्गों के लिए प्रतिभूति निक्षेप के अवधारण हेतु प्रक्रिया अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अवधारित और आयोग द्वारा अनुमोदित की जाएगी। एलटी उपभोक्ता के मामले में प्रतिभूति नकद, चैक या ड्राफ्ट के रूप में स्वीकार की जा सकेगी तथा एचटी/ ईएचटी उपभोक्ताओं के मामले

में ड्राफ्ट या बैंकर्स चैक के रूप में स्वीकार की जा सकेगी। अनुज्ञप्तिधारी, ऐसे प्रतिभूति निक्षेपों के लिए पृथक लेखा शीर्ष बनाएगा। करार के समापन पर प्रतिभूति निक्षेप, उपभोक्ता को, उसके द्वारा संदेय के लिए शेष किसी रकम, यदि कोई हो, के समायोजन के पश्चात् वापस कर दिया जाएगा।

- (3) उपभोक्ता से प्राप्त प्रतिभूति निक्षेप की रकम का पुनर्विलोकन, एलटी उपभोक्ताओं के लिए गत 12 मास के दौरान खपत के आधार पर वार्षिक रूप से और एचटी/ईएचटी उपभोक्ताओं के लिए गत छह मास के दौरान खपत के आधार पर अर्द्धवार्षिक रूप से किया जाएगा। उपभोक्ताओं की संबंधित अवधि के दौरान औसत खपत और लागू टैरिफ आदि के आधार पर यदि अनुज्ञप्तिधारी द्वारा धारित प्रतिभूति निक्षेप 20% अधिक/कम पाया जाए तो उन्हें अतिरिक्त प्रतिभूति निक्षेप देना होगा/वापस किया जाएगा।
- (4) ऐसे उपभोक्ताओं के मामले में जिन्हें अतिरिक्त भार मंजूर किया गया है, अतिरिक्त भार को नई सेवा मानते हुए इसके लिए अतिरिक्त प्रतिभूति निक्षेप की गणना की जाएगी।
- (5) उपभोक्ता के अनुरोध पर, अनुज्ञप्तिधारी, उपभोक्ता को अतिरिक्त प्रतिभूति निक्षेप का संदाय अधिकतम तीन किस्तों में करने के लिए अनुज्ञात कर सकेगा।
- (6) अनुज्ञप्तिधारी, अतिरिक्त प्रतिभूति निक्षेप जमा कराने के लिए कम से कम एक मास की सूचना देगा। यदि उपभोक्ता सूचना के अनुसार अतिरिक्त प्रतिभूति निक्षेप जमा करने में असफल रहता है तो अनुज्ञप्तिधारी उस समय तक जब तक ऐसी असफलता बनी रहे, विद्युत का प्रदाय करने से इन्कार करने या बंद करने का हकदार होगा। यदि उपभोक्ता प्रतिभूति निक्षेप का संदाय करने में विलंब करता है तो वह, किस्त प्रणाली की स्थिति में, अतिशेष क्रम करते हुए लंबित संदाय अधिभार देने के लिए दायी होगा।
- (7) वितरण अनुज्ञप्तिधारी, उपभोक्ता से प्राप्त ऐसे प्रतिभूति निक्षेप पर, समय-समय पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अधिसूचित बैंक की दर पर ब्याज का भुगतान करेगा। इस संबंध में यह अनुज्ञप्तिधारी का उत्तरदायित्व होगा कि वह समय-समय पर बैंक दरों पर नज़र रखे। पूर्व वित्तीय वर्ष की ब्याज की

रकम, बिलिंग चक्र पर निर्भर करते हुए प्रत्येक वित्तीय वर्ष के मई/जून में जारी ऊर्जा बिलों में समायोजित की जाएगी।

- (8) करार समाप्त हो जाने पर, उपभोक्ता द्वारा औपचारिकताएं पूरी किए जाने के 60 दिनों के भीतर, प्रतिभूति निक्षेप, उस पर ब्याज सहित, यदि कोई हो, सभी बकाया को समायोजित करने के बाद उपभोक्ता को वापस किया जाएगा। 60 दिनों की अवधि के परे विलंब की स्थिति में उपरोक्त विनियम 6.10(7) में उल्लिखित दर पर अतिरिक्त ब्याज उपभोक्ता को संदेय होगा जैसाकि आयोग द्वारा अनुमोदित हो।
- (9) वितरण अनुज्ञप्तिधारी प्रतिभूति निक्षेप प्राप्त नहीं करेगा यदि प्रदाय की अपेक्षा करने वाला व्यक्ति पूर्व संदत्त मीटर के माध्यम से प्रदाय प्राप्त करने के लिए तैयार हो।

6.11 विद्युत प्रभारों की वसूली :

- (1) अनुज्ञप्तिधारी प्रदाय की गई विद्युत के लिए प्रभारों की वसूली, आयोग द्वारा समय-समय पर नियत टैरिफ के अनुसार करने के लिए प्राधिकृत है।
- (2) अनुज्ञप्तिधारी, प्रदाय की गई विद्युत के लिए उपभोक्ता से ऐसा टैरिफ प्रभारित करेगा जिसका आयोग द्वारा, समय-समय पर अनुमोदन किया जाए।
- (3) प्रभारों की वसूली, इन विनियमों के अध्याय 8 में यथा उपबंधित बिलिंग के माध्यम से की जाएगी।
- (4) अनुज्ञप्तिधारी, उपभोक्ता से, जहां लागू हो, निम्नलिखित प्रभारित करने का हकदार होगा :-
 - (क) ऊर्जा के प्रदाय के लिए आयोग द्वारा यथा अवधारित प्रभार और सरकार द्वारा अधिसूचित अन्य कर या शुल्क।
 - (ख) आयोग द्वारा यथा अवधारित वीलिंग प्रभार और/या अधिभार तथा लागू अतिरिक्त अधिभार, यदि कोई हो।
 - (ग) मीटरों और अन्य विद्युत संयंत्र तथा उपस्कर के लिए आयोग द्वारा यथा अनुमोदित किराया, यदि कोई हो।

- (घ) आयोग द्वारा समय-समय पर यथा अनुमोदित प्रकीर्ण प्रभार जैसे संविदा मांग अधिक हो जाने पर शास्तिक प्रभार, लंबित संदाय अधिभार और लागू अन्य प्रभार, यदि कोई हो।
- (5) किसी उपभोक्ता को लागू टैरिफ पर उसके द्वारा मांगे गए किसी स्पष्टीकरण का उत्तर अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उसके समाधानप्रद रूप में उपलब्ध कराया जाएगा।

अध्याय 7

मीटर

7.1 मीटरों का संस्थापन :

- (1) (क) इन विनियमों की अधिसूचना की तारीख से कोई भी नया कनेक्शन समुचित विनिर्देश के मीटर और मिनिएचर सर्किट ब्रेकर (एमसीबी) या सर्किट ब्रेकर (सीबी) के बिना नहीं दिया जाएगा।
- (ख) कृषि, स्ट्रीटलाइट सहित सभी अमीटरित कनेक्शनों को अनुज्ञप्तिधारी द्वारा मीटरित किया जाएगा।
- (ग) अनुज्ञप्तिधारी, विद्युत अधिनियम, 2003 के अधीन केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा जारी मीटरों का प्रचालन और संस्थापन विनियमों के अनुसार सही मीटर के संस्थापन के सिवाए, किसी भी व्यक्ति को विद्युत का प्रदाय नहीं करेगा :

परंतु यह कि आयोग, अधिसूचना द्वारा, मीटरों के संस्थापन के लिए किसी वर्ग या व्यक्तियों के वर्गों के लिए अथवा ऐसे क्षेत्र के लिए जिसे उस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किया जाए, उक्त अवधि का विस्तार कर सकेगा।

परंतु यह भी कि यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त विनियम 7.1 में अंतर्विष्ट उपबंधों का पालन करने में व्यतिक्रम करता है तो आयोग ऐसा आदेश कर सकेगा जैसा वह अनुज्ञप्तिधारी या अन्य संगम या अन्य किसी व्यक्ति द्वारा जो व्यतिक्रम के लिए जिम्मेदार है उस व्यतिक्रम को दूर किए जाने के लिए ठीक समझे।

- (2) जब अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ताओं के पास आए तो उन्हें समुचित मीटरिंग युक्ति, लोड लिमिटर, टैम्पर प्रूफ बक्सों या अन्य साधनों के संस्थापन को स्वीकार करना होगा और उपभोक्ता से यह अपेक्षित होगा कि वह अनुज्ञप्तिधारी के समाधानप्रद रूप में मीटर और संबंधित उपकरण लगाने के लिए समुचित और उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराए।
- (3) एचटी/ईएचटी प्रदाय के मामले में, यदि एचटी/ईएचटी मीटरिंग तुरंत उपलब्ध नहीं कराई जा सकती है तो उपभोक्ता के ट्रांसफार्मर की एलटी साइड पर एलटी मीटरिंग उपलब्ध कराई जा सकती है। ऐसे मामलों में, बिलिंग प्रयोजनों के लिए विद्युत मात्रा की संगणना ट्रांसफॉर्मेशन हानि के लिए एलटी मीटर पर रिकार्ड की गई रीडिंग में तीन प्रतिशत जोड़कर की जाएगी। किसी भी स्थिति में यह व्यवस्था तीन मास से अधिक जारी नहीं रहेगी। और अनुज्ञप्तिधारी ऐसे विद्यमान कनेक्शनों सहित ट्रांसफॉर्मर की एचटी साइड पर उक्त अवधि के भीतर मीटर लगाने की व्यवस्था करेगा। अनुज्ञप्तिधारी ऐसे मामलों की सूचना आयोग को देगा।
- (4) यदि किसी एचटी या ईएचटी उपभोक्ता को प्रदाय किसी स्वतंत्र फीडर पर उसके अनन्य उपयोग के लिए किया जाता है तो मीटरिंग व्यवस्था उपभोक्ता के परिसर और अनुज्ञप्तिधारी के उपकेंद्रों, दोनों पर की जाएगी।
- (5) अनुज्ञप्तिधारी, उन्नत प्रौद्योगिकी उपलब्ध हो जाने पर पहले से संस्थापित मीटर की प्रास्थिति और उस स्थल का पुनर्विलोकन करने के लिए प्राधिकृत है जहां उपभोक्ता के परिसर में मीटर लगा हुआ है। अनुज्ञप्तिधारी विशिष्ट युक्ति की तकनीकी अपेक्षाओं के अनुसार उपभोक्ता के परिसर में रिमोट मीटरिंग युक्ति संस्थापित कर सकेगा। अनुज्ञप्तिधारी एक उपभोक्ता या

उपभोक्ताओं के समूह की एक अवस्थिति पर "चेक मीटर" संस्थापित करने के लिए भी प्राधिकृत है।

7.2 मीटरों, आदि का वर्गीकरण :

नए कनेक्शनों के मीटर मानक निर्माण के होंगे जो बीआईएस/आईईसी/सीवीआईपी या मीटरों के संस्थापन और प्रचालन पर केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट किसी अन्य उच्च विनिर्देश द्वारा प्रमाणित हों और निम्नलिखित प्रकार के होंगे --

- (क) शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सभी घरेलू और 50 केडब्ल्यू भार से कम अन्य एलटी भारों के लिए स्थैतिक एकल फेस/तीन फेस मीटर
- (ख) एलटी (संहिताकृत भार >50 केडब्ल्यू)/एचटी/ईएचटी उपभोक्ताओं के लिए
 - मीटरों में 12 मास हेतु आंकड़े रखने के लिए पर्याप्त स्मृति के साथ "टाइम आफ द डे मीटरिंग" की सुविधा होगी।
 - एचटी/ईएचटी खंड के लिए तीन फेस मीटरों को तारीख और समय, कनेक्शन अनियमितताएं जैसे फेस-वार छूटे पोटेंशल, फेस-वार सीटी रिवर्सल, चालू असंतुलन और वोल्टता असंतुलन की रिकार्डिंग में सक्षम होना चाहिए।
 - मीटरों में ऊपर उल्लिखित सीईए विनियमों के अनुसार टेम्पर विरोधी विशेषताएं होंगी।
 - मीटरों में मानक प्रोटोकॉल का प्रयोग करते हुए जीएसएम/माइक्रोवेव/एससीएडीए/वीएलएटी के माध्यम से आंकड़ा पुनःप्राप्ति के लिए रिमोट संसूचना की सुविधा होगी। अनुज्ञप्तिधारी आयोग को अवगत कराते हुए एक निश्चित समय-सीमा में उपरोक्त को सुनिश्चित करेगा।
- (ग) अनुज्ञप्तिधारी, पूर्व संदत्त मीटर के माध्यम से विद्युत प्रदाय के लिए उपभोक्ता के अनुरोध पर, एकल फेस मीटरिंग और तीन फेस पूर्ण द्वारा प्रदाय के लिए

पूर्व संदत्त मीटर संस्थापित कर सकेगा, जो मीटर के भीतर एक डिस्कनेक्शन/ट्रिपिंग स्विच के साथ शेष रकम, खपत हुई यूनिटें और लागू टैरिफ को दर्शाएंगे।

(घ) मीटर सील उच्च श्रेणी के इंजीनियरिंग प्लास्टिक/पोलीकार्बोनेट धातु से बनाई जाएगी जिसमें सील पर स्थायी लेसर से खुदी अद्वितीय क्रम संख्या होगी और जो विहित पर्यावरणीय जांच पर खरा उतरने में सक्षम हो। सीलिंग निम्नलिखित स्थानों पर (जहां लागू हो) की जाएगी :

- सीटी सेकेंड्री बाक्सेज (ताला लगाए जाने की व्यवस्था के अलावा)
- पीटी सेकेंड्री बाक्स (ताला लगाए जाने की व्यवस्था के अलावा)
- मीटर केबिनेट

टिप्पण : उपभोक्ता मीटर की सील केवल अनुज्ञप्तिधारी द्वारा हटाई जा सकेगी।

कोई भी उपभोक्ता, किसी भी परिस्थिति में इसके साथ छेड़छाड़ नहीं करेगा, सील नहीं तोड़ेगा और न ही इसे हटाएगा। मीटर की सील के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उसे तोड़ने या हटाने पर अधिनियम के सुसंगत उपबंधों के अनुसार कार्रवाई होगी।

(ङ) सभी 11 केवी, 22 केवी और 33 केवी उपभोक्ताओं के लिए, अनुज्ञप्तिधारी, रिमोट मीटर रीडिंग लेने के लिए (जीएसएम तकनीक), मीटर से आंकड़े प्राप्त करने के लिए एक सुविधा प्रारंभ करेगा जिससे कि जब अपेक्षित हो, वे आंकड़े प्राप्त कर सकें।

- (घ) ईएचटी/एचटी/एलटी (पूर्ण धारा मीटरों)/एलटी (सीटी प्रचालित) उपभोक्ताओं के लिए मीटरों की शुद्धता श्रेणी ऐसी होगी जो सीईए विनियमों में अधिकथित हो।

7.3 मीटरों और कट आउटों/एमसीबी/सीबी की आपूर्ति, संस्थापन और स्वामित्व :

- (1) अनुज्ञप्तिधारी नया सेवा कनेक्शन देते समय या अपेक्षानुसार किसी अन्य समय पर उपभोक्ताओं को मीटरों, मीटरिंग उपस्करों, कट आउट/एमसीबी/सीबी/भार की आपूर्ति करेगा। अनुज्ञप्तिधारी मीटर को उचित चालू स्थिति में रखेगा और उपभोक्ता आयोग द्वारा अनुमोदित दर पर मीटर और मीटरिंग उपस्करों का मासिक किशया, यदि कोई हो, संदत्त करेगा। यदि अनुज्ञप्तिधारी मीटर या मीटरिंग उपस्करों को उचित चालू स्थिति में रखने में असफल रहता है तो उपभोक्ता, मीटर के दोषी रहने की अवधि के लिए मीटर किराए का भुगतान करने के लिए दायी नहीं होगा।
- (2) नए कनेक्शन का अनुरोध करते समय, आवेदनपत्र में उपभोक्ता यह विकल्प उपदर्शित करेगा कि वह अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अनुमोदित मीटर के विनिर्माता या प्राधिकृत विक्रेता/निर्माणकर्ता से मीटर एमसीबी/सीबी और संबद्ध उपस्करों का क्रय या तो स्वयं करेगा अथवा ऐसे अनुमोदित मीटरों, एमसीबी/सीबी और संबद्ध उपस्करों की आपूर्ति अनुज्ञप्तिधारी द्वारा की जाएगी :

परंतु यह कि यह सुनिश्चित करना अनुज्ञप्तिधारी की जिम्मेदारी होगी कि उपरोक्त विनियम 7.2 में और मीटर के संस्थापन और प्रचालन के लिए सीईए विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट मानक निर्माण के मीटर ही उपयोग में लाए जाएं। अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ताओं की पसंद को केवल 2-3 निर्माण/विनिर्माताओं तक ही सीमित नहीं करेगा बल्कि अनुमोदित निर्माण/विनिर्माताओं की सूची में से व्यापक रेंज की पसंद की प्रस्थापना

करेगा। अनुज्ञप्तिधारी, मीटर के अनुमोदित विक्रेताओं/निर्माण या विनिर्माताओं की सूची अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध कराएगा/सूचना पटल पर प्रदर्शित करेगा/और यदि अनुरोध किया जाए तो अनुमोदित विक्रेताओं/निर्माण/विनिर्माताओं की सूची उपभोक्ता को उपलब्ध कराएगा।

- (3) एचटी और एलटी उपभोक्ता, यदि वे मीटर और संबद्ध साधित्र के उपापन का विकल्प देते हैं तो वे सीटी और पीटी सहित मीटरिंग उपस्कर लगाने के लिए अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अनुमोदित डिजाइन का तालेदार और मौसमरोधी अहाता उपलब्ध कराएंगे। दूसरे मामलों में, इसे प्राक्कलित मूल्य में सम्मिलित किया जाएगा और अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।
- (4) कनेक्शनों के ऐसे मामलों में जहां मीटर की लागत उपभोक्ता द्वारा वहन की जाती है, अनुज्ञप्तिधारी द्वारा न तो मीटर किराया न ही मीटर की कीमत के लिए कोई प्रतिभूति प्रभारित की जाएगी।
- (5) ऐसे उपभोक्ता के मामले में, जिसने मीटर की लागत वहन की है या स्वयं मीटर क्रय किया है, करार समाप्त किए जाने के समय, अनुज्ञप्तिधारी को यह विकल्प प्राप्त होगा कि वह या तो उपभोक्ता द्वारा वहन की गई मीटर की लागत का अवक्षयणित मूल्य या स्वयं मीटर विखंडित करने के प्रभार लेकर उपभोक्ता को दे। अवक्षयण की संगणना, जीवनकाल 10 वर्ष मानते हुए ऋजु रेखा पद्धति (स्टेट लाइन मेथड) द्वारा की जाएगी।
- (6) अनुज्ञप्तिधारी द्वारा मीटर का संस्थापन प्रदाय के बिंदु पर या तो उपभोक्ता के परिसर पर या उपभोक्ता के परिसर के बाहर इस तरह किया जाएगा कि वह मीटर रीडिंग और अन्य प्रयोजनों के लिए सदैव अनुज्ञप्तिधारी की पहुंच में रहे।

- (7) जब कभी नया मीटर संस्थापित किया जाए (प्रातिस्थापन के रूप में या नए कनेक्शन के लिए) इसे उपभोक्ता की उपस्थिति में सील किया जाएगा और मीटर हिस्ट्री कार्ड की दो प्रतियां तैयार की जाएंगी। एक प्रति अनुज्ञप्तिधारी रखेगा तथा दूसरी प्रति मीटर के साथ संलग्न की जाएगी। बाद में, मीटर में होने वाले किसी भी दोष, मरम्मत आदि के ब्यौरे, अनुज्ञप्ति द्वारा इस कार्ड में प्रविष्ट किए जाएंगे। सील, नाम पट्ट और उक्त उपस्कर या साधित्र पर सुभेदक संख्या या चिन्ह किसी भी स्थिति में उपभोक्ता द्वारा तोड़े, साफ या बदले नहीं जाएंगे।
- (8) उपभोक्ता, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (मीटरों का संस्थापन और प्रचालन) विनियम, 2006 में यथा अधिकथित तकनीकी विनिर्देशों के अनुरूप चैक मीटर संस्थापित कर सकेगा। इन चैक मीटरों को विहित फीस के संदाय पर अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अंशशोधित किया जा सकता है। तथापि, अनुज्ञप्तिधारी द्वारा बिलिंग प्रयोजन के लिए चैक मीटर की रीडिंग का उपयोग नहीं किया जाएगा।
- (9) मीटर सामान्यतया भवन से बाहर और परिसर की दीवार के भीतर इस तरह लगाया जाना चाहिए कि यह मौसम आदि तत्व से सुरक्षित रहे और बाहर से ही रीडिंग ली जा सके। मीटर बॉक्स सामान्यतया ऐसी ऊंचाई पर होना चाहिए कि मीटर रीडिंग काउंटर/प्रदर्शन खिड़की आंखों के स्तर पर रहे। एलटी उपभोक्ताओं के मीटर और कट आउट/एमसीबी के मामले में या एचटी/ईएचटी उपभोक्ताओं के मामले में केबलों सहित मीटर, सर्किट ब्रेकर और सम्बद्ध उपस्कर, अनुज्ञप्तिधारी द्वारा प्रदाय के बिंदु पर संस्थापित किए जाने चाहिए।

(10) सभी नए मीटर टेम्पर रोधी मीटर बॉक्स में संस्थापित किए जाने चाहिए। अनुज्ञप्तिधारी, ऐसे सभी मीटरों को, जो मीटर बॉक्स में संस्थापित नहीं हैं टेम्पर रोधी मीटर बॉक्स में संस्थापित करने के लिए एक चरणबद्ध योजना तैयार करेगा और उसे क्रियान्वित करेगा।

(11) अर्द्ध स्थाई गृहों के मामले में, अनुज्ञप्तिधारी यह सुनिश्चित करेगा कि मीटर को दीवार पर समुचित रूप से लगाया जाए और वह मीटर रीडर की पहुंच में हो। मीटर लगाने के लिए उपभोक्ता द्वारा अच्छी गुणवत्ता की दीवार उपलब्ध न कराए जाने के मामले में, अनुज्ञप्तिधारी इसके लिए स्वतंत्र होगा कि वह मीटर विद्युत खम्बे पर या अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उपलब्ध कराए गए पिल्लर बॉक्स में लगाए। अनुज्ञप्तिधारी यह भी सुनिश्चित करेगा कि संस्थापन की अर्थिंग ठीक हो।

7.4 मीटरों की जांच :

(1) अनुज्ञप्तिधारी यह सुनिश्चित करेगा कि उपभोक्ता के परिसर में जांच किए गए मीटर संस्थापित किए जाएं। उपभोक्ताओं द्वारा क्रय किए गए मीटरों की जांच की जाए, उन्हें संस्थापित किया जाए तथा अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उन्हें सील किया जाए।

अनुज्ञप्तिधारी, निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार मीटरों का आवधिक निरीक्षण/जांच करेगा :

(क) एलटी एकल फेस मीटर : प्रत्येक पांच वर्षों में कम से कम एक बार

(ख) एलटी तीन फेस मीटर : प्रत्येक तीन वर्षों में कम से कम एक बार

(ग) अन्य एलटी मीटरिंग प्रणालियाँ : प्रत्येक दो वर्षों में कम से कम एक बार

(घ) एमडीआई सहित एचटी मीटर :

- ईएचटी उपभोक्ताओं के लिए : छह मास में एक बार

- एचटी उपभोक्ताओं के लिए : वर्ष में कम से कम एक बार

मीटरों के साथ सीटी और पीटी की भी जांच की जाएगी।

इन जांच परिणामों का अभिलेख, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (मीटरों का संस्थापन और प्रचालन) विनियम, 2006 के अनुसार रखा जाएगा।

(2) यदि अपेक्षित हो तो अनुज्ञप्तिधारी जांच के प्रयोजन के लिए विद्यमान मीटर हटा सकेगा। तथापि, अनुज्ञप्तिधारी के प्रतिनिधियों को इस आशय की प्राधिकृत सूचना प्रस्तुत करनी चाहिए और अपना पूरा नाम तथा पदनाम का उल्लेख करते हुए दस्तावेज पर रसीद के रूप में, मीटर हटाने के पूर्व, हस्ताक्षर करने चाहिए। उपभोक्ता ऐसे हटाए जाने पर आपत्ति नहीं करेगा।

(3) यदि अनुज्ञप्तिधारी के पास आवधिक जांच के लिए जांच सुविधा उपलब्ध नहीं है या मीटर दोषयुक्त होने पर उपभोक्ता द्वारा अनुरोध किए जाने पर वह एनएबीएल प्रत्यायित जांच प्रयोगशाला में तीसरे पक्षकार द्वारा जांच की व्यवस्था कर सकेगा और यदि आवश्यक हो तो विनिर्माता की लागत पर उसे पुनः अंशशोधित कराएगा।

7.5 दोषयुक्त मीटर :

(1) यदि किसी मीटर की शुद्धता के संबंध में युक्तियुक्त संदेह हो तो अनुज्ञप्तिधारी को मीटर और संबंधित आधित्र की जांच करने का अधिकार प्राप्त है और उपभोक्ता

अनुज्ञप्तिधारी को ऐसी जांच करने में आवश्यक सहायता उपलब्ध कराएगा। जांच के दौरान उपभोक्ता भी उपस्थित रहेगा।

(2) मीटर की रीडिंग की शुद्धता पर संदेह होने पर, या मीटर रीडिंग उसकी खपत के अनुरूप न होने पर, मीटर के रुकने तथा सील को क्षति पहुंचने पर उपभोक्ता अपेक्षित जांच फीस के साथ मीटर की जांच कराने हेतु अनुज्ञप्तिधारी का आवेदन प्रस्तुत कर सकेगा। अनुज्ञप्तिधारी शिकायत प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर मीटर की जांच करेगा जैसाकि वितरण अनुज्ञप्तिधारी के अनुपालन मानक विनियमों में उपबंधित है। मीटरों की प्रारंभिक जांच उपभोक्ताओं के परिसर पर ही इलेक्ट्रॉनिक जांच उपकरणों के माध्यम से की जा सकती है।

(i) मीटर के सही (ओ.के.) पाए जाने पर आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

(ii) अनुज्ञप्तिधारी द्वारा मीटर के तेज/धीमा पाए जाने और उपभोक्ता के भी रिपोर्ट से सहमत होने पर इस मीटर को नए मीटर से 15 दिनों के भीतर प्रतिस्थापित कर दिया जाएगा, और उस मास के पहले के, जिसमें विवाद उत्पन्न हुआ था, तीन पूर्व मासों के बिलों को जांच परिणामों के अनुसार पश्चात्तवर्ती बिल में पुनरीक्षित किया जाएगा। मीटर के धीमा पाए जाने के मामले में, अतिरिक्त प्रभार किस्तों में, जो तीन से अधिक नहीं होगी, वसूल किए जा सकेंगे, यदि उपभोक्ता उनका संदाय एक बार में करने में अपनी असमर्थता व्यक्त करता है।

(iii) यदि उपभोक्ता, जांच परिणाम पर विवाद करता है, या उपभोक्ता के परिसर पर जांच किया जाना कठिन है तो अनुज्ञप्तिधारी द्वारा दोषयुक्त मीटर को नए जांच शुदा मीटर से प्रतिस्थापित किया जाएगा तथा दोषयुक्त मीटर की जांच उपभोक्ता की उपस्थिति में सील किए जाने के पश्चात अनुज्ञप्तिधारी की प्रयोगशाला में/स्वतंत्र प्रयोगशाला में/वैद्युत निरीक्षक द्वारा, जैसाकि अनुज्ञप्तिधारी और उपभोक्ता, दोनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में उपभोक्ता द्वारा सहमति व्यक्त की जाए, की जाएगी। उपभोक्ता द्वारा एक बार दिया गया विकल्प, बाद में परिवर्तित नहीं होगा। जांच प्रयोगशाला की रिपोर्टों पर आधारित विनिश्चय, अनुज्ञप्तिधारी और उपभोक्ताओं पर अंतिम होगा।

(iv) अनुज्ञप्तिधारी की/स्वतंत्र प्रयोगशाला में मीटर की जांच के मामले में,

(क) जांच की प्रस्तावित तारीख से उपभोक्ता को कम से कम 7 दिन पहले सूचित किया जाएगा जिससे कि वह जांच के समय व्यक्तिगत रूप से या अपने प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित रहे। जांच परिणाम शीट पर उपभोक्ता या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर प्राप्त किए जाएंगे।

(ख) प्रयोगशाला में मीटर की जांच के सभी मामलों में, उपभोक्ता को जांच की प्रस्तावित तारीख से कम से कम 7 दिन पहले सूचित किया जाएगा जिससे जांच के समय वह स्वयं व्यक्तिगत रूप से या अपने प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित रहे। जांच परिणाम शीट पर वहां उपस्थित उपभोक्ता या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर प्राप्त किए जाएंगे।

7.6 रिकार्डिंग न करने वाला मीटर (अधिकतम मांग उपदर्शक सहित):

- (1) जैसे ही उपभोक्ता को यह पता चले कि मीटर रूका हुआ है/रिकार्डिंग नहीं कर रहा है, तो उससे यह अपेक्षा की जाती है कि वह इसकी लिखित सूचना अनुज्ञप्तिधारी को दे। उपभोक्ता द्वारा दी गई सूचना को अनुज्ञप्तिधारी अभिस्वीकृत करेगा।
- (2) यदि अनुज्ञप्तिधारी द्वारा आवधिक या अन्य निरीक्षण के दौरान यह पाया जाए कि कोई मीटर रिकार्डिंग नहीं कर रहा है या इस संबंध में उपभोक्ता शिकायत करता है तो अनुज्ञप्तिधारी, वितरण अनुज्ञप्तिधारी के अनुपालन मानक विनियमों में विनिर्दिष्ट समय के भीतर मीटर की जांच की व्यवस्था करेगा। वितरण अनुज्ञप्तिधारी के अनुपालन मानक विनियमों में विनिर्दिष्ट समय के भीतर मीटर की मरम्मत की जानी चाहिए/प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।

7.7 जले मीटर :

- (1) उपभोक्ता की शिकायत या अनुज्ञप्तिधारी के निरीक्षण पर किसी मीटर के जला हुआ पाए जाने के मामले में :
 - (i) भावी नुकसान से बचने के लिए यथा संभव शीघ्र स्थल पर निवारक कार्रवाई की जाएगी।
 - (ii) यदि उपभोक्ता के परिसर में वायरिंग ओ.के. पाई जाए तो अनुज्ञप्तिधारी, 6 घंटों के भीतर, जले मीटर के बाह्य पथ से प्रदाय पुनः स्थापित करेगा जैसाकि वितरण अनुज्ञप्तिधारी के अनुपालन मानक विनियमों में विनिर्दिष्ट है।

(iii) पाया गया अधिक भार हटा लिया जाएगा या उपभोक्ता से अतिरिक्त प्रतिभूति निक्षेप जमा करने और यथा लागू अन्य प्रभारों का संदाय करने के लिए कहकर उसे नियमित किया जाएगा।

(iv) अनुज्ञप्तिधारी द्वारा तीन दिनों के भीतर या वितरण अनुज्ञप्तिधारी के अनुपालन मानक विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट रूप में अनुज्ञप्तिधारी द्वारा नया मीटर संस्थापित किया जाएगा।

(2) यदि संभव हुआ तो अनुज्ञप्तिधारी, उपभोक्ता के परिसर से हटाए गए जले मीटर की जांच, दोषयुक्त मीटरों के संबंध में विनियम 7.5 में दी गई प्रक्रिया का सम्यक्तः अनुपालन करते हुए, करेगा। मीटर के अकृत्यकारी रहने के दौरान नीचे विनियम 8.16 में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार उपभोक्ता से बिल लिया जाएगा।

7.8 दोषयुक्त/जले मीटरों के प्रतिस्थापन की लागत :

(1) निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, मीटर के प्रतिस्थापन की लागत उपभोक्ता या अनुज्ञप्तिधारी द्वारा वहन की जाएगी :

(i) जांच के परिणाम से यदि यह स्थापित हो जाता है कि मीटर तकनीकी कारणों से, अर्थात् वोल्टता में अस्थिरता, अनुज्ञप्तिधारी से संबद्ध अनित्यता आदि के कारण जला है तो मीटर की लागत अनुज्ञप्तिधारी वहन करेगा। तथापि, यदि स्थापित होता है कि मीटर उपभोक्ता से संबद्ध कारणों से, अर्थात् उपभोक्ता के संस्थापन में दोष, उपभोक्ता द्वारा अनधिकृत भार के कनेक्शन आदि से जला है तो लागत उपभोक्ता द्वारा वहन की जाएगी।

- (ii) यदि जांच के परिणाम से यह स्थापित हो जाता है कि मीटर छेड़छाड़ के कारण या मीटर में हस्तक्षेप करने वाले उपभोक्ता द्वारा किए गए किसी अन्य विवेचित कार्य के कारण दोषयुक्त हुआ था तो मीटर की लागत उपरोक्तानुसार उपभोक्ता द्वारा वहन की जाएगी। उपभोक्ता का निर्धारण विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 126 के अधीन किया जाएगा और विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 138 के अनुसार वह दंडनीय होगा। इसके अलावा, चोरी और छेड़छाड़ के लिए उपभोक्ता के विरुद्ध विधि के अधीन यथा अनुज्ञेय कार्रवाई की जाएगी।
- (2) यदि मीटर जला हुआ पाया जाता है और यह विश्वास करने का कारण है कि अनुज्ञप्तिधारी के कर्मचारी ने मीटर बदले जाने को लंबित रखते हुए, सीधा कनेक्शन दिया था तो विद्युत की सीधे चोरी का मामला नहीं बनेगा। इस प्रयोजन के लिए उपभोक्ता द्वारा जले हुए मीटर को प्रतिस्थापित करने की शिकायत या विद्युत प्रदाय में रुकावट की शिकायत पर्याप्त मानी जाएगी।
- (3) मीटर प्रतिस्थापित किए जाने के ऐसे सभी मामलों में, जहां लागत उपभोक्ता द्वारा वहन की जानी हो, उसके पास यह विकल्प होगा कि वह मीटर और संबद्ध उपकरण का उपापन स्वयं विनियम 7.3 के अनुसार करे।

अध्याय 8

बिलिंग

8.1 मीटर रीडिंग तथा बिलिंग

- (1) घरेलू उपभोक्ताओं की बाबत मीटर की रीडिंग दिन के दौरान ही की जाएगी। आयोग के सुसंगत टैरिफ आदेश में जब तक अन्यथा विनिर्दिष्ट न हो उपभोक्ताओं के विभिन्न प्रवर्गों के लिए मीटर रीडिंग तथा बिलिंग की समय सारणी नीचे दी गई है। अनुज्ञप्तिधारी, तथापि, अनुसूची में सुधार कर सकेगा यदि वह इसे आवश्यक या उपयोगी पाता है।

| उपभोक्ता प्रवर्ग | मीटर रीडिंग तथा बिलिंग |
|---|---------------------------------------|
| घरेलू - ग्रामीण तथा बीपीएल | दो मास में एक बार |
| घरेलू - ग्रामीण | मासिक |
| गैर-घरेलू <5 केवी-ग्रामीण | दो मास में एक बार |
| गैर-घरेलू - अन्य (ग्रामीण तथा शहरी) | मासिक |
| एल टी औद्योगिक | मासिक |
| कृषि ग्रामीण | दो मास में एक बार |
| कृषि शहरी | दो मास में एक बार |
| स्ट्रीट लाइट, जल संकर्म, एकपरे संयंत्र विद्युत शवदाह गृह | मासिक |
| एच टी ईएचटी | मासिक (मास के उसी दिन को यथासाध्य) |

(2) अनुज्ञप्तिधारी निम्नलिखित रीति से उपभोक्ता के प्रत्येक प्रवर्ग को अधिसूचित करेगा।

- (क) वह बाद वाली तारीख जिस दिन अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उपभोक्ता को प्रत्येक मास बिल जारी किया जाएगा।
- (ख) वह तारीख जिसके द्वारा उपभोक्ता को बिल का परिदान किया जाएगा; तथा
- (ग) बिलों के, संदाय की देय तारीख

ये उस वित्तीय वर्ष के दौरान उन उपभोक्ताओं के लिए सभी बिलिंग साइकलों के लिए 2-3 कार्य दिवस से अनधिक के अंतर के साथ सामान्यतः देय तारीखें होंगी।

(3) मीटर की रीडिंग प्रत्येक बिलिंग साइकल में अनुज्ञप्तिधारी के प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा की जाएगी। अनुज्ञप्तिधारी समुचित रूप से पहचान पत्र प्रदान करेगा जिसे उसकी पोशाक पर प्रदर्शित किया जाएगा जिसे आसानी से देखा जा सकता हो। मीटर रीडर उपभोक्ता के परिसरों पर रखे जाने वाले मीटर कार्ड में तारीख सहित मीटर रीडिंग को अभिलिखित करेगा।

(4) अनुज्ञप्तिधारी मीटर रीडिंग तथा उपभोक्ता की संदाय प्रास्थिति को इंटरनेट पर भी डालेगा।

- (5) अनुज्ञप्तिधारी मीटर रीडिंग के लिए तथा तत्काल बिल को तैयार करने के लिए जीएसएम संयोजकता के साथ कम्प्यूटर युक्ति, मीटर रीडिंग उपस्कर (एमआरआई) या वायरलैस उपस्कर का भी उपयोग कर सकेगा। यदि बिलों को एमआरआई के आधार पर तैयार किया जाता है या यदि मीटर रीडिंग रिमोट मीटर रीडिंग के आधार पर ली जाती हैं तथा उपभोक्ता ली गई रीडिंग का अभिलेख चाहता है तो उसे मीटर रीडिंग करने वाले अनुज्ञप्तिधारी के पदाधिकारी द्वारा ऐसा अनुज्ञात किया जाएगा।
- (6) यदि तत्काल बिलिंग प्रक्रिया के दौरान, उपभोक्ता की अनुपस्थिति के कारण अनुज्ञप्तिधारी का प्रतिनिधि मीटर रीडिंग नहीं ले सका तो प्रतिनिधि वहां पर एक टिप्पण छोड़ जाएगा तथा उपभोक्ता से टेलीफोन पर मीटर रीडिंग के बारे में सूचित करने का अनुरोध कर सकेगा। उपभोक्ता तत्पश्चात किसी भी उचित तारीख को बिल का परिदान ले सकेगा। तथापि, टेलीफोन पर मीटर रीडिंग प्राप्त करने की प्रक्रिया स्क्रैच पर एक मीटर रीडिंग साइकल के बाद अनुज्ञात नहीं की जाएगी।
- (7) अनुज्ञप्तिधारी प्रत्येक उपभोक्ता को एक विलक्षण उपभोक्ता संख्या देगा तथा उसे उपभोक्ता को बताएगा। विलक्षण उपभोक्ता संख्या में पोल संख्या, ट्रांसफार्मर संख्या, 11 केवी की दर, संख्या, वितरण केंद्र संख्या तथा डिविजन संख्या सम्मिलित हो सकेगी।
- (8) ऐसे उपभोक्ताओं, जो बिना मीटर के प्रदाय ले रहे हैं, के लिए अधिनियम के अधीन यथा अपेक्षित विद्युत के पूर्ण संदाय की सीमा को मीटर प्रदान किए जाने तक स्वीकार करने के लिए अनुज्ञप्तिधारी स्वतंत्र होगा तथा ऐसे पूर्व संदाय स्कीम के व्यौरों को आयोग द्वारा अनुमोदित करना होगा।
- (9) बिलों को विद्यमान टैरिफ आदेश के अनुसार उपभोक्ताओं के प्रत्येक प्रवर्ग के लिए तैयार किया जाएगा।

- (10) जब नए उपभोक्ताओं को प्रदाय मास के मध्य में दिया जाता है तो उन दिनों, जिनके लिए प्रदाय किया गया हो, के लिए आनुपातिक आधार पर मांग प्रभार, न्यूनतम प्रभार और/या ऐसे ही अन्य नियत प्रभारों को उद्गृहीत किया जाएगा। विभिन्न ब्लॉकों या स्लैबों के अधीन प्रभारित किए जाने वाले यूनिटों को तदनुसार, आनुपातिक किया जाएगा। इस उप-विनियम के प्रयोजन के लिए, मास की संख्या 30 दिनों के रूप में की जाएगी।
- (11) ऐसे देयों, जो अतिरिक्त प्रतिभूति निक्षेप के लिए मांग के सिवाय संपरीक्षा पैराओं या विभिन्न विवादों में निपटान के कारण उद्भूत हो सकेंगे, के लिए पृथक, बिल जारी किए जाएंगे। ऐसे बिलों के साथ बिलिंग के आधार के लिखित ब्यौरे, बिलिंग की अवधि, आदि संलग्न होनी चाहिए।
- (12) अनुज्ञप्तिधारी ऐसे सभी कनेक्शनों के लिए डाउनलोड किए गए मासिक मीटर रीडिंग उपकरण (एनआरआई) लेने का प्रयास करेगा जहां एमआरआई डाउनलोड सुविधा के साथ मीटर लगाए गए हैं।
- (13) यदि किसी भी कारण से, मीटर रीडिंग के पहुंच योग्य नहीं हैं तो अनुज्ञप्तिधारी पूर्व तीन बिलिंग साइकल की औसत संगणना के आधार पर अनंतिम बिल जारी करेगा तथा उपभोक्ता को मीटर रीडिंग लेने के समय नोटिस भेजेगा जिसमें रीडिंग लेने का समय तथा तारीख दी जाएगी।
- (14) बिल में जोड़ी गई रकम को पश्चावर्ती बिलिंग साइकल के दौरान वास्तविक मीटर रीडिंग के आधार पर दिए गए बिल में समायोजित किया जाएगा। ऐसे अनंतिम बिल को स्क्रैच पर लगातार दो बिलिंग साइकल से अधिक के लिए जारी नहीं रखा जाएगा। यदि मीटर अगले साइकल के दौरान पहुंच योग्य नहीं है तो उपभोक्ता को नोटिस की तामील की जाएगी, यदि वह उपलब्ध हो, या उसे परिसरों के मुख्य प्रवेश द्वारा पर चिपकाया जाएगा जिसमें यह उल्लिखित होगा कि 7 (सात) दिन के भीतर नियत समय तथा तारीख पर मीटर की रीडिंग के लिए अनुज्ञप्तिधारी से मीटर रीडिंग कराएं जिसमें न हो सकने पर अधिनियम की धारा 163(3) के अधीन 24 घंटे की सूचना की तामील करने के पश्चात प्रदाय को काटा जाएगा। ये उपबंध ऐसे घरेलू उपभोक्ता को लागू नहीं होंगे जिसने घर से बाहर होने की सूचना अनुज्ञप्तिधारी को दी हों तथा यदि उसने प्रस्तावित अनुपस्थिति की अवधि

के लिए न्यूनतम/नियत प्रभारों को सम्मिलित करते हुए रकम जमा कर दी हो। ऐसे अनंतिम संदाय को तब समायोजित किया जाएगा जब वास्तविक मीटर रीडिंग के आधार पर पश्चावर्ती बिल जारी किया जाता है।

- (15) मीटर रीडर की यह जिम्मेदारी होगी कि वह प्रत्येक बंद पड़े हुए/खराब मीटर की स्थिति/इलेक्ट्रॉनिक मीटर की एलसीडी/एलईडी की सील तथा स्थिति का ब्यौरा नोट करे तथा यदि कोई असामान्यता पाई जाती है, जो अपेक्षित हो तो वह उस संबंधित अधिकारी को रिपोर्ट देगा जो तत्काल बंद पड़े हुए/खराब मीटर को बदलने या मरम्मत करने या अधिनियम के उपबंधों के अनुसार ऐसी कार्रवाई करने के लिए उत्तरदायी हो।
- (16) उस अवधि के दौरान, जब मीटर पुनः खराब हो, के ऊर्जा प्रभारों की वसूली के लिए पिछली तीन मीटर रीडिंग साइकल औसत मासिक खपत न्यूनतम मासिक प्रभारों के अधीन रहते हुए हो, या जो आयोग प्रवृत्त टैरिफ आदेश में अन्यथा उपबंधित हो, बिलिंग के आधार पर होगी। यदि जांच मीटर उपलब्ध है तो जांच मीटर की रीडिंग का उपयोग खपत को निर्धारित करने के लिए भी किया जा सकेगा। एचटी उपभोक्ता की दशा में, यदि उस अवधि, जब मुख्य मीटर त्रुटियुक्त हो, जांच मीटर नहीं लगाया गया हो या त्रुटियुक्त पाया गया हो, प्रदाय की विद्युत की मात्रा का अवधारण उपरोक्तानुसार किया जाएगा।
- (17) मीटर रीडर उन कनेक्शनों की सूची प्रस्तुत करेगा जहां मीटर रीडिंग को अभिलिखित नहीं किया जा सकेगा या मीटर विद्युत के खपत को अभिलिखित नहीं करता हो, वितरण केंद्र का भार साधक अधिकारी, जो ऐसे उपभोक्ताओं की सूची तैयार करेगा जहां मीटर रीडिंग नहीं की जा सकती तथा बदले जाने वाले त्रुटियुक्त मीटरों की सूची तैयार करेगा तथा

वितरण अनुज्ञप्तिधारी के कार्यनिष्पादन मानक संबंधी विनियम में यथा विनिर्दिष्ट कार्रवाई करने के लिए अनुज्ञप्तिधारी के संबंधित पदाभिहित अधिकारी को रिपोर्ट करेगा।

- (18) वरिष्ठ अधिकारी अनुज्ञप्तिधारी द्वारा निकाली गई अनुसूची के अनुसार मीटर रीडिंग की नमूना जांच करेंगे। अनुज्ञप्तिधारी द्वारा यह प्रयास किया जाएगा कि अधिकारियों की टीम, जो कार्यपालक काडर से कम नहीं होंगे, द्वारा प्रतिवर्ष एलटी मीटरों के रूप में कम से कम 20% तक मीटर रीडिंग की जांच की जाती है।
- (19) अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ताओं के बिल व्यक्तिगत रूप से या डाक द्वारा भेज सकेगा। बिलों के व्यक्तिगत परिदान की दशा में, अनुज्ञप्तिधारी के संबंधित कार्यालय में बिल देने का सबूत रखा जाएगा। उपभोक्ता के लिखित अनुरोध पर, अनुज्ञप्तिधारी बिल को राष्ट्रीयकृत डाक से भेजेगा तथा बिलों के ऐसे परिदान के खर्चों की वसूली उपभोक्ता से की जाएगी।
- (20) अनुज्ञप्तिधारी संदाय के लिए देय तारीख से कम से कम 14 दिन पूर्व उपभोक्ताओं को बिलों के वितरण को सुनिश्चित करेगा। बिलों में निम्नलिखित रूप में न्यूनतम ब्यौरे अंतर्विष्ट होंगे :

निम्न टेंशन कनेक्शन बिल

- (क) उपभोक्ता का नाम तथा पता
- (ख) सेवा कनेक्शन संख्या
- (ग) वितरण केंद्र का नाम, पता तथा टेलीफोन संख्या
- (घ) बिल को जारी करने की तारीख
- (ङ) बिल की अवधि

- (च) टैरिफ प्रवर्ग
- (छ) संविदागत भार
- (ज) एकल फेज या तीन फेज कनेक्शन
- (झ) मीटर संख्या तथा मेक
- (ञ) वर्तमान मीटर रीडिंग
- (ट) ऊर्जा कारक
- (ठ) खर्च की गई यूनिटें
- (ड) चालू मास के प्रभार उर्जा प्रभार, नियत प्रभार, न्यूनतम प्रभार, ईंधन कीमत तथा ऊर्जा लागत समायोजन (एफपीपीसीए) प्रभार, विद्युत शुल्क, उपस्कर, मीटर किराया, कैपसिटर अधिभार, अनुज्ञात छूट, अन्य, यदि कोई हो।
- (ढ) बकाया विद्युत प्रभार
- (ण) बिलम्ब संदाय अधिभार
- (त) संदाय की देय तारीख
- (थ) वह प्राधिकारी, जिसके पक्ष में चैक/बैंक ड्राफ्ट जारी किया जाना है (बिल के पीछे मुद्रित किया जाना है)।

उच्च टेंशन कनेक्शन बिल

- (क) उपभोक्ता का नाम तथा पता
- (ख) सेवा कनेक्शन संख्या
- (ग) वितरण केंद्र का नाम, पता तथा टेलीफोन संख्या
- (घ) बिल को जारी करने की तारीख
- (ङ) बिल की अवधि
- (च) टैरिफ प्रवर्ग
- (छ) मीटर संख्या तथा मेक
- (ज) वृद्धि कारक
- (झ) संविदागत अधिकतम मांग

- (ज) पूर्व मास की रीडिंग
- (ट) वर्तमान मास की रीडिंग
- (ठ) ऊर्जा कारक
- (ड) खर्च किए गए यूनिट
- (ढ) चालू मास के प्रभार ऊर्जा प्रभार, नियत प्रभार, न्यूनतम प्रभार, ईंधन कीमत तथा ऊर्जा लागत समायोजन (एफपीपीसीए) प्रभार, विद्युत शुल्क, उपस्कर, मीटर किराया, कैपसिटर अधिभार, अनुज्ञात छूट, अन्य, यदि कोई हो।
- (ण) बकाया विद्युत प्रभार
- (त) विलंब संदाय प्रभार
- (थ) संदाय की देय तारीख
- (द) वह प्राधिकरण जिसके पक्ष में चेक/बैंक ड्राफ्ट जारी किया जाना है (बिल के पीछे मुद्रित किया जाना है)।

(21) बिलों के संलग्नक के रूप में या बिल के पीछे उपभोक्ता को निम्नलिखित व्यौरे भी प्रदान किए जाने की आवश्यकता है :-

- (क) संग्रहण केंद्र का नाम/पता/टेलीफोन संख्या
- (ख) बिलों की संगृहीत करने के लिए कार्य दिवस घंटे
- (ग) उस प्राधिकारी का नाम, पदनाम, पता तथा टेलीफोन संख्या जिसके समक्ष बिलों, मीटर, मीटर रीडिंग आदि की शिकायत की जा सकती है।
- (घ) उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच का पता तथा टेलीफोन संख्या
- (ङ) संबंधित फ्यूज काल सेंटर का नाम
- (च) कोई अन्य संदेश जो अनुज्ञप्तिधारी देना चाहें।

(22) यदि अनुज्ञप्तिधारी उपभोक्ता को कैलेंडर मास के 10 दिन या उससे अधिक की अवधि के लिए ऊर्जा का प्रदाय करने में असमर्थ है (प्रत्येक दिन

में 00 घंटे तक की ऊर्जा की कटौती सम्मिलित है) जो अनुज्ञप्तिधारी अन्यथा काटेगा नहीं, तो अनुज्ञप्तिधारी निम्नलिखित रीति से उपभोक्ता से प्रभारित करेगा :

(क) ऊर्जा प्रभार ऊर्जा मीटर में अभिलिखित वास्तविक मीटर रीडिंग के आधार पर होंगे।

(ख) अन्य प्रभार उन दिनों की संख्या, जिनमें उपभोक्ता को ऊर्जा प्रदाय की गई थी, के आधार पर आनुपातिक होंगे।

(23) अनुज्ञप्तिधारी किसी भी उपभोक्ता को टेलीफोन पर मार्जिन तथा सूचना देने की व्यवस्था करेगा तथा इस प्रयोजन के लिए वह कूल सेंटर स्थापित करेगा। पहले चरण में इस सुविधा के अंतर्गत सभी शहरी क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा तथा उसके पश्चात ग्रामीण क्षेत्रों को सम्मिलित किया जाएगा। संदाय प्रास्थिति, बकाया प्रास्थिति, प्राधिकृत भार, संविदा मांग आदि के ब्यौरे उपभोक्ता को दिए जाएंगे यदि वह अपना कनेक्शन संख्या तथा पता को बताता है।

8.2 घरेलू उपभोक्ताओं के परिसरों की अधिभोगिता/रिक्ति में परिवर्तन की दशा में मीटरों की विशेष रीडिंग :

(1) स्वामी/उपभोक्ता का यह उत्तरदायित्व होगा कि वह अधिभोग में परिवर्तन करते समय या परिसरों को खाली करते समय अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अपने कनेक्शन को कटाए तथा अपनी विशेष रीडिंग कराए।

(2) कनेक्शन का स्वामी/उपभोक्ता कनेक्शन काटने तथा मीटर की विशेष रीडिंग करने के लिए यथास्थिति परिसरों को खाली करने तथा अधिभोगिता

में परिवर्तन करने की प्रस्तावित तारीख के लिए अनुरोध कम से कम 15 दिन अग्रिम में लिखित में करेंगे। तथापि, अनुज्ञप्तिधारी अल्प अवधि की सूचना को स्वीकार करेगा। अनुज्ञप्तिधारी ऐसे आवेदन की प्राप्ति की तारीख से वितरण अनुज्ञप्तिधारी के कार्यनिष्पादन के मानक संबंधी विनियम में यथाविनिर्दिष्ट रीति से उनका निपटारा करेगा।

(3) अनुज्ञप्तिधारी परिसरों को खाली करने के कम से कम सात दिन पूर्व मीटर की विशेष रीडिंग कराएगा तथा अंतिम बिल, जिसमें बिल की तारीख तक सभी बकाया भी सम्मिलित हैं, परिदान करेगा। अंतिम बिल में विशेष रीडिंग की तारीख तथा परिसरों को खाली करने की तारीख के बीच की अवधि के लिए आनुपातिक आधार पर संदाय भी सम्मिलित है।

(4) एक बार बिल जारी करने पर, अनुज्ञप्तिधारी के पास ऐसे बिल की तारीख से पूर्व की अवधि के लिए किसी भी प्रकार के प्रभारों, अंतिम बिल में भिन्ना, को वसूल करने का अधिकार नहीं है। उपभोक्ता/स्वामी का यह उत्तरदायित्व होगा कि वह संदाय करे तथा संदाय की प्राप्ति पर, अनुज्ञप्तिधारी कोई देय नहीं प्रमाणपत्र जारी करेगा।

अध्याय 9

बिल का संदाय न होने के कारण कनेक्शन का काटा जाना और सेवा की पुनःस्थापना

9.1 बिल रकम का संदाय न होने के कारण कनेक्शन का काटा जाना :

जब कोई व्यक्ति, विद्युत के प्रदाय, पारेषण या वितरण अथवा चक्र के संबंध में उससे अनुज्ञप्तिधारी को देय विद्युत के लिए किसी प्रभार या किसी अन्य राशि का संदाय, बिल में उल्लिखित अंतिम तारीख तक करने की उपेक्षा करे, तो अनुज्ञप्तिधारी वाद द्वारा ऐसे प्रभार या देय राशि के वसूली के अपने अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, उस व्यक्ति को कम से कम पन्द्रह (15) की स्पष्ट लिखित सूचना देने के पश्चात्, विद्युत का प्रदाय, जब तक कि ऐसे प्रभार या अन्य राशि का संदाय, प्रदाय बंद करने और उसे दोबारा चालू करने में उपगत किन्हीं खर्चों के साथ न किया जाए, बंद कर सकेगा।

9.2 अन्य कारणों से काटा जाना :

अनुज्ञप्तिधारी, उपाबंध 3 के अनुसार समुचित सूचना की तामील के पश्चात् निम्नलिखित में से किसी भी आधार पर उपभोक्ता के विद्युत का प्रदाय काट सकेगा :

- (1) उपभोक्ता के अनुरोध पर।
- (2) ऐसी सूचना जारी करने का विधिक प्राधिकार रखने वाले किसी व्यक्ति द्वारा ऐसा करने के लिए अनुज्ञप्तिधारी के अधिदेश पर।
- (3) उपभोक्ता के साथ किसी करार के अधीन ऐसा करने के लिए अनुज्ञप्तिधारी के हकदार होने पर।
- (4) अनुज्ञप्तिधारी का युक्तियुक्त रूप से यह विश्वास होने पर कि उपभोक्ता ने इस संहिता के किसी ऐसे उपबंध का उल्लंघन किया है जो अनुज्ञप्तिधारी को प्रदाय बंद करने का अधिकारी बनाता है।
- (5) अनुज्ञप्तिधारी का युक्तियुक्त रूप से यह विश्वास होने पर कि कनेक्शन काटने में असफल रहने से स्वास्थ्य संकट या सुरक्षा जोखिम या संपत्ति अथवा उपभोक्ता या किसी अन्य व्यक्ति का नुकसान होगा या होने की संभावना है जैसाकि आईई नियम, 1956 के नियम 49 के अधीन यथा उपबंधित धारा का अधिक रिसाव।
- (6) यदि अनुज्ञप्तिधारी का युक्तियुक्त रूप से यह विश्वास है कि उपभोक्ता का संस्थापन, लागू नियमों या अनुज्ञप्तिधारी द्वारा विहित अन्य युक्तियुक्त अपेक्षाओं का समाधान नहीं करते हैं।
- (7) यदि उपभोक्ता द्वारा जमा कराया गया प्रतिभूति निक्षेप अपर्याप्त हो गया है या उपभोक्ता को अतिरिक्त प्रतिभूति निक्षेप जमा कराना था जिसे वह विहित समय-सीमा के भीतर जमा कराने में असफल रहा।
- (8) विनियम 10.3 (ड) (i) और विनियम 10.5(क) (vii) के अधीन क्रमशः संदाय में व्यतिक्रम या विद्युत की चोरी का पता चलने पर, प्रदाय बिना किसी सूचना के तुरंत डिस्कनेक्ट कर दिया जाएगा।
- (9) विनियम 4.12(4) के अधीन अनुज्ञप्तिधारी या उसके अधिकृत प्रतिनिधि को पहुंच प्रदान न किए जाने के लिए।

- (10) जब किसी उपभोक्ता के पास एक से अधिक कनेक्शन हों तो किसी एक कनेक्शन के संबंध में शोध्यों के संदाय में व्यक्तिगत पर।

9.3 विद्युत प्रदाय का पुनःस्थापन :

- (क) स्थायी रूप से डिस्कनेक्ट किया गया कोई कनेक्शन पुनः कनेक्ट नहीं किया जाएगा और उपभोक्ता को नए कनेक्शन के लिए आवेदन करना होगा।
- (ख) अस्थाई डिस्कनेक्शन के मामले में, डिस्कनेक्शन के कारण का समाधान होने के पश्चात्, प्रदाय पुनःस्थापित कर दिया जाएगा।
- (ग) यदि डिस्कनेक्शन बिल का संदाय न किए जाने के कारण किया गया था और यदि उपभोक्ता डिस्कनेक्शन के पश्चात् छह मास के भीतर पुनः कनेक्शन का अनुरोध करे तो कनेक्शन, विस्तृत अनुज्ञप्तिधारी के अनुपालन मानक प्रचालन विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट के अनुसार उपभोक्ता द्वारा शोध्यों और पुनः कनेक्शन प्रभारों के संदाय की रसीद की एक प्रति के साथ आवेदन पत्र दिए जाने के पांच दिनों के भीतर उपलब्ध करा दिया जाएगा।
- (घ) यदि संदाय चैक (बैंकर्स चैक से भिन्न) द्वारा किया गया हो तो प्रदाय, चैक का भुगतान हो जाने पर पुनः कनेक्ट कर दिया जाएगा।
- (ङ) अन्य मामलों में, आवेदक पुनः कनेक्शन के लिए, कारण का समाधान हो जाने के पश्चात् निम्नलिखित के साथ आवेदन करेगा :
- (i) डिस्कनेक्शन/पुनः कनेक्शन फीस के संदाय की रसीद
 - (ii) अनुज्ञप्तिकृत विद्युत ठेकेदार द्वारा जांच की रिपोर्ट

- (iii) उपरोक्त विनियम 9.2 के अधीन कनेक्शन काटे जाने के लिए कारण का समाधान हो जाने पर दस्तावेजी साक्ष्य।

उपभोक्ता द्वारा कनेक्शन काटे जाने के कारण का समाधान हो जाने की सूचना दिए जाने पर अनुज्ञप्तिधारी परिसर का निरीक्षण करेगा और अगर उसका यह समाधान हो जाता है कि कनेक्शन काटे जाने का कारण समाप्त हो चुका है तो प्रदाय को पुनः चालू कर दिया जाएगा जैसाकि वितरण अनुज्ञप्तिधारी के मानक प्रचालन विनियमों में विनिर्दिष्ट है।

अध्याय 10

विद्युत का अनधिकृत उपयोग और विद्युत की चोरी

10.1 विद्युत का अनधिकृत उपयोग :

- (1) अधिनियम की धारा 126 के उपबंधों के अधीन निर्धारण के प्रयोजन के लिए उपभोक्ता द्वारा किए गए निम्नलिखित कार्य विद्युत का अनधिकृत उपयोग समझे जाएंगे :

- (i) किसी कृत्रिम साधन द्वारा विद्युत का उपयोग; या
- (ii) संबंधित व्यक्ति या प्राधिकारी या अनुज्ञप्तिधारी की अनुज्ञा के बिना विद्युत का अनधिकृत उपयोग; या
- (iii) किसी छेड़छाड़ किए गए मीटर के माध्यम से विद्युत का उपयोग; या
- (iv) किसी ऐसे प्रयोजन से भिन्न विद्युत का प्रयोग जिसके लिए विद्युत का प्रदाय दिया गया था; या
- (v) ऐसे परिसर या क्षेत्रों से भिन्न परिसर या क्षेत्रों के लिए विद्युत का उपयोग जिनके के लिए विद्युत का प्रदाय अधिकृत था; या
- (vi) ऐसे परिसर में विद्युत का उपयोग जहां अनुज्ञप्तिधारी द्वारा प्रदाय को कनेक्शन काटा गया है।

- (2) उपभोक्ता द्वारा किए गए निम्नलिखित कार्यों को भी विद्युत का अनधिकृत उपयोग समझा जाएगा और उन पर भी अधिनियम की धारा 126 के अधीन निर्धारण के लिए कार्यवाही की जाएगी :

- (i) करार के अनुसार स्वीकृत भार के आधिक्य में संयोजित या संहिताकृत भार में वृद्धि;

- (ii) करार के अनुसार उपयोग के अनुज्ञात क्षेत्र के परे विद्युत प्रदाय का विस्तार;
- (iii) मीटर की अवस्थिति शिफ्ट करना या संस्थापन में अनधिकृत परिवर्तन;
- (iv) न्यूट्रल का डिस्कनेक्शन; या
- (v) अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उपलब्ध कराए गए मीटर या मीटरिंग से संबद्ध उपकरणों के साथ छेड़छाड़ करना और इसकी रिपोर्ट अनुज्ञप्तिधारी को न करना।

10.2 अनुज्ञप्तिधारी का प्राधिकृत अधिकारी :

निरीक्षण कराने के लिए अनुज्ञप्तिधारी, विभिन्न क्षेत्रों/खंडों/जिलों के लिए अधिकृत अधिकारियों की एक सूची प्रकाशित करेगा और उपभोक्ताओं द्वारा आसानी से पहचान किए जाने को समर्थ बनाने के लिए ऐसे प्राधिकृत अधिकारियों को पहचान पत्र जारी करेगा।

10.3 विद्युत के अनधिकृत उपयोग के मामले में निरीक्षण, अनंतिम निर्धारण, सुनवाई और अंतिम निर्धारण के लिए प्रक्रिया :

(क) निरीक्षण :

- (i) अधिनियम की धारा 126 के अधीन समुचित सरकार द्वारा यथा नियुक्त निर्धारण अधिकारी विद्युत के अनधिकृत उपयोग की विश्वसनीय सूचना की प्राप्ति पर, कर्मिष्ठता के साथ तुरंत ऐसे स्थान या परिसर का निरीक्षण और तलाशी करवाएगा जहां अनधिकृत उपयोग हुआ हो।
- (ii) निर्धारण अधिकारी, यदि ऐसा किया जाना अपेक्षित हो, परिसर में प्रवेश करने के पूर्व उपभोक्ता/स्थान या परिसर पर अधिभोग या कब्जा रखने वाले व्यक्ति या भार साधक को अपना फोटो पहचानपत्र

दिखाएगा। निर्धारण अधिकारी के साथ जाने वाले व्यक्ति भी अपना-अपना फोटो पहचान पत्र साथ लेकर जाएंगे।

- (iii) परिसर में पहुंच इन विनियमों के विनियम 4.12 के अनुसार होगी और निरीक्षण स्थान या परिसर का अधिभोगी या उसकी ओर से कोई अन्य व्यक्ति, निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहेगा।
- (iv) कनेक्टेड भार, पुरानी सीलों तथा पुनः की गई सीलिंग की स्थिति और ब्यौरे, मीटर के कार्यकरण, नई सीलों के ब्यौरे आदि देते हुए एक निरीक्षण रिपोर्ट स्थल पर तैयार की जाएगी। रिपोर्ट में पाई गई उस विशिष्ट अनियमितता का उल्लेख उपाबंध 4 में दिए गए फार्मेट में किया जाएगा जो विद्युत के अनधिकृत उपयोग का कारण बनी।
- (v) रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से यह उपदर्शित होगा कि क्या इस तथ्य को सिद्ध करने का निश्चायक साक्ष्य था अथवा नहीं कि विद्युत का अनधिकृत उपयोग पाया गया था। ऐसे साक्ष्य के ब्यौरे रिपोर्ट में अभिलिखित किए जाएंगे। रिपोर्ट निर्धारण अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित होंगी और नीचे विनियम 11.3 के अनुसार रिपोर्ट की एक प्रति की तामील स्थान या परिसर पर अधिभोग या कब्जा रखने वाले व्यक्ति या भार साधक पर की जाएगी।
- (vi) निरीक्षण की तारीख से तीन दिनों के भीतर, निर्धारण अधिकारी खपत नमूना जहां भी उपलब्ध हो, सहित सभी साक्ष्यों पर सावधानीपूर्वक विचार करने के पश्चात् मामलों का विश्लेषण करेगा। यदि यह निष्कर्ष निकलता है कि विद्युत का कोई अनधिकृत उपयोग नहीं हुआ है, तो आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

(ख) अनंतिम निर्धारण और उपभोक्ता को सूचना :

(i) यदि निर्धारण अधिकारी का यह निष्कर्ष है कि परिसर में विद्युत का अनधिकृत उपयोग हुआ है तो वह उपभोक्ता/परिसर पर अधिभोग रखने वाले व्यक्ति या भार साधक पर एक अनंतिम निर्धारण आदेश की तामील समुचित प्राप्ति रसीद के विरुद्ध कराएगा जिसमें, उसे अनंतिम निर्धारण आदेश के विरुद्ध आपत्तियां, यदि कोई हों, फाइल करने के लिए 7 दिनों का समय देते हुए सुनवाई की एक तारीख नियत की जाएगी। निर्धारण, इन विनियमों के साथ संलग्न उपाबंध 7 में उपबंधित मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार किया जाएगा।

(ii) कोई व्यक्ति, जिस पर अनंतिम निर्धारण आदेश की तामील की गई हो, ऐसा निर्धारण स्वीकार कर सकेगा और उस पर तामील किए गए ऐसे अनंतिम निर्धारण आदेश के तामील किए जाने के सात दिनों के भीतर अनुज्ञप्तिधारी के पास निर्धारित रकम जमा कर सकेगा। किया गया ऐसा संदाय सक्षम प्राधिकारी द्वारा पारित किए जाने वाले अंतिम आदेश के अधीन होगा।

(ग) सुनवाई और अंतिम निर्धारण :

(i) सुनवाई की तारीख को, निर्धारण अधिकारी, उपभोक्ता/स्थान या परिसर पर अधिभोग या कब्जा रखने वाले व्यक्ति या भार साधक की सुनवाई करेगा। निर्धारण अधिकारी ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत तथ्यों पर सम्यक्तः विचार करेगा और 7 कार्य दिनों के भीतर एक आख्यापक आदेश पारित करेगा कि क्या विद्युत के अनधिकृत उपयोग का मामला स्थापित होता है अथवा नहीं। आदेश में निरीक्षण रिपोर्ट, ऐसे व्यक्ति द्वारा अपने

लिखित उत्तर में और सुनवाई के दौरान भी प्रस्तुत निवेदनों का सार अंतर्विष्ट होगा।

(ii) आदेश की एक प्रति की तामील ऐसे व्यक्ति पर समुचित अभिस्वीकृति के अधीन और नीचे विनियम 11.3 के अनुसार की जाएगी।

(iii) यदि निर्धारण अधिकारी यह निष्कर्ष निकालता है कि विद्युत का अनधिकृत उपयोग हुआ है तो निर्धारण उस समस्त अवधि के लिए किया जाएगा जिसके दौरान विद्युत का अनधिकृत उपयोग हुआ और फिर भी यदि, उस अवधि को सुनिश्चित न किया जा सकता हो जिसके दौरान विद्युत का ऐसा अनधिकृत उपयोग हुआ हो तो ऐसी अवधि निरीक्षण तारीख से तुरंत पूर्व की बारह मास की अवधि तक सीमित होगी।

(iv) उपरोक्त (iii) के अधीन निर्धारण सेवा के सुसंगत प्रवर्ग के लिए लागू टैरिफ के दुगुने के बराबर की दर पर किया जाएगा।

(घ) अंतिम निर्धारण आदेश के विरुद्ध अपीलीय प्राधिकारी को अपील :

(i) उपरोक्त विनियम 10.3 (ग) के अधीन किए गए अंतिम आदेश द्वारा व्यथित कोई व्यक्ति, उस आदेश की तारीख से तीस (30) दिनों के भीतर आयोग द्वारा पदनामित अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील प्रस्तुत कर सकेगा।

(ii) उपरोक्त विनियम (i) के अधीन निर्धारण आदेश के विरुद्ध किसी अपील पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि उपभोक्ता/व्यक्ति, निर्धारण अधिकारी द्वारा निर्धारित रकम की आधी

रकम नकद या बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से अनुज्ञप्तिधारी के पास जमा नहीं करा दे और ऐसी जमा का दस्तावेजी प्रमाण संलग्न न करे।

- (iii) जहां निर्धारित उपभोक्ता/व्यक्ति, अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील करने के अपने आशय की सूचना निर्धारण अधिकारी को दे देता है, वहां अनुज्ञप्तिधारी उपरोक्त विनियम (घ) (i) में उल्लिखित तीस (30) दिनों के भीतर निर्धारित रकम की वसूली के लिए कोई कार्रवाई नहीं करेगा।

(ड) निर्धारित रकम या उसकी किस्तों के संदाय में व्यतिक्रम :

- (i) निर्धारित रकम या सक्षम प्राधिकारी द्वारा मंजूर या करार पाई गई किस्तों के संदाय में व्यतिक्रम के मामले में, अनुज्ञप्तिधारी, लिखित में 15 दिनों की सूचना देने के पश्चात्, किसी भी समुचित रीति में विद्युत के प्रदाय को डिस्कनेक्ट करेगा जैसे खम्बे/ट्रांसफार्मर से डिस्कनेक्शन; मीटर, विद्युत लाइन, विद्युत संयंत्र और अन्य साधित्र हटाना, जैसा भी मामले में अपेक्षित हो। पुनः कनेक्शन, इन विनियमों के विनियम 9.3 में अधिकथित पुनः कनेक्शन के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।
- (ii) जब कोई उपभोक्ता/व्यक्ति निर्धारित रकम का संदाय करने में व्यतिक्रम करता है तो वह निर्धारित रकम के अलावा, निर्धारण के आदेश की तारीख से 30 दिन अवसान होने की तारीख से प्रत्येक छह मास में संगणित 16% (सोलह प्रतिशत) प्रतिवर्ष की दर से ब्याज की रकम का संदाय करने के लिए दायी होगा।

10.4 विद्युत की चोरी :

विद्युत की चोरी को अधिनियम की धारा 135 में परिभाषित किया गया है।

10.5 विद्युत की चोरी के मामले में निरीक्षण, अनंतिम निर्धारण, सुनवाई और अनंतिम निर्धारण के लिए अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया :

(क) निरीक्षण :

- (i) समुचित सरकार द्वारा यथा प्राधिकृत अधिकारी, स्वप्रेरणा से या विद्युत की चोरी के संबंध में विश्वसनीय सूचना की प्राप्ति पर ऐसे परिसर का तुरंत निरीक्षण और तलाशी कराएगा।
- (ii) अधिकृत अधिकारी, यदि अपेक्षित हो, उपभोक्ता/परिसर/स्थान पर अधिभोग/ कब्जा रखने वाले व्यक्ति या भार साधक को अपना फोटो पहचान पत्र दिखाएगा। अधिकृत अधिकारी के साथ जाने वाले सब व्यक्ति भी, फोटो पहचान पत्र अपने साथ लेकर जाएंगे।
- (iii) इन विनियमों के अधीन तलाशी और अभिग्रहण के संबंध में भी दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अधीन तलाशी और अभिग्रहण के उपबंध लागू होंगे।
- (iv) तलाशी के दौरान अभिग्रहण की सभी वस्तुओं की एक सूची तैयार की जाएगी और तलाशी/अभिग्रहण के दौरान उपस्थित सभी उपभोक्ताओं/व्यक्तियों द्वारा उस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।
- (v) निरीक्षण के सभी मामलों में उपाबंध 5 के फॉर्मेट में कनक्टेड भार, पुरानी सीलों की स्थिति और ब्यौरे, मीटर कार्यकरण, नई सीलों के ब्यौरे देते हुए और पाई गई ऐसी अनियमितता का स्पष्ट उल्लेख करते

हुए जो विद्युत की चोरी का कारण बन सकती हो, स्थल पर एक रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इस प्रयोजन के लिए अधिकृत अधिकारी सील लेकर जाएगा। उपभोक्ता/व्यक्ति द्वारा कारित या कारित किए जाने के लिए अनुज्ञात अनुज्ञप्तिधारी के विद्युत मीटर, मीटरिंग उपस्करों, साधित्रों, लाइन, केबल या तकनीकी संयंत्र को हुई हानि/नुकसान को भी, जिससे विद्युत की समुचित और सही मीटरिंग में बाधा पड़ती हो या विद्युत की चोरी होती हो, सम्यक्तः रिपोर्ट में अभिलिखित किया जाएगा। विद्युत की चोरी के लिए निरीक्षण के दौरान पाई गई व्यवस्थाओं को दर्शाते हुए अधिकृत अधिकारी, जहां साध्य हो, एक रेखा चित्र भी तैयार करेगा और यह रेखा चित्र निरीक्षण रिपोर्ट का भाग रूप होगा।

- (vi) रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से उपदर्शित किया जाएगा कि क्या विद्युत की चोरी का प्रथम दृष्टया मामला स्थापित होता है। रिपोर्ट पर अधिकृत अधिकारी हस्ताक्षर करेगा और नीचे दिए गए विनियम 11.3 के अनुसार इसकी एक प्रति की तामील तुरंत परिसर के अधिभोगी या उसके प्रतिनिधि को स्थल पर की जाएगी।
- (vii) अधिकृत अधिकारी, विद्युत की ऐसी चोरी का पता चलने पर तुरंत विद्युत का प्रदाय डिस्कनेक्ट करेगा।
- (viii) अधिनियम के उपबंधों के अनुसार, अधिकृत अधिकारी, ऊर्जा की चोरी का पता चलने और परिसर में विद्युत का प्रदाय डिस्कनेक्ट करने के चौबीस घंटों के भीतर अधिकारिता रखने वाले पुलिस थाने में अपराध किए जाने से संबंधित एक लिखित शिकायत दर्ज करेगा।

(ख) अनंतिम निर्धारण और उपभोक्ता को सूचना :

(i) अधिकृत अधिकारी द्वारा इस निष्कर्ष पर पहुंचने के पश्चात कि परिसर में विद्युत की चोरी हुई है (जैसाकि अधिनियम की धारा 135 के अधीन परिभाषित है), वह परिसर के अधिभोगी या भार साधक पर, अनंतिम निर्धारण आदेश के विरुद्ध अपनी आपत्तियां, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने के लिए 7 दिनों का समय देकर और सुनवाई की तारीख नियत करते हुए, अनंतिम निर्धारण आदेश की तामील करेगा। निर्धारण, उपाबंध-7 में दिए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार किया जाएगा और इन विनियमों के साथ संलग्न उपाबंध 6 में दिए गए फॉर्मेट में एक सूचना जारी की जाएगी।

(ii) ऐसा उपभोक्ता/व्यक्ति जिसे अनंतिम निर्धारण के आदेश की प्रति की तामील की गई है ऐसा निर्धारण स्वीकार करेगा तथा ऐसे अनंतिम निर्धारण आदेश की उसको तामील करने के सात दिन के भीतर अनुज्ञापतिधारी के पास निर्धारित रकम को जमा करेगा।

(ग) सुनवाई और अंतिम निर्धारण :

(i) सुनवाई की तारीख को, निर्धारण अधिकारी उपभोक्ता/स्थान या परिसर पर अधिभोग या कब्जा रखने वाले व्यक्ति अथवा भार साधक की सुनवाई करेगा। निर्धारण अधिकारी, ऐसे उपभोक्ता/व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत तथ्यों पर सम्यक्तः विचार करेगा और 7 कार्य दिवसों के भीतर एक आख्यापक आदेश पारित करेगा। आदेश में, निरीक्षण रिपोर्ट, ऐसे उपभोक्ता/ व्यक्ति द्वारा अपने लिखित उत्तर में दिए गए तथा सुनवाई दौरान प्रस्तुत निवेदनों का सार अंतर्विष्ट होगा।

आदेश की एक प्रति की तामील ऐसे उपभोक्ता/व्यक्ति पर समुचित रसीद के अधीन की जाएगी तथा आदेश स्वीकार करने से इन्कार की स्थिति में या ऐसे व्यक्ति की अनुपस्थिति में उस पर इसकी तामील रजिस्ट्रीकृत डाक/स्पीड पोस्ट/कूरियर प्रोस्ट के अधीन की जाएगी। उपभोक्ता/स्थान या परिसर पर अधिभोग अथवा कब्जा रखने वाले व्यक्ति या भार साधक से यह अपेक्षित होगा कि वह अंतिम निर्धारण आदेश प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर संदाय करे।

यदि निर्धारण अधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि विद्युत की चोरी हो चुकी है तो निर्धारण उस समस्त अवधि के लिए किया जाएगा जिसके दौरान विद्युत की ऐसी चोरी हुई है, तथापि, यदि ऐसी अवधि, जिसके दौरान विद्युत की चोरी की गई हो, सुनिश्चित नहीं की जा सकती हो तो ऐसी अवधि निरीक्षण की तारीख से तुरंत पूर्व बारह मास की अवधि तक सीमित रहेगी।

उपरोक्त (iii) के अधीन निर्धारण, सेवा के सुसंगत प्रवर्ग के लिए लागू टैरिफ के तीन गुना के बराबर की दर पर किया जाएगा।

अनुज्ञप्तिधारी, उप-विनियम 10.5(ख) में यथा निर्दिष्ट शिकायत के अनुसार निक्षेप या निर्धारित रकम अथवा विद्युत प्रभारों के संदाय पर उपरोक्त विनियम 9.3 में अधिकथित पुनः कनेक्शन के उपबंध के अनुसार विद्युत का प्रदाय पुनः स्थापित करेगा।

10.6 विद्युत संयंत्र लाइनों या मीटर के साथ छेड़छाड़ या हानि :

यदि उपभोक्ता के परिसर में रखे अनुज्ञप्तिधारी के विद्युत संयंत्र, लाइनें या मीटर या कोई अन्य उपस्कर, छेड़छाड़ किए हुए या हानिकृत पाए जाते हैं तो अनुज्ञप्तिधारी, प्रतिस्थापन/ सुधार के लिए लागत का संदाय न करने पर प्रदाय के डिस्कनेक्शन और यथास्थिति, चोरी या अनधिकृत उपयोग के लिए कार्रवाई सहित

अधिनियम के समुचित उपबंधों के अधीन कार्रवाई करने के अपने अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसे संयंत्र, लाइन, मीटर या उपकरण के लिए उपगत व्ययों की वसूली के लिए हकदार होगा।

10.7 विद्युत के विचलन, विद्युत की चोरी या अनधिकृत उपयोग या विद्युत संयंत्र, विद्युत लाइनों या मीटर के साथ छेड़छाड़ अथवा हानि के निवारण के लिए उपाय :

अनुज्ञप्तिधारी, विद्युत के विचलन, विद्युत की चोरी या अनधिकृत उपयोग या विद्युत संयंत्र, विद्युत लाइनों या मीटर के साथ छेड़छाड़ अथवा हानि के निवारण के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा।

अनुज्ञप्तिधारी निम्नलिखित कदम उठाएगा :

- (1) मीटरों पर चोरी रोधी मीटर बॉक्सों की व्यवस्था करना।
- (2) चोरी/मीटर के बाहर से प्रदाय के निवारण के लिए सर्विस लाइनों की प्रारिथिति का पुनर्विलोकन, दोषयुक्त लाइनों का प्रतिस्थापन सुनिश्चित करना।
- (3) उपभोक्ता/व्यक्ति की परिसर का नियमित निरीक्षण - अधिनियम की धारा 126 और धारा 135 के उपबंधों को क्रियान्वित करने में समर्थ बनाने के लिए प्रत्येक मास प्रवर्ग-वार कुल कनेक्शनों के कम से कम 5% कनेक्शनों का निरीक्षण किया जाना चाहिए। चोरी संभाव्य क्षेत्रों में निरीक्षणों को पूर्विकता दी जाएगी।
- (4) उच्च मूल्य उपभोक्ता की खपत की नियमित मासिक मानीटरिंग, जिसमें 25 एचपी और अधिक संविदा मांग वाले सभी एचटी कनेक्शन और एलटी कनेक्शन सम्मिलित होंगे और संदिग्ध मामलों के तुरंत निरीक्षण की व्यवस्था की जाएगी। तीन मास के भीतर एक प्रणाली को विकसित करके प्रयोग में लाया जाएगा एवं ऐसी प्रणाली के ब्यौरे अनुमोदन के लिए आयोग को प्रस्तुत किए जाएंगे।

- (5) अगले छह मास में सभी 33 केवी, 22 केवी और 11 केवी की फीडर-वार हानियों का हिसाब लगाया जाएगा। संपूर्ण राज्य के सभी 33 केवी, 22 केवी और 11 केवी फीडरों के लिए हानियों का हिसाब अगले एक वर्ष में लगाया जाएगा।
- (6) विद्युत की खपत की मानीटरिंग और चोरी के निवारण के प्रयोजन के लिए सभी एचटी और उच्च मूल्य एलटी कनेक्शनों पर रिमोट मीटरिंग युक्तियों का प्राथमिकता पर संस्थापन।
- (7) वाणिज्यिक हानियों के स्तर और ईमानदार उपभोक्ताओं पर इसके प्रभाव के संबंध में उपभोक्ताओं को जागरूक बनाने हेतु मीडिया, टी.वी. और समाचार पत्रों के माध्यम से व्यापक प्रचार।
- (8) स्वतंत्र अभिकरणों के माध्यम से विद्युत की चोरी और अनधिकृत उपयोग अथवा विद्युत संयंत्र, विद्युत लाइनों या मीटरों के साथ छेड़छाड़ या नुकसानी के निवारण के लिए सामाजिक और उपभोक्ता समूहों, गैर सरकारी संगठनों के सहयोग की ईप्सा करना और फीडर-वार ऐसे समूह सृजित करना।
- (9) अपने उपभोक्ता सेवा संबंधी कार्यालयों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर शास्तियों, जुर्मानों के उपबंधों और उपरोक्त के संबंध में अन्य जानकारी वाले बोर्ड प्रदर्शित करना।
- (10) अपनी वेबसाइट पर फीडर-वार, क्षेत्र-वार, मंडल-वार, खंड-वार हानियां, विद्युत के विचलन, विद्युत की चोरी या अनधिकृत उपयोग या विद्युत

संयंत्र, विद्युत लाइनों या मीटरों के साथ छेड़छाड़ अथवा नुकसान के निवारण के लिए किए गए प्रयत्नों तथा वर्ष के दौरान प्राप्त परिणाम प्रदर्शित करना।

- (11) ऐसे संदिग्ध क्षेत्रों में, जहां विद्युत की चोरी की संभावनाएं विद्यमान हैं वितरण ट्रांसफार्मरों पर मीटरों का संस्थापन और ऐसे मीटरों की खपत की तुलना में वितरण ट्रांसफार्मर से संबद्ध वैयक्तिक उपभोक्ता मीटरों की खपत को मानीटर करना तथा असमान्यताओं का निरीक्षण।
- (12) अनुज्ञप्तिधारी की लाइनों में प्रत्यक्ष हुकिंग द्वारा चोरी को निवारित करने के लिए, जहां आवश्यक हो, चोरी संभाव्य क्षेत्रों में ऊपरी बेयर कंडक्टरों को केबलों से प्रतिस्थापित करना और इस मद्दे व्यय अनुज्ञप्तिधारी के एआरआर में स्वीकृत होगा।
- (13) प्रत्यक्ष हुकिंग द्वारा चोरी निवारित करने के लिए, जहां आवश्यक हो, चोरी संभाव्य क्षेत्रों में कम क्षमता वितरण ट्रांसफार्मर का उपयोग करते हुए एचवी वितरण प्रणाली (एलटी हीन प्रणाली) की व्यवस्था करना और इस मद्दे व्यय अनुज्ञप्तिधारी के एआरआर में स्वीकृत होगा।
- (14) विद्यमान उपभोक्ताओं के मीटरों को एक समुचित स्थान पर पुनः अवस्थित करना ताकि वे परिसर के बाहर किन्तु चार दीवारी के भीतर हों और रीडिंग, निरीक्षण/जांच और अन्य संबद्ध कार्यों के लिए आसानी से पहुंच योग्य हों। संदेहात्मक मामलों में और जहां निरंतर सतर्कता संभव न हो, उपभोक्ता परिसर पर प्रदर्शन इकाई के साथ इसके खम्बों/फीडर खम्बों पर ऐसे कनेक्शनों के लिए मीटर संस्थापित करना। उपभोक्ता मीटरों में

अभिलिखित खपत संबंधित उपकेन्द्रों/वितरण ट्रांसफार्मर पर संस्थापित मीटर की रीडिंग के अनुकूल होनी चाहिए।

- (15) यह सुनिश्चित करना कि मीटर रीडरों का आवर्तन ऐसी रीति में किया जाए कि मीटर रीडिंग का उनका क्षेत्र छह मास में कम से कम एक बार बदल जाए।
- (16) ऐसे मामलों की एक सूची तैयार रखी जाए जहां विद्युत की चोरी का पता चलता है और ऐसे मामले स्पष्ट रूप से उपदर्शित किए जाएं जहां चोरी के प्रथम और पश्चातवर्ती अपराधों का पता चला है - अधिनियम के उपबंधों के अनुसार की गई कार्रवाई।
- (17) चोरी के मामलों की मानीटरिंग और निर्धारित रकम की वसूली एवं जारी किए गए बिलों के संबंध में आयोग को सारांश रिपोर्टों की प्रस्तुति।

10.8 छेड़छाड़ किए गए मीटरों की स्वैच्छिक घोषणा :

उपभोक्ता के आगे आने और मीटर और/या सीलों के साथ छेड़छाड़ की स्वैच्छिक घोषणा किए जाने के मामले में, -

- (क) यथास्थिति, अनुज्ञप्तिधारी/उपभोक्ता द्वारा छेड़छाड़ किए गए मीटरों को नए मीटर से तुरंत प्रतिस्थापित किया जाएगा और अनुज्ञप्तिधारी घोषणा की तारीख से संगणित घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं के लिए गत तीन मास और अन्य सभी उपभोक्ताओं के लिए 6 मास की अवधि के लिए सामान्य टैरिफ पर निर्धारण बिल बनाएगा।
- (ख) उस अवधि के लिए ऊर्जा बिल, जिसमें मीटर प्रतिस्थापित नहीं किया गया है, दोषयुक्त मीटरों के लिए प्रक्रिया के अनुसार भेजा जाएगा।
- (ग) ऐसे उपभोक्ता के मामले में कोई मुदकमा दर्ज नहीं किया जाएगा जो छेड़छाड़ किए गए मीटर की स्वैच्छिक घोषणा करता है और अपेक्षित प्रभारों का संदाय समय के भीतर कर देता है।

(घ) संदाय में व्यतिक्रम होने पर, मामला दर्ज करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

10.9 निर्धारण बिल :

निर्धारण बिल बनाते समय, अनुज्ञप्तिधारी, उपभोक्ता द्वारा निर्धारण अवधि के लिए ऊर्जा खपत हेतु पहले ही किए गए संदायों को जमा करेगा। निर्धारित बिल, उपभोक्ता द्वारा ऊर्जा खपत हेतु पहले ही किए गए संदायों को अपवर्जित करके तैयार किया जाएगा। बिल में स्पष्ट रूप से इसे जमा करने के संबंध में समय, दिन और स्थान उपदर्शित होगा।

10.10 विद्युत के प्रदाय के संबंध में अपराधों और शास्तियों पर विस्तार से समय-समय पर यथा संशोधित विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 135 से धारा 152 में विचार किया गया है जो अनुज्ञप्तिधारी और उपभोक्ता या संबंधित व्यक्ति दोनों पर आबद्धकर होंगी।

अध्याय 11

प्रकीर्ण

11. अपरिहार्य घटना तथा ऊर्जा के प्रदाय पर निर्वंधन :

अनुज्ञप्तिधारी निम्नलिखित परिस्थिति में प्रदाय में कटौती करने, आगे पीछे देने, या साथ-साथ बंद करने का निदेश दे सकेगा तथा उपभोक्ता निम्नलिखित ऐसी परिस्थितियों से प्रदाय देने में असफलता से उद्भूत हानि या नुकसानी के मद्दे किसी दावे या प्रतिकर का दाया नहीं होगा :

- (i) जब ऐसा प्रदाय चक्रवात, बाढ़, तूफान या प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः अनुज्ञप्तिधारी के नियंत्रण के परे अन्य घटनाओं के कारण और युद्ध, वगावत, गृह युद्ध, दंगे, हड़ताल, तालाबंदी, अग्नि, बाढ़, उपद्रव, बिजली चमकना, भूकंप या उपरुकरों का ब्रेकडाउन जैसी अपरिहार्य घटना, शिरोपरि तथा तारों का टूटना या अनुज्ञप्तिधारी के नियंत्रण के परे अन्य कारणों से असफल रहता है।
- (ii) विद्युत अधिनियम की धारा 23 के अधीन आयोग द्वारा अधिरोपित ऊर्जा प्रदाय पर निर्वंधन की दशा में।
- (iii) अनुज्ञप्तिधारी की प्रदाय प्रणाली में प्रमुख ब्रेकडाउन की दशा में, जैसे ग्रिड फेल होना जिससे भार में कटौती करनी होगी।

11.2 अन्य संहिता तथा विनियम :

उपभोक्ता यह सुनिश्चित करेगा कि नए भवनों, संरचनाओं, परिवर्धनों, उपांतरणों तथा कोई अन्य संनिर्माण परियोजना जिसकी विद्यमान प्रदाय लाइनों से न्यूनतम मानदंड अपेक्षित है, को बनाए रखा जाता है। ये न्यूनतम मानदंड भारतीय विद्युत नियम, 1956 में विनिर्दिष्ट हैं।

11.3 सूचना की तामील :

- (1) उपभोक्ता को सूचना की तामील अनुज्ञप्तिधारी के पदाधिकारी द्वारा अभिरक्षीकृति प्राप्त करने या रजिस्ट्रीकृत डाक या कूरियर द्वारा प्रेषण करके या उस अवस्थान में सामान्य रूप से पढ़े जाने वाले प्रकाशन के द्वारा की जाएगी। व्यक्ति उपभोक्ता की दशा में, उपभोक्ता के पति या पत्नी या उसके प्रतिनिधि को सूचना की तामील करके या फर्म की दशा में, कंपनी या निगम, प्रबंध निदेशक, निदेशक या प्रधान निदेशक या ऐसे समुत्थान के प्राधिकृत व्यक्ति को सूचना की तामील की जाएगी। उपरोक्त पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जांच अनुज्ञप्तिधारी जब भी संभव हो, ई-मेल सुविधा का भी उपयोग कर सकता है।
- (2) यदि उपभोक्ता नोटिस लेने से इंकार करता है या उससे बचता है तो सूचना की दो व्यक्तियों की उपस्थिति में उपभोक्ता के परिसर के किसी सहज दृश्य भाग पर चिपकाकर तामील की जा सकती है या संबंधित क्षेत्र में प्रकाशन द्वारा की जा सकती है या ऐसे मामलों में नोटिस के प्रति का पृष्ठांकन किया जाएगा। इस चिपकाने या प्रकाशन को सूचना का पर्याप्त रूप से तामील समझा जाएगा।

11.4 प्रदाय के निबंधन तथा शर्तें :

प्रत्येक अनुज्ञप्तिधारी, प्रदाय निबंधन तथा शर्तों को उपांतरित करेगा तथा उन्हें अद्यतन करेगा तथा विद्युत प्रदाय से संबंधित सभी परिपत्र, आदेश तथा अन्य दस्तावेज या संसूचना इन विनियमों के अनुरूप होंगी, जिसकी सूचना आयोग को दी जाएगी।

11.5 संशोधन करने की शक्ति :

आयोग, किसी भी समय, इन विनियमों के उपबंधों में किसी समय फेरफार, परिवर्तन, उपांतरण या संशोधन कर सकेगा।

11.6 कठिनाईयों को दूर करने की शक्ति :

यदि इन विनियमों के उपबंधों को कार्यान्वित करने में कोई कठिनाई उद्भूत होती है या किसी उपबंध के निर्वचन के बारे में कोई विवाद उत्पन्न होता है तो मामले को आयोग को विनिर्दिष्ट किया जाएगा जो प्रभावित पक्षकारों से परामर्श करने के पश्चात्, जहां आवश्यक हो, ऐसी कठिनाई को या निर्वचन के विवाद को दूर कर सकेगा।

11.7 व्यावृत्ति :

(i) इन विनियमों की कोई बात ऐसे आदेश करने की आयोग की अनिहित शक्ति को सीमित या निर्बंधित नहीं करेगी जो बृहत् रूप से उपभोक्ताओं को न्याय प्रदान करने के लिए आवश्यक समझी जाए।

(ii) इन विनियमों की कोई बात आयोग को अधिनियम के उपबंधों के अनुरूप उस प्रक्रिया को स्वीकार करने से वर्जित नहीं करेगी जो इन विनियमों के किसी उपबंध से अंतर रखते हों, यदि आयोग, मामले के वर्ग या वर्गों की विशेष परिस्थितियों की दृष्टि से तथा लिखित में अभिलिखित किए जाने वाले कारणों के लिए गुणागुण आधार पर ऐसे मामले के वर्ग या वर्गों पर कार्यवाही करने के लिए आवश्यक समझे।

(iii) इन विनियमों की कोई बात, किसी मामले को निपटाने में या अधिनियम के अधीन किसी शक्ति या प्रयोग करने में आयोग को अभिव्यक्त या जानबूझकर वर्जित नहीं करेगी जिसके लिए विनियम नहीं बनाए गए हैं तथा आयोग ऐसे मामलों से ऐसी रीति से निपट सकेगा जो वह ठीक समझे।

जे. एस. सहरावत, सचिव

[विज्ञापन III/4/218-I/10-असा.]

संयोजित भार का अवधारण

घरेलू कनेक्शन

1. उपभोक्ता का नाम : -----
2. पता : -----
3. उपभोक्ता संख्या (विद्यमान कनेक्शनों के लिए): -----
4. उपयोग किए जाने के प्रस्तावित विद्युत उपस्कर (कृपया संयोजित भार के अवधारण के लिए निम्नलिखित सारणी में भरें। सामान्यतः प्रत्येक मद के वास्तविक भार पर परिसरों पर संयोजित भार का अवधारण करने के लिए विचार किया जाएगा। किसी मद की श्रेष्ठ क्षमता की अनुपलब्धता की दशा में, नीचे दर्शित भार पर विचार किया जाएगा)।

| मद | भार प्रति मद (वॉट) | संख्या | कुल भार (वॉट) |
|-----------------------------------|----------------------------|--------|---------------|
| (1) | (2) | (3) | (4=2x3) |
| बल्ब | वास्तविक श्रेष्ठ के अनुसार | | |
| ट्यूब लाइट (फ्लूरो सेंट) 4 | 40 | | |
| 2 | 20 | | |
| पंखे | 60 | | |
| टेपरिकार्डर/संगीत प्रणाली | 25 | | |
| टेलीविजन | | | |
| रंगीन | 100 | | |
| काला तथा सफेद | 60 | | |
| मिक्सी | 60 | | |
| रिफ्रिजरेटर | 200 या वास्तविक | | |
| कूलर | 200 या वास्तविक | | |
| हीटर (कुकिंग तथा जल वाष्प के लिए) | 1000 | | |
| कपड़ा धुलाई मशीन | 750 या वास्तविक | | |
| गीजर | 1500/2000 या वास्तविक | | |
| माइक्रोवेव ओवन 2000 | 2000 | | |
| एयर कंडीशनर (1 टन/1.5 | 1500/2000/2250 | | |

| | | | |
|--|-----------------|--|--|
| टन/2.0 टन) | | | |
| स्पिल्ट एयर कंडीशनर 1.5 टन | 2250 | | |
| कम्प्यूटर | 100 | | |
| प्रिंटर | 150 | | |
| जल फ्रैकने वाला पम्प सेट | 375 या वास्तविक | | |
| बिजली गुल होने पर स्वयं के उपयोग के लिए इन्वर्टर | शून्य | | |
| स्पेयर प्लग प्वाइंट | | | |
| (क) 5 एमपी | 100 वॉट | | |
| (ख) 15 एमपी | 1000 वॉट | | |
| अन्य - वास्तविक पर | | | |
| | कुल | | |

टिप्पण :

- (क) घरेलू तथा साधारण प्रदाय के प्रयोजन की दशा में, कुल अप्रयुक्त प्लगों का 1/3 तथा वाणिज्यिक प्रवर्ग के प्लग प्वाइंट के 50% (आधे) की गणना संयोजित भार की संगणना करने के लिए की जाएगी।
- (ख) खराब साधित्रों जैसे कूलर, फ्रिज, टीवी, इस्त्री, ओवन आदि जो संयोजित नहीं हैं तथा कार्य करने की स्थिति में नहीं हैं, को गणना में नहीं लिया जाएगा।
- (ग) कुछ घरेलू कनेक्शन गीजर, रूम हीटर तथा एयर कंडीशनर (बिना हीटर के) को संस्थापित किया जाएगा। गीजर तथा रूम हीटरों की भार की गणना दिसम्बर, जनवरी तथा फरवरी मास के बिलों के लिए की जाएगी तथा एयर कंडीशनर के भार की (बिना हीटर के) गणना अप्रैल से सितम्बर के मास के लिए की जाएगी। हीटर वाले एयर कंडीशनर में भार की गणना पूर्व वर्ष के लिए संयोजित भार के रूप में की जाएगी।
- (घ) भार की किसी अन्य मद, जिसमें उपरोक्त सम्मिलित नहीं है, को विनिर्माता रेटिंग के अनुसार लिया जाएगा।
- (ङ) किलोवाट में भार के अंतर को बिलिंग के प्रयोजन के लिए अगले उच्चतर संपूर्ण संख्या के रूप में किया जाएगा या जो टैरिफ आदेश में अन्यथा दिया गया है।
- (च) निर्धारित भार अनुमोदित संयोजित भार के 105% तक होगा।

उपभोक्ता के हस्ताक्षर

अनुज्ञप्तिधारी के प्रतिनिधि के
हस्ताक्षर

तारीख :

तारीख :

स्थान :

स्थान :

उपाबंध-2

संयोजित भार की स्वयं-घोषणा

1. उपभोक्ता का नाम तथा पता : _____
2. उपभोक्ता संख्या/लेखा संख्या : _____
3. उपभोक्ता का प्रवर्ग : _____
4. प्रदाय का प्रयोजन : _____
5. संयोजित भार के ब्यौरे : _____

| क्रम सं. | साधित्र का नाम | भार (वॉट) | संख्या | कुल भार (केडब्ल्यू/एचपी) |
|----------|----------------|-----------|--------|-----------------------------|
| (i) | | | | |
| (ii) | | | | |
| (iii) | | | | |
| (iv) | | | | |
| (v) | | | | |
| (vi) | | | | |
| (vii) | | | | |
| (viii) | | | | |
| (ix) | | | | |
| (x) | | | | |

कुल सकल भार _____

टिप्पण : एचटी/डीएचटी की दशा में; संस्थापित ट्रांसफार्मर तथा संयोजित भार के ब्यौरे दिए जाने हैं।

6. स्वीकृत भार : _____

7. अतिरिक्त भार : _____

तारीख :

उपभोक्ता के हस्ताक्षर

उपाबंध-3

प्रदाय को अस्थायी रूप से काटने के पश्चात् उपभोक्ता को सूचना

सेवा में

संख्या : _____

तारीख :

संदर्भ :

कनेक्शन संख्या : _____

उपभोक्ता प्रवर्ग : _____

संविदागत भार : _____

आपको यह सूचित किया जाता है कि _____ से आपका सेवा कनेक्शन _____
 _____ कारण से अस्थायी रूप से काट दिया गया है। आपसे कनेक्शन कटाने के कारण को दूर करने या
 इस कार्यालय को इसकी शीघ्र सूचना देने का अनुरोध किया जाता है। आपसे _____ रुपए
 पुनः कनेक्शन के लिए तथा* _____ रुपए की राशि का संदाय करने का भी अनुरोध
 किया जाता है।

यदि इस कार्यालय के समाधान के लिए कनेक्शन काटने के कारण को दूर नहीं किया जाता तो आपका
 प्रदाय स्थायी रूप से काट दिया जाएगा।

धन्यवाद,

भवदीय

(नाम, हस्ताक्षर तथा

पदनाम)

*यदि कोई अन्य देय जमा किए जाने हैं तो उल्लेख करें तथा कुल राशि का ब्यौरा भी दें।

उपाबंध-4

निरीक्षण रिपोर्ट
(अधिनियम की धारा 126 के अधीन)

उप-प्रभाग

I. श्री _____ तारीख _____ का निरीक्षण टिप्पण

निरीक्षण का समय : निरीक्षण का कुल समय :

II. (क) स्थान/परिसर के अधिभोगी का नाम तथा पता :

(ख) निरीक्षण के समय उपस्थित व्यक्तियों की संख्या :

नाम

हस्ताक्षर

- (i) _____
 (ii) _____
 (iii) _____
 (iv) _____

III. (क) निरीक्षण के समय उपलब्ध कोई अन्य व्यक्ति
 तथा स्थान/परिसरों में अधिभोगी के साथ नातेदारी :

(ख) उपस्थित अन्य कोई विभागीय कर्मचारिवृंद

IV.

1. सेवा कनेक्शन संख्या :

2. वितरण :

3. परिसरों की प्रकृति :

4. प्रवर्ग :

V. (क) मीटर डायग्राम जिसमें सील की स्थिति तथा उसकी स्थिति उपदर्शित होगी :

| | |
|-------------------|---------------------|
| मीटर का अवस्थान | मीटर की ऊंचाई |
| सीलों पर दबाव | सीलों पर दबाव |
| निरीक्षण से पूर्व | निरीक्षण के पश्चात् |

VI. (क) मीटर रीडिंग :

- (i) केडब्ल्यूएच
- (ii) केवीए
- (iii) केवीएएच
- (iv) ऊर्जा कारक

(ख) मीटर की प्रास्थिति :
चालू/बंद/खराब/जला हुआ

(ग) सीटी/पीटी/कनेक्शन ब्यौरे क्रमानुसार

VII. संयोजित भार के ब्यौरे

- 1. केडब्ल्यू/एचपी
- 2. केडब्ल्यू/एचपी
- 3. केडब्ल्यू/एचपी
- 4.
- 5.
- 6.

एचटी की दशा में; ट्रांसफार्मर ब्यौरे तथा संयोजित भार के ब्यौरे पृथक् रूप से दिए जाने हैं।

VIII. निरीक्षण टीम के निष्कर्ष

IX. निरीक्षण टीम के सभी सदस्यों तथा परिसरों के अधिभोगी के या उसके प्रतिनिधि के हस्ताक्षर।

उपाबंध-5

निरीक्षण/अभिग्रहण रिपोर्ट
(अधिनियम की धारा 135 के अधीन)

उप-प्रभाग :

I. श्री _____ तारीख _____ 2010 का निरीक्षण/अभिग्रहण
टिप्पण

निरीक्षण/अभिग्रहण का समय : निरीक्षण/अभिग्रहण का कुल समय

II. (क) स्टाफ/परिसरों के अधिभोगी का नाम तथा पता

नाम

हस्ताक्षर

- (i) _____
- (ii) _____

- (iii) _____
 (iv) _____

III. (क) निरीक्षण के समय उपलब्ध कोई अन्य व्यक्ति
 तथा स्थानी परिसरों में अधिभोगी के साथ नातेंदारी :

(ख) उपस्थित अन्य कोई विभागीय कर्मचारिवृंद :

IV.

1. सेवा कनेक्शन संख्या :
2. वितरण :
3. परिसरों की प्रकृति :
4. प्रवर्ग :

V. (क) मीटर डायग्राम जिसमें सील की स्थिति तथा उसकी स्थिति उपदर्शित होगी :

मीटर का अवस्थान

मीटर की ऊंचाई

सीलों पर दबाव

सीलों पर दबाव

निरीक्षण से पूर्व

निरीक्षण के पश्चात्

VI. (क) मीटर रीडिंग :

- (v) केडब्ल्यूएच
- (vi) केवीएच
- (vii) केडब्ल्यू
- (viii) ऊर्जा कारक

(ख) मीटर की प्रास्थिति यदि संस्थापित है :
 चालू/बंद/खराब/जला हुआ

(ग) सीटी/पीटी/कनेक्शन ब्यौरे क्रमानुसार

VII. संयोजित भार के ब्यौरे

1. केडब्ल्यू/एचपी
2. केडब्ल्यू/एचपी
3. केडब्ल्यू/एचपी
- 4.
- 5.
- 6.

एचटी की दशा में; ट्रांसफार्मर ब्यौरे तथा संयोजित भार के ब्यौरे पृथक् रूप से दिए जाने हैं।

VIII. निरीक्षण/अभिग्रहण के दौरान अभिग्रहण के पूर्व ब्यौरों के साथ मदों की सूची।

IX. निरीक्षण दल के निष्कर्ष

X. निरीक्षण टीम के सभी सदस्यों तथा परिसरों के अधिभोगी के या उसके प्रतिनिधि के हस्ताक्षर।

उपाबंध-6

आरंभिक निर्धारण नोटिस

मैमो संख्या

तारीख :

जारी करने का समय :

स्थान :

प्रेषिती :

संदर्भ संख्या :

महोदय/महोदया

इस नोटिस की आपको तामील की जा रही है, जिसे जेईआरसी विद्युत प्रदाय संहिता विनियम, 2010 के खंड 10.3 और 10.5 के आधार पर निर्धारित किया गया है।

साक्ष्य यह _____ करते हैं कि विद्युत के अप्राधिकृत उपयोग/विद्युत की चोरी के कार्य में प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः शामिल थे जिसके लिए सूचना संख्या _____ के अनुसार —

को आपका सेवा कनेक्शन काट दिया गया।

जब तक पुनः कनेक्शन प्रभारों के साथ निर्धारण की रकम का संदाय नहीं कर दिया जाता है तब तक सेवा कनेक्शन को पुनः जोड़ा नहीं जाएगा।

कृपया यह ध्यान दें कि रकम या निर्धारण बिल का संदाय न करने पर उसको आपके प्रति बकाया समझा जाएगा।

अपील प्राधिकारी _____ को निर्धारण बिल की रकम के प्रति आप अपील कर सकेंगे, अर्थात् कृपया पावती प्राप्त करें।

धन्यवाद

स्थान :

तारीख :

भवदीय

प्राधिकारी

अनुज्ञप्तिधारी के प्राधिकृत

के हस्ताक्षर तथा मुद्रा

अभिरुचीकृति

मैं/हम श्री _____ उपभोक्ता संख्या _____ मीटर संख्या _____

_____ आपके निर्धारण बिल संख्या _____ तारीख _____ की प्राप्ति की अभिरुचीकृति करता हूँ/करते हैं।

स्थान :
हस्ताक्षर
तारीख :

उपभोक्ता के

उपाबंध-7

निर्धारण रिपोर्ट

1.1 उपयुक्त यूनिटों का निर्धारण

(1) एलटी उपभोक्ताओं की दशा में :

प्रतिमास उपयुक्त यूनिटों की मात्रा विहित रीति से तय की जाएगी :

$$\text{प्रतिमास खपत} = \frac{\text{ए} \times \text{सी} \times \text{डी}}{\text{बी}}$$

जहां

ए निरीक्षण के समय पाया गया कुल संयोजित भार है

बी विविध कारक है

सी औसत भार कारक है

डी मास में घंटों की संख्या है

उपयुक्त ऊर्जा के निर्धारण के लिए, उपभोक्ताओं के विभिन्न प्रवर्गों के लिए विविध कारक तथा औसत भार कारक को निम्नानुसार लिया जाएगा।

भार कारक तथा विविध कारक

| क्रम संख्या | प्रवर्ग | प्रयोजन | विविध कारक | भार कारक |
|-------------|-----------------|------------------------|------------|----------|
| 1 | आवासीय उपभोक्ता | प्रकाश तथा पंखे | 2.5 | 30% |
| | | गर्म करने वाले साधित्र | 1.0 | 15% |
| | | ठंडे करने वाले साधित्र | | |
| | | फरवरी-अक्तूबर | 1.0 | 50% |
| | | नवम्बर-जनवरी | 1.0 | शून्य |
| 2 | गैर-आवासीय | प्रकाश तथा पंखे | 1.0 | 35% |

| | | | | |
|---|--------------------------------|---------------------------|-----|---|
| | उपभोक्ता | गर्म करने वाले साधित्र | 1.0 | 50% |
| | | ठंडे करने वाले साधित्र | 1.0 | 40% |
| 3 | एलटी (औद्योगिक) उपभोक्ता | इंजीनियरिंग वर्कशाप | 1.5 | एक शिफ्ट के लिए 30% दो शिफ्ट के लिए 50% तीन शिफ्ट के लिए 70% आठ घंटे की प्रत्येक शिफ्ट |
| | | पावर लूम तथा टेक्सटाइल | | |
| | | (i) लूम तथा टेक्सटाइल पर | 1.2 | एक शिफ्ट के लिए 40% दो शिफ्ट के लिए 70% 12 घंटे की प्रत्येक शिफ्ट |
| | | (ii) ट्विस्टिंग एम/सी भार | 1.2 | एक शिफ्ट के लिए 45% दो शिफ्ट के लिए 90% 12 घंटे की प्रत्येक शिफ्ट |
| | | आईसक्रीम विनिर्माता | | |
| | | फरवरी-अक्तूबर | 1.0 | 80% |
| | | नवम्बर-जनवरी | 1.0 | 60% |
| | | बर्फ कारखाना | | |
| | | फरवरी-अक्तूबर | 1.0 | 80% |
| | | नवम्बर-जनवरी | 1.0 | 40% |
| | | शीतागार | | |
| | | फरवरी-अक्तूबर | 1.0 | 75% |
| | | नवम्बर-जनवरी | 1.0 | 50% |
| | | सोसाइटी जल पम्प | 1.0 | 25% |
| | | | | |
| | | सिनेमा थिएटर | 1.5 | 60% |
| | | फ्लोर मिल्स | 1.0 | 30% |
| | | गिनिंग तथा प्रेसिंग | 1.2 | 60% |
| | | फाउंड्री | 1.5 | 50% |
| | | प्लास्टिक | 1.2 | 50% |
| | | रबड़ | 1.2 | 50% |
| | | खनन, खदान तथा पत्थर खुदाई | 1.2 | 60% |
| | | रसायन | 1.2 | 60% |

| | | | | |
|---|-------------------------------------|----------------------------|-----|--------------------------------|
| | | टेक्सटाइल प्रसंस्करण यूनिट | 1.2 | 70% |
| | | हीरा उद्योग | 1.5 | 12 घंटे की एक शिफ्ट के लिए 50% |
| | | अन्य | 1.5 | एक शिफ्ट के लिए 30% |
| | | | | दो शिफ्ट के लिए 60% |
| | | | | तीन शिफ्ट के लिए 80% |
| | | | | आठ घंटे की प्रत्येक शिफ्ट |
| 4 | किसी भी प्रवर्ग के लिए सीधे कनेक्शन | कृषि प्रवर्ग | 1.0 | 50% |
| | | कोई अन्य प्रवर्ग | 1.0 | 100% |
| 5 | मीटरित टैरिफ के अधीन कृषि उपभोक्ता | | 1.0 | 40% |
| 6 | अस्थायी ऊर्जा प्रदाय | | 1.0 | 50% |

(2) एचटी उपभोक्ताओं की दशा में :

एचटी उपभोक्ताओं की दशा में, वास्तविक अधिकतम मांग को निरीक्षण के समय उपभोक्ता के कुल संयोजित भार के 75% के समकक्ष माना जाएगा जो संविदागत मांग के न्यूनतम के अधीन रहते हुए होगा तथा ऊर्जा खपत निम्नलिखित रूप में निर्धारित की जाएगी :

निर्धारित यूनिट प्रति मास = एम x एच x सी

जहां एम = केडब्ल्यू (केवीए x पीएफ) में मांग

एच = मास में घंटों की संख्या

सी = भार कारक

| एचटी उपभोक्ता का प्रवर्ग | भार कारक |
|----------------------------|----------|
| होटल | 65% |
| वृहत वाणिज्यिक कॉम्प्लेक्स | 60% |
| लौह तथा इस्पात | 60% |
| फाउंड्री | 60% |
| इस्पात रोलिंग मिल | 60% |
| रसायन कारखाना | 80% |

| | | |
|---------------------------|---------------|---------------|
| कागज मिल्स | 85% | |
| टेक्सटाइल | 75% | |
| सीमेंट | 70% | |
| फर्टिलाइजर्स | 70% | |
| तेल मिल | 70% | |
| विलायक | 70% | |
| गिनिंग तथा प्रेसिंग | 60% | |
| इंजीनियरिंग माल | 50% | |
| बर्फ | 75% | |
| शीतागार | 75% | |
| चीनी तथा खांडसारी | 60% | |
| डेयरी | 75% | |
| खनन, खदान तथा पत्थर खुदाई | 50% | |
| प्लास्टिक तथा रबड़ | 80% | |
| सिनेमा | 60% | |
| आक्सीजन | 80% | |
| प्रत्यक्ष कनेक्शन | 100% | |
| अन्य | 8 घंटे शिफ्ट | 12 घंटे शिफ्ट |
| | 30% - 1 शिफ्ट | 45% - 1 शिफ्ट |
| | 60% - 2 शिफ्ट | 90% - 2 शिफ्ट |
| | 90% - 3 शिफ्ट | |

डी = उन दिनों की संख्या है जिसके दौरान विद्युत का अप्राधिकृत उपयोग हुआ है तथा यदि, तथापि, उस अवधि, जिसके दौरान विद्युत के अप्राधिकृत उपयोग हुआ है, को अभिनिश्चित नहीं किया जा सकता है, तथा ऐसी अवधि निरीक्षण के ठीक पूर्ववर्ती 12 मास (365 दिन) के अवधि तक सीमित होंगे।

एच = प्रतिदिन औसत वास्तविक घंटों की संख्या है, जब प्रदाय अवधि के दौरान, यथास्थिति उपभोक्ता या व्यक्ति को फीडर फीडिंग पर उपलब्ध किया गया हो।

1.2 विद्युत के अप्राधिकृत उपयोग की दशा में निर्धारण (यू.यू.ई) :

- इस प्रकार निर्धारित खपत को निर्धारण अवधि, यदि कोई हो, के लिए निर्धारित उर्जा खपत के लिए उपभोक्ता/व्यक्ति द्वारा संदत्त रकम को समायोजित करने के पश्चात उपभोक्ता प्रवर्ग को लागू टैरिफ की प्रति यूनिट दर पर दो बार प्रभारित किया जाएगा। इस दर पर बिल की गई

रकम पर, जब कभी लागू हो, मासिक/ वार्षिक न्यूनतम प्रभारों का संदाय करने के लिए उपभोक्ता के दायित्व की संगणना करने के प्रयोजन के लिए विचार किया जाएगा।

- (ii) यदि उपभोक्ता का संयोजित भार संविदागत भार से अधिक पाया जाता है तो यथास्थिति, नियत प्रभार या मांग प्रभार संविदागत भार माइनस प्रभार के लिए नियत प्रभार या मांग प्रभार या लागू टैरिफ दर पर संविदागत भार के लिए मांग प्रभार के दोगुना प्रभारित किया जाएगा। इस प्रभार की संगणना की अवधि उपरोक्त "डी" में दी जाएगी।
- (iii) उन मामलों में, जहां मासिक टैरिफ विद्यमान है, वहां मासिक निर्धारण मासिक दर पर दो बार किया जाएगा।

1.3 उन मामलों के लिए जहां विद्युत का उपयोग उस प्रयोजन के लिए किया जाता है जो प्राधिकृत नहीं है।

- (i) यदि किसी समय यह पाया जाता है कि प्रदाय की गई ऊर्जा का उपयोग उस प्रयोजन के लिए किया गया है जिस पर उच्चतर टैरिफ लागू है, तो पता लगने की तारीख से पूर्व बारह मास में उपयोग की गई कुल ऊर्जा उस प्रवर्ग के लिए लागू दर के दो गुना प्रभारित की जाएगी जिसके लिए भार का उपयोग करते हुए पाया गया है। परंतु यदि किसी समय यह पाया जाता है कि प्रदाय की गई ऊर्जा का उपयोग उस प्रयोग के लिए किया गया है जिस पर निम्न दर टैरिफ लागू है तो इसे यू.यू.ई नहीं माना जाएगा तथा शारितिक कार्रवाई नहीं की जाएगी।
- (ii) उपरोक्त संगणनाएं इस शर्त के अधीन रखते हुए हैं कि ऊर्जा की मीटरिंग सही है तथा ऊर्जा की संगणना उस रकम का समायोजन करने के पश्चात पैरा 1.1 में दिए गए अनुसार की जाएगी, यदि यह निर्धारण अवधि के लिए निर्धारित ऊर्जा खपत के लिए उपभोक्ता व्यक्ति द्वारा संदत्त की जाती है।

(1.4) चोरी/मूषण की दशा में ऊर्जा का निर्धारण :

- (i) चोरी/मूषण में ऊर्जा का निर्धारण अप्राधिकृत उपयोग के रूप में उपरोक्त पैरा 1.1 में दिए गए सूत्र के आधार पर किया जाएगा। 'ए', 'बी', 'सी', 'डी', 'एम' तथा 'एच' वैसे ही रहेंगे।
- (ii) सीधे चोरी के लिए 'सी' = 1.0 (100%) होगा।
- (iii) इस प्रकार निर्धारित खपत को लागू सामान्य टैरिफ के तीन गुना दर पर प्रभारित किया जाएगा तथा निर्धारण अवधि की ऊर्जा खपत के लिए किए गए संदाय को समायोजित किया जाएगा।

**JOINT ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION FOR
THE STATE OF GOA AND UNION TERRITORIES**

NOTIFICATION

Gurgaon, the 19th May, 2010

No. JERC-11/2010.— In exercise of power conferred by Section 181 (1) and 181 (2) read with Section 50 and 43 (1), Section 44, Section 46, Section 47 (4) Section 56 of Electricity Act, 2003 (36 of 2003) and all powers enabling it in this behalf and also in compliance of the Ministry or Power, Govt. of India's (i) notification no. SO 790 (E) dated 8th June 2005 issuing "Electricity (Removal of difficulties) Order 2005" for "Inclusions of measures to control theft of electricity in Electricity Supply Code", and (ii) notification no. SO 798 (E) dated 9th June, 2005 issuing Electricity (Removal of Difficulties) Eight Order, 2005 for obtaining supply of electricity at single point from the distribution licensee by the Cooperative Group Housing Societies or by any person for their members or employees residing in the same premises, the Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories hereby makes the following Regulations on Electricity Supply Code governing supply of electricity by the licensees and procedure thereof, the powers, functions, and obligations of the licensees and the rights and obligations of the consumers and other matters connected therewith and incidental thereto.

CHAPTER – 1:

GENERAL

1.1 Short Title, Extent and Commencement

- (1) These Regulations may be called the "Joint Electricity Regulatory Commission (Electricity Supply Code) Regulations, 2010".
- (2) These Regulations shall come into force from the date of its publication in the official gazette.
- (3) These Regulations shall extend to the whole State of Goa and Union Territories of Andaman & Nicobar Islands, Chandigarh, Dadra & Nagar Haveli, Daman & Diu, Puducherry and Lakshadweep.

- (4) These Regulations shall apply to all distribution licensees and the consumers of electricity.

1.2 Definitions

In these Regulations, unless the context otherwise requires:

- (a) '**Act**' means The Electricity Act, 2003 (No. 36 of 2003) as amended from time to time.
- (b) '**Agreement**' with its grammatical and cognate expressions means an agreement entered between the licensee and the consumer under these Regulations.
- (c) '**Apparatus**' means, electrical apparatus and includes all machines, fittings, accessories and appliances.
- (d) '**Area of Supply**' means, the area within which a distribution licensee is authorized by his license to supply electricity.
- (e) '**Authorized officer**' means, the officer of the licensee authorized in this behalf by the Appropriate Government or any other Administrative Authority under section 135 (2) of the Act.
- (f) '**Breakdown**' means, an occurrence relating to the equipment for supply of the electric energy including electrical line that prevents its normal functioning.
- (g) '**Electricity Supply Code**' means, the Electricity Supply Code specified under section 50 of the Act.
- (h) '**Commission**' means, the Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories.
- (i) '**Conductor**' means, any wire, cable, bar, tube, rail or plate used for conducting electrical energy and so arranged as to be electrically connected to a system.
- (j) '**Connected Load**' means, aggregate of the manufacturer's rating of all energy consuming devices, in the consumer's premises, which can be simultaneously used. This shall be expressed in kW, kVA or HP units and shall be determined as per the procedure laid down in these Regulations.
- (k) '**Consumer**' means, any person who is supplied with electricity for his own use by a licensee engaged in the business of supplying electricity to the public under the Act or any other law for the time being in force and includes any person whose premises are for the time being connected for the purpose of receiving electricity with the works of a licensee, and covers such other person, as the case may be;
 - (i) '**Low Tension Consumer (LT Consumer)**' if he obtains supply from the licensee at low voltage.

(ii) **'High Tension Consumer (H' Consumer)'** if he obtains supply from the licensee at High Voltage.

(iii) **'Extra High Tension Consumer (EHT Consumer)'** if he obtains supply from the licensee at Extra High Voltage.

- (l) **'Consumer's installation'** means, any composite electrical unit including electric wires, fittings, motors and apparatus, portable and stationary, erected and wired by or on behalf of the consumer at the consumer's premises.
- (m) **'Contract demand'** means, the Load in kW, kVA or HP, as the case may be, agreed to be supplied by the licensee and contracted by the consumer and specified in the agreement (where 1HP = 0.746 KWh).
- (n) **'Contracted Load'** means, the connected load which the consumer requires and as specified in the agreement or in the sanction accorded for the service.
- (o) **'Cut-out'** means any appliance for automatically interrupting the supply or flow of electrical energy through any conductor when the current rises above a predetermined quantum, and shall also include fusible cut-out.
- (p) **'Date of commencement of supply'** means the date immediately following the date of expiry of a period of three months from the date of intimation to an intending consumer of the availability of power or the date of actual availing of supply by such consumer, whichever is earlier.
- (q) **'Demand Charge'** for a billing period means a charge levied on the consumer based on the contract demand or maximum demand calculated as per the procedure provided in the Tariff Order of the Commission.
- (r) **'Distribution main'** means the portion of any main with which a service line is, or is intended to be connected.
- (s) **'Distribution System'** means the system of wires and associated facilities between the delivery points on the transmission lines or the generating station connection and the point of connection to the installation of the consumers;
- (t) **'Earthed' or 'connected with earth'** means connected with the general mass of earth in such manner as to ensure at all times an immediate discharge of energy without danger.
- (u) **'Electric line'** means any line which is used for carrying electricity for any purpose and includes –
- (i) any support for any such line, that is to say, any structure, tower, pole or other thing in, on, by or from which any such line is, or may be, supported, carried or suspended; and
 - (ii) any apparatus connected to any such line for the purpose of carrying electricity;

- (v) **'Electrical Inspector'** or **'Inspector'** means an Electrical Inspector appointed under sub-section 1 of section 162 of the Electricity Act, 2003 (36 of 2003), by the Appropriate Government or any other Administrative Authority.
- (w) **'Electricity'** means, Electrical Energy –
 - (i) Generated, transmitted or supplied for any purpose, or
 - (ii) Used for any purpose except the transmission of a message.
- (x) **'Energy charge'** means a charge levied on the consumer based on the quantity of electricity (units in kWh or kVAh as per tariff) supplied.
- (y) **'Extra High Voltage (EHV)'** or **'Extra High Tension (EHT)'** means the voltage, which exceeds 33,000 volts, alternating current, 50 HZ frequency, conditions subject, however, to the percentage variation allowed under the Indian Electricity Rules, 1956.
- (z) **'Group User'** means and include Cooperative Group Housing Society, registered under Cooperative Societies Act or a person representing his employees.
- (aa) **'High Voltage (HV)'** or **'High Tension (HT)'** means the voltage higher than 400 volts, AC, 50 HZ, but which does not exceed 33,000 volts, Alternating current 50 HZ under normal conditions subject, however, to the percentage variation allowed under the Indian Electricity Rules, 1956.
- (bb) **"Indian Electricity Rules"** or **"I.E. Rules"** means the Indian Electricity Rules, 1956, to the extent saved by the Act or the rules made under the Act there after.
- (cc) **'Initial period of agreement'** means the period of one year in case of LT supply and two years in case of HT supply starting from the date of commencement of supply as per agreement. The initial period of agreement shall continue till the end of the month, in which the end date of the one/two year's period expires.
- (dd) **'Installation'** means any composite electrical unit used for the purpose of generating, transforming, transmitting, converting, distributing or utilizing electrical energy.
- (ee) **"Licensee"** means a person who has been granted a license under section 14 of the Act.
- (ff) **'Licensed Electrical Contractor'** means a contractor licensed under rule 45 of the Indian Electricity Rules 1956.
- (gg) **'Low Voltage (LV)'** or **'Low Tension (LT)'** means the voltage, which does not exceed 230 volts at single phase and 400 Volts at three phase, Alternating Current 50 HZ, under normal conditions subject, however, to the percentage variation allowed under the Indian Electricity Rules, 1956.
- (hh) **'Maximum demand'** in each month shall be the highest load measured in KVA or KW by maximum demand indicator of the meter that may be required to be installed as per CEA's regulations on metering.

- (ii) **'Meter'** means an equipment used for measuring electrical quantities like energy in kWh or kVAh, maximum demand in kW or kVA, reactive energy in kVARh etc. including accessories like Current Transformers (CT) and Potential Transformers (PT), including cables, where used in conjunction with such meter and any enclosure used for housing or fixing such meter or its accessories and any devices like switches or MCB/ load limiter or fuses used for protection and testing purposes.
- (jj) **'Month'** means, the calendar month or the period between meter reading date in a particular month and the corresponding meter reading date of the immediately succeeding month.
- (kk) **'Occupier'** means the owner or person in occupation of the premises where electrical energy is used or proposed to be used.
- (ll) **'Overhead line'** means, any electric supply-line, which is placed above ground and in the open air but excluding live rails of traction system.
- (mm) **'Power Factor'** means, the average monthly power factor and shall be the ratio expressed as a percentage of the total kilowatt hours to the total kilovolt amperé hours supplied during the month; the ratio being rounded off to two decimal figures.
- (nn) **'Premises'** includes any land, building or structure.
- (oo) **'Service-line'** means, any electric supply-line through which electrical energy is, or is intended to be, supplied
 - (a) to a single consumer either from a distribution main or immediately from the supplier's premises, or
 - (b) from a distribution main to a group of consumers in the same premises or in adjoining premises supplied from the same point of the distribution main. The distribution main shall ordinarily mean the Low Tension distribution unless otherwise specified.
- (pp) **'System'** means an electrical system in which all the conductors and apparatus are electrically connected to a common source of electric supply.
- (qq) **"Standards of Performance of Distribution Licensee Regulations"** means the Joint Electricity Regulatory Commission (Standards of Performance) Regulations, 2009.
- (rr) **'Tariff Order'** means the Tariff Order (s) of the Commission as may be applicable in a particular case.
- (ss) **'Theft of Electricity'** has the meaning assigned to it under section 135 of the Electricity Act, 2003.

All other expressions used herein although not specifically defined herein, but defined in the Act, shall have the meaning assigned to them in the Act. The other expressions used herein but not specifically defined in these Regulations or in the Act but defined under any law passed by the Parliament applicable to electricity industry shall have the meaning assigned to them in such law.

Subject to the above, the expressions used herein but not specifically defined in these Regulations or in the Act or any law passed by the Parliament shall have the meaning as is generally assigned in the electricity industry.

In case of any inconsistency between these Regulations and the Terms & Conditions existing on the notified date, the provisions and meanings contained in these regulations shall prevail.

1.3 Review of the Electricity Supply Code

- (1) The Commission shall constitute an Electricity Supply Code Review Committee (hereinafter called review committee) to review this Code on a periodic basis. The review committee shall consist of such number of members from the State of Goa and Union Territories, as the Commission may consider necessary including persons representing the following interests;
 - (a) Each Distribution Licensee of the State of Goa and Union Territories;
 - (b) LT consumers, HT consumers, EHT consumers, their associations and interested groups;
 - (c) Generating company (by rotation if more than one);
 - (d) Any other person or interested group or organization as the Commission may think fit.
- (2) The Commission shall appoint one of members as Chairman of the review committee. The Commission shall also nominate an officer from the Commission to act as Member-Secretary to the review committee. The Commission shall provide all the required assistance to the review Committee.
- (3) All members of the review committee shall be appointed for a period of two years.
- (4) The review committee shall meet at least once every six (6) months. The Member Secretary of review committee shall convene meetings with the approval of the Chairman. He shall send meeting notice along with agenda to all members ten days in advance.

- (5) The Chairman, Member-Secretary and all Members shall be part-time members of the review committee. They shall draw their salaries, allowances and perquisites from their respective parent organizations.
- (6) The Member Secretary of the review committee shall send the proceedings of the meetings to all the members of the review committee and to the Commission within 15 days from the date of the meetings.
- (7) Any Licensee, generating company, consumer, Industry or any interested parties or business organization may send their suggestions in writing for revision of these regulations to the Member-Secretary of the review committee, explaining the difficulties experienced in implementation of these regulations may also be communicated to the review committee. All these representations shall be recorded and discussed in the review committee meetings. The Member-Secretary shall maintain the entire correspondence relating to the review committee.
- (8) The Commission may amend these regulations suo-motu or on the recommendations of the review committee. However, before any amendment is issued to these regulations, procedure as specified in the Joint Electricity Regulatory Commission (Conduct of Business) Regulations, 2009 of the Commission shall be followed.
- (9) A notice of the gist of amendments made in these regulations shall be published by the Licensees in at least two newspapers having wide circulation in the areas / regions of supply stating that copies of the amended Electricity Supply Code are available for purchase in the offices mentioned in sub-regulation -10) below.
- (10) Copies of these regulations as duly amended from time to time shall be kept at area offices, regional offices, circle offices, division and subdivision offices, distribution centres of the licensees and such other offices as may be specified by the Commission. The licensee shall also place it on their website.

CHAPTER-2:

SYSTEM OF SUPPLY AND CLASSIFICATION OF CONSUMERS

2.1 System of Supply

- (1) The declared frequency of the alternating current (AC) shall be 50 HZ. The Licensee shall as far as possible supply and maintain uninterrupted power supply in a frequency band between 49.00 Hz to 50.5 Hz.
- (2) The declared voltage of AC supply shall be as follows:
 - (a) Low Tension (LT)

- (i) Single Phase: 230 volts between, a phase and neutral.
- (ii) Three Phase: 400 volts between any two phases.
- (b) High Tension (HT) - Three Phase: 11 kV, 22 kV, 33 kV between phases.
- (c) Extra High Tension (EHT) - Three Phase: 66 KV, 110 kV, 132 kV, 220 KV between phases.
- (3) The licensee shall design and operate the distribution system in conjunction with the transmission systems. The licensee shall maintain voltage at the point of commencement of supply to the consumer within the limits with reference to the declared voltage as stipulated hereunder;
 - (a) Low voltage: (+) 6%; and (-) 6%;
 - (b) High voltage: (+) 6% and (-) 9%
 - (c) Extra high voltage: (+) 10% and (-) 10%

These are subject to change as and when deemed necessary by the Competent Authority

2.2 Voltage of Supply to Consumers

The supply voltage for different contract demand or contract load shall be as specified in the Tariff order.

Provided that, depending on system availability or condition, the licensee, at its discretion, may supply a consumer at a voltage other than one specified above recording justification for such deviation with prior intimation to the consumer and to the Commission.

2.3 Classification of Consumers

- (1) The classification of consumers, tariff and conditions of supply shall be as fixed by the Commission from time to time in the tariff order or otherwise.
- (2) Where a consumer has been classified under a particular category and is billed accordingly and if it is subsequently found that the classification is not correct, the consumer shall be informed through a notice, of the proposed reclassification, duly giving him an opportunity to file any objection within a period of fifteen days. The licensee shall finalize the classification with the approval of the Commission, after due consideration of the consumer's submissions.
- (3) No additional category other than that approved by the Commission shall be created by the Licensee.

CHAPTER 3: NEW SERVICE CONNECTION

3.1 Licensee's obligation to supply of electricity on request

(1) The Licensee shall on an application by the owner or occupier of any premises, located in its area of supply, give supply of electricity to such premises within one month after receipt of application and on payment of requisite charges.

Provided where such supply requires extension of distribution mains, or commissioning of new sub-station, the distribution Licensee shall supply the electricity (including enhancement of load) to such premises immediately after completion of such extension or commissioning of sub-station or within such period as specified in Regulation 3.7 below.

Provided also in case of application for supply from a village or hamlet or area wherein no provision for supply of electricity exists, the Commission shall extend the period as specified under Regulation 3.7 on a case-to-case basis:

3.2 Exceptions from duty to supply of electricity

(a) Where a distribution licensee has to provide electric plant or electric line for giving supply to the premises specified above under section 43 of the Act, no person shall be entitled to demand or receive from licensee supply of electricity nor any premises having separate supply unless he has agreed with the licensee to pay him such price and charges as specified by the Commission.

(b) Nothing contained under Regulation 3.1 above shall be taken as requiring a distribution licensee to supply electricity to any premises, if it is prevented from doing so by cyclone, floods, storm and other occurrences beyond its control.

3.3 Licensee's obligation to extend the Distribution System

(1) The Licensee shall have obligation for ensuring that its distribution system is upgraded, extended and strengthened to meet the demand for electricity in its area of supply. Wherever the existing transformation capacity is loaded upto 80% of its capacity, the licensee shall prepare a scheme for augmentation of such transformation capacity.

(2) The Licensee shall meet the cost for strengthening / upgradation of the distribution system to meet the demand of the existing consumers as well as future growth in demand through its annual revenues or funds arranged by the licensee and this cost shall be allowed to be recovered from the consumers through tariff by the Commission subject to prudence check.

- (3) In all cases of new connections, the consumer shall bear the Service Connection Charges that is the cost of service connection from the Distribution Mains to the point of supply as approved by the Commission from time to time.
- (4) For uniformity and simplification in calculating the actual cost of extension, the licensee shall prepare a ready reckoner to show the per-unit material cost of LT line, HT line, substation of different capacities etc. The licensee shall update the ready reckoner every year, under intimation to the Commission.
- (5) In case the connected / contracted load of any new connection is projected to be 60 kW or more, a separate transformer of adequate capacity shall be installed at consumer's cost. The space / room with required for housing the transformer, sub station, switch gears, meters and panels shall be provided by the consumer, free of cost, which is easily accessible to the licensee.
- (6) The service connection/ extension of distribution mains, notwithstanding that it has been paid for by the consumer, shall be the property of the licensee. The licensee shall maintain it at its cost and shall also have the right to use the same service connection/ extension for supply of energy to any other person but such extension or service connection should not adversely affect the supply to the consumer who paid for the extension of the distribution supply network.
- (7) When the licensee completes the work of extension of distribution mains and is ready to give supply, the licensee shall serve a notice on the consumer to take power supply within one month in case of LT and three months in case of HT or EHT. If the consumer fails to avail supply within the notice period, the agreement shall come into force from the day following the end of the notice period, and thereafter the consumer shall be liable to pay charges as applicable, as per the agreement.

3.4 Service connection./ extension work got done by consumers

- (1) The consumer shall have an option to get the work of drawing of service line from the licensee's distribution mains upto his premises as per the estimates and layout approved by the licensee through an appropriate class of licensed electrical contractor, and the work of extension of EHT and HT line, distribution or HT substation and LT line through an appropriate class of licensed electrical contractor as per the estimates and layout approved by the licensee. In such case the consumer himself shall procure the materials. The

material should, conform to relevant BIS specification or its equivalent and should bear ISI mark wherever applicable. The licensee may ask for documentary evidence to verify the quality of materials used. The consumer shall be required to pay the supervision charges as per the rates approved by the Commission.

- (2) The consumer shall get the work done within the timeframe as provided in Regulation 3.7 and if he needs more time he shall represent to the licensee with reasonable ground for extension of time and the licensee shall communicate his approval for the same to the Consumer.

3.5 New Connection

- (1) Application for a new connection of electricity supply or for enhancement/reduction of load shall be made in duplicate in the prescribed form, copies of which shall be available free of cost from the local office of the licensee. The licensee shall also post the application forms on its website. Photocopies of a blank application form or the form downloaded from the website of the licensee may also be used by the applicant and shall be accepted by the Licensee. Any assistance or information required in filling up the form should be given to the consumer by the licensee. The Licensee may modify the formats if so required to meet any requirement that may arise in accordance with the provisions of Regulations so that the formats are consistent with the Act, prevailing Rules, Regulations.

- (2) All information relating to procedure, fees, designated officers for releasing new connection shall be displayed on the notice boards of all the sub offices and offices of licensee.

- (3) The consumer shall furnish, along with the application form, attested true copies of following documents. The licensee may ask for the following original documents, from the consumer, if required, for verification.

- (a) Proof of ownership of the premises, such as registered sale deed or partition deed or succession or heir certificate or will of the owner,

OR

Proof of occupancy such as power of attorney or latest rent receipt or lease deed or rent agreement or copy of allotment order issued by the owner of the property. In case of supply to agriculture/ irrigation pump set, the copy of Land Revenue receipt giving the Revenue Plot No. of the field for which the supply is required.

In case of tenancy permission of landlord along with proof of ownership of the premises.

- (b) In case of a partnership firm, partnership deed, authorization in the name of the applicant for signing the requisition form and agreement.
- (c) In case of a Public or Private Limited Company, Memorandum and Articles of Association and Certificate of incorporation together with an authorization in the name of the applicant for signing the requisition form and agreement along with permanent address.
- (4) The consumer shall also intimate whether the cost of service line and extensions, if any, will be borne by him or not.
- (5) The Licensee shall verify the application and the attached documents at the time of receipt of application. Written acknowledgement shall be issued on the spot. If the application is complete, otherwise it should mention the shortcomings, if the application is incomplete.
- (6) No application for the new connection in an electrified area shall be refused under any circumstances if it complies with statutory requirements and is in conformity with Act. In case consumer has not been intimated within stipulated period about any further requirements for release of connection in his application, the application shall be deemed to have been accepted and necessary action shall be taken to release the connection.
- (7) If any information furnished in application form is found wrong or the installation is defective or the energisation would be in violation of provision of Act / Electricity Rules / Tariff Order, the licensee shall reject the application with due notice to the consumer.
- (8) Licensee shall not be responsible if the reasons for delay are on account of right of way, acquisition of land, technical feasibility and lack of transmission capacity etc, over which the licensee has no reasonable control, provided the reasons for the expected delay are communicated to the applicant within the period specified for energisation.

3.6 Supply to Different Categories of Consumers

(A) LT Supply

- (1) The Licensee shall verify the application and documents at the time of receipt of application. If the application is incomplete, the shortcomings shall be intimated to the applicant for compliance in writing within 3 working days. After a complete application is received from the consumer, the licensee shall issue a written acknowledgement to the consumer immediately within 2 working days of receipt

of the completed application form. The licensee shall intimate the consumer the proposed date of inspection, which should be within the next 5 working days in urban areas and 10 working days in rural areas.

(2) On receipt of application, the Licensee shall inspect the premises of the applicant and the applicant along with the licensed contractor or his representative shall be present during the inspection. During the inspection, the Licensee shall:

- (i) Specify the point of supply and the place where meter and the cut-out/ MCB shall be fixed.
- (ii) Specify the layout of the proposed lines and substation and estimate the distance between the point of supply and the nearest Distribution mains from where supply could be given.
- (iii) Verify other particulars mentioned in the application form, as required.
- (iv) The licensee shall inspect the work completed by the consumer and release supply only after work is found satisfactory.
- (v) If the Licensee is not satisfied, he shall intimate to the applicant shortcomings on the spot. The applicant shall get the defects rectified.

(3) (a) The licensee shall prepare an estimate for release of connection.

(b) The estimate shall include security deposit, charges for laying the service line, distribution mains (if required) & material, and service connection charges etc, as approved by the Commission from time to time.

(c) The Licensee shall publish a cost data book, and make it available to any interested person at a reasonable charge, and shall also place it on their website. The estimate as at (b) above shall be in accordance with the data published in the cost data book.

(d) If the work is to be done by the developer/ applicant / development authority, the Licensee may charge supervision charges as a percentage, of the estimated cost as specified in cost data book, which shall be deposited with the licensee before work begins.

In other cases, Licensee shall commence the work after the applicant has deposited the cost of the estimate.

(e) A final bill shall be prepared after completion of the work by the Licensee.

- If the final bill exceeds the cost of the estimate, the difference shall be deposited by the applicant before connection is energized.
- If the bill is less, the difference shall be adjusted in subsequent electricity bills issued towards current consumption of the applicant.

(4) In case it is possible to extend supply from the existing mains, the licensee shall intimate the consumer, within 20 days, the amount of security deposit and any

other charges as applicable. The amount shall be payable in full within 7 working days, after which only any work for laying the service line will be taken up. The licensee will also intimate to consumer to execute the agreement for the service connections.

- (5) In case it is necessary to extend distribution mains for giving supply to the consumer, the licensee shall intimate the consumer, within 15 days in urban areas and within 20 days in rural areas, an advice containing the charges for extension of the distribution main, laying the service line, the amount of security deposit, any other charges as applicable and will also intimate if any additional formalities are required to be carried out by the consumer. In case where the consumer has to lay the service line and extension of mains, the consumer shall pay the supervision charges on cost of extension of the distribution mains and laying the service line in addition to payment of other charges as may be applicable. The amount shall be payable in full within 7 working days along with completion of formalities, after which only any work for laying the distribution mains and service line can be taken up.
- (6) Licensee on request of consumer may extend the date of payment beyond 7 days, upto 15 days but this extended time shall not be counted for delay in giving connection, and no compensation shall be paid during the said period. In case the consumer fails to complete the formalities within 15 days, the licensee shall give him notice to complete the formalities within the next 15 days failing which, his requisition for supply shall be cancelled. Thereafter the consumer shall have to apply afresh for supply or additional supply as the case may be.
- (7) On deposit of charges as indicated above by the consumer, execution of the agreement and intimation that the service line and extension work have been completed, the licensee shall intimate the consumer, within 3 working days, the date of testing of the consumer's installation. The consumer shall ensure that the licensed electrical contractor, who has carried out the wiring, is present during the testing.
- (8) On testing the consumer's installation, if the licensee/competent authority is satisfied with the test results, the licensee shall arrange to install the meter with the cut-out or MCB, seal the meter in presence of the consumer and provide supply.

(B) LT Supply to Multi-Consumer Complex Including Commercial Complexes:

- (9) For the purpose of providing new power supply to a building or a group of buildings having more than one connection with a total load exceeding 30 kW, the premises shall be considered as a multi-consumer complex. Such new connection shall be provided with single meter. However this shall not restrict the individual owner for applying for individual connection and the licensee shall sanction such connection on LT. The applicant / developer / development authority shall be responsible to develop, construct the entire infrastructure required for distribution network from the licensee's sub station 33/11KV or 11/0.4 KV, upto the connection outlets in individual owner's premises, at his own cost.

The cost of construction/augmentation of 33/11 kV power sub station if required shall be borne by the licensee.

Note: The developer/ builder/ society/ consumer includes any agency whether Government, local body or private that constructs the Multi-Consumer Complex.

- (10) Meters shall normally be provided at the ground floor in accordance with the procedure stated in Chapter 7 of these regulations.
- (11) The land/room required for housing the transformer substation and meters shall be provided by the developer /builder/ society/ consumer free of cost for which rent or premium shall not be paid by the licensee. Transformers should preferably be placed in open areas. In case of installation of transformer in a room or closed area is unavoidable, all safety measures as per prevailing rules and regulations shall be taken.
- (12) Connections for common facilities like lift, water pumps etc. shall be given in the name of the builder/developer/society.
- (13) In case the original approved plan is for a multi-consumer complex, but the builder/developer/ society/ consumer desires to avail connection for a portion of it, the connection shall be provided treating it as multi-consumer complex.
- (14) If a building comes under the category of multi-consumer complex and if a separate distribution transformer of sufficient capacity is necessary, for giving supply to such building which was not provided earlier, it will be provided at the cost of the builder/developer/ society/ consumer. Alternatively, the builder/ developer/ society/ consumer shall bear the additional cost to augment the capacity of the existing 11/0.4kV substation, if found necessary by the licensee.
- (15) On receipt of requisition from the builder/developer/ society/ consumer for supply of electricity to multi-consumer or commercial complexes, the licensee shall take

action for extending the supply as per procedure given in Regulation 3.6 (1) to 3.6 (8) above, as applicable.

(C) LT Supply to Housing Colonies and Multi storied Buildings:

- (16) The developer/ builder/ society/ consumers of a housing colony shall bear the cost of extension including the cost of 11 kV line, distribution transformer and LT lines/ LT cables. The cost of construction / augmentation of capacity of power sub station of 33/11 kV if required, shall be borne by the Licensee.

[Note: The developer/ builder/ society/ consumer includes any agency whether Government, local body or private that constructs the building/ colony.]

- (17) On receipt of requisition from the builder/developer/ society/ consumer for supply to housing colony, the licensee shall take action for extending the supply as given in Regulation 3.6 (1) to 3.6 (8) above, as applicable.

Supply to Group Users

- (18) The Group user shall be eligible to opt supply by a distribution licensee at a single point provided that the supply shall be primarily used for residential purpose including the loads of common amenities for the group user like pumps for pumping water supply and lighting of common area. The consumption of energy for common services shall be separately metered with meters installed by the consumer and tested and sealed by licensee. The consumption of energy over and above 10% of the total consumption of energy shall be billed at LT commercial tariff. The Group user shall inform the details of every non-domestic activity along with the connected load to the licensee at the time of seeking connection or at the time of enhancement in contract demand.
- (19) On receipt of requisition in manner specified under regulation 3.5 from the group user, the licensee shall verify the application and the attached documents at the time of receipt of application. In case of a Cooperative Group Housing Society, a certified copy of the registration of the Cooperative Group Housing Society shall also be annexed along with the application requiring supply at single point.
- (20) The provisions of these regulations shall not in any way affect the right of a person residing in the housing unit sold or leased by Cooperative Group Housing Society to demand supply of electricity directly from the distribution licensee of the area on the following terms and conditions:

- (i) The Cooperative Group Housing society must permit any person of the society to avail supply of electricity from the Distribution licensee directly.
- (ii) The Cooperative Group Housing Society shall have no objection in respect of the following:
 - (a) The electricity supply by the licensee to such person shall be served from the licensee's distribution network.
 - (b) Extension of adequate distribution network by the licensee to release the supply to such person.
 - (c) Providing access for the licensee's representative to approach at any point of time to network of licensee in the premises of the group user including the point of supply to such consumer to discharge service obligations without any resistance.
 - (d) The meter shall be installed by the licensee at the appropriate place in the premises of such consumer and the reading and billing of electricity for consumption by such consumers shall be done by the licensee.
 - (e) The licensee shall recover the charges for the electricity consumed by such person at the approved rate applicable to the domestic category.

(D) LT Supply for Agriculture/Irrigation Pump sets:

- (21) The procedure laid down in Regulation 3.6 (1) to 3.6 (8) above, as applicable, shall be followed for giving supply to agriculture/irrigation pump sets where extension of distribution mains and /or augmentation of distribution transformer is not required.
- (22) Supply for agriculture/irrigation pump set, at one point, may also be given to a registered co-operative society or to a group of farmers recognized by the licensee.
- (23) If, On inspection of the premises, if it is found that extension of distribution mains augmentation of distribution transformer capacity providing of additional distribution transformer etc are required, necessary estimate as per the cost-data shall be prepared and got approved by competent authority. If any amount towards cost of the works, after considering subsidy from the Government or any appropriate authority shall be intimated to the consumer along with other charges such as security deposit etc to be paid. The work of electrification of such pump set(s), will be taken up and completed within the period as laid down in Regulation 3.7 after the amount as intimated is deposited by the consumer(s). New connection shall be given on the broad principle of first-come first serve

basis. Within 7 working days of completion of work, the licensee shall intimate the date of testing of the installation of the consumer and inspect the wiring in the premises of the consumer. In case the licensee is satisfied the connection shall be served within 3 working days of the inspection.

- (24) An agricultural consumer, if he so desires, may shift the location within his premises of his connection, with the approval of the licensee, after payment of charges if any.

(E) LT Supply to Public Street Lightings:

- (25) Requisition for power supply to new or additional public street lights shall be submitted in the prescribed format to the local office of the licensee by the Municipal Corporation or Municipality or Municipal Board or Gram Panchayat or Local Body or the Government Department or any other organization responsible to maintain public street lights (in context of public street lights herein after called 'local body').
- (26) The requisition for public lights shall be accompanied by resolution of the local body and the sketch indicating the number of poles, existing or new, where streetlights are required.
- (27) The fittings, brackets or any special fittings shall be in accordance with the relevant BIS specifications or its equivalent, and shall maintain required clearances as per prevailing rules and regulations. The local body shall bear the full cost of arranging of power supply to public streetlights including complete fittings and brackets. In case, any special fittings are to be provided, the local body shall arrange for it.
- (28) The licensee shall intimate the cost of extension in writing within 20 days from the date of application. The work shall be taken up only after deposit of the amount and execution of agreement by the local body.
- (29) A suitable double compartment weatherproof metal box to house the energy meter and streetlight switch/ M.C.B./ timers shall be provided by the licensee.
- (30) It shall be responsibility of the municipal body/local body to maintain and replace streetlight fittings and also switch on and switch off the streetlight. However the licensee may carry out the maintenance of streetlight fixtures on payment basis and shall arrange to switch on fifteen minutes before sunset and switch off the streetlights fifteen minutes before sunrise as per local sunset/ sunrise timings or any other timings agreed upon between the Licensee and the local body. The licensee shall also carry out replacement of fixtures/ bulbs (of same wattage) etc on the poles on request by the streetlight consumers. The fixtures, bulbs etc.

shall be supplied by the consumers and replaced by the licensee within 7 days of receipt. All such services shall be chargeable. Such maintenance charges shall be included in the schedule of miscellaneous charges.

(F) Temporary Power Supply

- (31) Any person requiring power supply for a purpose temporary in nature, for a period of less than 90 days or as provided in the tariff order of the Commission may apply for temporary power supply in the prescribed form. The period of connection can be extended upto two years for building construction activities and for purpose of installation of equipments by industrial consumers for setting up their units. Application for temporary supply shall normally be given in advance. In certain exceptional case like marriage, political meeting etc the application can be given on the day on which supply is required. The proof of ownership / occupation or permission from the local authority or from the owner of the premises, as the case may be, where temporary connection is required has also to be attached with the application.
- (32) In case temporary supply is required in premises/ place where 100 or more persons are likely to assemble, the consumer shall comply with the provisions of section 54 of the Act.
- (33) If supply is technically feasible, the licensee shall intimate the charges to be paid by the consumer for the cost of service line, meter, cut-out/ MCB and other charges etc, together with charges for the estimated electricity consumption for the period of supply applied as per tariff order of the Commission in force. All the charges shall be payable in advance.
- The consumer shall have the option either to take the material used for temporary connection or receive credit, in the final bill, for materials dismantled and returned to stores of the licensee after disconnection of supply.
- (34) In case temporary supply is required for a period more than 90 days, the licensee may permit the consumer to pay charges for estimated consumption for 90 days in advance and serve the bills for monthly consumption. In case the consumer fails to pay the bills in time and the advance with the licensee does not cover the charges for the balance period, the supply shall be liable for disconnection.
- (35) The licensee shall release the supply within 3 days after payment of charges and compliance of other requirements by the consumer for loads up to 10 KW and within 15 days for load exceeding 10KW where extension of distribution mains is not required. Where extension of distribution mains is required, the supply shall

be released within 60 days in case of LT consumers, 90 days for HT consumers and 180 days for EHT consumers.

- (36) The readings of the meter may be taken during the period of the temporary connection to ensure that the charges for actual consumption does not exceed the advance payment received.
- (37) After the period of temporary supply is over and supply has been disconnected, the licensee shall send the final bill to the consumer within 10 days from the date of disconnection of supply and refund the balance amount, if any, within 20 days of surrender of original money receipt or submission of indemnity bond by the consumer. On any delay beyond the said time limit, the licensee will be liable to pay an interest @ 1.5% per month on the amount to be refunded or outstanding for the number of days beyond the last date of payment, as specified above.

(G) H.T. Supply

- (38) After receipt of application for supply of electrical energy at H.T. in the prescribed form, the licensee shall intimate the consumer in writing the date of inspection of the site to examine the feasibility. The licensee shall intimate the feasibility or otherwise of supply within 10 days of such inspection. The consumer or his authorized representative shall remain present at the time of inspection. In case supply is found feasible, the licensee shall fix the point of entry of the supplier's line, the position of meter, metering equipment and other equipments of the supplier. The consumer may with the written permission of the licensee house his own HT switchgear and other apparatus connected with the supply of electrical energy to him under the agreement signed between the consumer and the licensee but such enclosure shall not be used for any other purpose. The licensee may insist on use of 'Underground Cable' or 'Ariel Bunched Cable', wherever considered appropriate, for the last span. The difference of cost of the last span on account of laying of 'Underground Cable' or 'Ariel Bunched Cable' with respect to overhead bare conductor shall be borne by the licensee.
- (39) Supply to HT industrial consumers shall normally be given through HT feeder exclusively meant for industries. It may be preferable to extend supply through a separate feeder from the nearest 33/11 kV or EHT substation in case of consumers with continuous process industry or load of 3 MVA or more.
- (40) Supply to new HT consumer shall normally not be extended from the rural feeder. If due to the prohibitive cost of extension of separate feeder from the nearest 33/11 kV or EHT sub station, or for any other reason, the supply is given from a rural feeder, the consumer shall be informed that the supply shall be restricted.

and regulated in accordance with the restrictions imposed on the rural feeders as per grid conditions, which shall be complied with.

- (41) The licensee shall intimate the consumer, the charges required to be paid for the cost of extension, if any, and the amount of security deposit and other charges if any. Copies of the draft agreement and the form of the required test report shall also be forwarded simultaneously.
- (42) After payment of charges including security deposit, and execution of the agreement, the licensee shall take up the work of extension of mains. If the consumer wishes, he may execute the job on his own after payment of due supervision charges to the licensee. After completion of the installation, the consumer shall furnish to the licensee the test report and the permission from the Electrical Inspector to energize the installation. On receipt of the report(s), the licensee shall intimate the consumer in writing the date (not later than 7 days) of inspection and testing of the consumer's installation. In case the consumer's installation is found in order, the licensee shall seal the meter in the presence of the consumer and serve the connection.

(H) Supply at Extra High Tension (EHT):

- (43) After receipt of application in the prescribed form for supply of electrical energy at E.H.T., the licensee shall intimate the consumer in writing the date of inspection to check his installations. The consumer or his authorized representative shall remain present at the time of inspection. In case supply is found feasible, the licensee shall fix the point of entry of the supplier's line, the position of meter, metering equipment and other equipments of the supplier. The Licensee shall intimate the feasibility of supply within 10 days of receipt of the application.
- (44) The licensee shall intimate the consumer the charges required to be paid for the cost of extension, if any, and the amount of security deposit and other charges, if any. Copies of the draft agreement and the form of the required test report shall also be forwarded simultaneously.
- (45) After the payment of charges including security deposit and execution of the agreement, the licensee shall take up the work of extension required to give supply. If the consumer wishes he may execute the job on his own after payment of due supervision charges to the licensee. The work shall be completed within 180 days.
- (46) After the consumer executes his internal electrical works, he shall furnish to the licensee the test report and the permission from the Electrical Inspector to energize the installation in accordance with clause 47 of IE Rules. On receipt of the report(s), the licensee shall intimate the consumer in writing the date of

inspection and testing of the consumer's installation. If the consumer's installation is found in order, the licensee shall seal the meter in the presence of the consumer and provide the connection.

3.7 Target Period of Completion of Various Activities

The following table provides the target period of completion of various activities:

| S.No | Type of Service | Time Limit for Rendering the Service |
|------|--|--|
| 1 | LT Connection 1. Acceptance and Notice of inspection on receipt of complete application. 2. Inspection after sending the notice a. Urban areas b. Rural areas (i) if the extension work is not required and the connection is to be given from the existing network 3. Issue of demand note to the applicant for payment of estimated charges. a. Urban areas b. Rural areas 4. Serving of power availability notice for commencement of supply after payment of necessary charges a. Urban areas b. Rural areas (ii) If the extension work or enhancement of transformer capacity is required. 5. Issue of demand note to the applicant for payment of estimated charges a. Urban areas b. Rural areas 6. After payment of necessary charges serving of power availability notice for commencement of supply – All connections | 5 days 3 days 7 days 3 days 5 days 5 days 7 days { 20 days } 30 days |
| 2 | High Tension Connection a) Information feasibility after receipt of the application b) Issue of demand note of estimated charges (after issue of notice of feasibility) (i) If no extension of work is involved (ii) If extension work is involved c) Serving of power availability notice for commencement of supply / release of connection after receipt of estimated charges subject to receipt of clearance from Electrical Inspector (i) If no extension of work is involved (ii) If extension work is involved - Construction of 11 kV line - Construction of 22 kV or 33 kV line | 10 days 7 days 45 days 7 days 30 days 45 days |
| 3 | Extra High Tension Connection a) Informing feasibility after receipt of the application b) Issue of demand note of estimate charges after issue of notice feasibility | 10 days 60 days |

| | | |
|--|--|--|
| | <p>c) Serving of power availability notice for commencement of supply / release of connection after receipt of estimated charges</p> <p>(i) involving construction / extension of EHT line</p> <p>(ii) involving construction / extension of EHT line and additional transformer</p> | <p>45 days (Subject to receipt of clearance from Electrical Inspector)</p> <p>180 days</p> |
|--|--|--|

3.8 The licensee shall maintain a priority register in respect of the following categories

- (a) Where no extension of distribution mains is required
- (b) Where extension of distribution mains upto two poles is required
- (c) Where extension of distribution mains of more than two poles is required

3.9 The Commission may for reasons to be recorded, direct / permit deviations from the above Regulation 3.1 to 3.8 if in the opinion of the Commission the circumstance warrants such deviation. The Commission may issue such direction / permission by an order to the licensee.

CHAPTER - 4:

WIRING AND APPARATUS IN CONSUMER PREMISES

4.1 Wiring at Consumer's Premises

- (1) For the safety of the consumer and the public in general, it is necessary that the wiring on the consumer's premises should conform to the Indian Electricity Rules, 1956. The materials used for wiring shall conform to the relevant specification of the Bureau of Indian Standards or its equivalent. Wherever applicable, the materials used shall bear ISI mark.
- (2) All electric lines, equipment and apparatus should be of sufficient rating for power, insulation and estimated fault current and sufficient mechanical strength for the duty which they are required to perform and shall be constructed, installed, protected worked and maintained in such a manner as to ensure safety of human beings, animal and property.
- (3) The relevant code of practice of BIS (Bureau of Indian Standard), including National Electric Code may be followed in all installations. However, in case of any inconsistency, the relevant provisions of the IE Rules 1956 shall prevail. The material and apparatus used shall conform to relevant BIS specification where such specifications are available.
- (4) All electrical installation works should be carried out by a licensed electrical contractor as required under Rule 45 of the Indian Electricity Rules, 1956.

4.2 General Wiring Conditions

(1) Mains

The consumer's mains shall, in all cases, be brought back to the licensee's point of supply and sufficient cable shall be provided for connecting up with the licensee's apparatus.

(2) Switches and Fuses

The consumer shall provide MCB or quick break linked main switches of requisite capacity to carry and break current in each conductor near the point of commencement of supply. The switches in the consumer's premises shall be on the live wire and the neutral conductor shall be marked for identification where it leaves the consumer's main switch for connecting up to the meter. No single pole switch or cut-out should remain inserted in any neutral conductor.

(3) Balancing of Load

The consumer taking three-phase supply shall balance his load between the phases as per IE Rules

(4) Earthing

Proper earthing with earthing pipe should be done and gas and water pipes shall on no account be used for earthing purposes. All wiring shall be kept as far as possible away from gas and water pipes.

(5) Domestic Appliances:

For the safety of the wiring at the consumer's premises, separate circuit for heaters, geysers, air-conditioners and for cooking apparatus like oven, microwave oven shall be run with adequate size of wire from the main distribution board of the consumer. Wall plugs used on the circuits for domestic appliances shall be of the three-pin type, the third pin being connected to "earth".

(6) Plugs

All plugs shall be provided with switches on the live wire and not on the neutral. Preferably plugs shall be of three – pin type, the third pin connected to earth.

4.3 Apparatus Interfering with Licensee's System

The licensee may discontinue the supply giving reasons if the consumer installs any instrument, apparatus that are likely to affect adversely, the supply to other consumers. Supply shall be restored on taking appropriate remedial action to the satisfaction of the licensee.

4.4 A.C. Motor Installations

The motor shall be provided with control gear with necessary protective devices so that the starting current of consumer's installation does not in any case exceed the limits given in the following schedule:

| Nature of Supply | Size of Installation | Limit of Maximum current demand |
|------------------|---|---------------------------------|
| Single Phase | Upto and including 1.5 Horse Power | 6 X full load current |
| Three Phase | Upto and including 3 Horse Power | 6 X full load current |
| | Above 3 Horse Power and upto including 15 Horse Power | 2 X full load current |
| | Above 15 Horse Power and upto including 100 Horse Power | 1.5 X full load current |
| | Above 100 Horse Power | 1.25 X full load current |

Failure to comply with these regulations will render the consumer liable for disconnection forthwith.

4.5 Consumer's Apparatus

The apparatus/ appliances/ gadgets used by consumers should conform to the standards and specifications prescribed by the Bureau of Indian Standards or equivalent

4.6 Power Factor of Plant and Apparatus

(1) Welding Transformers

LT installations with welding transformers will be required to have suitable shunt capacitor(s) installed so as to ensure power factor of not less than 90%.

(2) Induction Motor

2. (a) Every L.T. consumer, including irrigation pump set consumer, whose connected load includes induction motor(s) of 3 HP and above and other low power factor consuming appliances shall arrange to install Low Tension Shunt Capacitors of appropriate capacity so as to ensure power factor of not less than 90% at his cost across the terminals of his motor(s).

- (b) Supply to LT installation with induction motor(s) of capacity of 3 HP and above will not be given unless suitable capacitor to improve power factor is installed.

- (c) Such consumers with poor power factor below the percentage specified by the Commission shall be liable to pay surcharge at the rate (s) as specified by the Commission in the Tariff Order from time to time.
- (3) The licensee may discontinue supply, after due notice of 15 days, to any installation where the average power factor in a month is less than 70% where meter installed is having P.F. measuring feature. In case LT capacitors are not installed or installed but not in working condition, in such cases also the supply shall be disconnected after due notice of 15 days without prejudice to the right of the licensee to levy / minimum charges as applicable during the period of disconnection.

4.7 High Tension Consumers

The following controls shall be installed (refer section 50 of IE Rules, 1956)

- (1) A linked switch with fuse(s) or a circuit breaker for consumers having aggregate installed transformer/ apparatus capacity up to 1000 kVA if supplied at voltage of 11 kV and 2500 kVA if supplied at a voltage of 33 kV.
- (2) A circuit breaker along with linked switch for consumers having an aggregate installed transformer/ apparatus capacity above 1000 kVA if supplied at 11 kV and above 2500 kVA if supplied at 33 kV.
- (3) In either case, suitable automatic circuit breakers shall be installed on the low tension side of each transformer or on each LT feeder emanating from the transformer.

4.8 Extra-High Tension Consumer

Extra-High Tension consumer shall install a circuit breaker on HV side of the transformer (refer section 50 of IE Rules 1956).

4.9 HT/ EHT Consumers

- (1) All transformers, switch-gears and other electrical equipments in the installation of the consumer and also those directly connected to the feeders or lines of the licensee shall be of suitable design and be maintained by the consumer to the reasonable satisfaction of the licensee. The setting of fuses and relays on the consumer's control gear, as well as the rupturing capacity of any of his circuit breakers, shall be subject to the approval of the licensee.

- (2) Notwithstanding the provisions under Regulation 4.4 it is necessary that the consumer should obtain prior approval of the Electrical Inspector about the suitability of protective devices or circuit breakers in accordance with the provisions of the prevailing laws, rules and regulations.
- (3) The consumer shall maintain a power factor of 90% and above. Consumers shall be liable to pay surcharge or receive incentive specified by the Commission, from time to time, on account of variation from specified power factor. The licensee may discontinue supply, after due notice of 15 days, to any installation where the average power factor is less than 70% without prejudice to the right of the licensee to levy demand / minimum charges as applicable during the period of disconnection.

4.10 Inspection and Testing of Consumer's Installation

- (1) Before any wiring or apparatus in the case of low-tension consumer, and any transformer, switchgear or other electrical equipment in the case of high-tension consumer is connected to the system, it shall be subject to inspection and approval of the licensee/competent authority and no connection shall be made without the licensee's/competent authorities' approval. In addition, all high-tension installations will have to be approved by the Electrical Inspector and all electrical installations in mines will have to be approved by the Inspector of Mines.
- (2) Upon receipt of the test report, the licensee will notify to the consumer the time and day when the licensee proposes to inspect and test the installation. The consumer shall ensure that the Licensed Electrical Contractor or his representative, technically qualified, employed by him is present at the time of inspection to furnish to the licensee any information concerning the installation required by him. The licensee shall provide a copy of the inspection report to the consumer and obtain the acknowledgement of the consumer.
- (3) Manufacturer's test certificate in respect of all H.T. apparatus shall be produced, if required, by the Licensee.
- (4) The licensee shall not connect the conductors and fittings at the consumer's premises with its works unless it is reasonably satisfied that the connection will not at the time of making connection cause a leakage from the installation or apparatus of a magnitude detrimental to safety. The value of the insulation resistance should be as provided in Rule 48 of I.E. Rules 1956.
- (5) If the consumer's installation is found to be not safe for connection, the licensee shall advise the consumer in writing specifying the defects to be rectified. On receipt of intimation of rectification of defects, the licensee shall retest the installation.

- (6) The licensee shall levy no charge for the first test. Subsequent tests, necessitated due to faults found at the initial test shall be charged for in accordance with the rates approved by the Commission. The licensee will not accept any responsibility with regard to the maintenance or testing of wiring on the consumer's premises.

4.11 Extensions and Alterations:

- (1) No electrical installation work, including additions, alterations, repairs and adjustments to existing installations, except such replacement of lamps, fans, fuses, switches, low voltage domestic appliances and fittings as in no way alters its capacity or character, shall be carried out upon the premises of or on behalf of any consumer, for the purpose of supply to such consumer except by an electrical contractor licensed in this behalf and under the direct supervision of a person holding a certificate of competency. Extension or alteration of load to all high tension installations will have to be approved by the Electrical Inspector and similarly for all extensions and alterations of electrical installation in mines will have to be approved by Inspector of Mines.
- (2) If, as a result of such proposed extensions and alterations, there is possibility of an increase in connected load or contract demand over sanctioned connected load or contract demand, the consumer shall take steps to submit a requisition for additional supply. Failure to regularize the increase in connected load or contract demand may not only result in billing at the penal rates, as provided in chapter – 10 under unauthorized use of electricity but may also result in disconnection of supply after due notice.

4.12 Access to Consumer's Premises

- (1) An authorized person, at any reasonable time, and on informing the occupier of their intention, enter any premises to which electricity is supplied or has been supplied by the licensee to any premises upon which the electric supply lines or other works have been lawfully placed by the licensee, for the purpose of (i) inspecting and reading meters (ii) for disconnecting supply, (iii) for removing the licensee's apparatus, (iv) for inspecting, testing, repairs, replacing, altering and maintenance of its property or for doing all things necessary or incidental to proper continuance and maintenance of supply to the consumer. All such persons visiting consumer's premises must carry photo identity cards issued by the licensee and shall produce the same to the consumer or the occupier before entering the premises. The consumer should immediately check with the licensee if the credentials of representatives are doubtful.

- (2) An authorized person shall be entitled to enter the premises immediately after informing the consumer, for checking unauthorized use of energy, unauthorized additions and alterations to equipment, theft and misappropriation of energy, diversion of power, by-passing or tampering of the meter or for inspection and testing. On detection of unauthorized use of energy, unauthorized addition and alteration to equipment, theft and misappropriation of energy, diversion of power or bypassing or tampering of the meter the licensee may take action as per prevailing laws.
- (3) Provided that no inspection, testing or checking of any domestic premises shall be carried out between sunset and sunrise except in the presence of an adult male member occupying such premises.
- (4) If the consumer does not provide access to the licensee or its authorized representatives to enter the premises for the reasons stated in Regulation 4.12(2) and Regulation 4.12(3), the licensee may give a 24 hours notice in writing to the consumer, of its intention to discontinue the supply. If the consumer still does not provide access, the licensee shall be entitled to discontinue supply to the consumer.

4.13 Rating of Installations

- (1) The connected load of Domestic category of consumers shall be determined as per the procedure given in Annexure-1. Survey of load shall be carried out normally once in two years. The licensee may also carryout verification of load in selected areas periodically. However, if the licensee has reasons to believe that a particular domestic connection or a group of domestic connections might be involved in unauthorized abstraction of power, an authorized person for the purpose may conduct a survey of such consumer's premises.
- (2) The licensee shall send formats of 'self declaration of connected load' along with electricity bills to all consumers once in six months. The consumers may fill-up the form, if his actual current connected load is at a variance from the recorded connected load and submit to the licensee while making payment of the bill. The domestic consumers may also declare enhanced connected load of his premises, any time during the year, by completing the format given in Annexure- 2 and submitting the same to the licensee along with an application for change in connected load.

On receipt of application / declaration the licensee may arrange to conduct a survey of the premises of the consumer to determine the load of the premises. In case such a survey is not carried out within thirty days from the date of submission and the load applied for is higher than the recorded load of the consumer, the load declared by the consumer shall be deemed to have been accepted. The licensee shall issue the demand note for additional charges, if any, immediately.

- (3) The connected load of all categories, other than Domestic category of consumers, shall be the aggregate of the manufacturer's rating plates of all energy consuming devices, in the consumer's premises, which can be used simultaneously. This shall be expressed in kW, kVA or HP. During the process of determination of connected load, if the manufacturer's rating plate is not available, the licensee may use suitable apparatus to determine the load of such device. If, both air-conditioner and room heater are found in the same premises, the load of the item with higher rating shall be taken into account. Items stocked for the purpose of sale/ repair or genuinely as spare shall not be considered for the purpose of determination of connected load. The licensee shall carryout periodical survey of streetlights and record the type of lamps being used along with their load.
- (4) All installations other than those of Domestic category are subject to rating/re-rating by the licensee at its discretion. If the consumer is not satisfied with the rating determined by the licensee, he may get his apparatus rated by one of the recognized engineering institutes approved by the Commission for determination of load of apparatus. Both the consumer and the licensee may appoint their respective representatives to be present during the process of determination of load at the institute. The final report issued by the institute shall be accompanied with the details of test(s) conducted. The rating determined by the said institute shall be final and accepted by both the consumer and the licensee.
- (5) Where for any reason, it is not possible to determine the maximum demand, power factor or any other electrical quantity in respect of an installation, the licensee shall determine such quantities periodically by rating/re-rating, and the procedure for the same shall be got approved by the Commission.
- (6) If a consumer applies to the licensee for re-rating his installation due to additions or alternations in the installation, the procedure as stated in Regulation 4.13 (1) to 4.13 (5) shall apply.

4.14 Generators in the consumer's installation and parallel operation with the supply system of the licensee

- (1) Operation of generator in consumer's installation in parallel with the licensee's system is permissible only with the written consent of the Licensee.

However, the consumer may install generator, inverter to use only in the case of

failure of power supply, and the consumer shall install double link switch changer so that the current of generator/inverter may not be injected in the licensee's distribution system. The capacity of the generator/inverter shall not be taken into account for calculation of connected load.

- (2) Where no such consent has been given, the consumer shall arrange the plant, machinery and apparatus of his generating units, including an extension of or addition to the same, to operate in an isolated mode and the generator, in no case, should get connected to the licensee's system. The licensee, on intimating the consumer, can enter the premises and inspect the arrangement to ensure that at no time the generator gets connected to his system.
- (3) Where consent has been given for parallel operation, the consumer shall arrange his installation to protect it from disturbances in the licensee's system. The consumer should also ensure that his supply does not get incorrectly connected to the licensee's system. The licensee shall not be liable for any damage caused to the consumer's plant, machinery and apparatus on account of such parallel operation, or any adverse consequence arising thereof. For parallel operation with the grid, the consumer shall have to follow the provisions of the Electricity Grid Code as specified by Joint Electricity Regulatory Commission for state of Goa and UTs and other relevant regulations. The actual operations shall be carried out in coordination with both the State Transmission Utility and the licensee.
- (4) In case the consumer's supply gets extended to the licensee's system from a generator or inverter or from any other source, without appropriate approval from the licensee, causing damage to the licensee's apparatus or to human life, the consumer shall be made responsible for the same and shall be liable to fully compensate the licensee for all losses caused to the licensee or to the licensee's other consumers.

4.15 Harmonics

- (1) The licensee shall publicize the need for installation of Harmonic filters. All HT consumers, and LT commercial consumers (above 15 KW) to begin with, shall be given a time period of one year from the date of implementation of these Regulations, after which, Harmonic filters shall become mandatory on such consumers.
- (2) If the licensee detects and proves to the consumer that the consumer's system is generating harmonics above acceptable limits, the licensee shall request the consumer to install appropriate harmonic filter and the consumer shall install such filters within a period of six months from the date of request by the Licensee.

CHAPTER – 5:**POINT OF SUPPLY AND LICENSEE'S EQUIPMENT IN PREMISES****5.1 Point of Supply**

- (1) Supply shall be given at a single point, in premises, at the outgoing terminal of the Licensee's cut-outs fixed after,
 - (a) Meters in case of Low Tension consumers.
 - (b) Control switchgear that may be installed in Licensee's or consumer's premises as agreed mutually in case of High Tension consumers.

The Licensee shall determine the point of supply such that the meters and other equipment are always accessible to the Licensee without obstruction for inspection.

- (2) All EHT & HT consumers / applicants shall provide access to the licensee to the meter or metering cubicle.
- (3) However, in special cases, the licensee may agree to give supply at more than one point in the installation of the consumer / applicant having regard to the physical layout of the installation and the requirements of the consumer / applicant. The arrangement will be subject to the condition that separate metering will be done and summation of demand and energy recorded at all points will be taken as parameters for billing under the relevant tariff schedule.

5.2 Installation of Equipment at Point of Supply

- (1) At the point of commencement of supply, the consumer / applicant shall provide a main switch / circuit breaker from the outgoing terminal of the meter.
- (2) In addition, HT / EHT consumers / applicants shall also provide suitable protective devices as per the provisions of Rule 56 and 64 of the Indian Electricity Rules, 1956. The system of protection shall be got approved by the Licensee before commencement of supply.
- (3) In case of HT / EHT consumer / applicant, Meter, circuit breakers and its associated equipment shall be installed by the Licensee at the point (s) of supply.
- (4) HT / EHT consumer / applicant shall install step down transformers with a vector group of delta winding on the high voltage side and star winding on the low voltage side, with the neutral terminal brought out and solidly earthed.

5.3 Dedicated Feeder

Consumers desirous of getting power supply from dedicated feeders may make a request for such facility to the licensee. The dedicated feeder shall be extended from the power substation to the consumer's point of supply. In such cases the consumers shall be liable to pay the cost of Bay and all protection switchgears and its accessories

provided at the power substation for this feeder in addition to the cost of the feeder. On receipt of such request, the licensee will check the feasibility, based on merit, of providing a dedicated feeder to the consumer's premises. If found feasible, the consumer will be provided with a dedicated feeder and the consumer will be liable to pay additional charges such as supervision charges, etc. as approved by the Commission from time to time. The Licensee shall not extend electric supply to any other consumer from the dedicated feeder.

5.4 Licensee's Equipment at Consumer's Premises

The consumer shall provide free of cost to the licensee necessary land belonging to the consumer and afford all reasonable facilities for bringing in not only the direct cables or overhead lines from the licensee's system for servicing the consumer, but also cables or overhead lines connecting licensee's other consumers and shall permit the licensee to install all requisite switchgears and connections thereto on the above premises and to extend supply to such other consumers in the same housing complex through the cables and terminals situated on the consumer's premises, provided supply to the consumer in the opinion of the licensee is not thereby affected.

5.5 Damage to Equipment at Consumer's Premises

- (1) The meter, cut-out/ MCB, service mains and other equipment belonging to the licensee, must on no account be handled or removed by any one who is not an authorized employee/representative of the licensee. The seals, which are fixed on the meters /metering equipments, load limiters and the licensee's apparatus, must on no account be tampered, damaged and broken. The responsibility for the safe custody of licensee's equipments and seals on the meters/metering equipments within the consumer's premises shall be on the consumer.
- (2) In the event of any damage caused to the licensee's equipment's in the consumer's premises by reason of any act, neglect or default of the consumer or his authorized / representatives, the cost thereof as claimed by the licensee shall be payable by the consumer. If the consumer fails to do so on demand, it shall be treated as a contravention of the terms and conditions of supply agreement and the supply shall be liable to be disconnected after due notice. The consumer shall however be liable to pay the charges, as applicable.
- (3) The licensee is responsible for maintaining the meters and equipments, installed at consumer's premises from where electricity is supplied to the consumer.
- (4) If the insulation resistance of the consumer's installation is found to be so low as to prevent safe use of energy, the licensee or his authorized representative after giving 48 hours notice shall, without prejudice to other actions as per law,

disconnect the supply of power to premises till the defects are removed, in accordance with Rule 49 of India Electricity Rules 1956.

5.6 Ownership of the equipment and apparatus:

All meters and other equipments belonging to the licensee and installed in the premises of the consumer, shall be and continue to be at all times the property of the licensee, notwithstanding that such meters and other equipments or any part thereof, may be fixed or fastened to or embedded, in any part of the consumer's premises, including land belonging to the consumer. Such equipment shall not be disturbed or dealt with in any manner except by the employee of the licensee duly authorized for the purpose.

5.7 Failure of Fuse / Supply:

In the event of failure of the licensee's service fuse, at any time, complaint thereof should be lodged by the consumer to the licensee's local office/call center and the Licensee shall ensure registration of complaints on round the clock basis. Only authorized employees possessing the photo-identity card of the licensee shall be permitted to replace these fuses in the licensee's cut-outs. Consumers are not allowed to replace these fuses. The licensee should not allow its employees to carry out any repairs in the consumer's installations.

Chapter -6:

SERVICE CONNECTION RELATED MATTERS

6.1 Change of category

(1) "Category of Consumer" means the Tariff Schedule under which a consumer is billed as per latest applicable Tariff Order of the Commission. The applicant shall apply for change of category from one tariff rate schedule to another to the concerned officer of the licensee. Tariff change from any L.T. category to Agriculture category shall not be permissible. Tariff change from higher rate to lower rate shall be done only after completion of compulsory period of availing supply as per the agreement.

- (2) In case sanction of new category is not permitted under any law in force, the Licensee shall inform the consumer within 15 days from the date of receipt of application.
- (3) The Licensee shall inspect the premises and shall change the category within the time limit specified in the Standards of Performance of Distribution Licensee Regulations from the date of receipt of application.
- (4) Change of category shall be effective from next billing cycle.
- (5) No case of unauthorized use of energy shall be booked by the Licensee if detected after the consumer had applied for change of category and change is legally permissible.
- (6) An application of the consumer for change of category shall be treated as a fresh application and he shall deposit processing fees, new additional security, if any, and execute supplementary agreement if necessary.
- (7) Where a consumer has been classified and billed under a particular category and subsequently, it is observed that the previous classification is not correct, the Licensee may alter the classification and suitably revise the bills accordingly.

6.2 Transfer of Connection and Mutation of Names

- (1) A connection shall be transferred in the name of another person upon the death of the consumer or in case of transfer of ownership or occupancy of the premises, upon an application of the consumer.
- (2) Application for mutation shall be filed, along with prescribed fee by the transferee or the legal heir or successor of the deceased consumer with the local office of the Licensee.
- (3) The application shall be accompanied by documentary evidence of transfer or legal hire ship or succession and proof of no arrears on account of electricity charges on that connection.
- (4) The Licensee shall decide the mutation case within the time limit specified in the Standards of Performance of Distribution Licensee Regulations.
- (5) If the mutation application is to be disallowed and is refused the orders shall be passed only by a speaking order after the applicant has been given an opportunity to represent himself, Provided further, that in case where mutation is not allowed, the transferee seeking the transfer, may agree to continue the connection in the old name (but not in case of consumer's death), or may have choice to seek permanent disconnection and apply for new connection.

- (6) The transferee or the legal heir shall submit a fresh agreement, in the prescribed format, along with outstanding dues, if any, within 14 days of receipt of intimation. The transfer shall be affected and a copy of the agreement shall be sent to the consumer within 7 days after receipt of fresh agreement.
- (7) In case of Private Tubewell (PTW) consumers, suo-motu mutation may be undertaken after taking the report from the Government revenue department. However the legal heir shall be responsible for clearing the electricity dues, and shall submit an affidavit to this effect.
- (8) In case of Govt. residential quarter mutation in favor of any new occupant shall be allowed after the new occupant furnishes the letter of allotment and proof of date of occupancy in such cases mutation shall be allowed from date of occupancy provided there are no arrears outstanding.

6.3 Procedure in Case of Change in Wiring and / or Apparatus or Shifting of Service Line in the Premises of the Consumer:

The consumer may apply to the licensee for any changes in their premises related to wiring / apparatus / service line, after clearing all dues pending, if any, provided the same are not stayed by any court, subject to the following:

- a) The consumer shall get all work relating to wiring on his premises only by or under the supervision of a Licensed Electrical Contractor and obtain a Work Completion certificate and Test report, as prescribed by Indian Electricity Rules, 1956 until Regulations are issued under the Electricity Act, 2003.
- b) No reference shall be made to the Licensee if the change in wiring of LT loads does not result in dislocation of the meter or other related apparatus and there is no change in the load. However, the consumer shall produce the test report if required by the Licensee at any time.
- c) In other cases, if the consumer desires to alter the wiring on his premises, or change the location of meter or other related apparatus or shift the service line on his premises notice thereof shall be sent in writing with the modified wiring diagram and other necessary details to the Licensee. The Licensee

shall after due enquiry grant approval, intimating the estimated charges to be deposited by the consumer with or without modification to the proposal, or reject the request stating reasons thereto, in writing, within the time limit specified in the Standards of Performance of Distribution Licensee Regulations.

- d) The work relating to change in wiring shall be done by the consumer through a licensed electrical contractor and the work completion certificate along with test results shall be provided to the Licensee. The Licensee shall inspect the premises to confirm that the alteration(s) is in accordance with the approval given by him and the Indian Electricity Rules, 1956 until these Regulations are issued under the Electricity Act, 2003.
- e) The work of change in position of point of supply, meter or related apparatus and shifting of service line shall be done by the Licensee at the cost of the consumer. The estimate for this work shall be sent to the consumer along with the approval and work shall be completed within the time specified in the Standards of Performance of Distribution Licensee Regulations from the date of deposit of the estimated cost.

6.4 Procedure for Enhancement of Contract Demand / Connected Load

- (1) Applications for enhancement of load shall be submitted to the concerned officer of licensee in the prescribed form.
- (2) The licensee shall inspect the premises within seven days of receipt of application or otherwise as provided in the Standards of Performance of Distribution Licensee Regulations to examine the feasibility of supply of the enhanced load and intimate the consumer covering the following aspects:
 - (a) Whether the additional power can be supplied at the existing voltage or at a higher voltage.
 - (b) Whether any addition or alterations are required to be made to the system and the cost to be borne by the consumer.
 - (c) Amount of additional security deposit, cost of additional infrastructure and the system strengthening charges if any, to be deposited.
 - (d) Change in the classification of consumer, if required.
- (3) The application for enhancement of the contract demand will not be accepted if the consumer has any arrears to the licensee. However, the application may be accepted if the payment of arrear due from the consumer has been stayed by a Court of law, or by the Commission or an authority appointed by the Commission.
- (4) If supply of enhanced load is found feasible, the consumer shall be asked to:

- (a) Furnish work completion certificate of consumer's installation and Test report from a licensed electrical contractor where alteration of installation is involved.
 - (b) Furnish Letter of approval for the electrical installation of the consumer from the Electrical Inspector, if required.
 - (c) Deposit additional security deposit, cost of addition or alteration required to be made to the system, if any, and the system strengthening charges as applicable.
 - (d) Execute a fresh agreement as per enhanced load which shall be enforceable during agreement period and the old agreement shall stand terminated.
- (5) If no addition or alteration to the system including new/ alternate metering arrangement is required, the enhanced load will be released as specified in the Standards of Performance of Distribution Licensee Regulations subject to completion of the requisite formalities. If the system needs any alteration or addition, the procedure as given for a new connection shall be followed.

6.5 Procedure for Reduction of Contract Demand / Connected Load

- (1) Application for reduction of load, after the expiry of initial period of agreement, shall be made to the concerned officer of Licensee in the prescribed form along with the following data / documents:
 - (a) Details of alteration/ modification/ removal of the electrical installation along with work completion certificate and Test report from a licensed electrical contractor where alteration of the installation is involved.
 - (b) Maximum demand recorded in the last two billing cycles if the meter has facility to record maximum demand along with the electricity bills for the same.
 - (c) Details of generators, if any, installed by the consumer along with copies of the safety clearance certificate issued by the competent authority for installation of the generators.
- (2) On receipt of the application for reduction of load, the licensee after verification shall sanction the reduction of load within thirty days or notice period for termination of agreement as specified in the agreement whichever is later from the date of receipt of application.
- (3) If the sanction is not granted by the licensee within the period specified in above Regulation 6.5 (2) above, the applicant may, by a written notice to the licensee, draw its attention to the matter and if the decision is still not communicated to the applicant within the period of further thirty days, the permission of reduction of contract demand shall be deemed to have been granted.

- (4) The reduced Contract Demand shall take effect from the first day of the month following the month in which the sanction is communicated or 'deemed permission is granted'.
- (5) The above reductions are subject to permissible minimum contract demand specified in Tariff Order. Request of the consumer for reduction in contract demand of his connection shall not be refused by the licensee on the ground that there are dues payable to the licensee against the connection.
- (6) In all existing agreements executed prior to the commencement of these Regulations, if there is any provision regarding restriction on reduction of Contract Demand, the same shall be deemed to have been modified to the extent of the provision made in this Code.
- (7) When reduction of contract demand is agreed to, the consumer shall execute a fresh agreement for reduced load. The licensee shall recalculate the security deposit and any excess security deposit shall be adjusted in future bills not exceeding six succeeding bills.
- (8) The reduction of Contract Demand load shall not be permitted in following cases
 - (i) Arc / Induction furnaces, rolling and re-rolling mills and mini steel plants shall not be allowed to reduce the load below the total rating of machines and furnaces installed in the premises, except in case of removal of any equipment or replacement of any old equipment by new equipment and also to the extent of captive generation capacity that may be installed and is operating in parallel. Auxiliary load shall be excluded.
 - (ii) Contracted load shall not be reduced below the total rating of installed machines in case of Small & Medium industrial and private tube wells of consumers, having no MDI meter.
 - (iii) Load shall normally not be reduced within initial period of the agreement from the date of commencement of supply. However, if the consumer is willing to pay the fixed/minimum charge applicable for the quantum of contracted load surrendered / reduced for the balance period of initial period of agreement or period of notice specified in the agreement for that category of consumer, whichever is later, reduction may be allowed.
 - (iv) No application for reduction of load shall be rejected without recording reasons and the decision shall be communicated to the applicant.

6.6 Permanent Disconnection

The supply shall be disconnected permanently in following cases:

- (a) With the termination of the agreement.
- (b) If the cause for which the supply was temporarily disconnected is not removed within the notice period specified in the agreement for termination of agreement or initial period of agreement whichever is later.
- (c) On request of consumer.
- (d) On non payment of bills as provided in regulation 9.1 below.

6.7 Notice of Vacation or Transfer of Premises:

- (1) A domestic consumer about to vacate or sublet his premises shall give to the Licensee a notice not less than 7 clear days in writing to that effect and arrange to settle his account. He may either ask for disconnection of supply or may transfer the connection in the name of the new owner / occupier. The licensee cannot guarantee that the meter reading will be taken on the required date unless due notice and facility to record the meter reading is given. Failing such notice, the consumer will be responsible for all energy consumed on the premises and for the safety of Licensee's apparatus installed for him on the premises.
- (2) In case of consumers, other than the domestic consumers, the provision in sub-regulation (1) above will apply only in so far they are inconsistent with the provision of agreement and where they are not inconsistent, the provision of their respective power supply agreement will always prevail.

6.8 Agreement

- (1) An agreement, in the prescribed format, shall be executed by the applicant on a stamp paper of a prescribed value, for getting a new connection and for change in the agreed parameters like contract demand, etc. In case of single phase domestic and non domestic consumers, the application form itself shall be treated as agreement and the main ingredient of agreement shall be incorporated in the application form. In any special circumstances, special clauses may be added to the agreement, if agreed to between the licensee and the consumer, provided such clauses do not contravene the provisions of the Electricity Act 2003 (36 of 2003), the Electricity Supply Code, and other rules and regulations in force. These special clauses shall form a part of the agreement. The maps submitted, agreed upon and signed by both the consumer and the licensee shall form a part of the agreement.

- (2) The Electricity supplied to the consumer shall not be utilized by the consumer in any manner prejudicial to the licensee and all usage must be in accordance with provisions of the agreement and the Act as applicable.
- (3) The compulsory period of availing supply from the date of commencement of supply or initial period of agreement shall be one year for LT consumers and two years for HT consumers. The licensee may modify the structure of the agreement formats presently in use with the approval of the Commission in order to meet any requirement that may arise as a consequence of the provisions of these Regulations, so that the format is consistent with the Act and prevailing Rules, Regulations and the provisions of these regulations.
- (4) If there is a need to modify / amend the agreement signed between the licensee and consumer, it can be done by a supplementary agreement by mutual consent.
- (5) Any amendment for the purpose of change of name, shifting of premises within the same billing area, change in connected load/contracted load, change of tariff category, etc. shall be done and the same shall be incorporated in the agreement by execution of a supplementary or a fresh agreement.
- (6) A register of agreements executed by all LT and HT consumers shall be maintained by the Licensee at its designated office.

6.9 Termination of Agreement

- (1) The agreement shall remain in force even after completion of the initial period of agreement until it is terminated. Domestic and single-phase Non domestic category of consumers may terminate the agreement after giving one month's notice. Consumers other than domestic and single phase non domestic LT category can terminate the agreement on giving three month's notice. In case of HT and EHT category six month's notice is required.

Provided that the agreement shall normally be terminated after expiry of the initial period of agreement. However, if the agreement is to be terminated for any reasons whatsoever, before expiry of the initial period of agreement, the consumer shall be liable to pay charges as per tariff order for the balance period of the said one-year in case of LT and two years in case of HT and EHT or notice period specified in the agreement whichever is later.

The licensee shall arrange for special meter reading, at a mutually acceptable date, to facilitate preparation of the final bill of the consumer.

The agreement shall be terminated on the last day of the billing month and the licensee shall raise the final bill accordingly.

- (2) If power supply to a consumer remains disconnected for a period more than notice period for non-payment of charges or dues or non-compliance of any direction

issued under these regulations, the licensee shall issue a show cause notice, to be replied within seven days, to the consumer for termination of the agreement. In case no effective steps are taken by the consumer for removing the cause of disconnection and for restoration of power supply, the agreement of the licensee with the consumer for power supply shall be terminated on expiry of the period of seven days, provided the initial period of the agreement is over. If initial period is not over, the provision given under Regulation 6.9 (1) above shall apply. During the period of temporary disconnection the consumer shall be liable to pay the demand charges or minimum charges as applicable. The Licensee shall record and keep the total outstanding amount due to the Consumer on termination of the agreement and shall have the right to recover the same under RR Act, Court of Law, if necessary.

- (3) On termination of the agreement, the licensee shall be entitled to remove the service line and other equipment of the licensee for supply of power from the premises of the consumer. After permanent disconnection, if the consumer wishes to revive the connection, then it would be treated as an application for new connection and would be entertained only after all outstanding dues have been cleared.

6.10 Security Deposit

- (1) The licensee may take a security deposit from the consumers for consumption equivalent to the estimated consumption for a specific period as indicated in the table below or as otherwise provided in Terms and Conditions of Supply in force.

| S.No | Nature of Consumer | No. of months | Remarks |
|------|--------------------|---------------|---|
| 1 | Agricultural | Three | Annual average to be estimated / considered |
| 2 | Seasonal | Two | Consumption during the season of operation to be estimated considered |
| 3 | Other consumers | Two | Annual average to be estimated / considered |

- (2) Consumer shall have the option to make advance payment and in such an event security amount shall be proportionately fixed. The procedure for determination of security deposit, for different categories of consumers, shall be determined by the licensee and approved by the Commission. The deposit shall be accepted in the form of cash, Cheque or draft in case of LT consumers and

in the form of draft or banker's Cheque in case of HT/EHT consumers. The Licensee shall maintain separate head of account of such security deposits. On termination of the agreement, the security deposit will be refunded to the consumer after adjustment of the amount, if any, remaining payable by him.

- (3) The amount of the security deposit obtained from the consumer will be reviewed by the licensee, annually on the basis of consumption during the previous 12 months for LT consumers, and half-yearly on the basis of consumption during the previous six months for HT/EHT consumers. The consumer shall be required to pay an additional security deposit / shall be refunded based on his average consumption during the period concerned and the tariff applicable etc. if it exceeds / is lower than the amount of the security deposit held by the licensee, by 20%.
- (4) In the case of consumers who were sanctioned additional load, the additional security deposit shall be calculated for the additional load treating it as a new service.
- (5) On the consumer's request, the licensee may allow the consumer to pay additional security deposit in maximum three installments.
- (7) The licensee shall serve a notice of at least one month to deposit the additional security deposit. If the consumer fails to pay the additional security deposit as per the notice, the licensee is entitled to refuse or discontinue the supply of electricity so long as such failure continue. The consumer will be liable to pay delayed payment surcharge on reducing balance in case of installment system if he delays payment of security deposit.
- (8) The distribution licensee shall pay interest, at the bank rate notified by the Reserve Bank of India from time to time on such security deposits taken from the consumer. In this regard it shall be the responsibility of the licensee to keep a watch on the bank rate from time to time. The interest amount of previous financial year shall be adjusted in the energy bill issued in May / June of each financial year depending on billing cycle.
- (9) The security deposit along with interest thereon, if any, shall be returned to the consumer, upon termination of the agreement and after adjustment of all dues, within 60 days of completion of formalities by the consumer. In case of delay beyond 60 days period, additional interest at the rate mentioned in regulation 6.10(7) above shall be payable to the consumer as approved by the Commission.

- (10) The distribution licensee shall not take security deposit if the person requiring the supply is prepared to take the supply through a pre-paid meter.

6.11 Recovery of Electricity Charges

- (1) The Licensee is authorized to recover charges for electricity supplied in accordance with such tariffs as may be fixed from time to time by the commission
- (2) Licensee shall charge a consumer the tariff for the electricity supplied as approved by the Commission from time to time.
- (3) The Charges shall be recovered through Billing as provided in Chapter 8 of these regulations.
- (4) The Licensee shall be entitled to charge a consumer wherever applicable the following:-
 - (a) Charges for the supply of energy as determined by the Commission and other tax or duty as notified by the Government.
 - (b) Wheeling charges and / or surcharges and additional surcharges applicable if any, as determined by the Commission.
 - (c) Rental, if any, towards meters and other electric plant and equipment of the Licensee as approved by the Commission.
 - (d) Miscellaneous charges such as penal charges for exceeding contract demand, delayed payment surcharges and any other charges applicable if any, as approved by the Commission from time to time.
- (5) Any clarification sought by a consumer on a tariff applicable to him shall be provided by the Licensee to his satisfaction.

CHAPTER 7: METERS

7.1 Installation of Meters

- (1) (a) No new connection shall be given without a Meter and Miniature Circuit Breaker (MCB) or Circuit Breaker (CB) of appropriate specification from the date of notification of these Regulations.
- (b) All unmetered connections including Agricultural, streetlights shall be metered by the licensee.

- (c) The Licensee shall not supply electricity to any person, except through installation of a correct meter in accordance with the operation and installation of meters regulations issued by the Central Electricity Authority under Electricity Act, 2003.

Provided that the Commission may, by notification, extend the said period for a class or classes of persons or for such area as may be specified in that notification for installation of meters.

Provided also that if a person makes default in complying with the provisions contained in the above Regulation 7.1 the Commission may make such order as it thinks fit for requiring the default to be made good by the licensee or other association or any person who is responsible for the default.

- (2) All consumers shall have to accept the installation of an appropriate metering device, load-limiter, tamper proof boxes or other apparatus when the licensee approaches them to install one, and the consumer shall be required to provide appropriate and suitable site for placement of meter and related equipments to the satisfaction of the licensee.
- (3) In case of HT/EHT supply, if HT/EHT metering cannot be readily provided, LT metering may be provided on the LT side of the consumer's transformer. In such cases, electrical quantities for billing purposes shall be computed by adding three percent to the reading recorded on the LT meter towards transformation loss. This arrangement shall in no case continue for more than three months and the licensee shall arrange to install a meter on the HT side of the transformer within the said period including such existing connections. The licensee shall inform such cases to the Commission.
- (4) If supply to an HT or EHT consumer is given on an independent feeder for his exclusive use, the metering arrangement may be installed both at the consumer's premises and at the Licensee's Sub station.
- (5) The licensee is authorized to review the status of the meters already installed in the context of upgraded technology becoming available and suitability of the site where meter is placed in the consumer's premises. The licensee may install remote metering device in the consumer premises as per the technical requirements of the specific device. The licensee is also authorized to install 'check meter' at one consumer's location or for a group of consumers.

7.2 Classification of Meters, etc:

The Meters for new connections shall be of standard make that is certified by BIS / IEC/CBIP or any other superior specification as specified in Central Electricity Authority Regulations on Installation and operation of meters, and shall be of following type(s):

- (a) For all domestic and other LT loads less than 50 kW loads in Urban and Rural areas - Static single phase / three phase meters
- (b) For LT (contracted load > 50 KW) / HT / EHT consumers –
 - Static, 3 Phase Tri-vector meters with MDI.
 - The meters shall have a facility for "Time of the Day Metering" with sufficient memory for accommodating data for 12 months.
 - Three phase meters for HT / EHT segment should be capable of recording with date and time, the connection anomalies like phase wise missing potential, phase wise CT reversal, Current unbalance & voltage unbalance.
 - The meters shall have anti-tamper features as per CEA regulations mentioned above.
 - The meters shall have facility of remote communication for data retrieval through GSM / Microwave / SCADA / VSAT, using standard protocol. The licensee shall ensure the above within a definite time frame under intimation to the Commission.
- (c) The Licensee on the consumer requesting for supply of electricity through pre-payment meter, may install prepayment meters for single phase metering and three phase whole current supply which should display the amount left, units consumed, and the tariff applicable, with a disconnection / tripping switch inside the meter.
- (d) Meter Seal should be made from high grade engineering plastic / polycarbonate material having permanent laser-engraved unique serial

number on seal, capable to withstand the prescribed environmental tests. Sealing shall be done at the following points (as applicable):

- CT Secondary Boxes (in addition to locking arrangement)
- PT Secondary Box (in addition to the locking arrangement)
- Meter Cabinet

Note: Seal of the consumer meter shall be removed only by the licensee. No consumer shall tamper with, break or remove the seal under any circumstances. Any tampering, breaking or removing the seal from the meter shall be dealt with as per relevant provisions of the Act.

- (e) For all the 11 KV, 22 KV & 33 KV consumers, the licensee shall introduce facility for taking remote meter reading (GSM technique), to extract data from meter centrally, in order to have access on data as and when required.
- (f) The accuracy class of meters for EHT / HT / LT (whole current meters) / LT (CT operated) consumers, shall be as laid down in CEA regulations.

7.3 Supply, Installation and Ownership of Meters and Cut-outs/ MCBs / CBs

- (1) The licensee shall supply the meter and metering equipments, cut-out/ MCB/ CB/ load to consumers at the time of serving new service connection or at any other time as may be required. The licensee shall keep the meter in proper working condition and the consumer shall pay the monthly rent, if any, for the meter and metering equipments at the rate approved by the Commission. If the licensee fails to keep the meter or metering equipment in proper working condition, the consumer shall not be liable to pay the meter rent for the period the meter remains defective.
- (2) At the time of seeking a new connection, the consumer shall indicate option in the application form to either purchase the meter, MCB / CB and associated equipment himself from the authorized vendor(s) / makes or manufacturers of meter approved by the licensee, or such approved meter, MCB / CB and associated equipment has to be supplied by the Licensee.

Provided that it shall be the responsibility of the licensee to ensure that meters of standard make only are used as specified in Regulation 7.2 above and the CEA Regulations for installation and operation of meter. The licensee shall not restrict the consumer choice to 2-3 make(s) / manufacturer(s) only, but shall offer a wide ranging choice from amongst the list of approved make(s) / manufacturers. The

Licensee shall put the list of approved vendor(s) / make(s) or manufacturers of meter, on their website / display on the notice board/and if requested, supply the consumer with the list of approved vendor(s) / make(s) or manufacturer(s).

- (3) HT and LT consumers, if they opt for procurement of meter and related apparatus, shall provide a locked and weatherproof enclosure of a design approved by the Licensee to house the metering equipment including CTs and PTs. In other cases, these shall be included in the estimate and provided by the Licensee.
- (4) In case of connections where cost of the meter is borne by the consumer, neither meter rent nor any security for the price of meter, shall be charged from the consumer.
- (5) In case of a consumer, who has borne the cost of the meter or purchased the meter himself, the Licensee shall have the option to either give to the consumer the depreciated value of the cost of the meter borne by the consumer or the meter itself after claiming the dismantling charges at the time of termination of the agreement. Depreciation shall be calculated by straight-line method taking a life span of ten years.
- (6) Meter shall be installed by the Licensee at the point of supply either at the consumer premises or outside the consumer premises in such a manner that it is always accessible to the Licensee for meter reading and other purposes.
- (7) Whenever a new meter is installed (as a replacement or for a new connection) it shall be sealed in the presence of the consumer and a Meter History card shall be prepared in two copies. The Licensee shall retain a copy and the second copy shall be tagged to the meter. Subsequently, details of any faults in the meter, repairs etc. shall be entered in this card by the Licensee. The seal, nameplates and distinguishing numbers or marks affixed on the said equipment or apparatus shall not in any way be broken, erased or altered by the consumer.
- (8) A consumer may get a check meter installed conforming to the technical specifications as laid down in Central Electricity Authority (Installation and operation of Meters) Regulations 2006. These check meters may be calibrated by the Licensee upon payment of prescribed fee. However, check meter readings shall not be used for billing purpose by the Licensee.
- (9) Meter should be ordinarily fixed outside the building and inside the boundary wall of the premises in such a manner that it is protected from the elements like weather etc. and can be read from outside. The meter box shall normally be

mounted at such a height that meter reading counter/ display window is at eye level. In case of LT consumers meter and the cut-out/ MCB or, in case of HT /EHT consumers, meter, circuit breakers and its associated equipment including cables shall be installed by the Licensee at the point(s) of supply.

- (10) All new meters should be installed in a tamper-proof meter box. The licensee shall prepare and implement a phased plan to install tamper-proof metering boxes for all the meters, which are installed without meter boxes.
- (11) In case of semi-permanent houses the licensee shall ensure that the meter is properly fixed on a wall and is accessible to the meter reader. In case the consumer does not provide good quality wall for fixing the meter, the licensee shall be free to fix the meter on the electricity pole or in a pillar-box to be provided by the licensee. The licensee shall also ensure that the earthing of the installation is proper.

7.4 Testing of Meters

- (1) The Licensee shall ensure tested meters are installed at the consumer premises. Meters purchased by the consumer shall be tested, installed and sealed by the licensee.

The licensee shall also conduct periodical inspection/testing of the meters as per the following schedule:

- (a) LT Single-phase meters: —at least once every five years
- (b) LT 3 phase meters: —at least once every 3 years
- (c) Other LT metering systems —at least once every 2 years
- (d) HT meters including MDI:
 - For EHT consumers - once in six months
 - For HT consumer – at least once a year.

CT and PT shall also be tested along with meters.

Records of these test results shall be maintained in accordance with Central Electricity Authority (Installation and operation of Meters) Regulations 2006.

- (2) If required, the licensee may remove the existing meter for the purpose of testing. The representatives of the licensee must, however, produce an authenticated notice to this effect and sign the document, mentioning his full name and designation, as a receipt, before removing the meter. The consumer shall not object to such removal.

- (3) The licensee may arrange for third party testing at NABL accredited test labs and recalibrated if required at manufacturer's cost, if the testing facility is not available with them for periodical testing, or in case of consumer's request when meter is defective.

7.5 Defective Meters

- (1) The Licensee shall have the right to test any meter and related apparatus if there is a reasonable doubt about the accuracy of the meter, and the consumer shall provide the licensee necessary assistance in conducting of the test. The consumer shall also be present during the testing.
- (2) A consumer may request the licensee to test the meter, if he doubts its accuracy, or meter reading not commensurate with his consumption, stoppage of meter, damage of seal by applying to the licensee along with the requisite testing fee. The licensee shall test the meter within 30 days of receipt of complaint as provided in Standards of Performance of Distribution Licensee Regulations. Preliminary testing of meters can be carried out at the premises of the consumers through electronic testing equipment.
- (i) In case the meter is found O.K., no further action shall be taken.
- (ii) In case the meter is found fast / slow by the licensee, and the consumer agrees to the report, the meter shall be replaced by a new meter within 15 days, and bills of previous three months prior to the month in which the dispute has arisen shall be revised in the subsequent bill as per the test results. In case meter is found to be slow, the additional charges may be recovered in installments not exceeding three, if the consumer shows his inability to pay at a time.
- (iii) If the consumer disputes the results of testing, or testing at consumer's premises is difficult, the defective meter shall be replaced by a new tested meter by the Licensee, and, the defective meter after sealing in presence of consumer, shall be tested at licensee's lab / Independent lab / Electrical Inspector, as agreed by consumer in presence of the representative of both Licensee and the consumer. The option once exercised by consumer shall not be changed. The decision on the basis of reports of the test lab shall be final on the Licensee as well as the consumer.

(iv) In case of testing of a meter in the licensee's / Independent test laboratory,

(a) Consumer shall be informed of the proposed date of testing at least 7 days in advance so that he may be present at the time of testing, personally or through an authorized representative. The signature of the consumer or his authorized representative shall be obtained on the Test Result Sheet.

(b) In all cases of testing of a meter in the laboratory, the consumer shall be informed of the proposed date of testing atleast 7 days in advance so that he may be present at the time of testing, personally or through an authorized representative. The signature of the consumer or his authorized representative, present shall be obtained on the Test Result Sheet.

7.6 Meter (Including Maximum Demand Indicator) Not Recording

- (1) The consumer is expected to intimate the licensee in writing, as soon as he notices that meter has stopped/ is not recording. The licensee shall acknowledge the intimation given by the consumer.
- (2) If during periodic or other inspection by the licensee, any meter is found to be not recording, or a consumer makes a complaint in this regard, the licensee shall arrange to test the meter within the time specified in the Standards of Performance of Distribution Licensee Regulations. The meter should be repaired/ replaced within the time specified in the Standards of Performance of Distribution Licensee Regulations.

7.7 Burnt Meters

- (1) In case a meter is found burnt either on consumer's complaint or upon the inspection of the Licensee:
 - (i) Necessary preventive action at site shall be taken as early as possible to avoid future damage.
 - (ii) The Licensee shall restore the supply within 6 hours after bypassing the burnt meter, as specified in Standards of Performance of Distribution Licensee Regulations, if the wiring on consumer's premises is found o.k.
 - (iii) Excess loads found, shall be removed or regularized by asking consumer to pay the additional security deposit and any other charges as applicable.

(iv) A new meter shall be installed by the Licensee within 3 days or as specified in the Standards of Performance of Distribution Licensee Regulations.

- (2) If possible, the Licensee shall test the burnt meter removed from the consumer premises duly following the procedure detailed in Regulation 7.5 in case of defective meters. The consumer shall be billed as per the procedure specified in Regulation 8.1(16) below during the period meter remains non functional.

7.8 Cost of Replacement of Defective / Burnt Meters

- (1) The cost of replacement of meter shall be borne by the consumer or by the Licensee subject to following conditions:
- (i) If, as a result of testing, it is established that the meter was burnt due to technical reasons viz. voltage fluctuation, transients etc. attributable to the Licensee the cost of the meter shall be borne by the Licensee. However, if it is established that the meter was burnt due to reasons attributable to the consumer viz. defect in consumer's installation, connection of unauthorized load by the consumer etc. the cost shall be borne by the consumer.
 - (ii) If it is established, as a result of testing, that the meter was rendered defective due to tampering or any other deliberate act by the consumer to interfere with the meter, the cost of the meter shall be borne by the consumer as above. The consumer shall be assessed under Section 126 of the Electricity Act 2003, and shall be punishable as per Section 138 of the Electricity Act 2003. In addition, action as permissible under law shall be taken against the consumer for pilferage and tampering.
- (2) In case the meter is found burnt and there is reason to believe that an official of the Licensee gave a direct connection, pending replacement of meter, a case of direct theft shall not be booked. Consumer's complaint for replacement of burnt meter or the complaint regarding disruption in supply of energy shall be considered sufficient for this purpose.
- (3) In all cases of replacement of a meter, where cost is to be borne by the consumer, he shall have the option to procure the meter and associated equipment himself in accordance with Regulation 7.3.

CHAPTER 8

BILLING

8.1 Meter Reading and Billing

- (1) In respect of domestic consumers meter should be read only during daylight hours. The periodicity of the meter reading and billing for various categories of consumers shall be given below, unless specified otherwise in the relevant tariff Order of the Commission. The licensee may, however, improve upon the schedule if it finds necessary or useful.

| Consumer Category | Meter Reading and billing |
|---|--|
| Domestic – Rural & BPL | Once in two months |
| Domestic – Urban | Monthly |
| Non-Domestic < 5 kW – Rural | Once in two months |
| Non-Domestic – Others (Urban & Rural) | Monthly |
| LT Industrial | Monthly |
| Agriculture – Rural | Once in two months |
| Agriculture – Urban | Once in two months |
| Street light, Water works, X-Ray plants, Electric Crematorium | Monthly |
| HT, EHT | Monthly (as far as practicable on the same day of the month) |

- (2) The Licensee shall notify for each category of consumer, in the following
- date on which bill will be issued by the licensee every month to the consumer.
 - date by which bill will be delivered to the consumer and
 - due date for payment of bills.

These will normally be the due dates with variations not exceeding 2-3 working days, for all billing cycles for that consumer during that financial year.

- (3) Meter shall be read by an authorized representative of the Licensee once every billing cycle. The Licensee shall provide proper photo identity cards which shall be displayed on his dress so that it is visible. The meter reader shall record the meter reading with date in the meter card to be kept at consumer's premises.
- (4) Arrangements shall be made by the licensee to display the meter reading and payment status of consumers on Internet.
- (5) The licensee may use hand held computer devices with GSM connectivity, meter reading instrument (MRI) or wireless equipment for recording meter readings and for generation of bills on the spot. If bills are prepared on the basis of MRI downloads or if meter reading is taken on the basis of remote meter-reading and the consumer wishes to have a record of the reading taken, he shall be allowed so by the licensee's official taking the meter reading.

- (6) In case, during spot billing procedure, the licensee's representative could not take meter reading due to the absence of the consumer, the representative may leave a note and request the consumer to inform the meter reading over telephone. The consumer may thereafter take the delivery of the bill on any convenient date. However this procedure of receiving meter reading over telephone shall not extend beyond one meter reading cycle at a stretch.
- (7) The licensee shall assign a unique consumer number for each consumer and communicate the same to the consumer. The unique consumer number may include pole number, transformer number, 11kV feeder number, distribution center number and division number.
- (8) It shall be open to the licensee to adopt a scheme for pre-payment of electricity charges till meters are provided as required under the Act for such consumers who are getting unmetered supply and the details of such pre-payment scheme shall be got approved from the Commission.
- (9) Bills shall be prepared for each category of consumers in accordance with prevailing tariff order.
- (10) When supply to a new consumer is commenced in the middle of a month the Demand Charges, Minimum charges and/or any other similar fixed charges shall be levied on pro-rata basis for the number of days for which supply is given. The units to be charged under various blocks or slabs shall also be accordingly prorated. For the purpose of this sub-regulations, the month shall be computed as 30 days.
- (11) Separate bills shall be issued for dues which may arise because of audit paras or settlement of various disputes except demand for additional security deposit. Such bills should be accompanied with written details of basis of billing, period of billing etc.
- (12) The licensee shall endeavor to take monthly Meter Reading Instrument (MRI) downloaded for all connections where meters with MRI download facility are installed.
- (13) If for any reason, meter is not accessible for reading, the licensee shall issue a provisional bill on the basis of average consumption of the previous three billing cycles and also send a notice to the consumer to keep the meter accessible at the time of reading and date given in the notice.
- (14) The amount thus billed shall be adjusted against the bill raised on the basis of actual meter reading during subsequent billing cycle. Such provisional billing shall not continue for more than two consecutive billing cycles at a stretch. If the meter

remains inaccessible even during the next cycle, the consumer will be served with a notice, if available, or, affixed near any entrance of the premises, to either get the meter read by the Licensee within 7 days for reading of the meter at a fixed time and date failing which the supply will be disconnected after serving a 24-hour notice under section 163 (3) of the Act [Electricity Act, 2003 (36 of 2003)]. The provision shall not apply in case of a domestic consumer who has given an advance intimation to the Licensee of the inaccessibility of the meter for reading due to the consumer being out of station and if he has deposited an amount that covers the minimum / fixed charges for the duration of the proposed absence. Such provisional payment shall be adjusted when subsequent bill is issued on the basis of actual meter reading.

- (15) It shall be the responsibility of the meter reader to note down the details of every stopped/ defective meter, conditions of meter/seal and condition of LCD/LED of electronic meter and in case of any abnormality shall file a report to the concerned officer who shall be responsible to take immediate steps to replace or repair the stopped/ defective meter or action taken, if required, in accordance with provisions of the Act.
- (16) In order to recover the energy charges for the duration when the meter remains nonfunctional; average monthly consumption of previous three meter reading cycles subject to minimum monthly charges or as otherwise provided in the tariff order of the Commission in force shall be the basis of billing. In case a check-meter is available, the readings of the check meter may also be used for assessment of consumption. In case of HT consumers if during the period when the main meter is defective, the check meter is not installed or is also found defective, the quantity of electricity supplied shall be determined as stated above;
- (17) The meter reader shall furnish a list of connections where the meter reading could not be recorded or the meter has not recorded any consumption of electricity, to the officer in charge of the Distribution Centre who shall prepare a list of such consumers where meter reading could not be taken and list of the defective meters to be replaced and report the same to the concerned designated officers of licensee for taking action as specified in the Standards of Performance of Distribution Licensee Regulations.
- (18) The senior officers shall carry out the sample checking of meter readings as per the schedule drawn out by the licensee. It should be the endeavor of the licensee that meter readings in case of at least 20% of LT meters are checked in a year by a team of officers, not below executive cadre.

- (19) The Licensee may send bills to consumers by hand or by post. In case of hand delivery of bills, proof of service of bill shall be maintained at the concerned office of the licensee. On a written request from a consumer, the licensee shall send the bill by registered post and the expenses of such delivery of bill shall be recoverable from the consumer.
- (20) The licensee shall ensure distribution of bills to the consumers not less than 14 days before the due date for payment. The bill shall invariably contain the following minimum details.

Low Tension Connection Bill

- (a) Name and address of the consumer
- (b) Service Connection Number
- (c) Name, address and telephone number of the distribution center
- (d) Date of issue of bill
- (e) Period of Bill
- (f) Tariff category
- (g) Contracted load
- (h) Single phase or three phase connection
- (i) Meter number and make
- (j) Previous meter reading
- (k) Present meter reading
- (l) Power Factor
- (m) Units consumed
- (n) Current month's charges - Energy Charges, fixed charge, Minimum Charges, Fuel Price and Power Cost Adjustment (FPPCA) Charges, Electricity Duty, Cess, meter rent, Capacitor surcharge, Rebate allowed, others, if any
- (o) Arrear Electricity Charges.
- (p) Delayed Payment Surcharge
- (q) Due date of payment
- (r) Authority in whose favor cheque/Bank draft is to be issued. (To be printed on reverse of the bill)

High Tension Connection Bill

- (a) Name and address of the consumer
- (b) Service Connection Number
- (c) Name, address and telephone number of the distribution center
- (d) Date of issue of bill
- (e) Period of Bill

- (f) Tariff category
 - (g) Meter number and make
 - (h) Multiplying factor
 - (i) Contracted maximum demand
 - (j) Previous month readings
 - (k) Present month readings
 - (l) Power factor
 - (m) Units consumed
 - (n) Current month's charges - Energy Charges, demand charges, Minimum Charges, Fuel Price and Power Cost Adjustment (FPPCA) Charges, Electricity Duty, Cess, meter rent, Power factor surcharge, Rebate allowed, others, if any
 - (o) Arrear electricity charges
 - (p) Delay payment charges
 - (q) Due date of payment
 - (r) Authority in whose favor cheque/Bank draft is to be issued. (To be printed on reverse of the bill)
- (21) The following details would also need to be provided to the consumer as an attachment to the bills or printed on the reverse of the bill:-
- (a) Names(s)/address (es) and telephone no.(s) of collection centres
 - (b) Working hours for collection of bills.
 - (c) Designation(s), address (es) and telephone no.(s) of the authority with whom complaints pertaining to bills, meter, meter reading etc. can be lodged
 - (d) Address (es) and telephone no.(s) of Consumer Grievance Redressal Forum.
 - (e) Names of the concerned fuse call centre.
 - (f) Any other message that the Licensee may like to give.
- (22) In case the licensee is unable to supply power for a period of 10 days (each day shall consist of power cut from 00 hours to 24 hours) or more in a calendar month to a consumer who is not otherwise disconnected the licensee shall charge the consumer in the following manner:
- (a) Energy charges shall be on the basis of actual meter reading recorded in the energy meter.
 - (b) Other charges shall be prorated on the basis of the number of days, power was provided to the consumer.
- (23) The licensee shall make arrangements to provide guidance and information to any consumer on telephone and for this purpose shall set-up call center(s). All urban areas may be brought under this facility in the first phase and rural areas

thereafter. Details of payment status, arrear status, authorized load, contract demand etc may be provided to the consumer if he discloses his connection number and address.

8.2 Special Reading of Meters in cases of Change of Occupancy / Vacation of Premises for Domestic Consumers

- (1) It shall be the responsibility of the owner / consumer to get his connection disconnected and get a special reading done by the licensee at the time of change of occupancy or on the premises falling vacant.
- (2) The owner/user of the connection shall make a request in writing to the licensee for disconnection and special reading of meter at least 15 days in advance of the proposed date of vacation of the premises or change of the occupancy, as the case may be. The Licensee may however, accept a notice of shorter period. The Licensee shall dispose of the same as specified in Standards of Performance of Distribution Licensee Regulation from the date of receipt of such application.
- (3) The Licensee shall get the special reading of meter done and deliver the final bill, including all arrears till the date of billing, at least 7 days before the vacation of the premises. The final bill shall also include payment for the period between the date of special reading and date of vacancy of premises on pro-rata basis.
- (4) Once the final bill is raised, the licensee shall not have any right to recover any charge(s), other than those in the final bill, for any period prior to the date of such bill. It will be responsibility of the consumer/owner to make the payment and on receipt of payment Licensee shall issue no dues certificate.

CHAPTER - 9:

DISCONNECTION DUE TO NON PAYMENT OF BILL AND RESTORATION OF SERVICE

9.1 Disconnection due to non-payment of bill amount

Where a person neglects to pay any charge for electricity or any other sum due from him to a Licensee, by the due date mentioned in the bill, in respect of supply, transmission or distribution or wheeling of electricity to him, the licensee may, after giving not less than fifteen (15) clear days notice in writing to such person, without prejudice to his rights to recover such charge or other sum due by suit, cut off supply of electricity, until such charge or other sum, together with any expenses incurred by him in cutting off and reconnecting the supply, are paid.

9.2 Disconnection on other reasons:

The licensee may also disconnect power supply to a consumer on any of the following grounds after serving proper notice as per Annexure - 3

- (1) At the request of consumer
- (2) Mandated the Licensee to do so by a person with legal authority to issue such notice.
- (3) Entitled the Licensee to do so under an agreement with the consumer.

- (4) The Licensee reasonably believes that the consumer has contravened any of the provisions of this code, which entitle the Licensee to disconnect the supply.
- (5) If the Licensee reasonably believes that failure to disconnect may or likely to cause a health hazard or safety risk or damage to property or to the consumer or to any other person; such as excessive leakage current as provided under 49 of the I.E. Rules, 1956.
- (6) If the Licensee reasonably believes that the consumers installation does not satisfy the applicable rules or any other reasonable requirements prescribed by the Licensee.
- (7) If the security deposit provided by the consumer has become insufficient or the consumer has to provide additional security deposit, which the consumer has failed to deposit within time limit prescribed.
- (8) If default in payment or detection of theft of electricity under Regulation 10.3 (e)(i) and Regulation 10.5 (a) (vii) respectively supply will be disconnected immediately without giving notice.
- (9) For not providing access to the Licensee or its authorized representative under Regulation 4.12 (4).
- (10) Where any consumer having more than one connection defaults in payment of dues relating to one of the connections.

9.3 Restoration of Power Supply:

- (a) A connection, which is disconnected permanently, shall not be reconnected and the consumer shall have to apply for a new connection.
- (b) In case of temporary disconnection, supply shall be restored after the cause of disconnection has been removed.
- (c) If the disconnection was on account of non-payment of bill, and in case the consumer requests for reconnection within a period of six months after disconnection, the connection shall be reconnected within 5 days as specified in the Standards of Performance of Distribution Licensee regulations on an application by the consumer accompanied with a copy of the receipt for payment of dues and reconnection charges.
- (d) If payment is made by Cheque (other than Banker's Cheque) supply may be reconnected after realization of the cheque.
- (e) In other cases, the applicant shall apply for reconnection after removal of the causes along with
 - (i) Receipt of payment of disconnection / reconnection fee.
 - (ii) Test report by a Licensed Electrical Contractor.
 - (iii) Documentary evidence of removal of cause for disconnection under Regulation 9.2 above.

The Licensee shall inspect the premises on intimation of removal of cause of disconnection by the consumer and if he is satisfied that the cause of disconnection has been removed, the supply shall be reconnected as specified in Standards of Performance of Distribution Licensee Regulations.

CHAPTER -10:

UNAUTHORISED USE OF ELECTRICITY AND THEFT OF ELECTRICITY

10.1 Unauthorized Use of Electricity

(1) The following acts on the part of consumer are to be considered as unauthorized use of electricity for the purpose of assessment under the provisions of Section 126 of the Act;

- (i) Use of electricity by any artificial means; or
- (ii) Unauthorized use of electricity by means without the permission of the concerned person or authority or licensee; or
- (iii) Use of electricity through a tampered meter; or
- (iv) Use of electricity for the purpose other than for which the supply of electricity was given; or
- (v) Use of electricity for the premises or areas other than those for which the supply of electricity was authorized
- (vi) Use of Electricity in the premises where supply is disconnected by the licensee.

(2) The following acts on the part of the consumer shall also be considered as unauthorized use of electricity and shall also be dealt with for assessment under the provisions of Section 126 of the Act;

- (i) Increase in connected or contracted load in excess of the sanctioned load as per the agreement;
- (ii) Extension of power supply beyond the permitted area of use as in the agreement;
- (iii) Shifting of location of meter or unauthorized alterations in the installation;
- (iv) Disconnection of neutral; or
- (v) Tampering with meter or equipments associated with metering provided by the licensee and not reported to the licensee.

10.2 Authorized officer of Licensee

The licensee shall publish the list of authorized officers for various areas / divisions / districts to conduct inspections and issue identification cards to such authorised officers to enable easy identification by the consumers.

10.3 Procedure for Inspection, Provisional Assessment, Hearing and Final Assessment in case of unauthorized use of electricity

(a) Inspection

- (i) Assessing Officer as appointed by the appropriate Government under Section 126 of the Act on receipt of reliable information of unauthorized use of electricity, promptly conduct inspection and search of place or premises where unauthorized use occurred with due diligence.
- (ii) The Assessing Officer, if required to do so, shall produce his Photo identity card to the Consumer / person in occupation or possession or in charge of the place or premises before entering the premises. Persons accompanying the Assessing officer shall also carry their photo Identity Cards.
- (iii) The access to premises shall be in accordance to Regulation 4.12 of these regulations and the occupant of the place or premises of inspection or any person on his behalf shall remain present during the inspection.
- (iv) An inspection report shall be prepared at site giving details of connected load, condition and details of old seals and resealing done, working of meter, details of new seals, etc. The report shall mention specific irregularity noticed which has lead to indulgence of unauthorized use of electricity in the format given in Annexure-4.
- (v) The report shall clearly indicate whether or not conclusive evidence substantiating the fact that Unauthorized Use of Electricity was found. The details of such evidence should be recorded in the report. The report shall be signed by the Assessing officer and a copy of the report shall be served on the person in occupation or possession or in charge of the place or premises as per regulation 11.3 below.
- (vi) Within 3 working days of the date of inspection, the Assessing Officer shall analyze the case after carefully considering all the evidence including the consumption pattern wherever available. If it is concluded that no unauthorized use of electricity has taken place, no further action shall be taken.

(b) Provisional Assessment and Notice to the Consumer

- (i) If the Assessing Officer comes to the conclusion that Unauthorized Use of Electricity has been taken place in the premises, he will serve a provisional assessment order upon the consumer / person in occupation or in-charge of the premises under proper receipt, giving 7 days time for filing objections, if any, against the Provisional Assessment Order and fixing a date of hearing. The

assessment shall be done as per guidelines provided in Annexure-7 appended to these regulations.

- (ii) Any person served with the order of provisional assessment may accept such assessment and deposit the assessed amount with the Licensee within seven days of service of such provisional assessment order served upon him. Such payment made shall be subject to the final order to be passed by the competent authority.

(c) Hearing & Final Assessment

- (i) On the date of hearing, the Assessing Officer shall hear the consumer / person in occupation or possession or in-charge of the place or premises. The Assessing Officer shall give due consideration to the facts submitted by such person and pass, within 7 working days, a speaking order as to whether the case of Unauthorised Use of Electricity is established or not. The order shall contain the brief of inspection report, submissions made by such person in his written reply and also during hearing.
- (ii) A copy of the order shall be served to such person under proper acknowledgment and in accordance with regulation 11.3 below.
- (iii) If the assessing officer reaches to the conclusion that unauthorized use of electricity has taken place, the assessment shall be made for the entire period during which such unauthorized use of electricity has taken place and if, however, the period during which such unauthorized use of electricity has taken place cannot be ascertained, such period shall be limited to a period of twelve months immediately preceding the date of inspection.
- (iv) The assessment under (iii) above shall be made at a rate equal to twice the tariff applicable for the relevant category of service.

(d) Appeal to Appellate Authority Against the Final Assessment

- (i) Any person aggrieved by a final order made under Regulation 10.3(c) above, may, within thirty (30) days of the said order, prefer an appeal to the Appellate Authority designated by the Commission.
- (ii) No appeal against the order of assessment under Regulation (i) above shall be entertained unless the Consumer / person deposits one half of the amount assessed by the Assessing Officer in cash or by way of bank draft with the licensee and encloses documentary proof of such deposit.
- (iii) The licensee shall not take any action for recovery of assessed amount within the period of thirty (30) days, mentioned in Regulation (d)(i) above, where the

assessed consumer / person intimates the Assessing Officer, of his intention of filing an appeal to the appellate authority.

(e) Default in Payment of Assessed Amount or Instalments thereof

- (i) In case of default in payment of the assessed amount or any installment granted or agreed by the competent authority, the Licensee shall, after, giving a 15 days notice in writing, disconnect the supply of electricity, by any suitable means such as disconnection from pole/ transformer, removing meter, electric line, electric plant and other apparatus, as the case may require. The reconnection shall be carried out as per the provisions of reconnection laid down in Regulation 9.3 of these regulations:
- (ii) When a consumer / person defaults in making payment of assessed amount, he shall be liable to pay an amount of interest at the rate of 16% (sixteen percent) per annum with effect from the date of expiry of 30 days from the date of order of assessment, in addition to the assessed amount, compounded every six months.

10.4 Theft of Electricity

Theft of electricity has been defined in Section 135 of the Act.

10.5 Procedure to be adopted by licensee for Inspection, Provisional Assessment, Hearing and Final assessment in case of theft of electricity.

(a) Inspection

- (i) The officer as authorized by the appropriate Government *suo-motu* or on receipt of reliable information regarding theft of electricity, shall promptly conduct inspection and search such premises.
- (ii) The Authorized Officer shall, if required, produce photo ID card to the consumer / person in occupation or possession or in charge of the premises or place. Photo ID card shall be carried by all those persons who accompany the authorized officer.
- (iii) The provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973, relating to search and seizure shall also apply, to searches and seizure under these regulations.
- (iv) A list of all items seized in course of search shall be prepared and signed by all consumers / persons present during the search and seizure. The occupant of the place or premises or any person on his behalf shall remain present during the inspection.
- (v) In all cases of inspection, a report shall be prepared at site giving details of connected load, condition and details of old seals, working of meter, details of

new seals and clearly mention any irregularity noticed which may lead to theft of electricity in the format given in Annexure-5. The Authorized Officer shall carry seals for this purpose. Any damage/ destruction to the electric meter, metering equipments, apparatus, line, cable or electrical plant of the licensee caused or allowed to be caused by the consumer / person so as to interfere with the proper or accurate metering of electricity or for theft of electricity shall also be duly recorded in the report. The Authorized officer shall also prepare a diagram illustrating the arrangements found during inspection for theft of electricity, wherever feasible and such diagram shall form a part of inspection report.

- (vi) The report shall clearly indicate whether a prima-facie case for theft of electricity has been established. The report shall be signed by the authorized officer and a copy of report served to the occupant of the premises or his / her representative at site immediately as per regulation 11.3 below.
- (vii) The authorized officer upon detection of such theft of electricity disconnects the supply of electricity immediately.
- (viii) As per the provisions of the Act, the authorized officer shall lodge a complaint in writing relating to committing of offence in police station having jurisdiction within twenty-four hours from the time of detection of theft of energy and disconnection of supply of electricity to the premises.

(b) Provisional Assessment and Notice to the Consumer

- (i) After the Authorized Officer comes to the conclusion that theft of Electricity has taken place in the premises (as defined under Section 135 of the Act), he shall serve a provisional assessment order upon the person in occupation or in-charge of the premises, giving 7 days time under proper receipt, for filing objections, if any, against the Provisional Assessment Order and fixing a date of hearing. The assessment shall be done as per guidelines provided in Annexure-7 and a notice shall be issued in the format at Annexure - 6, appended to these regulations.
- (ii) Any consumer / person served with the order of provisional assessment shall accept such assessment and deposit the assessed amount with the Licensee within seven days of service of such provisional assessment order upon him.

(c) Hearing & Final Assessment

- (i) On the date of hearing, the Assessing Officer shall hear to the consumer / person in occupation or possession or in-charge of the place or premises. The Assessing Officer shall give due consideration to the facts submitted by such

consumer / person and pass, within 7 working days, a speaking order. The order shall contain the brief of inspection report, submissions made by such consumer / person in his written reply, and during hearing.

A copy of the order shall be served to such consumer / person under proper receipt, and in case of refusal to accept the order or in absence of such person, shall be served on him under Registered Post / Speed Post / Courier post. The consumer / person in occupation or possession or in charge of the place or premises shall be required to make the payment within 15 days of receipt of final assessment order.

If the assessing officer reaches to the conclusion that the theft of electricity has taken place, the assessment shall be made for the entire period during which such theft of electricity has taken place and if, however, the period during which such theft of electricity has taken place cannot be ascertained, such period shall be limited to a period of twelve months immediately preceding the date of inspection.

The assessment under (iii) above shall be made at a rate equal to three times the tariff applicable for the relevant category of service.

The licensee on deposit or payment of the assessed amount or electricity charges in accordance with complaint as referred to in the sub Regulation 10.5 (b), restore the supply of electricity as per the provision of reconnection laid down in Regulation 9.3 above.

10.6 Tampering or damage to electrical plant lines or meter

If the electrical plant, lines or meter or any other equipment of the licensee placed in the consumer premises is found tampered or damaged, the licensee shall be entitled to recover the expenses incurred, for restoration of such plant, line, meter or equipment, without prejudice to his right to take action under appropriate provisions of the Act, including disconnection of supply for non-payment of the cost for replacement / rectification, and action for theft or unauthorized use, as the case may be.

10.7 Measures to prevent diversion of electricity, theft or unauthorized use of electricity or tampering or damage to electrical plant, electric lines or meter.

The licensee shall take all necessary measures to prevent diversion of electricity, theft or unauthorized use of electricity or tampering or damage to electrical plants, electrical lines, equipments or meter.

The licensees shall take the following steps:

- (1) To provide pilfer proof meter boxes on meters.
- (2) Review the status of service lines, ensure replacement of defective lines to prevent theft/ by passing of meter.

- (3) Regular inspection of premises of consumer / persons - At least 5% of total connections category wise should be inspected monthly to enable implementation of provisions of the section 126 & 135, of the Act. Priority shall be given to inspections in theft prone areas.
- (4) Regular monthly monitoring of consumption of high value consumer, which shall include all the HT connections and LT connections having contract demand of 25HP & above and arrange prompt inspection of doubtful cases. A system shall be evolved and put in place within 3 months and furnish the detail of such system to the Commission for its approval / commission.
- (5) Work out all 33KV, 22 KV & 11 KV feeder wise losses in next six months. Losses for all 33KV, 22 KV & 11 KV feeders of the whole state shall be worked out within next one year.
- (6) Install remote metering devices on all HT and high value LT connections on priority for the purpose of monitoring of consumption and prevention of theft of electricity.
- (7) Wide publicity through the media, TV and newspaper to bring awareness amongst consumers about the level of commercial losses, and their effect on the honest consumers.
- (8) Seek the cooperation of social and consumer groups, NGO's for prevention of theft or unauthorized use of electricity or tampering or damage to electrical plant, electric lines or meter through independent agencies, and creation of such groups feeder-wise.
- (9) Display boards containing the provisions of penalties, fines and other information about the above at its consumer service related offices, and other important places.
- (10) Display feeder-wise, area-wise, circle-wise, division-wise losses, efforts made for prevention of diversion of electricity, theft or unauthorized use of electricity or tampering or damage to electrical plant, electric lines or meter and results obtained during the year, on its website.
- (11) Install meters on distribution transformers in the suspected area (s) where the possibilities of theft of electricity exist and monitor the consumption of such meters with the consumption of individual consumer meters connected to the distribution transformer, and inspect the abnormalities.
- (12) Replace overhead bare conductors with cables in theft prone areas, wherever necessary, to prevent theft by direct hooking with the licensee's lines and expenditure on this account shall be a pass through in the ARR of the licensee.

- (13) Provide HV distribution system (LT less system) in theft prone areas using small capacity distribution transformer, wherever necessary, to prevent theft by direct hooking and expenditure on this account shall be a pass through in the ARR of the licensee.
- (14) Relocate the meters of existing consumers to an appropriate location so that it is outside the premises but within the boundary wall and easily accessible for reading, inspection/ testing and other related works. In doubtful cases and where continuous vigil is not possible, install meter for such connection on its poles / feeders pillars with display unit at consumer premises. The consumption recorded in consumer meters should be reconciled with the reading of meter installed at concerned sub stations/ distribution transformer.
- (15) Ensure that meter readers are rotated in such a manner that their area of meter reading is changed at least once in six months.
- (16) Maintain list of cases where theft of electricity has been detected clearly indicating the cases where first Offence or subsequent offence(s) of the theft has been detected – Action taken as per provision of the Act.
- (17) Monitor cases of theft and submission of abstract reports to the Commission in respect of recovery of assessed amount and bills issued.

10.8 Voluntary Declaration of Tampered meters

In case a consumer comes forward and voluntarily declares tampering of meter and/or seals:

- (a) The tampered meter shall be replaced with a new meter by the Licensee/consumer, as the case may be, immediately and the Licensee shall raise the assessment bill at normal tariff for the period of last 3 months for domestic and agriculture, and 6 months for all other consumers reckoned from date of declaration.
- (b) The energy bill, for the period the meter is not replaced, shall be sent as per the procedure for defective meters.
- (c) No case shall be lodged in the case of a consumer who voluntarily declares the tampered meter and pays the requisite charges in time.
- (d) In case of default in payment, the procedure for booking the case of consumer shall be followed.

10.9 Assessment Bill

While making the assessment bill, the Licensee shall give credit to the consumer for the payments for energy consumption already made by the consumer for the period of the assessment. The assessed bill shall be prepared after excluding the payment for energy consumption already made by the consumer. The bill shall clearly indicate the timing, days and place where it is to be deposited.

10.10 Offences and penalties in respect of supply of electricity has been dealt in detail under section 135 to 152 of the Electricity Act, 2003 as amended from time to time, which shall be binding on both the licensee and the consumer or the person concerned.

CHAPTER -11: MISCELLANEOUS

11.1 Force Majeure and Restrictions on Supply of Power

The Licensee may direct the consumer to curtail, stagger or altogether stop using supply in any of the following conditions and the consumer shall not be liable for any claim or compensation on account of loss or damage arising out of failure of supply in such conditions;

- (i) when such failure is due to cyclone, floods, storms or other occurrences beyond the licensee's control either directly or indirectly and due to war, mutiny, civil commotion, riot, strike, lockout, fire, flood, tempest, lightning, earthquake or other forced incidents such as break down of equipment, overhead lines and cables or causes beyond the control of the licensee.
- (ii) in the event of restriction on power supply imposed by the Commission under Section 23 of the Electricity Act, 2003.
- (iii) in case of a major breakdown in the supply system of the Licensee such as Grid Failure that warrants curtailment of load.

11.2 Other Codes and Regulations

Consumer shall ensure that new buildings, structures, additions, modifications and any other construction projects that the minimum clearances, required from existing supply lines of the Licensee are maintained. These minimum clearances are specified in the Indian Electricity Rules, 1956

11.3 Service of Notice

- (1) Service of any notice on the consumer may be effected either by delivering the notice to the consumer in person under proper receipt by an official of the Licensee or by dispatching the notice by registered post or Courier post or by publication in two largely circulated daily newspaper commonly read in the concerned locality. In the case of an individual consumer, service of notice to the consumer's spouse or his representative, and in the case of a firm, company or corporation, on the Managing Director, Director or Principal Officer or an authorized person of such a concern, shall be taken as sufficient service for the purposes of these regulations. E-mail facility shall also be additionally used without prejudice to the above, wherever possible by the licensee.
- (2) If a consumer refuses or avoids receiving the notice, the service may be effected by affixing the notice at a conspicuous place on the premises of the consumer, in the presence of two witnesses or by publication in two largely circulated daily

newspaper commonly read in the concerned locality, and in such cases an endorsement shall be made on the copy of the notice. This affixture or publication shall be deemed as sufficient for service of notice.

11.4 Terms and Conditions of Supply

Every licensee shall, modify and update the terms and conditions of supply and all circulars, orders and any other document or communication relating to the supply of electricity to consumers to make them consistent with these Regulations: under intimation to the Commission.

11.5 Power to amend:

The Commission may, at any time, vary, alter, modify or amend any provisions of these Regulations:

11.6 Power to Remove Difficulties

If any difficulty arises in giving effect to any of the provisions of these regulations or there is a dispute regarding interpretation of any provision, the matter may be referred to the Commission, who after consulting the parties effected, where considered necessary, may pass necessary orders to remove such difficulties or disputes of interpretation.

11.7 Savings

- (i) Nothing in these regulations shall be deemed to limit or otherwise restrict the inherent power of the Commission to make such orders as may be necessary to meet the ends of justice to the consumers at large.
- (ii) Nothing in these regulations shall bar the Commission from adopting in conformity with the provisions of the Act a procedure, which is at variance with any of the provisions of these regulations, if the Commission, in view of the special circumstances of a case or class of cases and for reasons, to be recorded in writing, deems it necessary or expedient for dealing with such a case or class of cases, based on merits.
- (iii) Nothing in these regulations shall, expressly or impliedly, bar the Commission in dealing with any matter or exercising any power under the Act for which regulations have not been framed, and the Commission shall deal with such matters, and in a manner it thinks fit.

J. S. SEHRAWAT, Secy.
[ADVT. III/4/218-I/10-Exty.]

Annexure - 1

Determination of Connected Load**Domestic Connection**

1. Name of the consumer : _____

2. Address : _____

3. Consumer Number (for existing connections) : _____

4. Electrical equipments proposed to be put to use : *(Please fill-up the following table to enable determination of the connected load. Normally the actual load of each item will be considered to determine the connected load at the premises. In case of non availability of the rated capacity of any item, the load shown below shall be considered.)*

| Item (1) | Load per item (Watts) (2) | No. (3) | Total load (Watts) (4=2X3) |
|---|---------------------------------|------------|----------------------------------|
| Bulb | As per actual rating | | |
| Tube light (Fluorescent) 4' | 40 | | |
| 2' | 20 | | |
| Fan | 60 | | |
| Tape-recorder/Music system | 25 | | |
| Television | | | |
| Colour | 100 | | |
| Black & White | 60 | | |
| Mixie | 60 | | |
| Refrigerator | 200 or actual | | |
| Cooler | 200 or actual | | |
| Heater (for cooking and water heating) | 1000 | | |
| Washing machine | 750 or as actual | | |
| Geyser | 1500 / 2000 or as actual | | |
| Microwave Oven 2000 | 2000 | | |
| Air Conditioner (1 ton/1.5 ton/2.0 ton) | 1500 / 2000 / 2250 | | |
| Split Air Conditioner 1.5 ton | 2250 | | |
| Computer | 100 | | |
| Printer | 150 | | |
| Water lifting Pump set | 375 or actual | | |

1941 46/10-25

| | | | |
|--|--------|--|--|
| Inverter to be used in case of power failure for own use | Nil | | |
| Spare plug points | | | |
| (a) 5 Amp | 100 W | | |
| (b) 15 Amp | 1000 W | | |
| Others - on Actuals | | | |
| | Totals | | |

Note:

- (a) $\frac{1}{3}$ rd of the total unused plugs incase of domestics and general purpose supply and 50% (half) of the plug points of the commercial category shall be counted for computing connected load.
- (b) Defective appliances like cooler, freeze, T.V., Iron, Oven, etc. which are not connected and not working shall not be taken into account.
- (c) In some domestic connections Geyser, Room Heater and Air-conditioner (without heater) are installed. The load of Geyser(s) and Room Heater(s) shall be accounted for billing for the month of December, January & February and the load of Air-conditioner(s) (without heater) shall be taken into account for the month of April to September. The load of Air-conditioner(s) with heater(s) shall be accounted as connected load for full year.
- (d) Any other item of load not included above shall be taken as per manufacturers rating.
- (e) Fraction of load in kW shall be taken as next higher whole number for the purpose of billing or as otherwise provided in the tariff order.
- (f) Assessed load may be upto 105% of the approved connected load.

Signature of the Consumer

Signature of the licensee's representative

Date: _____

Date: _____

Place : _____

Place : _____

Annexure – 2

Self Declaration of Connected Load

1. Name and address of the Consumer

2. Consumer No./ Account No.

3. Category of Consumer

4. Purpose of Supply

5. Details of Load Connected.

| Sl. No. | Name of Appliance | Load (W) | Nos. | Total load (kW/HP) |
|---------|-------------------|----------|------|-----------------------|
| (i) | | | | |
| (ii) | | | | |
| (iii) | | | | |
| (iv) | | | | |
| (v) | | | | |
| (vi) | | | | |
| (vii) | | | | |
| (viii) | | | | |
| (ix) | | | | |
| (x) | | | | |

Total Aggregate Load

Note: In case of HT/EHT the details of transformer installed and the Connected Load to be furnished

6. Sanctioned Load

7. Extra Load

Date

Signature of the Consumer

Annexure – 3

Intimation to Consumer after Temporary Disconnection of Supply

From

.....
.....
.....
.....

No. _____

Dated: _____

Reference: _____

Connection No. _____

Consumer Category _____

Contracted Load _____

This is to inform you that the supply to your service connection has been temporarily disconnected with effect from _____

due to following reasons: _____

You are requested to remove the cause (s) of disconnection and intimate this office at the earliest. You are also requested to pay sum of Rs. _____ towards, reconnection charges and * _____

If the cause of disconnection is not removed to the satisfaction of this office, your supply will be permanently disconnected.

Thanking you,

Yours faithfully

Name, Signature & Designation

* Mention if any other dues is to be deposited and also give break up of the total sum

Annexure – 4

INSPECTION REPORT

(Under Section 126 of the Act)

Sub Division:

I. Inspection notes of Sri _____ Dated _____ 200

Time of Inspection: Total time of inspection:

II. (a) Name and address

of the occupant of the place/premises

(b) Person present at the time of inspection:

Name

Signature

(i) _____

(ii) _____

(iii) _____

(iv) _____

III. (a) Any other person available at the
time of inspection and his / her
relationship with the occupant of
the place/premises:

(b) Any other departmental staff present:

IV.

1. Service Connection No.:

2. Distribution:

3. Nature of premises:

4. Category:

V. (a) Meter diagram indicating the seals position & their condition:

Location of the meter

Height of the meter

Impression on Seals

Impression on Seals

Before Inspection

After Inspection

VI (a) Meter Reading:

- (i) KWH
- (ii) KVA
- (iii) KVAH
- (iv) Power factor

(b) Status of Meter:

Running / Stop / Defective / Burnt

(c) CT / PT Connection details with phase sequence

VII Details of Connected Load

- 1. kW/HP
- 2. kW /HP
- 3. kW/HP
- 4.
- 5.
- 6.

In case of HT Transformer detail and connected load details are to be given separately

VIII Findings and Conclusion of the Inspecting Team

IX Signature of all members of the inspecting team and occupant of the premises or his representative.

Annexure – 5

INSPECTION / SEIZURE REPORT

(Under Section 135 of the Act)

Sub Division:

I. Inspection/Seizure notes of Sri _____ Dated _____ 200.

Time of Inspection/Seizure: Total time of inspection/Seizure:

II. (a) Name and address

of the occupant of the place/premises

(b) Person present at the

time of inspection /

Seizure:

Name

Signature

(i) -----

(ii) -----

(iii) -----

(iv) -----

III. (a) Any other person available at the
time of inspection and his / her
relationship with the occupant of
the place/premises:

(b) Any other departmental staff present:

IV.

1. Service Connection No., if any:

2. Distribution:

3. Nature of premises:

4. Category:

V. (a) Meter diagram indicating the seals position & their condition, if meter installed:

Location of the meter

Height of the meter

Impression on Seals

Impression on Seals

Before Inspection

After Inspection

VI (a) Meter Reading, if installed:

194/51/10-27

- (i) KWH
- (ii) KVAH
- (iii) KVAH
- (iv) kW
- (v) Power factor

(b) Status of Meter, if installed:

Running / Stop / Defective / Burnt

(c) CT / PT Connection details with phase sequence

VII Details of Connected Load

- 1. kW/HP
- 2. kW /HP
- 3. kW/HP
- 4.
- 5.
- 6.

In case of HT Transformer detail and connected load details are to be given separately

VIII List of items with full details seized during inspection/search

IX Findings and Conclusion of the Inspecting Team

X Signature of all members of the inspecting team and occupant of the premises or his representative.

Annexure – 6

Initial Assessment Notice

Memo No. Date
 Hours of issue
 Place

From : To :

Reference No.:

Dear Sir(s) / Madam,

This notice bill is being served on you, which has been assessed on the basis of the Clause 10.3 and 10.5 of JERC Electricity Supply Code Regulations, 2010.

Evidences revealed that you were directly or indirectly involved in the act of unauthorized use of electricity / theft of electricity for which your service connection was disconnected on as per Notice No.

A statement showing your involvement alongwith the assessment bill is enclosed herewith.

Unless the amount of the assessment bill along with the reconnection charges are received, the service connection shall not be reconnected.

Please note that Non-payment of the amount or the assessment bill shall be treated as arrears against you.

An appeal may be preferred by you against the amount of the assessment bill to the appellate authority, namely Please acknowledge receipt.

Thanking you,

Place:

Date:

Yours faithfully;

Signature and seal of authorized officer of licensee

Acknowledgement

I / We, Shri consumer No. Meter No. hereby
 acknowledge receipt of your assessment bill No. dated

Place :

Signature of consumer

Date :

Address

Annexure – 7

ASSESSMENT REPORT**1.1 Assessment of units Consumed****(1) In case of LT consumers:**

The quantity of units consumed per month shall be worked out in the manner prescribed

$$\text{Consumption per month} = \frac{A \times C \times D}{B}$$

B

Where

A is total connected load found at time of inspection

B is diversity factor

C is an average load factor

D is the number of hours in a month

For the assessment of energy consumed, the diversity factors and the average load factors for the various categories of consumers shall be taken as under.

Load Factor and Diversity Factor:

| Sr. No. | Category | Purpose | Diversity Factor | Load Factor |
|---------|---------------------------|---------------------------|------------------|--|
| 1 | Residential Consumers | Lighting and Fans | 2.5 | 30% |
| | | Heating appliances | 1.0 | 15% |
| | | Cooling appliances | | |
| | | Feb-Oct | 1.0 | 50% |
| | | Nov-Jan | 1.0 | NIL |
| 2 | Non-Residential Consumers | Lightening and Fans | 1.0 | 35% |
| | | Heating appliances | 1.0 | 50% |
| | | Cooling appliances | 1.0 | 40% |
| 3 | LT (Industrial) Consumers | Engineering Workshop | 1.5 | 30% for one Shift 50% for two Shift 70% for three Shift Each shift of eight hours |
| | | Power looms and Textile | | |
| | | (i) Looms & Textiles Load | 1.2 | 40% for one Shift 70% for two Shift Each Shift of 12 Hrs |
| | | (ii) Twisting M/c Load | 1.2 | 45% for one Shift 90% for two Shift Each Shift of 12 Hrs |
| | | Ice-cream Manufacturing | | |
| | | Feb-Oct | 1.0 | 80% |
| | | Nov-Jan | 1.0 | 60% |
| | | Ice-Factory | | |
| | | Feb-Oct | 1.0 | 80% |
| | | Nov-Jan | 1.0 | 40% |
| | | Cold Storage | | |
| | | Feb-Oct | 1.0 | 75% |
| | | Nov-Jan | 1.0 | 50% |

| | | | | |
|---|---|---------------------------------|-----|-----------------------------|
| | | Society Water Pumps | 1.0 | 25% |
| | | Cinema/Theaters | 1.5 | 60% |
| | | Floor Mills | 1.0 | 30% |
| | | Ginning & Pressing | 1.2 | 60% |
| | | Foundry | 1.5 | 50% |
| | | Plastic | 1.2 | 50% |
| | | Rubber | 1.2 | 50% |
| | | Mining, Quarry & Stone Crushing | 1.2 | 60% |
| | | Chemicals | 1.2 | 60% |
| | | Textile Processing Units | 1.2 | 70% |
| | | Diamond Industry | 1.5 | 50% for one shift of 12 Hrs |
| | | Others | 1.5 | 30% for one shift |
| | | | | 60% for two shift |
| | | | | 80% for three shift |
| | | | | Each shift of eight hours |
| 4 | Direct connection for any category | Agricultural category | 1.0 | 50% |
| | | Any other category | 1.0 | 100% |
| 5 | Agricultural consumers under Metered tariff | | 1.0 | 40% |
| 6 | Temporary Power Supply | | 1.0 | 50% |

(2) In case of HT consumers:

In case of HT consumers, the actual maximum demand shall be considered as equivalent to 75% of the total connected load of the consumer at the time of inspection subject to a minimum of the contracted demand and the energy consumption shall be as assessed as under:

$$\text{Assessed units per months} = M \times H \times C$$

Where M = Demand in KW (KVA \times PF)

H = Nos. of Hours in month

C = Load factor

| Category of HT consumers | Load Factor |
|----------------------------|-------------|
| Hotels | 65% |
| Large Commercial Complexes | 60% |
| Iron & Steels | 60% |
| Foundry | 60% |
| Steel Rolling Mills | 60% |
| Chemical Factory | 80% |
| Paper Mills | 85% |
| Textile | 75% |
| Cement | 70% |
| Fertilizers | 70% |
| Oil Mills | 70% |
| Solvents | 70% |
| Ginning and pressing | 60% |
| Engineering Goods | 50% |

| | | |
|---------------------------------|---------------|----------------|
| Ice | 75% | |
| Cold Storage | 75% | |
| Sugar & Khandsari | 60% | |
| Dairy | 75% | |
| Mining, Quarry & Stone Crushing | 50% | |
| Plastic & Rubber | 60% | |
| Cinema | 60% | |
| Oxygen | 80% | |
| Direct Connections | 100% | |
| Others | 8 Hours Shift | 12 Hours Shift |
| | 30% - 1 Shift | 45% - 1 Shift |
| | 60% - 2 Shift | 90% - 2 Shift |
| | 90% - 3 Shift | |

D = is the number of days during which unauthorise use of electricity has taken place and if, however, the period during which such unauthorise use of electricity has taken place cannot be ascertained such period shall be limited to a period of 12 months (365 days) immediately preceding the date of inspection.

H = is the average actual no. of hours per day the supply is made available on the feeder feeding the consumer or person as the case may be during the period.

1.2 Assessment in case of unauthorized use of electricity (UUE)

- (i) The consumption so assessed shall be charged at twice the rate per unit of the tariff applicable to the consumer category after adjusting the amount paid by the consumer / person for the energy consumption assessed for the assessment period if any. The amount billed at this rate shall not be taken into consideration for the purpose of computing consumer's liability to pay monthly / annually minimum charges, wherever applicable.
- (ii) If the connected load of the consumer is found in excess of load contracted, then the fixed charge or demand charge, as the case may be, shall also be charged at two times of the fixed charge or demand charge for the connected load minus charge or demand charge for the contracted load at the applicable tariff rate. Period for computation of this charge shall be as given at 'D' above.
- (iii) In cases where fixed monthly tariff exist, monthly assessment shall be made at twice the monthly rate.

1.3 For cases where usage of electricity is for other purpose than authorized.

- (i) If it is found at any time that the energy supplied is used for a purpose on which higher tariff is applicable, the total energy consumed in the previous twelve month from the date of detection shall be charged at twice the rate applicable for the category for which load was found to have been used. Provided if it is found at

any time that the energy supplied is used for a purpose on which lower tariff is applicable, it shall not be considered as UUE and no penal action will be taken.

- (ii) The calculations above are subject to the condition that metering of energy is healthy, else, the energy will be calculated as given in para 1.1 after adjusting the amount if any paid by the consumer / person for the energy consumption assessed for the assessment period.

(1.4) Assessment of Energy in cases of Theft / Pilferage.

- (i) Assessment of energy in the cases of theft / pilferage shall be done based on the formula in para 1.1 above as in unauthorized use. The 'A', 'B', 'C', 'D', 'M' and 'H' shall remain the same.
- (ii) Only for direct theft, 'C' shall be = 1.0 (100%)
- (iii) The consumption so assessed, shall be charged at three times the normal tariff applicable and payment made for energy consumption of the assessment period shall be adjusted.